

05750 <owd EX0-17: 4 ready
05750 <owd NUM-22: 30 since
05750 <owd DEU-34: 10 since
05750 <owd JER-28: 11 space
05750 <owd LEV-13: 57 still
05750 <owd 2KI -12: 3 still
05750 <owd 2KI -15: 4 still
05750 <owd 2KI -15: 35 still
05750 <owd JOB-2: 3 still
05750 <owd JOB-2: 9 still
05750 <owd PSA-49: 9 still
05750 <owd PSA-78: 32 still
05750 <owd PSA-84: 4 still
05750 <owd PSA-92: 14 still
05750 <owd PSA-139: 18 still
05750 <owd ECC-12: 9 still
05750 <owd ISA-5: 25 still
05750 <owd ISA-9: 12 still
05750 <owd ISA-9: 17 still
05750 <owd ISA-9: 21 still
05750 <owd ISA-10: 4 still
05750 <owd JER-31: 20 still
05750 <owd 2CH-34: 12 them
05750 <owd 2CH-34: 1 when
05750 <owd JOB-29: 5 when
05750 <owd GEN-43: 6 whether
05750 <owd EX0-4: 18 whether
05750 <owd GEN-8: 22 while
05750 <owd GEN-46: 29 while
05750 <owd 2SA-18: 14 while
05750 <owd JOB-27: 3 while
05750 <owd PSA-39: 1 while
05750 <owd PSA-104: 33 while

05750 <owd PSA-146: 2 whi l e
05750 <owd DAN-9: 20 whi l es
05750 <owd JOS-1: 11 wi thi n
05750 <owd ISA-21: 16 wi thi n
05750 <owd JER-28: 3 wi thi n
05750 <owd JER-28: 11 wi thi n
05750 <owd GEN-7: 4 yet
05750 <owd GEN-18: 22 yet
05750 <owd GEN-18: 29 yet
05750 <owd GEN-29: 7 yet
05750 <owd GEN-29: 9 yet
05750 <owd GEN-29: 27 yet
05750 <owd GEN-29: 30 yet
05750 <owd GEN-31: 14 yet
05750 <owd GEN-37: 5 yet
05750 <owd GEN-37: 8 yet
05750 <owd GEN-37: 9 yet
05750 <owd GEN-40: 13 yet
05750 <owd GEN-40: 19 yet
05750 <owd GEN-43: 6 yet
05750 <owd GEN-43: 27 yet
05750 <owd GEN-43: 28 yet
05750 <owd GEN-44: 14 yet
05750 <owd GEN-45: 3 yet
05750 <owd GEN-45: 6 yet
05750 <owd GEN-45: 11 yet
05750 <owd GEN-45: 26 yet
05750 <owd GEN-45: 28 yet
05750 <owd GEN-46: 30 yet
05750 <owd GEN-48: 7 yet
05750 <owd EX0-4: 18 yet
05750 <owd EX0-9: 17 yet
05750 <owd EX0-11: 1 yet

05750 <owd EX0-32: 32 yet
05750 <owd EX0-36: 3 yet
05750 <owd LEV-25: 51 yet
05750 <owd NUM-11: 33 yet
05750 <owd NUM-19: 13 yet
05750 <owd NUM-22: 15 yet
05750 <owd NUM-32: 14 yet
05750 <owd NUM-32: 15 yet
05750 <owd DEU-31: 27 yet
05750 <owd JOS-14: 11 yet
05750 <owd JUD-6: 24 yet
05750 <owd JUD-7: 4 yet
05750 <owd JUD-8: 20 yet
05750 <owd JUD-20: 28 yet
05750 <owd RUT-1: 11 yet
05750 <owd 1SA-3: 6 yet
05750 <owd 1SA-10: 22 yet
05750 <owd 1SA-13: 7 yet
05750 <owd 1SA-16: 11 yet
05750 <owd 1SA-20: 14 yet
05750 <owd 1SA-23: 4 yet
05750 <owd 2SA-1: 9 yet
05750 <owd 2SA-3: 35 yet
05750 <owd 2SA-5: 13 yet
05750 <owd 2SA-5: 22 yet
05750 <owd 2SA-6: 22 yet
05750 <owd 2SA-7: 19 yet
05750 <owd 2SA-9: 1 yet
05750 <owd 2SA-9: 3 yet
05750 <owd 2SA-9: 3 yet
05750 <owd 2SA-12: 22 yet
05750 <owd 2SA-18: 22 yet
05750 <owd 2SA-19: 35 yet

05750	<owd	2SA-21: 15	yet
05750	<owd	2SA-21: 20	yet
05750	<owd	1KI -1: 14	yet
05750	<owd	1KI -1: 22	yet
05750	<owd	1KI -1: 42	yet
05750	<owd	1KI -12: 2	yet
05750	<owd	1KI -12: 5	yet
05750	<owd	2KI -6: 33	yet
05750	<owd	2KI -14: 4	yet
05750	<owd	1CH-12: 1	yet
05750	<owd	1CH-14: 13	yet
05750	<owd	2CH-14: 7	yet
05750	<owd	2CH-18: 7	yet
05750	<owd	2CH-20: 33	yet
05750	<owd	2CH-27: 2	yet
05750	<owd	2CH-32: 16	yet
05750	<owd	EST-6: 14	yet
05750	<owd	JOB-6: 10	yet
05750	<owd	JOB-8: 12	yet
05750	<owd	JOB-29: 5	yet
05750	<owd	JOB-36: 2	yet
05750	<owd	PSA-37: 10	yet
05750	<owd	PSA-42: 5	yet
05750	<owd	PSA-42: 11	yet
05750	<owd	PSA-43: 5	yet
05750	<owd	PSA-78: 17	yet
05750	<owd	PSA-78: 30	yet
05750	<owd	PSA-141: 5	yet
05750	<owd	PR0-9: 9	yet
05750	<owd	PR0-11: 24	yet
05750	<owd	PR0-19: 19	yet
05750	<owd	PR0-31: 15	yet
05750	<owd	ECC-7: 28	yet

05750	<owd	ISA-6: 13	yet
05750	<owd	ISA-10: 25	yet
05750	<owd	ISA-10: 32	yet
05750	<owd	ISA-14: 1	yet
05750	<owd	ISA-28: 4	yet
05750	<owd	ISA-29: 17	yet
05750	<owd	ISA-56: 8	yet
05750	<owd	ISA-65: 24	yet
05750	<owd	JER-2: 9	yet
05750	<owd	JER-15: 9	yet
05750	<owd	JER-31: 5	yet
05750	<owd	JER-31: 23	yet
05750	<owd	JER-31: 39	yet
05750	<owd	JER-33: 1	yet
05750	<owd	JER-40: 5	yet
05750	<owd	JER-51: 33	yet
05750	<owd	LAM-4: 17	yet
05750	<owd	EZE-7: 13	yet
05750	<owd	EZE-20: 27	yet
05750	<owd	EZE-36: 37	yet
05750	<owd	DAN-10: 14	yet
05750	<owd	DAN-11: 2	yet
05750	<owd	DAN-11: 27	yet
05750	<owd	DAN-11: 35	yet
05750	<owd	HOS-1: 4	yet
05750	<owd	HOS-3: 1	yet
05750	<owd	HOS-11: 12	yet
05750	<owd	HOS-12: 9	yet
05750	<owd	AMO-4: 7	yet
05750	<owd	JON-3: 4	yet
05750	<owd	MIC-1: 15	yet
05750	<owd	MIC-6: 10	yet
05750	<owd	HAB-2: 3	yet

05750 <owd HAG-2: 6 yet
05750 <owd HAG-2: 19 yet
05750 <owd ZEC-1: 17 yet
05750 <owd ZEC-1: 17 yet
05750 <owd ZEC-1: 17 yet
05750 <owd ZEC-1: 17 yet
05750 <owd ZEC-8: 4 yet
05750 <owd ZEC-8: 20 yet
05750 <owd ZEC-11: 15 yet
05750 <owd ZEC-13: 3 yet
05750 <owd NUM-18: 22 henceforth
05750 <owd 2KI -5: 17 henceforth
05750 <owd GEN-48: 15 long
05750 <owd EX0-2: 3 longer
05750 <owd JUD-2: 14 longer
05750 <owd 2KI -6: 33 longer
05750 <owd JER-44: 22 longer
05750 <owd GEN-8: 12 more
05750 <owd GEN-8: 21 more
05750 <owd GEN-8: 21 more
05750 <owd GEN-9: 11 more
05750 <owd GEN-9: 11 more
05750 <owd GEN-9: 15 more
05750 <owd GEN-17: 5 more
05750 <owd GEN-32: 28 more
05750 <owd GEN-35: 10 more
05750 <owd GEN-37: 9 more
05750 <owd GEN-38: 26 more
05750 <owd EX0-9: 29 more
05750 <owd EX0-10: 29 more
05750 <owd EX0-14: 13 more
05750 <owd EX0-36: 6 more
05750 <owd LEV-17: 7 more

05750 <owd LEV-27: 20 more
05750 <owd NUM-8: 25 more
05750 <owd NUM-18: 5 more
05750 <owd DEU-3: 26 more
05750 <owd DEU-10: 16 more
05750 <owd DEU-17: 13 more
05750 <owd DEU-17: 16 more
05750 <owd DEU-18: 16 more
05750 <owd DEU-19: 9 more
05750 <owd DEU-19: 20 more
05750 <owd DEU-28: 68 more
05750 <owd DEU-31: 2 more
05750 <owd JOS-2: 11 more
05750 <owd JOS-5: 1 more
05750 <owd JOS-5: 12 more
05750 <owd JUD-18: 24 more
05750 <owd 1SA-1: 18 more
05750 <owd 1SA-18: 8 more
05750 <owd 1SA-26: 21 more
05750 <owd 1SA-27: 1 more
05750 <owd 2SA-2: 28 more
05750 <owd 2SA-5: 13 more
05750 <owd 2SA-7: 10 more
05750 <owd 2SA-7: 20 more
05750 <owd 2SA-10: 19 more
05750 <owd 2SA-19: 28 more
05750 <owd 2SA-19: 29 more
05750 <owd 2SA-19: 35 more
05750 <owd 2SA-21: 17 more
05750 <owd 1KI -10: 5 more
05750 <owd 1KI -10: 10 more
05750 <owd 2KI -2: 12 more
05750 <owd 2KI -2: 21 more

05750 <owd 2KI -4: 6 more
05750 <owd 2KI -24: 7 more
05750 <owd 1CH-14: 3 more
05750 <owd 1CH-14: 3 more
05750 <owd 1CH-17: 9 more
05750 <owd 1CH-19: 19 more
05750 <owd 2CH-9: 4 more
05750 <owd EST-2: 14 more
05750 <owd JOB-7: 10 more
05750 <owd JOB-7: 10 more
05750 <owd JOB-20: 9 more
05750 <owd JOB-24: 20 more
05750 <owd JOB-32: 15 more
05750 <owd JOB-32: 16 more
05750 <owd JOB-34: 23 more
05750 <owd PSA-74: 9 more
05750 <owd PSA-88: 5 more
05750 <owd PSA-103: 16 more
05750 <owd PSA-104: 35 more
05750 <owd PRO-31: 7 more
05750 <owd ECC-4: 13 more
05750 <owd ECC-9: 5 more
05750 <owd ECC-9: 6 more
05750 <owd I SA-1: 5 more
05750 <owd I SA-1: 13 more
05750 <owd I SA-2: 4 more
05750 <owd I SA-5: 4 more
05750 <owd I SA-10: 20 more
05750 <owd I SA-23: 10 more
05750 <owd I SA-23: 12 more
05750 <owd I SA-26: 21 more
05750 <owd I SA-30: 20 more
05750 <owd I SA-32: 5 more

05750 <owd ISA-54: 4 more
05750 <owd ISA-54: 9 more
05750 <owd ISA-60: 18 more
05750 <owd ISA-60: 19 more
05750 <owd ISA-60: 20 more
05750 <owd ISA-62: 4 more
05750 <owd ISA-62: 4 more
05750 <owd ISA-62: 8 more
05750 <owd ISA-65: 19 more
05750 <owd ISA-65: 20 more
05750 <owd JER-2: 31 more
05750 <owd JER-3: 16 more
05750 <owd JER-3: 16 more
05750 <owd JER-3: 17 more
05750 <owd JER-7: 32 more
05750 <owd JER-10: 20 more
05750 <owd JER-11: 19 more
05750 <owd JER-16: 14 more
05750 <owd JER-19: 6 more
05750 <owd JER-20: 9 more
05750 <owd JER-22: 10 more
05750 <owd JER-22: 11 more
05750 <owd JER-22: 12 more
05750 <owd JER-22: 30 more
05750 <owd JER-23: 4 more
05750 <owd JER-23: 7 more
05750 <owd JER-23: 36 more
05750 <owd JER-30: 8 more
05750 <owd JER-31: 29 more
05750 <owd JER-31: 34 more
05750 <owd JER-31: 34 more
05750 <owd JER-31: 40 more
05750 <owd JER-33: 24 more

05750 <owd JER-34: 10 more
05750 <owd JER-38: 9 more
05750 <owd JER-42: 18 more
05750 <owd JER-44: 26 more
05750 <owd JER-48: 2 more
05750 <owd JER-49: 7 more
05750 <owd JER-50: 39 more
05750 <owd JER-51: 44 more
05750 <owd EZE-5: 9 more
05750 <owd EZE-12: 23 more
05750 <owd EZE-12: 24 more
05750 <owd EZE-12: 25 more
05750 <owd EZE-12: 28 more
05750 <owd EZE-13: 21 more
05750 <owd EZE-13: 23 more
05750 <owd EZE-14: 11 more
05750 <owd EZE-14: 11 more
05750 <owd EZE-14: 21 more
05750 <owd EZE-16: 41 more
05750 <owd EZE-16: 42 more
05750 <owd EZE-16: 63 more
05750 <owd EZE-18: 3 more
05750 <owd EZE-19: 9 more
05750 <owd EZE-20: 39 more
05750 <owd EZE-21: 5 more
05750 <owd EZE-23: 27 more
05750 <owd EZE-24: 13 more
05750 <owd EZE-24: 27 more
05750 <owd EZE-26: 13 more
05750 <owd EZE-26: 14 more
05750 <owd EZE-28: 24 more
05750 <owd EZE-29: 15 more
05750 <owd EZE-29: 16 more

05750 <owd EZE-30: 13 more
05750 <owd EZE-32: 13 more
05750 <owd EZE-33: 22 more
05750 <owd EZE-34: 10 more
05750 <owd EZE-34: 22 more
05750 <owd EZE-34: 28 more
05750 <owd EZE-34: 29 more
05750 <owd EZE-34: 29 more
05750 <owd EZE-36: 12 more
05750 <owd EZE-36: 14 more
05750 <owd EZE-36: 14 more
05750 <owd EZE-36: 15 more
05750 <owd EZE-36: 15 more
05750 <owd EZE-36: 15 more
05750 <owd EZE-36: 30 more
05750 <owd EZE-37: 22 more
05750 <owd EZE-37: 22 more
05750 <owd EZE-37: 23 more
05750 <owd EZE-39: 7 more
05750 <owd EZE-39: 28 more
05750 <owd EZE-39: 29 more
05750 <owd EZE-43: 7 more
05750 <owd EZE-45: 8 more
05750 <owd DAN-7: 20 more
05750 <owd HOS-1: 6 more
05750 <owd HOS-2: 16 more
05750 <owd HOS-2: 17 more
05750 <owd HOS-14: 3 more
05750 <owd HOS-14: 8 more
05750 <owd JOE-2: 19 more
05750 <owd JOE-3: 17 more
05750 <owd AMO-5: 2 more
05750 <owd AMO-7: 8 more

05750 <owd AMO-7: 13 more
05750 <owd AMO-8: 2 more
05750 <owd AMO-9: 15 more
05750 <owd MI C-4: 3 more
05750 <owd MI C-5: 13 more
05750 <owd NAH-1: 12 more
05750 <owd NAH-1: 14 more
05750 <owd NAH-2: 13 more
05750 <owd ZEP-3: 15 more
05750 <owd ZEC-9: 8 more
05750 <owd ZEC-11: 6 more
05750 <owd ZEC-13: 2 more
05750 <owd ZEC-14: 11 more
05750 <owd ZEC-14: 21 more
05750 <owd MAL-2: 13 more
05750 <owd EXO-3: 15 moreover
05750 <owd 1SA-20: 3 moreover
05750 <owd 1CH-29: 3 moreover
05750 <owd 2CH-17: 6 moreover
05750 <owd ECC-3: 16 moreover
05750 <owd EZE-23: 38 moreover
05750 <owd JER-13: 27 once
05750 <owd GEN-4: 25 again
05750 <owd GEN-24: 20 again
05750 <owd GEN-29: 33 again
05750 <owd GEN-29: 34 again
05750 <owd GEN-29: 35 again
05750 <owd GEN-30: 7 again
05750 <owd GEN-30: 19 again
05750 <owd GEN-35: 9 again
05750 <owd GEN-38: 4 again
05750 <owd GEN-38: 5 again
05750 <owd DEU-13: 16 again

05750 <owd JUD-13: 8 agai n
05750 <owd JUD-13: 9 agai n
05750 <owd JUD-20: 25 agai n
05750 <owd RUT-1: 14 agai n
05750 <owd 2SA-3: 11 agai n
05750 <owd 2SA-3: 26 agai n
05750 <owd 2SA-6: 1 agai n
05750 <owd 2SA-12: 23 agai n
05750 <owd 2SA-14: 29 agai n
05750 <owd 2SA-21: 15 agai n
05750 <owd 2SA-21: 18 agai n
05750 <owd 2SA-21: 19 agai n
05750 <owd 1CH-14: 14 agai n
05750 <owd 1CH-20: 5 agai n
05750 <owd 1CH-20: 6 agai n
05750 <owd 2CH-13: 20 agai n
05750 <owd 2CH-28: 17 agai n
05750 <owd 2CH-34: 16 agai n
05750 <owd JOB-6: 29 agai n
05750 <owd JOB-14: 7 agai n
05750 <owd PRO-23: 35 agai n
05750 <owd I SA-49: 20 agai n
05750 <owd I SA-51: 22 agai n
05750 <owd JER-3: 1 agai n
05750 <owd JER-19: 11 agai n
05750 <owd JER-31: 4 agai n
05750 <owd JER-31: 4 agai n
05750 <owd JER-32: 15 agai n
05750 <owd JER-33: 10 agai n
05750 <owd JER-33: 12 agai n
05750 <owd JER-33: 13 agai n
05750 <owd EZE-5: 4 agai n
05750 <owd EZE-8: 6 agai n

05750 <owd EZE-8: 13 agai n
05750 <owd EZE-8: 15 agai n
05750 <owd EZE-26: 21 agai n
05750 <owd HOS-1: 6 agai n
05750 <owd AMO-8: 14 agai n
05750 <owd ZEC-2: 12 agai n
05750 <owd ZEC-12: 6 agai n
05750 <owd PSA-104: 33 bei ng
05750 <owd PSA-146: 2 bei ng
05750 <owd GEN-19: 12 besi des
05750 <owd 1KI -22: 7 besi des
05750 <owd 2CH-18: 6 besi des
05750 <owd JER-36: 32 besi des
05750 <owd DEU-4: 35 el se
05750 <owd DEU-4: 39 el se
05750 <owd 1KI -8: 60 el se
05750 <owd I SA-45: 5 el se
05750 <owd I SA-45: 6 el se
05750 <owd I SA-45: 14 el se
05750 <owd I SA-45: 18 el se
05750 <owd I SA-45: 21 el se
05750 <owd I SA-45: 22 el se
05750 <owd I SA-46: 9 el se
05750 <owd I SA-47: 8 el se
05750 <owd I SA-47: 10 el se
05750 <owd JOE-2: 27 el se
05750 <owd 1SA-10: 22 further
05750 <owd EST-9: 12 further
05750 <owd EXO-4: 6 furthermore

~~~~~

~~~~~


05750 EZE 005 009 And I will do <06213 +<asah > in thee that which <00834 +>aher > I have not done <06213 +<asah > , and whereunto <00834 +>aher > I will not do <06213 +<asah > any more <{05750} +<owd > the like <03644 +k@mow > , because <03282 +ya<an > of all <03605 +kol > thine abominations <08441 +tow<ebah > .

05750 NAH 001 012 Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > ; Though <00518 +>im > [they be] quiet <08003 +shalem > , and likewise <03651 +ken > many <07227 +rab > , yet thus <03651 +ken > shall they be cut <01494 +gazaz > down , when <03588 +kiy > he shall pass <05674 +<abar > through . Though I have afflicted <06031 +<anah > thee , I will afflict <06031 +<anah > thee no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > .

05750 NAH 001 014 And the LORD <03068 +Y@hovah > hath given a commandment <06680 +tsavah > concerning <05921 +<al > thee , [that] no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > of thy name <08034 +shem > be sown <02232 +zara< > : out of the house <01004 +bayith > of thy gods <00430 +>elohiym > will I cut <03772 +karath > off the graven <06459 +pecel > image and the molten <04541 +maccekah > image : I will make <07760 +suwm > thy grave <06913 +qeber > ; for thou art vile <07043 +qalal > .

05750 NAH 002 013 Behold <02205 +zaqen > , I [am] against <00413 +>el > thee , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > , and I will burn <01197 +ba<ar > her chariots <07393 +rekeb > in the smoke <06227 +<ashan > , and the sword <02719 +chereb > shall devour <00398 +>akal > thy young <03715 +k@phiyr > lions <03715 +k@phiyr > : and I will cut <03772 +karath > off thy prey <02964 +tereph > from the earth <00776 +>erets > , and the voice <06963 +qowl > of thy messengers <04397 +mal>ak > shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > be heard <08085 +shama< > .

05750 HAB 002 003 For the vision <02377 +chazown > [is] yet <{05750} +<owd > for an appointed <04150 +mow<ed > time , but at the end <07093 +qets > it shall speak <06315 +puwach > , and not lie <03576 +kazab > : though <00518 +>im > it tarry <04102 +mahahh > , wait <02442 +chakah > for it ; because <03588 +kiy > it will surely come <00935 +bow> > , it will not tarry <00309 +>achar > .

05750 ZEP 003 015 The LORD <03068 +Y@hovah > hath taken <05493 +cuwr > away <05493 +cuwr > thy judgments <04941 +mi shpat > , he hath cast <06437 +panah > out thine enemy <00341 +>oyeb > : the king <04428 +melek > of Israel <03478 +Yisra>el > , [even] the LORD <03068 +Y@hovah > , [is] in the midst <07130 +qereb > of thee : thou shalt not see <07200 +ra>ah > evil <07451 +ra< > any more <{05750} +<owd > .

05750 HAG 002 006 For thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > ; Yet <{05750} +<owd > once <00259 +>echad > , it [is] a little <04592 +m@<at > while , and I will shake <07493 +ra<ash > the heavens <08064 +shamayim > , and the earth <00776 +>erets > , and the sea <03220 +yam > , and the dry <02724 +charabah > [land] ;

05750 HAG 002 019 Is the seed <02233 +zera< > yet <{05750} +<owd > in the barn <04035 +m@guwrah > ? yea , as yet <05704 +<ad > the vine <01612 +gephen > , and the fig <08384 +t@>en > tree , and the pomegranate <07416 +rimmown > , and the olive <02132 +zayith > tree <06086 +<ets > , hath not brought <05375 +nasa> > forth <05375 +nasa> > : from this <02088 +zeh > day <03117 +yowm > will I bless <01288 +barak > [you] .

05750 ZEC 001 017 Cry <07121 +qara> > yet <05750 +<owd> > , saying <00559 +>amar > , Thus <03541 +koh> saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > ; My cities <05892 +<iyr> > through prosperity <02896 +towb > shall yet <05750 +<owd> > be spread <06327 +puwts > abroad <06527 +parat > ; and the LORD <03068 +Y@hovah > shall yet <05750 +<owd> > comfort <05162 +nacham > Zion <06726 +Tsiyown > , and shall yet <{05750}> +<owd> > choose <00977 +bachar > Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > .

05750 ZEC 001 017 Cry <07121 +qara> > yet <05750 +<owd> > , saying <00559 +>amar > , Thus <03541 +koh> saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > ; My cities <05892 +<iyr> > through prosperity <02896 +towb > shall yet <05750 +<owd> > be spread <06327 +puwts > abroad <06527 +parat > ; and the LORD <03068 +Y@hovah > shall yet <{05750}> +<owd> > comfort <05162 +nacham > Zion <06726 +Tsiyown > , and shall yet <05750 +<owd> > choose <00977 +bachar > Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > .

05750 ZEC 001 017 Cry <07121 +qara> > yet <05750 +<owd> > , saying <00559 +>amar > , Thus <03541 +koh> saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > ; My cities <05892 +<iyr> > through prosperity <02896 +towb > shall yet <{05750}> +<owd> > be spread <06327 +puwts > abroad <06527 +parat > ; and the LORD <03068 +Y@hovah > shall yet <05750 +<owd> > comfort <05162 +nacham > Zion <06726 +Tsiyown > , and shall yet <05750 +<owd> > choose <00977 +bachar > Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > .

05750 ZEC 001 017 Cry <07121 +qara> > yet <{05750}> +<owd> > , saying <00559 +>amar > , Thus <03541 +koh> saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > ; My cities <05892 +<iyr> > through prosperity <02896 +towb > shall yet <05750 +<owd> > be spread <06327 +puwts > abroad <06527 +parat > ; and the LORD <03068 +Y@hovah > shall yet <05750 +<owd> > comfort <05162 +nacham > Zion <06726 +Tsiyown > , and shall yet <05750 +<owd> > choose <00977 +bachar > Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > .

05750 ZEC 002 012 And the LORD <03068 +Y@hovah > shall inherit <05157 +nachal > Judah <03063 +Y@huwdah > his portion <02506 +cheleq > in the holy <06944 +qodesh > land <00127 +>adamah > , and shall choose <00977 +bachar > Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > > again <{05750}> +<owd> > .

05750 ZEC 008 004 Thus <03541 +koh> saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > ; There shall yet <{05750}> +<owd> > old <02205 +zaqen > men and old <02205 +zaqen > women dwell <03427 +yashab > in the streets <07339 +r@chob > of Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > , and every man <00376 +>iysh > with his staff <04938 +mish<enah > in his hand <03027 +yad > for very <07230 +rob > age <03117 +yowm > .

05750 ZEC 008 020 Thus <03541 +koh> saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > ; [It shall] yet <{05750}> +<owd> > [come to pass] , that there shall come <00935 +bow> > people <05971 +<am> > , and the inhabitants <03427 +yashab > of many <07227 +rab > cities <05892 +<iyr> > :

05750 ZEC 009 008 And I will encamp <02583 +chanah > about mine house <01004 +bayith > because of the army <04675 +matstsabah > , because of him that passeth <05674 +<abar> > by , and because of him that returneth <07725 +shuwb > : and no <03808 +lo> > oppressor <05065 +nagas > shall pass <05674 +<abar> > through

them any more <{05750} +<owd > : for now <06258 +<attah > have I
seen <07200 +<ra>ah > with mine eyes <05869 +<ayin > .

05750 ZEC 011 006 For I will no <03808 +<lo> > more <{05750}
+<owd > pity <02550 +<chamal > the inhabitants <03427 +<yashab >
of the land <00776 +>erets > , saith <05002 +<n@>um > the LORD
<03068 +<Y@>hovah > : but , lo , I will deliver <04672 +<matsa> >
the men <00120 +>adam > every <00376 +>iysh > one <00376 +>iysh
> into his neighbour s <07453 +<rea< > hand <03027 +<yad > , and
into the hand <03027 +<yad > of his king <04428 +<melek > : and
they shall smite <03807 +<kathath > the land <00776 +>erets > ,
and out of their hand <03027 +<yad > I will not deliver <05337
+<natsal > [them] .

05750 ZEC 011 015 . And the LORD <03068 +<Y@>hovah > said <00559
+>amar > unto me , Take <03947 +<laqach > unto thee yet <{05750}
+<owd > the instruments <03627 +<k@>liy > of a foolish <00196
+>eviliy > shepherd <07462 +<ra<ah > .

05750 ZEC 012 006 In that day <03117 +<yowm > will I make <07760
+<suwm > the governors <00441 +>alluwph > of Judah <03063
+<Y@>huwdah > like an hearth <03595 +<kiyowr > of fire <00784 +>esh
> among the wood <06086 +<ets > , and like a torch <03940
+<lappiyd > of fire <00784 +>esh > in a sheaf <05995 +<amiyr > ;
and they shall devour <00398 +>akal > all <03605 +<kol > the
people <05971 +<am > round <05439 +<cabiyyb > about <01157 +<b@<ad
> , on <05921 +<al > the right <03225 +<yamiyn > hand <03225
+<yamiyn > and on <05921 +<al > the left <08040 +<s@>mo>wl > : and
Jerusalem <03389 +<Y@>ruwshalaim > shall be inhabited <03427
+<yashab > again <{05750} +<owd > in her own place <08478
+<tachath > , [even] in Jerusalem <03389 +<Y@>ruwshalaim > .

05750 ZEC 013 002 And it shall come <01961 +<hayah > to pass in
that day <03117 +<yowm > , saith <05002 +<n@>um > the LORD <03068
+<Y@>hovah > of hosts <06635 +<tsaba> > , [that] I will cut
<03772 +<karath > off the names <08034 +<shem > of the idols
<06091 +<atsab > out of the land <00776 +>erets > , and they
shall no <03808 +<lo> > more <{05750} +<owd > be remembered
<02142 +<zakar > : and also <01571 +<gam > I will cause the
prophets <05030 +<nabiy> > and the unclean <02932 +<tum>ah >
spirit <07307 +<ruwach > to pass <05674 +<abar > out of the land
<00776 +>erets > .

05750 ZEC 013 003 And it shall come <01961 +<hayah > to pass , [
that] when <03588 +<kiy > any <00376 +>iysh > shall yet <{05750}
+<owd > prophesy <05197 +<nataph > , then his father <2> and his
mother <00517 +>em > that begat <03205 +<yalad > him shall say
<00559 +>amar > unto him , Thou shalt not live <02421 +<chayah > ;
for thou speakest <01696 +<dabar > lies <08267 +<sheqer > in the
name <08034 +<shem > of the LORD <03068 +<Y@>hovah > : and his
father <2> and his mother <00517 +>em > that begat <03205 +<yalad
> him shall thrust <01856 +<daqar > him through when he
prophesieth <05012 +<naba> > .

05750 ZEC 014 011 And [men] shall dwell <03427 +<yashab > in it
, and there shall be no <03808 +<lo> > more <{05750} +<owd >
utter destruction <02764 +<cherem > ; but Jerusalem <03389
+<Y@>ruwshalaim > shall be safely <00983 +<betach > inhabited
<03427 +<yashab > .

05750 ZEC 014 021 Yea , every <03605 +<kol > pot <05518 +<ciyr >
in Jerusalem <03389 +<Y@>ruwshalaim > and in Judah <03063
+<Y@>huwdah > shall be holiness <06944 +<qodesh > unto the LORD
<03068 +<Y@>hovah > of hosts <06635 +<tsaba> > : and all <03605
+<kol > they that sacrifice <02076 +<zabach > shall come <00935
+<bow> > and take <03947 +<laqach > of them , and see the <01310
12/8/2021

+bashal > therein : and in that day <03117 +yowm > there shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > the Canaanite <03669 +K@na<aniy > in the house <01004 +bayith > of the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > .

05750 MAL 002 013 And this have ye done <06213 +<asah > again <08145 +sheniy > , covering <03680 +kacah > the altar <04196 +mizbeach > of the LORD <03068 +Y@hovah > with tears <01832 +dim<ah > , with weeping <01065 +B@kiy > , and with crying <00603 +>anaqah > out , insomuch that he regardeth <06437 +panah > not the offering <04503 +minchah > any more <{05750} +<owd > , or receiveth <03947 +laqach > [it] with good <07522 +ratsown > will <07522 +ratsown > at your hand <03027 +yad > .

05750 EZE 036 015 Neither <03808 +lo> > will I cause [men] to hear <08085 +shama< > in thee the shame <03639 +k@limmah > of the heathen <01471 +gowy > any more <05750 +<owd > , neither <03808 +lo> > shalt thou bear <05375 +nasa> > the reproach <02781 +cherpah > of the people <05971 +<am > any more <{05750} +<owd > , neither <03808 +lo> > shalt thou cause thy nations <01471 +gowy > to fall <03782 +kashal > any more <05750 +<owd > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > .

05750 EZE 036 015 Neither <03808 +lo> > will I cause [men] to hear <08085 +shama< > in thee the shame <03639 +k@limmah > of the heathen <01471 +gowy > any more <{05750} +<owd > , neither <03808 +lo> > shalt thou bear <05375 +nasa> > the reproach <02781 +cherpah > of the people <05971 +<am > any more <05750 +<owd > , neither <03808 +lo> > shalt thou cause thy nations <01471 +gowy > to fall <03782 +kashal > any more <05750 +<owd > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > .

05750 EZE 036 030 And I will multiply <07235 +rabah > the fruit <06529 +p@riy > of the tree <06086 +<ets > , and the increase <08570 +t@nuwbah > of the field <07704 +sadeh > , that ye shall receive <03947 +laqach > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > reproach <02781 +cherpah > of famine <07458 +ra<ab > among the heathen <01471 +gowy > .

05750 EZE 036 037 Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > ; I will yet <{05750} +<owd > [for] this be enquired <01875 +darash > of by the house <01004 +bayith > of Israel <03478 +Yisra>el > , to do <06213 +<asah > [it] for them ; I will increase <07235 +rabah > them with men <00120 +>adam > like a flock <06629 +tso>n > .

05750 EZE 037 022 And I will make <06213 +<asah > them one <00259 +>echad > nation <01471 +gowy > in the land <00776 +>erets > upon the mountains <02022 +har > of Israel <03478 +Yisra>el > ; and one <00259 +>echad > king <04428 +melek > shall be king <04428 +melek > to them all <03605 +kol > : and they shall be no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > two <08147 +sh@nayim > nations <01471 +gowy > , neither <03808 +lo> > shall they be divided <02673 +chatsah > into two <08147 +sh@nayim > kingdoms <04467 +mamlakah > any more <{05750} +<owd > at all :

05750 EZE 037 022 And I will make <06213 +<asah > them one <00259 +>echad > nation <01471 +gowy > in the land <00776 +>erets > upon the mountains <02022 +har > of Israel <03478 +Yisra>el > ; and one <00259 +>echad > king <04428 +melek > shall be king <04428 +melek > to them all <03605 +kol > : and they shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > two <08147 +sh@nayim > nations <01471 +gowy > , neither <03808 +lo> > shall they be divided <02673 +chatsah > into two <08147 +sh@nayim >

kingdoms <04467 +mamlakah > any more <05750 +<owd > at all :

05750 EZE 037 023 Neither <03808 +lo> > shall they defile <02930 +tame> > themselves any more <{05750} +<owd > with their idols <01544 +gilluwil > , nor with their detestable <08251 +shiqquwts > things , nor with any <03605 +kol > of their transgressions <06588 +peshah > : but I will save <03467 +yasha > them out of all <03605 +kol > their dwellingplaces <04186 +mowshab > , wherein <00834 +>aher > they have sinned <02398 +chata > > , and will cleanse <02891 +tahir > them : so shall they be my people <05971 +<am > , and I will be their God <00430 +>elohiyim > .

05750 EZE 039 007 So will I make my holy <06944 +qodesh > name <08034 +shem > known <03045 +yada > in the midst <08432 +tavek > of my people <05971 +<am > Israel <03478 +Yisra>el > ; and I will not [let them] pollute <02490 +chalal > my holy <06944 +qodesh > name <08034 +shem > any more <{05750} +<owd > : and the heathen <01471 +gowy > shall know <03045 +yada > that I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > , the Holy <06918 +qadowsh > One in Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 EZE 039 028 Then shall they know <03045 +yada > that I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > their God <00430 +>elohiyim > , which caused them to be led into captivity <01473 +gowlah > among <00413 +>el > the heathen <01471 +gowy > : but I have gathered <03664 +kanac > them unto their own land <00127 +>adamah > , and have left <03498 +yathar > none <03808 +lo> > of them any more <{05750} +<owd > there <08033 +sham > .

05750 EZE 039 029 Neither <03808 +lo> > will I hide <05641 +cathar > my face <06440 +paniyim > any more <{05750} +<owd > from them : for I have poured <08210 +shaphak > out my spirit <07307 +ruwach > upon the house <01004 +bayith > of Israel <03478 +Yisra>el > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > .

05750 EZE 043 007 . And he said <00559 +>amar > unto me , Son <01121 +ben > of man <00120 +>adam > , the place <04725 +maqowm > of my throne <03678 +kicce > > , and the place <04725 +maqowm > of the soles <03709 +kaph > of my feet <07272 +regel > , where I will dwell <07931 +shakan > in the midst <08432 +tavek > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > for ever <05769 +<owlam > , and my holy <06944 +qodesh > name <08034 +shem > , shall the house <01004 +bayith > of Israel <03478 +Yisra>el > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > defile <02930 +tame > > , [neither] they , nor their kings <04428 +melek > , by their whoredom <02184 +z@nuwth > , nor by the carcasses <06297 +peger > of their kings <04428 +melek > in their high <01116 +bamah > places .

05750 EZE 045 008 In the land <00776 +>erets > shall be his possession <00272 +>achuzzah > in Israel <03478 +Yisra>el > : and my princes <05387 +nasiy > shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > oppress <03238 +yanah > my people <05971 +<am > ; and [the rest of] the land <00776 +>erets > shall they give <05414 +nathan > to the house <01004 +bayith > of Israel <03478 +Yisra>el > according to their tribes <07626 +shebet > .

05750 DAN 007 020 And of the ten <06236 +<asar > horns <07162 +qeren > that [were] in his head <07217 +re>sh > , and [of] the other <00317 +>ochoriy > which <01768 +diy > came <05559 +<eliq > up , and before whom <04479 +man > three <08532 +<elath > fell <05308 +<n@phal > ; even [of] that horn <07162 +qeren > that had eyes <05870 +<ayin > , and a mouth <06433 +pum > that spake <04449 +<m@lal > very <07260 +rabrab > great <07260 +rabrab > things , whose look <02376 +chezev > [was] more <{05750} >

+<owd > stout <07229 +rab > than <04481 +min > his fellows
<02273 +chabrah > .

05750 DAN 009 020 . And whiles <{05750} +<owd > I [was]
speaking <01696 +dabar > , and praying <06419 +palal > , and
confessing <03034 +yadah > my sin <02403 +chatta>ah > and the
sin <02403 +chatta>ah > of my people <05971 +<am > Israel <03478
+Yisra>el > , and presenting <05307 +naphal > my supplication
<08467 +t@chinnah > before <06440 +paniym > the LORD <03068
+Y@hovah > my God <00430 +>elohiym > for the holy <06944 +qodesh
> mountain <02022 +har > of my God <00430 +>elohiym > ;

05750 DAN 010 014 Now I am come <00935 +bow> > to make thee
understand <00995 +biyn > what shall befall <07136 +qarah > thy
people <05971 +<am > in the latter <00319 +>achariyth > days
<03117 +yowm > : for yet <{05750} +<owd > the vision <02377
+chazown > [is] for [many] days <03117 +yowm > .

05750 DAN 011 002 And now <06258 +<attah > will I shew <05046
+nagad > thee the truth <00571 +>emeth > . Behold <02009 +hinneh
> , there shall stand <05975 +<amad > up yet <{05750} +<owd >
three <07969 +shalowsh > kings <04428 +melek > in Persia <06539
+Parac > ; and the fourth <07243 +r@biy<iy > shall be far <01419
+gadowl > richer <06238 +<ashar > than [they] all <03605 +kol
> : and by his strength <02394 +chozqah > through his riches
<06239 +<osher > he shall stir <05782 +<uwr > up all <03605 +kol
> against the realm <04438 +malkuwth > of Grecia <03120 +Yavan >
.

05750 DAN 011 027 And both <08147 +sh@nayim > these kings <04428
+melek > hearts <03824 +lebab > [shall be] to do mischief
<04827 +mera< > , and they shall speak <01696 +dabar > lies
<03576 +kazab > at <05921 +<al > one <00259 +>echad > table
<07979 +shulchan > ; but it shall not prosper <06743 +tsalach > :
for yet <{05750} +<owd > the end <07093 +qets > [shall be] at
the time appointed <04150 +mow<ed > .

05750 DAN 011 035 And [some] of them of understanding <07919
+sakal > shall fall <03782 +kashal > , to try <06884 +tsaraph >
them , and to purge <01305 +barar > , and to make [them] white
<03835 +laban > , [even] to the time <06256 +<eth > of the end
<07093 +qets > : because [it is] yet <{05750} +<owd > for a
time appointed <04150 +mow<ed > .

05750 HOS 001 004 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto him , Call <07121 +qara> > his name <08034 +shem >
Jezreel <03157 +Yizr@<e>l > ; for yet <{05750} +<owd > a little
<04592 +m@<at > [while] , and I will avenge <06485 +paqad >
the blood <01818 +dam > of Jezreel <03157 +Yizr@<e>l > upon the
house <01004 +bayith > of Jehu <03058 +Yehuw> > , and will cause
to cease <07673 +shabath > the kingdom <04468 +mamlakuwth > of
the house <01004 +bayith > of Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 HOS 001 006 And she conceived <02030 +hareh > again <05750
+<owd > , and bare <03205 +yalad > a daughter <01323 +bath > .
And [God] said <00559 +>amar > unto him , Call <07121 +qara> >
her name <08034 +shem > Loruhamah <03819 +Lo> Ruchamah > : for I
will no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > have mercy <07355
+racham > upon the house <01004 +bayith > of Israel <03478
+Yisra>el > ; but I will utterly take <05375 +nasa> > them away .

05750 HOS 001 006 And she conceived <02030 +hareh > again
<{05750} +<owd > , and bare <03205 +yalad > a daughter <01323
+bath > . And [God] said <00559 +>amar > unto him , Call
<07121 +qara> > her name <08034 +shem > Loruhamah <03819 +Lo>
Ruchamah > : for I will no <03808 +lo> > more <05750 +<owd >
12/8/2021

have mercy <07355 +racham > upon the house <01004 +bayi th > of Israel <03478 +Yisra>el > ; but I will utterly take <05375 +nasa> > them away .

05750 HOS 002 016 And it shall be at that day <03117 +yowm > , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > , [that] thou shalt call <07121 +qara> > me Ishi <00376 +>iysh > ; and shalt call <07121 +qara> > me no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > Baali <01180 +Ba<aliy > .

05750 HOS 002 017 For I will take <05493 +cuwr > away <05493 +cuwr > the names <08034 +shem > of Baalim <01168 +Ba<al > out of her mouth <06310 +peh > , and they shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > be remembered <02142 +zakar > by their name <08034 +shem > .

05750 HOS 003 001 . Then said <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > unto me , Go <03212 +yalak > yet <{05750} +<owd > , Love <00157 +>ahab > a woman <00802 +>i shshah > beloved <00157 +>ahab > of [her] friend <07453 +rea< > , yet an adulteress <05003 +na>aph > , according to the love <00160 +>ahabah > of the LORD <03068 +Y@hovah > toward <00854 +>eth > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , who <01992 +hem > look <06437 +panah > to other <00312 +>acher > gods <00430 +>elohiy m > , and love <00157 +>ahab > flagons <00809 +>ashi yshah > of wine <06025 +<enab > .

05750 HOS 011 012 Ephraim <00669 +>Ephrayim > compasseth <05437 +cabab > me about with lies <03585 +kachash > , and the house <01004 +bayi th > of Israel <03478 +Yisra>el > with deceit <04820 +mirmah > : but Judah <03063 +Y@huwdah > yet <{05750} +<owd > ruleth <07300 +ruwd > with God <00430 +>elohiy m > , and is faithful <00539 +>aman > with the saints <06918 +qadowsh > .

05750 HOS 012 009 And I [that am] the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>elohiy m > from the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > will yet <{05750} +<owd > make thee to dwell <03427 +yashab > in tabernacles <00168 +>ohel > , as in the days <03117 +yowm > of the solemn <04150 +mow<ed > feast <04150 +mow<ed > .

05750 HOS 014 003 Asshur <00804 +>Ashshuwr > shall not save <03467 +yasha< > us ; we will not ride <07392 +rakab > upon horses <05483 +cuwc > : neither <03808 +lo> > will we say <00559 +>amar > any more <{05750} +<owd > to the work <04639 +ma<aseh > of our hands <03027 +yad > , [Ye are] our gods <00430 +>elohiy m > : for in thee the fatherless <03490 +yathowm > findeth mercy <07355 +racham > .

05750 HOS 014 008 . Ephraim <00669 +>Ephrayim > [shall say] , What <04100 +mah > have I to do anymore <{05750} +<owd > with idols <06091 +<atsab > ? I have heard <06030 +<anah > [him] , and observed <07789 +shuwr > him : I [am] like a green <07488 +ra<anan > fir <01265 +b@rowsh > tree . From me is thy fruit <06529 +p@riy > found <04672 +matsa> > .

05750 JOE 002 019 Yea , the LORD <03068 +Y@hovah > will answer <06030 +<anah > and say <00559 +>amar > unto his people <05971 +<am > , Behold <02005 +hen > , I will send <07971 +shalach > you corn <01715 +dagan > , and wine <08492 +tiyrowsh > , and oil <03323 +yitshar > , and ye shall be satisfied <07646 +saba< > therewith <00854 +>eth > : and I will no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > make <05414 +nathan > you a reproach <02781 +cherpah > among the heathen <01471 +gowy > :

05750 JOE 002 027 And ye shall know <03045 +yada< > that I [am

] in the midst <07130 +qereb > of Israel <03478 +Yisra>el > ,
and [that] I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430
+>elohiyim > , and none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > :
and my people <05971 +<am > shall never be ashamed <00954 +buwsh
> .

05750 JOE 003 017 So shall ye know <03045 +yada< > that I [am]
the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiyim > dwelling
<07931 +shakan > in Zion <06726 +Tsiyown > , my holy <06944
+qodesh > mountain <02022 +har > : then shall Jerusalem <03389
+Y@ruwshalaim > be holy <06944 +qodesh > , and there shall no
<03808 +lo> > strangers <02114 +zuwr > pass <05674 +<abar >
through her any more <{05750} +<owd > .

05750 AMO 004 007 And also <01571 +gam > I have withholden
<04513 +mana< > the rain <01653 +geshem > from you , when [
there were] yet <{05750} +<owd > three <07969 +shalowsh >
months <02320 +chodesh > to the harvest <07105 +qatsiyir > : and
I caused it to rain <04305 +matar > upon one <00259 +>echad >
city <05892 +<iyr > , and caused it not to rain <04305 +matar >
upon another <00259 +>echad > city <05892 +<iyr > : one <00259
+>echad > piece was rained <04305 +matar > upon , and the piece
whereupon it rained <04305 +matar > not withered <03001 +yabesh
> .

05750 AMO 005 002 The virgin <01330 +b@thuwlah > of Israel
<03478 +Yisra>el > is fallen <05307 +naphal > ; she shall no
<03808 +lo> > more <{05750} +<owd > rise <06965 +quwm > : she is
forsaken <05203 +natash > upon her land <00127 +>adamah > ; [
there is] none <00369 +>ayin > to raise <06965 +quwm > her up .

05750 AMO 007 008 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto me , Amos <05986 +<Amowc > , what <04100 +mah >
seest <07200 +ra>ah > thou ? And I said <00559 +>amar > , A
plumbline <00594 +>anak > . Then said <00559 +>amar > the Lord
<00136 +>Adonay > , Behold <02005 +hen > , I will set <07760
+suwm > a plumbline <00594 +>anak > in the midst <07130 +qereb >
of my people <05971 +<am > Israel <03478 +Yisra>el > : I will
not again <03254 +yacaph > pass <05674 +<abar > by them any more
<{05750} +<owd > :

05750 AMO 007 013 But prophesy <05012 +naba> > not again <03254
+yacaph > any more <{05750} +<owd > at Bethel <01008 +Beyth -
>El > : for it [is] the king s <04428 +melek > chapel <04720
+miqdash > , and it [is] the king s <04467 +mamlakah > court
<01004 +bayith > .

05750 AMO 008 002 And he said <00559 +>amar > , Amos <05986
+<Amowc > , what <04100 +mah > seest <07200 +ra>ah > thou ? And
I said <00559 +>amar > , A basket <03619 +k@lub > of summer
<07019 +qayits > fruit . Then said <00559 +>amar > the LORD
<03068 +Y@hovah > unto me , The end <07093 +gets > is come
<00935 +bow> > upon my people <05971 +<am > of Israel <03478
+Yisra>el > ; I will not again <03254 +yacaph > pass <05674
+<abar > by them any more <{05750} +<owd > .

05750 AMO 008 014 They that swear <07650 +shaba< > by the sin
<00819 +>ashmah > of Samaria <08111 +Shom@rown > , and say
<00559 +>amar > , Thy god <00430 +>elohiyim > , O Dan <01835 +Dan
> , liveth <02416 +chay > ; and , The manner <01870 +derek > of
Beersheba <00884 +B@>er Sheba< > liveth <02416 +chay > ; even
they shall fall <05307 +naphal > , and never <03808 +lo> > rise
<06965 +quwm > up again <{05750} +<owd > .

05750 AMO 009 015 And I will plant <05193 +nata< > them upon
their land <00127 +>adamah > , and they shall no <03808 +lo> >
12/8/2021

more <{05750} +<owd > be pulled <05428 +nathash > up out of their land <00127 +>adamah > which <00834 +>aher > I have given <05414 +nathan > them , saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>el ohi ym > .

05750 JONAH 003 004 And Jonah <03124 +Yonah > began <02490 +chalal > to enter <00935 +bow> > into the city <05892 +<iyr > a days <03117 +yowm > journey <04109 +mahalak > , and he cried <07121 +qara> > , and said <00559 +>amar > , Yet <{05750} +<owd > forty <00705 +>arba<iym > days <03117 +yowm > , and Ni neveh <05210 +Niyn@veh > shall be overthrown <02015 +haphak > .

05750 MIC 001 015 Yet <{05750} +<owd > will I bring <00935 +bow> > an heir <03423 +yarash > unto thee , O inhabitant <03427 +yashab > of Mareshah <04762 +Mar>eshah > : he shall come <00935 +bow> > unto Adullam <05725 +<Adullam > the glory <03519 +kabowd > of Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 MIC 004 003 And he shall judge <08199 +shaphat > among <00996 +beyn > many <07227 +rab > people <05971 +<am > , and rebuke <03198 +yakach > strong <06099 +<atsumm > nations <01471 +gowy > afar <07350 +rachowq > off ; and they shall beat <03807 +kathath > their swords <02719 +chereb > into plowshares <00855 +>eth > , and their spears <02595 +chaniyth > into pruninghooks <04211 +mazmerah > : nation <01471 +gowy > shall not lift <05375 +nasa> > up a sword <02719 +chereb > against <00413 +>el > nation <01471 +gowy > , neither <03808 +lo> > shall they learn <03925 +lamad > war <04421 +milchamah > any more <{05750} +<owd > > .

05750 MIC 005 013 Thy graven <06456 +p@ciyl > images <04676 +matstsebah > also will I cut <03772 +karath > off , and thy standing <04676 +matstsebah > images out of the midst <07130 +qereb > of thee ; and thou shalt no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > worship <07812 +shachah > the work <04639 +ma<aseh > of thine hands <03027 +yad > .

05750 ISA 062 008 The LORD <03068 +Y@hovah > hath sworn <07650 +shaba< > by his right <03225 +yami yn > hand <03225 +yami yn > , and by the arm <02220 +z@rowa< > of his strength <05797 +<oz > , Surely <00518 +>im > I will no <00518 +>im > more <{05750} +<owd > give <05414 +nathan > thy corn <01715 +dagan > [to be] meat <03978 +ma>akal > for thine enemies <00341 +>oyeb > ; and the sons <01121 +ben > of the stranger <05236 +nekar > shall not drink <08354 +shathah > thy wine <08492 +tiyrowsh > , for the which <00834 +>aher > thou hast laboured <03021 +yaga< > :

05750 GEN 004 025 . And Adam <00120 +>adam > knew <03045 +yada< > his wife <00802 +>ishshah > again <{05750} +<owd > ; and she bare <03205 +yalad > a son <01121 +ben > , and called <07121 +qara> > his name <08034 +shem > Seth <08352 +Sheth > : For God <00430 +>el ohi ym > , [said she] , hath appointed <07896 +shiyth > me another <00312 +>acher > seed <02233 +zera< > instead <08478 +tachath > of Abel <01893 +Hebel > , whom <03588 +kiy > Cain <07014 +Qayin > slew <02026 +harag > .

05750 GEN 007 004 For yet <{05750} +<owd > seven <07651 +sheba< > days <03117 +yowm > , and I will cause it to rain <04305 +matar > upon the earth <00776 +>erets > forty <00705 +>arba<iym > days <03117 +yowm > and forty <00705 +>arba<iym > nights <03915 +layil > ; and every <03605 +kol > living substance <03351 +y@quwm > that I have made <06213 +<asah > will I destroy <04229 +machah > from off <05921 +<al > the face <06440 +paniym > of the earth <00127 +>adamah > .

05750 GEN 008 012 And he stayed <03176 +yachal > yet other

<00312 +>acher > seven <07651 +sheba< > days <03117 +yowm > ;
 and sent <07971 +shalach > forth the dove <03123 +yownah > ;
 which returned <07725 +shuwb > not again <03254 +yacaph > unto
 him any <05750 +<owd > more <{05750} +<owd > .

05750 GEN 008 012 And he stayed <03176 +yachal > yet other
 <00312 +>acher > seven <07651 +sheba< > days <03117 +yowm > ;
 and sent <07971 +shalach > forth the dove <03123 +yownah > ;
 which returned <07725 +shuwb > not again <03254 +yacaph > unto
 him any <{05750} +<owd > more <05750 +<owd > .

05750 GEN 008 021 And the LORD <03068 +Y@hovah > smelled <07306
 +ruwach > a sweet <05207 +nichowach > savour <07381 +reyach > ;
 and the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > in his heart
 <03820 +leb > , I will not again <03254 +yacaph > curse <07043
 +qalal > the ground <00127 +>adamah > any <05750 +<owd > more
 <05750 +<owd > for man s <00120 +>adam > sake <05668 +<abuwr > ;
 for the imagination <03336 +yetser > of man s <00120 +>adam >
 heart <03820 +leb > [is] evil <07451 +ra< > from his youth
 <05271 +na<uwr > ; neither will I again <03254 +yacaph > smite
 <05221 +nakah > any <05750 +<owd > more <{05750} +<owd > every
 <03605 +kol > thing living <02416 +chay > , as I have done
 <06213 +<asah > .

05750 GEN 008 021 And the LORD <03068 +Y@hovah > smelled <07306
 +ruwach > a sweet <05207 +nichowach > savour <07381 +reyach > ;
 and the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > in his heart
 <03820 +leb > , I will not again <03254 +yacaph > curse <07043
 +qalal > the ground <00127 +>adamah > any <05750 +<owd > more
 <05750 +<owd > for man s <00120 +>adam > sake <05668 +<abuwr > ;
 for the imagination <03336 +yetser > of man s <00120 +>adam >
 heart <03820 +leb > [is] evil <07451 +ra< > from his youth
 <05271 +na<uwr > ; neither will I again <03254 +yacaph > smite
 <05221 +nakah > any <{05750} +<owd > more <05750 +<owd > every
 <03605 +kol > thing living <02416 +chay > , as I have done
 <06213 +<asah > .

05750 GEN 008 021 And the LORD <03068 +Y@hovah > smelled <07306
 +ruwach > a sweet <05207 +nichowach > savour <07381 +reyach > ;
 and the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > in his heart
 <03820 +leb > , I will not again <03254 +yacaph > curse <07043
 +qalal > the ground <00127 +>adamah > any <05750 +<owd > more
 <{05750} +<owd > for man s <00120 +>adam > sake <05668 +<abuwr >
 ; for the imagination <03336 +yetser > of man s <00120 +>adam >
 heart <03820 +leb > [is] evil <07451 +ra< > from his youth
 <05271 +na<uwr > ; neither will I again <03254 +yacaph > smite
 <05221 +nakah > any <05750 +<owd > more <05750 +<owd > every
 <03605 +kol > thing living <02416 +chay > , as I have done
 <06213 +<asah > .

05750 GEN 008 021 And the LORD <03068 +Y@hovah > smelled <07306
 +ruwach > a sweet <05207 +nichowach > savour <07381 +reyach > ;
 and the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > in his heart
 <03820 +leb > , I will not again <03254 +yacaph > curse <07043
 +qalal > the ground <00127 +>adamah > any <{05750} +<owd > more
 <05750 +<owd > for man s <00120 +>adam > sake <05668 +<abuwr > ;
 for the imagination <03336 +yetser > of man s <00120 +>adam >
 heart <03820 +leb > [is] evil <07451 +ra< > from his youth
 <05271 +na<uwr > ; neither will I again <03254 +yacaph > smite
 <05221 +nakah > any <05750 +<owd > more <05750 +<owd > every
 <03605 +kol > thing living <02416 +chay > , as I have done
 <06213 +<asah > .

05750 GEN 008 022 While <{05750} +<owd > the earth <00776
 +>erets > remaineth <03117 +yowm > , seedtime <02233 +zera< >
 and harvest <07105 +qatsiyr > , and cold <07120 +qor > and heat
 12/8/2021

<02527 +chom > , and summer <07019 +qayits > and winter <02779 +choreph > , and day <03117 +yowm > and night <03915 +layil > shall not cease <07673 +shabath > .

05750 GEN 009 011 And I will establish <06965 +quwm > my covenant <01285 +b@riyth > with you ; neither <03808 +lo> > shall all <03605 +kol > flesh <01320 +basar > be cut <03772 +karath > off any <05750 +<owd > more <05750 +<owd > by the waters <04325 +mayim > of a flood <03999 +mabbuwl > ; neither <03808 +lo> > shall there any <05750 +<owd > more <{05750} +<owd > > be a flood <03999 +mabbuwl > to destroy <07843 +shachath > the earth <00776 +>erets > .

05750 GEN 009 011 And I will establish <06965 +quwm > my covenant <01285 +b@riyth > with you ; neither <03808 +lo> > shall all <03605 +kol > flesh <01320 +basar > be cut <03772 +karath > off any <05750 +<owd > more <05750 +<owd > by the waters <04325 +mayim > of a flood <03999 +mabbuwl > ; neither <03808 +lo> > shall there any <{05750} +<owd > more <05750 +<owd > > be a flood <03999 +mabbuwl > to destroy <07843 +shachath > the earth <00776 +>erets > .

05750 GEN 009 011 And I will establish <06965 +quwm > my covenant <01285 +b@riyth > with you ; neither <03808 +lo> > shall all <03605 +kol > flesh <01320 +basar > be cut <03772 +karath > off any <05750 +<owd > more <{05750} +<owd > by the waters <04325 +mayim > of a flood <03999 +mabbuwl > ; neither <03808 +lo> > shall there any <05750 +<owd > more <05750 +<owd > > be a flood <03999 +mabbuwl > to destroy <07843 +shachath > the earth <00776 +>erets > .

05750 GEN 009 011 And I will establish <06965 +quwm > my covenant <01285 +b@riyth > with you ; neither <03808 +lo> > shall all <03605 +kol > flesh <01320 +basar > be cut <03772 +karath > off any <{05750} +<owd > more <05750 +<owd > by the waters <04325 +mayim > of a flood <03999 +mabbuwl > ; neither <03808 +lo> > shall there any <05750 +<owd > more <05750 +<owd > > be a flood <03999 +mabbuwl > to destroy <07843 +shachath > the earth <00776 +>erets > .

05750 GEN 009 015 And I will remember <02142 +zakar > my covenant <01285 +b@riyth > , which <00834 +>aher > [is] between <00996 +beyn > me and you and every <03605 +kol > living <02416 +chay > creature <05315 +nephesh > of all <03605 +kol > flesh <01320 +basar > ; and the waters <04325 +mayim > shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > become <01961 +hayah > a flood <03999 +mabbuwl > to destroy <07843 +shachath > all <03605 +kol > flesh <01320 +basar > .

05750 GEN 017 005 Neither <03808 +lo> > shall thy name <08034 +shem > any <05750 +<owd > more <{05750} +<owd > be called <07121 +qara > Abram <87> , but thy name <08034 +shem > shall be Abraham <85> ; for a father <1> of many <01995 +hamown > nations <01471 +gowy > have I made <05414 +nathan > thee .

05750 GEN 017 005 Neither <03808 +lo> > shall thy name <08034 +shem > any <{05750} +<owd > more <05750 +<owd > be called <07121 +qara > Abram <87> , but thy name <08034 +shem > shall be Abraham <85> ; for a father <1> of many <01995 +hamown > nations <01471 +gowy > have I made <05414 +nathan > thee .

05750 GEN 018 022 And the men <00582 +>enowsh > turned <06437 +panah > their faces from thence <08033 +sham > , and went <03212 +yalak > toward Sodom <05467 +C@dom > : but Abraham <85> stood <05975 +<amad > yet <{05750} +<owd > before <06440 +paniyim > > the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 GEN 018 029 And he spake <01696 +dabar > unto him yet <{05750} +<owd > again <03254 +yacaph > , and said <00559 +>amar > , Peradventure <00194 +>uway > there shall be forty <00705 +>arba<iym > found <04672 +matsa> > there . And he said <00559 +>amar > , I will not do <06213 +<asah > [it] for forty s <00705 +>arba<iym > sake <05668 +<abuwr > .

05750 GEN 019 012 . And the men <00582 +>enowsh > said <00559 +>amar > unto Lot <03876 +Lowt > , Hast thou here <06311 +poh > any <04310 +miy > besides <{05750} +<owd > ? son <01121 +ben > in law <02859 +chathan > , and thy sons <01121 +ben > , and thy daughters <01363 +gobahh > , and whatsoever thou hast in the city <05892 +<iyr > , bring <03318 +yatsa> > [them] out of this place <04725 +maqowm > :

05750 GEN 024 020 And she hasted <04116 +mahar > , and emptied <06168 +<arah > her pitcher <03537 +kad > into <00413 +>el > the trough <08268 +shoqeth > , and ran <07323 +ruwts > again <{05750} +<owd > unto the well <00875 +>er > to draw <07579 +sha>ab > [water <04325 +mayim >] , and drew <08025 +shalaph > for all <03605 +kol > his camels <01581 +gamal > .

05750 GEN 029 007 And he said <00559 +>amar > , Lo <02005 +hen > , [it is] yet <{05750} +<owd > high <01419 +gadawl > day <03117 +yowm > , neither <03808 +lo> > [is it] time <06256 +<eth > that the cattle <04735 +miqneh > should be gathered <00622 +>acaph > together : water <04325 +mayim > ye the sheep <06629 +tso>n > , and go <03212 +yalak > [and] feed <07462 +ra<ah > [them] .

05750 GEN 029 009 . And while he yet <{05750} +<owd > spake <01696 +dabar > with them , Rachel <07354 +Rachel > came <00935 +bow> > with her father s <1> sheep <06629 +tso>n > : for she kept <07462 +ra<ah > them .

05750 GEN 029 027 Ful fil <04390 +male> > her week <07620 +shabuwa< > , and we will give <5414nathan > thee this <02063 +zo>th > also <01571 +gam > for the service <05656 +<abodah > which <00834 +>aher > thou shalt serve <05647 +<abad > with me yet <{05750} +<owd > seven <07651 +sheba< > other <00312 +>acher > years <08141 +shaneh > .

05750 GEN 029 030 And he went <00935 +bow> > in also <01571 +gam > unto Rachel <07354 +Rachel > , and he loved <00157 +>ahab > also <01571 +gam > Rachel <07354 +Rachel > more than Leah <03812 +Le>ah > , and served <05647 +<abad > with him yet <{05750} +<owd > seven <07651 +sheba< > other <00312 +>acher > years <08141 +shaneh > .

05750 GEN 029 033 And she conceived <02030 +hareh > again <{05750} +<owd > , and bare <03205 +yalad > a son <01121 +ben > ; and said <00559 +>amar > , Because <03588 +kiy > the LORD <03068 +Y@hovah > hath heard <08085 +shama< > that I [was] hated <08130 +sane> > , he hath therefore <01571 +gam > given <05414 +nathan > me this <02088 +zeh > [son] also <01571 +gam > : and she called <07121 +qara> > his name <08034 +shem > Simeon <08095 +Shim<own > .

05750 GEN 029 034 And she conceived <02030 +hareh > again <{05750} +<owd > , and bare <03205 +yalad > a son <01121 +ben > ; and said <00559 +>amar > , Now this time <06471 +pa<am > will my husband <00376 +>iysh > be joined <03867 +lavah > unto me , because <03588 +kiy > I have born <03205 +yalad > him three <07969 +shalowsh > sons <01121 +ben > : therefore was his name <08034 +shem > called <07121 +qara> > Levi <03878 +Leviy > .

05750 GEN 029 035 And she conceived <02030 +hareh > again
<{05750} +<owd > , and bare <03205 +yalad> a son <01121 +ben > :
and she said <00559 +>amar > , Now will I praise <03034 +yadah >
the LORD <03068 +Y@hovah > : therefore she called <07121 +qara>
> his name <08034 +shem > Judah <03063 +Y@huwdah > ; and left
<05975 +<amad > bearing <03205 +yalad > .

05750 GEN 030 007 And Bilhah <01090 +Bilhah > Rachel s <07354
+Rachel > maid <08198 +shiphchah > conceived <02030 +hareh >
again <{05750} +<owd > , and bare <03205 +yalad > Jacob <03290
+Ya<aqob > a second <08145 +sheni y > son <01121 +ben > .

05750 GEN 030 019 And Leah <03812 +Le>ah > conceived <02030
+hareh > again <{05750} +<owd > , and bare <03205 +yalad > Jacob
<03290 +Ya<aqob > the sixth <08345 +shishshiy > son <01121 +ben
> .

05750 GEN 031 014 And Rachel <07354 +Rachel > and Leah <03812
+Le>ah > answered <06030 +<anah > and said <00559 +>amar > unto
him , [Is there] yet <{05750} +<owd > any portion <02506
+cheleq > or inheritance <05159 +nachalah > for us in our father
s <1> house <01004 +bayith > ?

05750 GEN 032 028 And he said <00559 +>amar > , Thy name <08034
+shem > shall be called <00559 +>amar > no <03808 +lo> > more
<{05750} +<owd > Jacob <03290 +Ya<aqob > , but Israel <03478
+Yisra>el > : for as a prince hast thou power <08280 +sarah >
with God <00430 +>elohiym > and with men <00582 +>enowsh > , and
hast prevailed <03201 +yakol > .

05750 GEN 035 009 And God <00430 +>elohiym > appeared <07200
+ra>ah > unto Jacob <03290 +Ya<aqob > again <{05750} +<owd > ,
when he came <00935 +bow> > out of Padanaram <06307 +Paddan > ,
and blessed <01288 +barak > him .

05750 GEN 035 010 And God <00430 +>elohiym > said <00559 +>amar
> unto him , Thy name <08034 +shem > [is] Jacob <03290
+Ya<aqob > : thy name <08034 +shem > shall not be called <07121
+qara> > any <05750 +<owd > more <{05750} +<owd > Jacob <03290
+Ya<aqob > , but Israel <03478 +Yisra>el > shall be thy name
<08034 +shem > : and he called <07121 +qara> > his name <08034
+shem > Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 GEN 035 010 And God <00430 +>elohiym > said <00559 +>amar
> unto him , Thy name <08034 +shem > [is] Jacob <03290
+Ya<aqob > : thy name <08034 +shem > shall not be called <07121
+qara> > any <{05750} +<owd > more <05750 +<owd > Jacob <03290
+Ya<aqob > , but Israel <03478 +Yisra>el > shall be thy name
<08034 +shem > : and he called <07121 +qara> > his name <08034
+shem > Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 GEN 037 005 . And Joseph <03130 +Yowceph > dreamed <02492
+chalam > a dream <02472 +chalowm > , and he told <05046 +nagad
> [it] his brethren <00251 +>ach > : and they hated <08130
+sane> > him yet <{05750} +<owd > the more <03254 +yacaph > .

05750 GEN 037 008 And his brethren <00251 +>ach > said <00559
+>amar > to him , Shalt thou indeed reign <04427 +malak > over
<05921 +<al > us ? or shalt thou indeed have dominion <04910
+mashal > over us ? And they hated <08130 +sane> > him yet
<{05750} +<owd > the more <03254 +yacaph > for his dreams <02472
+chalowm > , and for his words <01697 +dabar > .

05750 GEN 037 009 And he dreamed <02492 +chalam > yet <05750
+<owd > another <00312 +>acher > dream <02472 +chalowm > , and
12/8/2021

told <05608 +caphar > it his brethren <00251 +>ach > , and said <00559 +>amar > , Behold <02009 +hinneh > , I have dreamed <02492 +chalam > a dream <02472 +chalowm > more <{05750} +<owd > ; and , behold <02009 +hinneh > , the sun <08121 +shemesh > and the moon <03394 +yareach > and the eleven stars <03556 +kowkab > made obeisance <07812 +shachah > to me .

05750 GEN 037 009 And he dreamed <02492 +chalam > yet <{05750} +<owd > another <00312 +>acher > dream <02472 +chalowm > , and told <05608 +caphar > it his brethren <00251 +>ach > , and said <00559 +>amar > , Behold <02009 +hinneh > , I have dreamed <02492 +chalam > a dream <02472 +chalowm > more <05750 +<owd > ; and , behold <02009 +hinneh > , the sun <08121 +shemesh > and the moon <03394 +yareach > and the eleven stars <03556 +kowkab > made obeisance <07812 +shachah > to me .

05750 GEN 038 004 And she conceived <02030 +hareh > again <{05750} +<owd > , and bare <03205 +yalad > a son <01121 +ben > ; and she called <07121 +qara> > his name <08034 +shem > Onan <00209 +>Owanan > .

05750 GEN 038 005 And she yet <05750 +<owd > again <{05750} +<owd > conceived <03254 +yacaph > , and bare <03205 +yalad > a son <01121 +ben > ; and called <07121 +qara> > his name <08034 +shem > Shelah <07956 +Shelah > : and he was at Chezi b <03580 +K@ziyb > , when she bare <03205 +yalad > him .

05750 GEN 038 005 And she yet <{05750} +<owd > again <05750 +<owd > conceived <03254 +yacaph > , and bare <03205 +yalad > a son <01121 +ben > ; and called <07121 +qara> > his name <08034 +shem > Shelah <07956 +Shelah > : and he was at Chezi b <03580 +K@ziyb > , when she bare <03205 +yalad > him .

05750 GEN 038 026 And Judah <03063 +Y@huwdah > acknowledged <05234 +nakar > [them] , and said <00559 +>amar > , She hath been more righteous <06663 +tsadaq > than I ; because <03588 +kiy > that I gave <05414 +nathan > her not to Shelah <07956 +Shelah > my son <01121 +ben > . And he knew <03045 +yada< > her again <03254 +yacaph > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > .

05750 GEN 040 013 Yet <{05750} +<owd > within three <07969 +shalowsh > days <03117 +yowm > shall Pharaoh <06547 +Par<oh > lift <05375 +nasa> > up thine head <07218 +ro>sh > , and restore <07725 +shuwb > thee unto thy place <03653 +ken > : and thou shalt deliver <05414 +nathan > Pharaoh s <06547 +Par<oh > cup <03563 +kowc > into his hand <03027 +yad > , after the former <07223 +ri>shown > manner <04941 +mishpat > when <00834 +>aher > thou wast <01961 +hayah > his butler <04945 +mashqeh > .

05750 GEN 040 019 Yet <{05750} +<owd > within three <07969 +shalowsh > days <03117 +yowm > shall Pharaoh <06547 +Par<oh > lift <05375 +nasa> > up thy head <07218 +ro>sh > from off <05921 +<al > thee , and shall hang <08518 +talah > thee on <05921 +<al > a tree <06086 +<ets > ; and the birds <05775 +<owph > shall eat <00398 +>akal > thy flesh <01320 +basar > from off <05921 +<al > thee .

05750 GEN 043 006 And Israel <03478 +Yisra>el > said <00559 +>amar > , Wherefore <04100 +mah > dealt ye [so] ill <07489 +ra<a< > with me , [as] to tell <05046 +nagad > the man <00376 +>iysh > whether <05750 +<owd > ye had yet <{05750} +<owd > a brother <00251 +>ach > ?

05750 GEN 043 006 And Israel <03478 +Yisra>el > said <00559 +>amar > , Wherefore <04100 +mah > dealt ye [so] ill <07489 +ra<a< > with me , [as] to tell <05046 +nagad > the man <00376

+>iysh > whether <{05750} +<owd > ye had yet <05750 +<owd > a brother <00251 +>ach > ?

05750 GEN 043 027 And he asked <07592 +sha>al > them of [their] welfare <07965 +shalowm > , and said <00559 +>amar > , [Is] your father <1> well <07965 +shalowm > , the old <02205 +zaqen > man of whom <00834 +>aher > ye spake <00559 +>amar > ? [Is] he yet <{05750} +<owd > alive <02416 +chay > ?

05750 GEN 043 028 And they answered <00559 +>amar > , Thy servant <05650 +<ebed > our father <1> [is] in good <07965 +shalowm > health <07965 +shalowm > , he [is] yet <{05750} +<owd > alive <02416 +chay > . And they bowed <06915 +qadad > down <06915 +qadad > their heads , and made obeisance <07812 +shachah > .

05750 GEN 044 014 And Judah <03063 +Y@huwdah > and his brethren <00251 +>ach > came <00935 +bow> > to Joseph s <03130 +Yowceph > house <01004 +bayith > ; for he [was] yet <{05750} +<owd > there <08033 +sham > : and they fell <05307 +naphal > before <06440 +paniym > him on the ground <00776 +>erets > .

05750 GEN 045 003 And Joseph <03130 +Yowceph > said <00559 +>amar > unto his brethren <00251 +>ach > , I [am] Joseph <03130 +Yowceph > ; doth my father <1> yet <{05750} +<owd > live <02416 +chay > ? And his brethren <00251 +>ach > could <03201 +yakol > not answer <06030 +<anah > him ; for they were troubled <00926 +bahal > at his presence <06440 +paniym > .

05750 GEN 045 006 For these <02088 +zeh > two years <08141 +shaneh > [hath] the famine <07458 +ra<ab > [been] in the land <00776 +>erets > : and yet <{05750} +<owd > [there are] five <02568 +chamesh > years <08141 +shaneh > , in the which <00834 +>aher > [there shall] neither <00369 +>ayin > [be] earing <02758 +chariysh > nor harvest <07105 +qatsiy r > .

05750 GEN 045 011 And there <08033 +sham > will I nourish <03557 +kuwl > thee ; for yet <{05750} +<owd > [there are] five <02568 +chamesh > years <08141 +shaneh > of famine <07458 +ra<ab > ; lest <06435 +pen > thou , and thy household <01004 +bayith > , and all <03605 +kol > that thou hast , come to poverty <03423 +yarash > .

05750 GEN 045 026 And told <05046 +nagad > him , saying <00559 +>amar > , Joseph <03130 +Yowceph > [is] yet <{05750} +<owd > alive <02416 +chay > , and he [is] governor <04910 +mashal > over <05921 +<al > all <03605 +kol > the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > . And Jacob s heart <03820 +leb > fainted <06313 +puwg > , for he believed <00539 +>aman > them not .

05750 GEN 045 028 And Israel <03478 +Yisra>el > said <00559 +>amar > , [It is] enough <07227 +rab > ; Joseph <03130 +Yowceph > my son <01121 +ben > [is] yet <{05750} +<owd > alive <02416 +chay > : I will go <03212 +yalak > and see <07200 +ra>ah > him before <02962 +terem > I die <04191 +muwth > .

05750 GEN 046 029 And Joseph <03130 +Yowceph > made ready <00631 +>acar > his chariot <04818 +merkabah > , and went <05927 +<alah > up to meet <07125 +qir>ah > Israel <03478 +Yisra>el > his father <1> , to Goshen <01657 +Goshen > , and presented <07200 +ra>ah > himself unto him ; and he fell <05307 +naphal > on <05921 +<al > his neck <06677 +tsavva>r > , and wept <01058 +bakah > on <05921 +<al > his neck <06677 +tsavva>r > a good <05750 +<owd > while <{05750} +<owd > .

05750 GEN 046 029 And Joseph <03130 +Yowceph > made ready <00631 +>acar > his chariot <04818 +merkabah > , and went <05927 +>alah > up to meet <07125 +qir>ah > Israel <03478 +Yisra>el > his father <1> , to Goshen <01657 +Goshen > , and presented <07200 +ra>ah > himself unto him ; and he fell <05307 +naphal > on <05921 +>al > his neck <06677 +tsavva>r > , and wept <01058 +bakah > on <05921 +>al > his neck <06677 +tsavva>r > a good <{05750} +>owd > while <05750 +>owd > .

05750 GEN 046 030 And Israel <03478 +Yisra>el > said <00559 +>amar > unto Joseph <03130 +Yowceph > , Now <06471 +pa<am > let me die <04191 +muwth > , since <00310 +>achar > I have seen <07200 +ra>ah > thy face <06440 +paniym > , because <03588 +kiy > thou [art] yet <{05750} +>owd > alive <02416 +chay > .

05750 GEN 048 007 And as for me , when I came <00935 +bow> > from Padan <06307 +Paddan > , Rachel <07354 +Rachel > died <04191 +muwth > by me in the land <00776 +>erets > of Canaan <03667 +K@na<an > in the way <01870 +derek > , when <05750 +>owd > yet <{05750} +>owd > [there was] but a little <03530 +kibrah > way <00776 +>erets > to come <00935 +bow> > unto Ephrath <00672 +>Ephraath > : and I buried <06912 +qabar > her there <08033 +sham > in the way <01870 +derek > of Ephrath <00672 +>Ephraath > ; the same <01931 +huw> > [is] Bethlehem <01035 +Beyth Lechem > .

05750 GEN 048 007 And as for me , when I came <00935 +bow> > from Padan <06307 +Paddan > , Rachel <07354 +Rachel > died <04191 +muwth > by me in the land <00776 +>erets > of Canaan <03667 +K@na<an > in the way <01870 +derek > , when <{05750} +>owd > yet <05750 +>owd > [there was] but a little <03530 +kibrah > way <00776 +>erets > to come <00935 +bow> > unto Ephrath <00672 +>Ephraath > : and I buried <06912 +qabar > her there <08033 +sham > in the way <01870 +derek > of Ephrath <00672 +>Ephraath > ; the same <01931 +huw> > [is] Bethlehem <01035 +Beyth Lechem > .

05750 GEN 048 015 And he blessed <01288 +barak > Joseph <03130 +Yowceph > , and said <00559 +>amar > , God <00430 +>elohiym > , before <06440 +paniym > whom <00834 +>aher > my fathers <1> Abraham <85> and Isaac <03327 +Yitschaq > did walk <01980 +halak > , the God <00430 +>elohiym > which fed <07462 +ra<ah > me all my life long <{05750} +>owd > unto this day <03117 +yowm > ,

05750 EXO 002 003 And when <03588 +kiy > she could <03201 +yakol > not longer <{05750} +>owd > hide <06845 +tsaphan > him , she took <03947 +laqach > for him an ark <08392 +tebah > of bulrushes <01573 +gome> > , and daubed <02560 +chamar > it with slime <02564 +chemar > and with pitch <02203 +zepheth > , and put <07760 +suwm > the child <03206 +yeled > therein ; and she laid <07760 +suwm > [it] in the flags <05488 +cuwph > by the river s <02975 +y@<or > brink <08193 +saphah > .

05750 EXO 003 015 And God <00430 +>elohiym > said <00559 +>amar > moreover <{05750} +>owd > unto Moses <04872 +Mosheh > , Thus <03541 +koh > shalt thou say <00559 +>amar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , The LORD <03068 +Y@hovah > God <00430 +>elohiym > of your fathers <1> , the God <00430 +>elohiym > of Abraham <85> , the God <00430 +>elohiym > of Isaac <03327 +Yitschaq > , and the God <00430 +>elohiym > of Jacob <03290 +Ya<aqob > , hath sent <07971 +shalach > me unto you : this <02088 +zeh > [is] my name <08034 +shem > for ever <05769 +>owlam > , and this <02088 +zeh > [is] my memorial <02143 +zeker > unto all generations <01755 +dowr > .

05750 EXO 004 006 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559

+>amar > furthermore <{05750} +<owd > unto him , Put <00935 +bow> > now <04994 +na> > thine hand <03027 +yad > into thy bosom <02436 +cheyq > . And he put <00935 +bow> > his hand <03027 +yad > into his bosom <02436 +cheyq > : and when he took <03318 +yatsa> > it out , behold <02009 +hinneh > , his hand <03027 +yad > [was] leprous <06879 +tsara< > as snow <07950 +shel eg > .

05750 EX0 004 018 . And Moses <04872 +Mosheh > went <03212 +yalak > and returned <07725 +shuwb > to Jethro <03503 +Yi throw > > his father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , and said <00559 +>amar > unto him , Let me go <03212 +yalak > , I pray <04994 +na> > thee , and return <07725 +shuwb > unto my brethren <00251 +>ach > which <00834 +>aher > [are] in Egypt <04714 +Mi tsrayim > , and see <07200 +ra>ah > whether <05750 +<owd > they be yet <{05750} +<owd > alive <02416 +chay > . And Jethro <03503 +Yi throw > said <00559 +>amar > to Moses <04872 +Mosheh > , Go <03212 +yalak > in peace <07965 +shalowm > .

05750 EX0 004 018 . And Moses <04872 +Mosheh > went <03212 +yalak > and returned <07725 +shuwb > to Jethro <03503 +Yi throw > > his father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , and said <00559 +>amar > unto him , Let me go <03212 +yalak > , I pray <04994 +na> > thee , and return <07725 +shuwb > unto my brethren <00251 +>ach > which <00834 +>aher > [are] in Egypt <04714 +Mi tsrayim > , and see <07200 +ra>ah > whether <{05750} +<owd > they be yet <05750 +<owd > alive <02416 +chay > . And Jethro <03503 +Yi throw > said <00559 +>amar > to Moses <04872 +Mosheh > , Go <03212 +yalak > in peace <07965 +shalowm > .

05750 EX0 009 017 As yet <{05750} +<owd > exal test <05549 +cal al > > thou thysel f against <05921 +<al > my people <05971 +<am > , that thou wilt not let them go <07971 +shalach > ?

05750 EX0 009 029 And Moses <04872 +Mosheh > said <00559 +>amar > unto him , As soon as I am gone <03318 +yatsa> > out of the city <05892 +<iyr > , I will spread <06566 +paras > abroad <06566 +paras > my hands <03709 +kaph > unto the LORD <03068 +Y@hovah > ; [and] the thunder <06963 +qowl > shall cease <02308 +chadal > , neither <03808 +lo> > shall there be any <05750 +<owd > more <{05750} +<owd > hail <01259 +barad > ; that thou mayest know <03045 +yada< > how that the earth <00776 +>erets > [is] the LORD S <03068 +Y@hovah > .

05750 EX0 009 029 And Moses <04872 +Mosheh > said <00559 +>amar > unto him , As soon as I am gone <03318 +yatsa> > out of the city <05892 +<iyr > , I will spread <06566 +paras > abroad <06566 +paras > my hands <03709 +kaph > unto the LORD <03068 +Y@hovah > ; [and] the thunder <06963 +qowl > shall cease <02308 +chadal > , neither <03808 +lo> > shall there be any <{05750} +<owd > more <05750 +<owd > hail <01259 +barad > ; that thou mayest know <03045 +yada< > how that the earth <00776 +>erets > [is] the LORD S <03068 +Y@hovah > .

05750 EX0 010 029 And Moses <04872 +Mosheh > said <00559 +>amar > , Thou hast spoken <01696 +dabar > well <03651 +ken > , I will see <07200 +ra>ah > thy face <06440 +paniym > again <03254 +yacaph > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > .

05750 EX0 011 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <04872 +Mosheh > , Yet <{05750} +<owd > will I bring <00935 +bow> > one <00259 +>echad > plague <05061 +nega< > [more] upon Pharaoh <06547 +Par<oh > , and upon Egypt <04714 +Mi tsrayim > ; afterwards he will let you go <07971 +shalach > hence <02088 +zeh > : when he shall let [you] go <07971 +shalach > , he shall surely thrust <01644 +garash > you out

hence <02088 +zeh > al together <03617 +kalah > .

05750 EXO 014 013 And Moses <04872 +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the people <05971 +<am > , Fear <03372 +yare> > ye not , stand <03320 +yatsab > still , and see <07200 +ra>ah > the salvation <03444 +y@shuw<ah > of the LORD <03068 +Y@hovah > , which <00834 +>aher > he will shew <06213 +<asah > to you to day <03117 +yowm > : for the Egyptians <04714 +Mitsrayim > whom <00834 +>aher > ye have seen <07200 +ra>ah > to day <03117 +yowm > , ye shall see <07200 +ra>ah > them again <03254 +yacaph > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > for ever <05769 +<owl am > .

05750 EXO 017 004 And Moses <04872 +Mosheh > cried <06817 +tsa<aq > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , saying <00559 +>amar > , What <04100 +mah > shall I do <06213 +<asah > unto this <02088 +zeh > people <05971 +<am > ? they be almost <04592 +m@<at > ready <{05750} +<owd > to stone <05619 +caqal > me .

05750 EXO 032 032 Yet <{05750} +<owd > now <06258 +<attah > , if <00518 +>im > thou wilt forgive <05375 +nasa> > their sin - - ; and <02403 +chatta>ah > if <00518 +>im > not , blot <04229 +machah > me , I pray <04994 +na> > thee , out of thy book <05612 +cepher > which <00834 +>aher > thou hast written <03789 +kathab > .

05750 EXO 036 003 And they received <03947 +laqach > of Moses <04872 +Mosheh > all <03605 +kol > the offering <08641 +t@ruwmah > , which <00834 +>aher > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > had brought <00935 +bow> > for the work <04399 +m@la>kah > of the service <05656 +<abodah > of the sanctuary <06944 +qodesh > , to make <06213 +<asah > it [withal] . And they brought <00935 +bow> > yet <{05750} +<owd > unto him free <05071 +n@dabah > offerings every morning <01242 +boqer > .

05750 EXO 036 006 And Moses <04872 +Mosheh > gave commandment <06680 +tsavah > , and they caused it to be proclaimed <05674 +<abar > throughout the camp <04264 +machaneh > , saying <00559 +>amar > , Let neither <00408 +>al > man <00376 +>iysh > nor <00408 +>al > woman <00802 +>ishshah > make <06213 +<asah > any <05750 +<owd > more <{05750} +<owd > work <04399 +m@la>kah > for the offering <08641 +t@ruwmah > of the sanctuary <06944 +qodesh > . So the people <05971 +<am > were restrained <03607 +kala> > from bringi ng <00935 +bow> > .

05750 EXO 036 006 And Moses <04872 +Mosheh > gave commandment <06680 +tsavah > , and they caused it to be proclaimed <05674 +<abar > throughout the camp <04264 +machaneh > , saying <00559 +>amar > , Let neither <00408 +>al > man <00376 +>iysh > nor <00408 +>al > woman <00802 +>ishshah > make <06213 +<asah > any <{05750} +<owd > more <05750 +<owd > work <04399 +m@la>kah > for the offering <08641 +t@ruwmah > of the sanctuary <06944 +qodesh > . So the people <05971 +<am > were restrained <03607 +kala> > from bringi ng <00935 +bow> > .

05750 LEV 013 057 And if <00518 +>im > it appear <07200 +ra>ah > still <{05750} +<owd > in the garment <00899 +beged > , either <00176 +>ow > in the warp <08359 +sh@thiy > , or <00176 +>ow > in the woof <06154 +<ereb > , or <00176 +>ow > in any <03605 +kol > thing <03627 +k@liy > of skin <05785 +<owr > ; it [is] a spreading <06524 +parach > [plague] : thou shalt burn <08313 +saraph > that wherein <00834 +>aher > the plague <05061 +nega< > [is] with fire <00784 +>esh > .

05750 LEV 017 007 And they shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > offer <02076 +zabach > thei r sacri fices <02077 +zebach >

unto devils <08163 +sa<iyr > , after <00310 +>achar > whom they have gone a whoring <02181 +zanah > . This <02063 +zo>th > shall be a statute <02708 +chuqqah > for ever <05769 +<owlam > unto them throughout their generations <01755 +dowr > .

05750 LEV 025 051 If <00518 +>im > [there be] yet <{05750} +<owd > many <07227 +rab > years <08141 +shaneh > [behind] , according <06310 +peh > unto them he shall give <07725 +shuwb > again <07725 +shuwb > the price of his redemption <01353 +g@ullah > out of the money <03701 +keceph > that he was bought <04736 +miqnah > for .

05750 LEV 027 020 And if <00518 +>im > he will not redeem <01350 +ga>al > the field <07704 +sadeh > , or if <00518 +>im > he have sold <04376 +makar > the field <07704 +sadeh > to another <00312 +>acher > man <00376 +>iysh > , it shall not be redeemed <01350 +ga>al > any more <{05750} +<owd > .

05750 NUM 008 025 And from the age <01121 +ben > of fifty <02572 +chamishshiyim > years <08141 +shaneh > they shall cease <07725 +shuwb > waiting <06635 +tsaba> > upon the service <05656 +<abodah > [thereof] , and shall serve <05647 +<abad > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > :

05750 NUM 011 033 And while the flesh <01320 +basar > [was] yet <{05750} +<owd > between <00996 +beyn > their teeth <08127 +shen > , ere <02962 +terem > it was chewed <03772 +karath > , the wrath <00639 +>aph > of the LORD <03068 +Y@hovah > was kindled <02734 +charah > against the people <05971 +<am > , and the LORD <03068 +Y@hovah > smote <05221 +nakah > the people <05971 +<am > with a very <03966 +m@<od > great <07227 +rab > plague <04347 +makkah > .

05750 NUM 018 005 And ye shall keep <08104 +shamar > the charge <04931 +mishmereth > of the sanctuary <06944 +qodesh > , and the charge <04931 +mishmereth > of the altar <04196 +mizbeach > : that there be no <03808 +lo> > wrath <07110 +qetseph > any more <{05750} +<owd > upon the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 NUM 018 022 Neither <03808 +lo> > must the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > henceforth <{05750} +<owd > come <07126 +qarab > nigh <07126 +qarab > the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , lest they bear <05375 +nasa> > sin <02399 +chet> > , and die <04191 +muwth > .

05750 NUM 019 013 Whosoever <03605 +kol > toucheth <05060 +naga< > the dead <04191 +muwth > body <05315 +nephesh > of any <03605 +kol > man <00120 +>adam > that is dead <04191 +muwth > , and purifieth <02398 +chata> > not himself , defileth <02930 +tame> > the tabernacle <04908 +mishkan > of the LORD <03068 +Y@hovah > ; and that soul <05315 +nephesh > shall be cut <03772 +karath > off from Israel <03478 +Yisra>el > : because <03588 +kiy > the water <04325 +mayim > of separation <05079 +niddah > was not sprinkled <02236 +zaraq > upon him , he shall be unclean <02931 +tame> > ; his uncleanness <02932 +tum>ah > [is] yet <{05750} +<owd > upon him .

05750 NUM 022 015 . And Balak <01111 +Balaq > sent <07971 +shalach > yet <{05750} +<owd > again <03254 +yacaph > princes <08269 +sar > , more <07227 +rab > , and more honourable <03513 +kabad > than they .

05750 NUM 022 030 And the ass <00860 +>athown > said <00559 +>amar > unto Balaam <01109 +Bil<am > , [Am] not I thine ass <00860 +>athown > , upon which <00834 +>aher > thou hast ridden

<07392 +rakab > ever <05750 +<owd > since <{05750} +<owd > [I was] thine unto this <02088 +zeh > day <03117 +yowm > ? was I ever wont <05532 +cakan > to do <06213 +<asah > so unto thee ? And he said <00559 +>amar > , Nay <03808 +lo> > .

05750 NUM 022 030 And the ass <00860 +>athown > said <00559 +>amar > unto Balaam <01109 +Bil<am > , [Am] not I thine ass <00860 +>athown > , upon which <00834 +>aher > thou hast ridden <07392 +rakab > ever <{05750} +<owd > since <05750 +<owd > [I was] thine unto this <02088 +zeh > day <03117 +yowm > ? was I ever wont <05532 +cakan > to do <06213 +<asah > so unto thee ? And he said <00559 +>amar > , Nay <03808 +lo> > .

05750 NUM 032 014 And , behold <02009 +hinneh > , ye are risen <06965 +quwm > up in your fathers <1> stead <08478 +tachath > , an increase <08635 +tarbuwth > of sinful <02400 +chatta> > men <00582 +>enowsh > , to augment <05595 +caphah > yet <{05750} +<owd > the fierce <02740 +charown > anger <00639 +>aph > of the LORD <03068 +Y@hovah > toward <00413 +>el > Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 NUM 032 015 For if ye turn <07725 +shuwb > away from after <00310 +>achar > him , he will yet <{05750} +<owd > again <03254 +yacaph > leave <03241 +Yaniym > them in the wilderness <04057 +midbar > ; and ye shall destroy <07843 +shachath > all <03605 +kol > this <02088 +zeh > people <05971 +<am > .

05750 DEU 003 026 But the LORD <03068 +Y@hovah > was wroth <05674 +<abar > with me for your sakes <06616 +pathiyl > , and would not hear <08085 +shama< > me : and the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto me , Let it suffice <07227 +rab > thee ; speak <01696 +dabar > no <00408 +>al > more <{05750} +<owd > unto me of this <02088 +zeh > matter <01697 +dabar > .

05750 DEU 004 035 Unto thee it was shewed <07200 +ra>ah > , that thou mightest know <03045 +yada< > that the LORD <03068 +Y@hovah > he [is] God <00430 +>elohiym > ; [there is] none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > beside <00905 +bad > him .

05750 DEU 004 039 Know <03045 +yada< > therefore <03767 +kara< > this day <03117 +yowm > , and consider <07725 +shuwb > [it] in thine heart <03824 +lebab > , that the LORD <03068 +Y@hovah > he [is] God <00430 +>elohiym > in heaven <08064 +shamayim > above <04605 +ma<al > , and upon the earth <00776 +>erets > beneath <08478 +tachath > : [there is] none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > .

05750 DEU 010 016 Circumcise <04135 +muwl > therefore the foreskin <06190 +<orlah > of yourheart <03824 +lebab > , and be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > stiffnecked .

05750 DEU 013 016 And thou shalt gather <06908 +qabats > all <03605 +kol > the spoil <07998 +shalal > of it into <00413 +>el > the midst <08432 +tavek > of the street <07339 +r@chob > thereof , and shalt burn <08313 +saraph > with fire <00784 +>esh > the city <05892 +<iyr > , and all <03605 +kol > the spoil <07998 +shalal > thereof every <03632 +kaliyl > whit <03632 +kaliyl > , for the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>elohiym > : and it shall be an heap <08510 +tel > for ever <05769 +<owlam > ; it shall not be built <01129 +banah > again <{05750} +<owd > .

05750 DEU 017 013 And all <03605 +kol > the people <05971 +<am > shall hear <08085 +shama< > , and fear <03372 +yare> > , and do no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > presumptuously <02102

+zuwd > .

05750 DEU 017 016 But he shall not multiply <07235 +rabah > horses <05483 +cuwc > to himself , nor <03808 +lo> > cause the people <05971 +<am > to return <07725 +shuwb > to Egypt <04714 +Mitsrayim > , to the end <04616 +ma<an > that he should multiply <07235 +rabah > horses <05483 +cuwc > : forasmuch as the LORD <03068 +Y@hovah > hath said <00559 +>amar > unto you , Ye shall henceforth <03254 +yacaph > return <07725 +shuwb > no <03808 +lo> > more <{05750}> +<owd > that way <01870 +derek > .

05750 DEU 018 016 According to all <03605 +kol > that thou desiredst <07592 +sha>al > of the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>elohiym > in Horeb <02722 +Choreb > in the day <03117 +yowm > of the assembly <06951 +qahal > , saying <00559 +>amar > , Let me not hear <08085 +shama< > again <03254 +yacaph > the voice <06963 +qowl > of the LORD <03068 +Y@hovah > my God <00430 +>elohiym > , neither <03808 +lo> > let me see <07200 +ra>ah > this <02063 +zo>th > great <01419 +gadawl > fire <00784 +>esh > any more <{05750}> +<owd > , that I die <04191 +muwth > not .

05750 DEU 019 009 If <03588 +kiy > thou shalt keep <08104 +shamar > all <03605 +kol > these <02063 +zo>th > commandments <04687 +mitsvah > to do <06213 +<asah > them , which <00834 +>aher > I command <06680 +tsavah > thee this day <03117 +yowm > , to love <00157 +>ahab > the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>elohiym > , and to walk <03212 +yalak > ever in his ways <01870 +derek > ; then shalt thou add <03254 +yacaph > three <07969 +shalowsh > cities <05892 +<iyr > more <{05750}> +<owd > for thee , beside <05921 +<al > these three <07969 +shalowsh > :

05750 DEU 019 020 And those which remain <07604 +sha>ar > shall hear <08085 +shama< > , and fear <03372 +yare> > , and shall henceforth <03254 +yacaph > commit <06213 +<asah > no <03808 +lo> > more <{05750}> +<owd > any <01697 +dabar > such evil <07451 +ra< > among <07130 +qereb > you .

05750 DEU 028 068 And the LORD <03068 +Y@hovah > shall bring <07725 +shuwb > thee into Egypt <04714 +Mitsrayim > again <07725 +shuwb > with ships <00591 +>oniyah > , by the way <01870 +derek > whereof <00834 +>aher > I spake <00559 +>amar > unto thee , Thou shalt see <07200 +ra>ah > it no <03808 +lo> > more <{05750}> +<owd > again <03254 +yacaph > : and there <08033 +sham > ye shall be sold <04376 +makar > unto your enemies <00341 +>oyeb > for bondmen <05650 +<ebed > and bondwomen <08198 +shiphchah > , and no <00369 +>ayin > man shall buy <07069 +qanah > [you] .

05750 DEU 031 002 And he said <00559 +>amar > unto them , I [am] an hundred <03967 +me>ah > and twenty <06242 +<esriym > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > this day <03117 +yowm > ; I can <03201 +yakol > no <03808 +lo> > more <{05750}> +<owd > go <03318 +yatsa> > out and come <00935 +bow> > in : also the LORD <03068 +Y@hovah > hath said <00559 +>amar > unto me , Thou shalt not go <05674 +<abar > over <05674 +<abar > this <02088 +zeh > Jordan <03383 +Yarden > .

05750 DEU 031 027 For I know <03045 +yada< > thy rebellion <04805 +m@riy > , and thy stiff <07186 +qasheh > neck <06203 +<oreph > : behold <02005 +hen > , while I am yet <{05750}> +<owd > alive <02416 +chay > with you this day <03117 +yowm > , ye have been <01961 +hayah > rebellious <04784 +marah > against <05973 +<im > the LORD <03068 +Y@hovah > ; and how <00637 +>aph > much <07227 +rab > more after <00310 +>achar > my death <04194 +maveth > ?

05750 DEU 034 010 And there arose <06965 +quwm > not a prophet <05030 +nabiy> > since <{05750} +<owd > in Israel <03478 +Yisra>el > like unto Moses <04872 +Mosheh > , whom <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > knew <03045 +yada< > face <06440 +paniym > to face <06440 +paniym > ,

05750 JOS 001 011 Pass <05674 +<abar > through <07130 +qereb > the host <04264 +machaneh > , and command <06680 +tsavah > the people <05971 +<am > , saying <00559 +>amar > , Prepare <03559 +kuwn > you victuals <06720 +tseydah > ; for within <{05750} +<owd > three <07969 +shalowsh > days <03117 +yowm > ye shall pass <05674 +<abar > over <05674 +<abar > this <02088 +zeh > Jordan <03383 +Yarden > , to go <00935 +bow> > in to possess <03423 +yarash > the land <00776 +>erets > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiym > giveth <05414 +nathan > you to possess <03423 +yarash > it .

05750 JOS 002 011 And as soon as we had heard <08085 +shama< > [these things] , our hearts <03824 +lebab > did melt <04549 +macac > , neither <03808 +lo> > did there remain <06965 +quwm > any more <{05750} +<owd > courage <07307 +ruwach > in any man <00376 +>iysh > , because <06440 +paniym > of you : for the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiym > , he [is] God <00430 +>elohiym > in heaven <08064 +shamayim > above <04605 +ma<al > , and in earth <00776 +>erets > beneath <08478 +tachath > .

05750 JOS 005 001 . And it came <01961 +hayah > to pass , when all <03605 +kol > the kings <04428 +melek > of the Amorites <00567 +>Emoriy > , which <00834 +>aher > [were] on the side <05676 +<eber > of Jordan <03383 +Yarden > westward <03220 +yam > , and all <03605 +kol > the kings <04428 +melek > of the Canaanites <03669 +K@na<aniy > , which <00834 +>aher > [were] by the sea <03220 +yam > , heard <08085 +shama< > that the LORD <03068 +Y@hovah > had dried <03001 +yabesh > up the waters <04325 +mayim > of Jordan <03383 +Yarden > from before <06440 +paniym > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , until <05704 +<ad > we were passed <05674 +<abar > over <05674 +<abar > , that their heart <03824 +lebab > melted <04549 +macac > , neither <03808 +lo> > was there spirit <07307 +ruwach > in them any more <{05750} +<owd > , because <06440 +paniym > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 EZE 008 015 Then said <00559 +>amar > he unto me , Hast thou seen <07200 +ra>ah > [this] , O son <01121 +ben > of man <00120 +>adam > ? turn <07725 +shuwb > thee yet <05750 +<owd > again <{05750} +<owd > , [and] thou shalt see <07200 +ra>ah > greater <01419 +gadawl > abominations <08441 +tow<ebah > than these <00428 +>el - leh > .

05750 JOS 014 011 As yet <{05750} +<owd > I [am as] strong <02389 +chazaq > this day <03117 +yowm > as [I was] in the day <03117 +yowm > that Moses <04872 +Mosheh > sent <07971 +shalach > me : as my strength <03581 +koach > [was] then <00227 +>az > , even so [is] my strength <03581 +koach > now <06258 +<attah > , for war <04421 +milchamah > , both to go <03318 +yatsa> > out , and to come <00935 +bow> > in .

05750 JUDG 002 014 And the anger <00639 +>aph > of the LORD <03068 +Y@hovah > was hot <02734 +charah > against Israel <03478 +Yisra>el > , and he delivered <05414 +nathan > them into the hands <03027 +yad > of spoilers <08154 +shacah > that spoiled <08155 +shacac > them , and he sold <04376 +makar > them into the hands <03027 +yad > of their enemies <00341 +>oyeb > round <05439 +cabiyl > about , so that they could <03201 +yakol > not any longer <{05750} +<owd > stand <05975 +<amad > before <06440

+pani ym > their enemies <00341 +>oyeb > .

05750 JUDG 006 024 Then Gideon <01439 +Gid<own > built <01129 +banah > an altar <04196 +mizbeach > there <08033 +sham > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , and called <07121 +qara> > it Jehovahshalom <03073 +Y@havah shalom > : unto this <02088 +zeh > day <03117 +yowm > it [is] yet <{05750} +<owd > in Ophrah <06084 +<Ophrah > of the Abiezrites <33> .

05750 JUDG 007 004 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Gideon <01439 +Gid<own > , The people <05971 +<am > [are] yet <{05750} +<owd > [too] many <07227 +rab > ; bring <00338 +>iy > them down <03381 +yarad > unto the water <04325 +mayim > , and I will try <06884 +tsaraph > them for thee there <08033 +sham > : and it shall be , [that] of whom <00834 +>aher > I say <00559 +>amar > unto thee , This <02088 +zeh > shall go <03212 +yalak > with thee , the same <01931 +huw> > shall go <03212 +yalak > with thee ; and of whomsoever <00834 +>aher > I say <00559 +>amar > unto thee , This <02088 +zeh > shall not go <03212 +yalak > with thee , the same <01931 +huw> > shall not go <03212 +yalak > .

05750 JUDG 008 020 And he said <00559 +>amar > unto Jether <03500 +Yether > his firstborn <01060 +b@kowr > , Up , [and] slay <02026 +harag > them . But the youth <05288 +na<ar > drew <08025 +shalaph > not his sword <02719 +chereb > : for he feared <03372 +yare> > , because <03588 +kiy > he [was] yet <{05750} +<owd > a youth <05288 +na<ar > .

05750 JUDG 013 008 . Then Manoah <04495 +Manowach > intreated <06279 +<athar > the LORD <03068 +Y@hovah > , and said <00559 +>amar > , O my Lord <03068 +Y@hovah > , let the man <00376 +>iysh > of God <00430 +>elohiym > which <00834 +>aher > thou didst <06213 +<asah > send <07971 +shalach > come <00935 +bow> > again <{05750} +<owd > unto us , and teach <03384 +yarah > us what <04100 +mah > we shall do <06213 +<asah > unto the child <05288 +na<ar > that shall be born <03205 +yalad > .

05750 JUDG 013 009 And God <00430 +>elohiym > hearkened <08085 +shama< > to the voice <06963 +qowl > of Manoah <04495 +Manowach > ; and the angel <04397 +mal>ak > of God <00430 +>elohiym > came <00935 +bow> > again <{05750} +<owd > unto the woman <00802 +>ishshah > as she sat <03427 +yashab > in the field <07704 +sadeh > : but Manoah <04495 +Manowach > her husband <00376 +>iysh > [was] not with her .

05750 JUDG 018 024 And he said <00559 +>amar > , Ye have taken <03947 +laqach > away my gods <00430 +>elohiym > which <00834 +>aher > I made <06213 +<asah > , and the priest <03548 +kohen > , and ye are gone <03212 +yalak > away : and what <04100 +mah > have I more <{05750} +<owd > ? and what <04100 +mah > [is] this <02088 +zeh > [that] ye say <00559 +>amar > unto me , What <04100 +mah > aileth thee ?

05750 JUDG 020 025 And Benjamin <01144 +Binyami yn > went <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > against <07125 +qir>ah > them out of Gibeah <01390 +Gib<ah > the second <08145 +sheni y > day <03117 +yowm > , and destroyed <07843 +shachath > down to the ground <00776 +>erets > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > again <{05750} +<owd > eighteen thousand <00505 +>eleph > men <00376 +>iysh > ; all <03605 +kol > these <00428 +>el - leh > drew <08025 +shalaph > the sword <02719 +chereb > .

05750 JUDG 020 028 And Phinehas <06372 +Pi yn@chac > , the son <01121 +ben > of Eleazar <00499 +>El<azar > , the son <01121

+ben > of Aaron <00175 +>Aharown > , stood <05975 +<amad >
before it in those <01992 +hem > days <03117 +yowm > ,) saying
<00559 +>amar > , Shall I yet <{05750} +<owd > again <03254
+yacaph > go <03318 +yatsa> > out to battle <04421 +milchamah >
against <05973 +<im > the children <01121 +ben > of Benjamin
<01144 +Binyami yn > my brother <00251 +>ach > , or shall I cease
<02308 +chadal > ? And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > , Go <05927 +<alah > up ; for to morrow <04279 +machar
> I will deliver <05414 +nathan > them into thine hand <03027
+yad > .

05750 RUT 001 011 And Naomi <05281 +No<omiy > said <00559 +>amar
> , Turn <07725 +shuwb > again <07725 +shuwb > , my daughters
<01121 +ben > : why <04100 +mah > will ye go <03212 +yalak >
with me ? [are] there yet <{05750} +<owd > [any more] sons
<01121 +ben > in my womb <04578 +me<ah > , that they may be your
husbands <00582 +>enowsh > ?

05750 RUT 001 014 And they lifted <05375 +nasa> > up their voice
<06963 +qowl > , and wept <01058 +bakah > again <{05750} +<owd >
: and Orpah <06204 +<Orpah > kissed <05401 +nashaq > her mother
<02545 +chamowth > in law <02545 +chamowth > ; but Ruth <07327
+Ruwth > clave <01692 +dabaq > unto her .

05750 1SA 001 018 And she said <00559 +>amar > , Let thine
handmaid <08198 +shiphchah > find <04672 +matsa> > grace <02580
+chen > in thy sight <05869 +<ayin > . So the woman <00802
+>ishshah > went <03212 +yalak > her way <01870 +derek > , and
did eat <00398 +>akal > , and her countenance <06440 +paniym >
was no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > [sad] .

05750 1SA 003 006 And the LORD <03068 +Y@hovah > called <07121
+qara> > yet <{05750} +<owd > again <03254 +yacaph > , Samuel
<08050 +Sh@muw>el > . And Samuel <08050 +Sh@muw>el > arose
<06965 +quwm > and went <03212 +yalak > to Eli <05941 +<Eli y > ,
and said <00559 +>amar > , Here <02005 +hen > [am] I ; for
thou didst call <07121 +qara> > me . And he answered <00559
+>amar > , I called <07121 +qara> > not , my son <01121 +ben > ;
lie <07901 +shakab > down <07901 +shakab > again <07725 +shuwb >
.

05750 1SA 010 022 Therefore they enquired <07592 +sha>al > of
the LORD <03068 +Y@hovah > further <05750 +<owd > , if the man
<00376 +>iysh > should yet <{05750} +<owd > come <00935 +bow> >
thi ther <01988 +halom > . And the LORD <03068 +Y@hovah >
answered <00559 +>amar > , Behold <02009 +hinneh > , he hath hid
<2244> himself <01931 +huw> > among <00413 +>el > the stuff
<03627 +k@liy > .

05750 1SA 010 022 Therefore they enquired <07592 +sha>al > of
the LORD <03068 +Y@hovah > further <{05750} +<owd > , if the man
<00376 +>iysh > should yet <05750 +<owd > come <00935 +bow> >
thi ther <01988 +halom > . And the LORD <03068 +Y@hovah >
answered <00559 +>amar > , Behold <02009 +hinneh > , he hath hid
<2244> himself <01931 +huw> > among <00413 +>el > the stuff
<03627 +k@liy > .

05750 1SA 013 007 And [some of] the Hebrews <05680 +<Ibri y >
went <05674 +<abar > over <05674 +<abar > Jordan <03383 +Yarden
> to the land <00776 +>erets > of Gad <01410 +Gad > and Gilead
<01568 +Gil<ad > . As for Saul <07586 +Sha>uwl > , he [was]
yet <{05750} +<owd > in Gilgal <01537 +Gilgal > , and all <03605
+kol > the people <05971 +<am > followed <00310 +>achar > him
trembling <02729 +charad > .

05750 1SA 016 011 And Samuel <08050 +Sh@muw>el > said <00559

+>amar > unto Jesse <03448 +Yi shay > , Are here <08552 +tamam > all <08552 +tamam > [thy] children <05288 +na<ar > ? And he said <00559 +>amar > , There remaineth <07604 +sha>ar > yet <{05750} +<owd > the youngest <06996 +qatan > , and , behold <02009 +hinneh > , he keepeth <07462 +ra<ah > the sheep <06629 +tso>n > . And Samuel <08050 +Sh@muv>el > said <00559 +>amar > unto Jesse <03448 +Yi shay > , Send <07971 +shalach > and fetch <03947 +laqach > him : for we will not sit <05437 +cabab > down till <05704 +<ad > he come <00935 +bow> > hi ther <06311 +poh > .

05750 1SA 018 008 And Saul <07586 +Sha>uwl > was very <03966 +m<od > wroth <02734 +charah > , and the saying <01697 +dabar > displeased him ; and he said <00559 +>amar > , They have ascribed <05414 +nathan > unto David <01732 +David > ten <07233 +r@babah > thousands <07233 +r@babah > , and to me they have ascribed <05414 +nathan > [but] thousands <00505 +>eleph > : and [what] can he have more <{05750} +<owd > but the kingdom <04410 +m@l uwkah > ?

05750 1SA 020 003 And David <01732 +David > sware <07650 +shaba< > moreover <{05750} +<owd > , and said <00559 +>amar > , Thy father <1> certainly knoweth <03045 +yada< > that I have <01961 +hayah > found <04672 +matsa> > grace <02580 +chen > in thine eyes <05869 +<ayin > ; and he saith <00559 +>amar > , Let not Jonathan <03083 +Y@hownathan > know <03045 +yada< > this <02063 +zo>th > , lest <06435 +pen > he be grieved <06087 +<atsab > : but truly <00199 +>uwlam > [as] the LORD <03068 +Y@hovah > liveth <02416 +chay > , and [as] thy soul <05315 +nephesh > liveth <02416 +chay > , [there is] but a step <06587 +pesa< > between <00996 +beyn > me and death <04194 +maveth > .

05750 1SA 020 014 And thou shalt not only while <00518 +>i m > yet <{05750} +<owd > I live <02416 +chay > shew <06213 +<asah > me the kindness <02617 +checed > of the LORD <03068 +Y@hovah > , that I die <04191 +muwth > not :

05750 1SA 023 004 Then David <01732 +David > enquired <07592 +sha>al > of the LORD <03068 +Y@hovah > yet <{05750} +<owd > again <03254 +yacaph > . And the LORD <03068 +Y@hovah > answered <06030 +<anah > him and said <00559 +>amar > , Arise <06965 +quwm > , go <03381 +yarad > down <03381 +yarad > to Keilah <07084 +Q@<iylah > ; for I will deliver <05414 +nathan > the Philistines <06430 +P@lishtiy > into thine hand <03027 +yad > .

05750 1SA 026 021 . Then said <00559 +>amar > Saul <07586 +Sha>uwl > , I have sinned <02398 +chata> > : return <07725 +shuwb > , my son <01121 +ben > David <01732 +David > : for I will no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > do thee harm <07489 +ra<a< > , because my soul <05315 +nephesh > was precious <03365 +yaqar > in thine eyes <05869 +<ayin > this <02088 +zeh > day <03117 +yowm > : behold <02009 +hinneh > , I have played the fool <05528 +cakal > , and have erred <07683 +shagag > exceedi ngly .

05750 1SA 027 001 . And David <01732 +David > said <00559 +>amar > in his heart <03820 +leb > , I shall now <06258 +<attah > perish <05595 +caphah > one <00259 +>echad > day <03117 +yowm > by the hand <03027 +yad > of Saul <07586 +Sha>uwl > : [there is] nothing <00369 +>ayin > better <02896 +towb > for me than <03588 +kiy > that I should speedily <04422 +malat > escape <04422 +malat > into <00413 +>el > the land <00776 +>erets > of the Philistines <06430 +P@lishtiy > ; and Saul <07586 +Sha>uwl > shall despair <02976 +ya>ash > of me , to seek <01245 +baqash > me any <03605 +kol > more <{05750} +<owd > in any <03605 +kol > coast <01366 +g@buwl > of Israel <03478 +Yisra>el > : so shall I escape <04422 +malat > out of his hand <03027 +yad > .

05750 2SA 001 009 He said <00559 +>amar > unto me again , Stand <05975 +<amad > , I pray <04994 +na> > thee , upon me , and slay <04191 +muwth > me : for anguish <07661 +shabats > is come <00270 +>achaz > upon me , because <03588 +kiy > my life <05315 +nephesh > [is] yet <{05750} +<owd > whole <03605 +kol > in me .

05750 2SA 002 028 So Joab <03097 +Yow>ab > blew <08628 +taqa< > a trumpet <07782 +showphar > , and all <03605 +kol > the people <05971 +<am > stood <05975 +<amad > still , and pursued <07291 +radaph > after <00310 +>achar > Israel <03478 +Yisra>el > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > , neither <03808 +lo> > fought <03898 +lacham > they any more .

05750 2SA 003 011 And he could <03201 +yakol > not answer <07725 +shuwb > Abner <74> a word <01697 +dabar > again <{05750} +<owd > > , because he feared <03372 +yare> > him .

05750 2SA 003 026 And when Joab <03097 +Yow>ab > was come <03318 +yatsa> > out from David <01732 +David > , he sent <07971 +shalach > messengers <04397 +mal>ak > after <00310 +>achar > Abner <74> , which brought <07725 +shuwb > him again <{05750} +<owd > from the well <00953 +bowr > of Sirah <05626 +Cira>h > : but David <01732 +David > knew <03045 +yada< > [it] not .

05750 2SA 003 035 And when all <03605 +kol > the people <05971 +<am > came <00935 +bow> > to cause David <01732 +David > to eat <01262 +barah > meat <03899 +lechem > while it was yet <{05750} +<owd > day <03117 +yowm > , David <01732 +David > sware <07650 +shaba< > , saying <00559 +>amar > , So <03541 +koh > do <06213 +<asah > God <00430 +>elohiy>m > to me , and more <03254 +yacaph > also <03541 +koh > , if I taste <02938 +ta<am > bread <03899 +lechem > , or <00176 +>ow > ought <03972 +m@uw>mah > else , till <06440 +paniy>m > the sun <08121 +shemesh > be down <00935 +bow> > .

05750 2SA 005 013 And David <01732 +David > took <03947 +laqach > [him] more <05750 +<owd > concubines <06370 +piyl>egesh > and wives <00802 +>i>shshah > out of Jerusalem <03389 +Y@ruw>shalaim > , after <00310 +>achar > he was come <00935 +bow> > from Hebron <02275 +Chebrow>n > : and there were yet <{05750} +<owd > sons <01121 +ben > and daughters <01121 +ben > born <03205 +yalad > to David <01732 +David > .

05750 2SA 005 013 And David <01732 +David > took <03947 +laqach > [him] more <{05750} +<owd > concubines <06370 +piyl>egesh > and wives <00802 +>i>shshah > out of Jerusalem <03389 +Y@ruw>shalaim > , after <00310 +>achar > he was come <00935 +bow> > from Hebron <02275 +Chebrow>n > : and there were yet <05750 +<owd > sons <01121 +ben > and daughters <01121 +ben > born <03205 +yalad > to David <01732 +David > .

05750 2SA 005 022 And the Philistines <06430 +P@lishtiy > came <05927 +<alah > up yet <{05750} +<owd > again <03254 +yacaph > , and spread <05203 +natash > themselves in the valley <06010 +<emeq > of Rephaim <07497 +rapha> > .

05750 2SA 006 001 . Again <{05750} +<owd > , David <01732 +David > gathered <03254 +yacaph > together all <03605 +kol > [the] chosen <00970 +bachuwr > [men] of Israel <03478 +Yisra>el > , thirty <07970 +sh@low>shiy>m > thousand <00505 +>eleph > .

05750 2SA 006 022 And I will yet <{05750} +<owd > be more vile <07043 +qalal > than thus <02063 +zo>th > , and will be base <08217 +shaphal > in mine own sight <05869 +<ayin > ; and of the

maid servants <00519 +>amah > which <00834 +>aher > thou hast spoken <00559 +>amar > of , of them shall I be had in honour <03513 +kabad > .

05750 2SA 007 010 Moreover I will appoint <07760 +suwm > a place <04725 +maqowm > for my people <05971 +<am > Israel <03478 +Yisra>el > , and will plant <05193 +nata< > them , that they may dwell <07931 +shakan > in a place <08478 +tachath > of their own , and move <07264 +ragaz > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > ; neither <03808 +lo> > shall the children <01121 +ben > of wickedness <05766 +<evel > afflict <06031 +<anah > them any more <03254 +yacaph > , as beforetime <07223 +ri>shown > ,

05750 2SA 007 019 And this <02063 +zo>th > was yet <{05750} +<owd > a small <06994 +qaton > thing in thy sight <05869 +<ayin > > , O Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > ; but thou hast spoken <01696 +dabar > also <01571 +gam > of thy servant s <05650 +<ebed > house <01004 +bayith > for a great <07350 +rachowq > while <07350 +rachowq > to come . And [is] this <02063 +zo>th > the manner <08452 +towrah > of man <00120 +>adam > , O Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > ?

05750 2SA 007 020 And what <04100 +mah > can David <01732 +David > say <01696 +dabar > more <{05750} +<owd > unto thee ? for thou , Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > , knowest <03045 +yada< > thy servant <05650 +<ebed > .

05750 2SA 009 001 . And David <01732 +David > said <00559 +>amar > , Is there yet <{05750} +<owd > any that is left <03498 +yathar > of the house <01004 +bayith > of Saul <07586 +Sha>uwl > , that I may shew <06213 +<asah > him kindness <02617 +cheded > for Jonathan s <03129 +Yownathan > sake <05668 +<abuwr > ?

05750 2SA 009 003 And the king <04428 +melek > said <00559 +>amar > , [Is] there not yet <{05750} +<owd > any <00376 +>iysh > of the house <01004 +bayith > of Saul <07586 +Sha>uwl > , that I may shew <06213 +<asah > the kindness <02617 +cheded > of God <00430 +>elohiyim > unto him ? And Ziba <06717 +Tsiyba> > said <00559 +>amar > unto the king <04428 +melek > , Jonathan <03083 +Y@hownathan > hath yet <{05750} +<owd > a son <01121 +ben > , [which is] lame <05223 +nakeh > on [his] feet <07272 +regel > .

05750 2SA 009 003 And the king <04428 +melek > said <00559 +>amar > , [Is] there not yet <{05750} +<owd > any <00376 +>iysh > of the house <01004 +bayith > of Saul <07586 +Sha>uwl > , that I may shew <06213 +<asah > the kindness <02617 +cheded > of God <00430 +>elohiyim > unto him ? And Ziba <06717 +Tsiyba> > said <00559 +>amar > unto the king <04428 +melek > , Jonathan <03083 +Y@hownathan > hath yet <05750 +<owd > a son <01121 +ben > , [which is] lame <05223 +nakeh > on [his] feet <07272 +regel > .

05750 2SA 010 019 And when all <03605 +kol > the kings <04428 +melek > [that were] servants <05650 +<ebed > to Hadarezer <01928 +Hadar<ezer > saw <07200 +ra>ah > that they were smitten <05062 +nagaph > before <06440 +paniyim > Israel <03478 +Yisra>el > , they made peace <07999 +shalam > with Israel <03478 +Yisra>el > , and served <05647 +<abad > them . So the Syrians <00758 +>Aram > feared <03372 +yare> > to help <03467 +yasha< > the children <01121 +ben > of Ammon <05983 +<Ammown > any more <{05750} +<owd > .

05750 2SA 012 022 And he said <00559 +>amar > , While the child <03206 +yeled > was yet <{05750} +<owd > alive <02416 +chay > , I fasted <06684 +tsuwm > and wept <01058 +bakah > : for I said <00559 +>amar > , Who <04310 +miy > can tell <03045 +yada< > [

whether] GOD <03068 +Y@hovah > will be gracious <02603 +chanan > to me , that the child <03206 +yeled > may live <02416 +chay > ?

05750 2SA 012 023 But now <06258 +<attah > he is dead <04191 +muwth > , wherefore <04100 +mah > should I fast <06684 +tsuwm > ? can <03201 +yakol > I bring <07725 +shuwb > him back <07725 +shuwb > again <{05750} +<owd > ? I shall go <01980 +halak > to him , but he shall not return <07725 +shuwb > to me .

05750 2SA 014 029 Therefore Absalom <53> sent <07971 +shalach > for Joab <03097 +Yow>ab > , to have sent him to the king <04428 +melek > ; but he would <14> not come <00935 +bow> > to him : and when he sent <07971 +shalach > again <{05750} +<owd > the second <08145 +sheniy > time , he would <14> not come <00935 +bow> > .

05750 2SA 018 014 Then said <00559 +>amar > Joab <03097 +Yow>ab > , I may not tarry <03176 +yachal > thus <03651 +ken > with thee . And he took <03947 +laqach > three <07969 +shalowsh > darts <07626 +shebet > in his hand <03027 +yad > , and thrust <08628 +taqa< > them through the heart <03820 +leb > of Absalom <53> , while <{05750} +<owd > he [was] yet alive <02416 +chay > in the midst <03820 +leb > of the oak <00424 +>elah > .

05750 2SA 018 022 Then said <00559 +>amar > Ahimaaz <00290 +>Achiyama<ats > the son <01121 +ben > of Zadok <06659 +Tsadowq > yet <{05750} +<owd > again <03254 +yacaph > to Joab <03097 +Yow>ab > , But howsoever , let me , I pray <04994 +na> > thee , also <01571 +gam > run <07323 +ruwts > after <00310 +>achar > Cushy <03569 +Kuwshiy > . And Joab <03097 +Yow>ab > said <00559 +>amar > , Wherefore wilt thou run <07323 +ruwts > , my son <01121 +ben > , seeing that thou hast no <00369 +>ayin > tidings <01309 +b@sowrah > ready <04672 +matsa> > ?

05750 2SA 019 028 For all <03605 +kol > [of] my father s <1> house <01004 +bayith > were but dead <04194 +maveth > men <00582 +>enowsh > before <06440 +paniyim > my lord <00113 +>adown > the king <04428 +melek > : yet didst thou set <07896 +shiyth > thy servant <05650 +<ebed > among them that did eat <00398 +>akal > at thine own table <07979 +shulchan > . What <04100 +mah > right <06666 +ts@daqah > therefore have <03426 +yesh > I yet to cry <02199 +za<aq > any more <{05750} +<owd > unto the king <04428 +melek > ?

05750 2SA 019 029 And the king <04428 +melek > said <00559 +>amar > unto him , Why <04100 +mah > speakest <01696 +dabar > thou any more <{05750} +<owd > of thy matters <01697 +dabar > ? I have said <00559 +>amar > , Thou and Ziba <06717 +Tsiyba> > divide <02505 +chalaq > the land <07704 +sadeh > .

05750 2SA 019 035 I [am] this day <03117 +yowm > fourscore <08084 +sh@moniym > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > : [and] can I discern <03045 +yada< > between <00996 +beyn > good <02896 +towb > and evil <07451 +ra< > ? can thy servant <05650 +<ebed > taste <02938 +ta<am > what I eat <00398 +>akal > or <00854 +>eth > what I drink <08354 +shathah > ? can I hear <08085 +shama< > any more <05750 +<owd > the voice <06963 +qowl > of singing <07891 +shiyr > men <00582 +>enowsh > and singing <07891 +shiyr > women ? wherefore <04100 +mah > then should thy servant <05650 +<ebed > be yet <{05750} +<owd > a burden <04853 +massa> > unto my lord <00113 +>adown > the king <04428 +melek > ?

05750 2SA 019 035 I [am] this day <03117 +yowm > fourscore <08084 +sh@moniym > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > : [

and] can I discern <03045 +yada< > between <00996 +beyn > good <02896 +towb > and evil <07451 +ra< > ? can thy servant <05650 +<ebed > taste <02938 +ta<am > what I eat <00398 +>akal > or <00854 +>eth > what I drink <08354 +shathah > ? can I hear <08085 +shama< > any more <{05750} +<owd > the voice <06963 +qowl > of singing <07891 +shiy r > men <00582 +>enowsh > and singing <07891 +shiy r > women ? wherefore <04100 +mah > then should thy servant <05650 +<ebed > be yet <05750 +<owd > a burden <04853 +massa> > unto my lord <00113 +>adown > the king <04428 +melek > ?

05750 2SA 021 015 . Moreover the Philistines <06430 +P@lishtiy > had <01961 +hayah > yet <05750 +<owd > war <04421 +milchamah > again <{05750} +<owd > with Israel <03478 +Yisra>el > ; and David <01732 +David > went <03381 +yarad > down <03381 +yarad > , and his servants <05650 +<ebed > with him , and fought <03898 +lacham > against the Philistines <06430 +P@lishtiy > : and David <01732 +David > waxed faint <05774 +<uwph > .

05750 2SA 021 015 . Moreover the Philistines <06430 +P@lishtiy > had <01961 +hayah > yet <{05750} +<owd > war <04421 +milchamah > again <05750 +<owd > with Israel <03478 +Yisra>el > ; and David <01732 +David > went <03381 +yarad > down <03381 +yarad > , and his servants <05650 +<ebed > with him , and fought <03898 +lacham > against the Philistines <06430 +P@lishtiy > : and David <01732 +David > waxed faint <05774 +<uwph > .

05750 2SA 021 017 But Abishai <52> the son <01121 +ben > of Zerui ah <06870 +Ts@ruwyah > succoured <05826 +<azar > him , and smote <05221 +nakah > the Philistine <06430 +P@lishtiy > , and killed <04191 +muwth > him . Then <00227 +>az > the men <00582 +>enowsh > of David <01732 +David > sware <07650 +shaba< > unto him , saying <00559 +>amar > , Thou shalt go <03318 +yatsa> > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > out with us to battle <04421 +milchamah > , that thou quench <03518 +kabah > not the light <05216 +niyr > of Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 2SA 021 018 And it came <01961 +hayah > to pass after <00310 +>achar > this <03651 +ken > , that there was again <{05750} +<owd > a battle <04421 +milchamah > with the Philistines <06430 +P@lishtiy > at Gob <01359 +Gob > : then <00227 +>az > Sibbechai <05444 +Ci bb@kay > the Hushathite <02843 +Chushathiy > slew <05221 +nakah > Saph <05593 +Caph > , which <00834 +>aher > [was] of the sons <03211 +yaliyd > of the giant <07497 +rapha> > .

05750 2SA 021 019 And there was again <{05750} +<owd > a battle <04421 +milchamah > in Gob <01359 +Gob > with the Philistines <06430 +P@lishtiy > , where Elhanan <00445 +>Elchanan > the son <01121 +ben > of Jaareoregim <03296 +Ya<arey >Or@giym > , a Bethlehemite <01022 +Beyth hal - Lachmiy > , slew <05221 +nakah > [the brother of] Goliath <01555 +Golyath > the Gittite <01663 +Gittiy > , the staff <06086 +<ets > of whose spear <02595 +chaniyth > [was] like a weaver s <00707 +>arag > beam <04500 +manowr > .

05750 2SA 021 020 And there was yet <{05750} +<owd > a battle <04421 +milchamah > in Gath <01661 +Gath > , where was a man <00376 +>iysh > of [great] stature <04055 +mad > , that had on every hand <03027 +yad > six <08337 +shesh > fingers <00676 +>etsba< > , and on every foot <07272 +regel > six <08337 +shesh > toes <00676 +>etsba< > , four <00702 +>arba< > and twenty <06242 +<esriym > in number <04557 +micpar > ; and he also <01571 +gam > was born <03205 +yalad > to the giant <07497 +rapha> > .

05750 1KI 001 014 Behold <02009 +hinneh > , while thou yet
<{05750} +<owd > talkest <01696 +dabar > there <08033 +sham >
with the king <04428 +melek > , I also will come <00935 +bow> >
in after <00310 +>achar > thee , and confirm <04390 +male> > thy
words <01697 +dabar > .

05750 1KI 001 022 And , lo <02009 +hinneh > , while she yet
<{05750} +<owd > talked <01696 +dabar > with the king <04428
+melek > , Nathan <05416 +Nathan > the prophet <05030 +nabiy> >
also came <00935 +bow> > in .

05750 1KI 001 042 And while he yet <{05750} +<owd > spake <01696
+dabar > , behold <02009 +hinneh > , Jonathan <03129 +Yownathan
> the son <01121 +ben > of Abiathar <54> the priest <03548
+kohen > came <00935 +bow> > : and Adonijah <00138 +>Adoniyah >
said <00559 +>amar > unto him , Come <00935 +bow> > in ; for
thou [art] a valiant <02428 +chayil > man <00376 +>iysh > ,
and bringest <01319 +basar > good <02896 +towb > tidings <01319
+basar > .

05750 1KI 008 060 That all <03605 +kol > the people <05971 +<am
> of the earth <00776 +>erets > may know <03045 +yada< > that
the LORD <03068 +Y@hovah > [is] God <00430 +>elohiyim > , [and
that there is] none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > .

05750 1KI 010 005 And the meat <03978 +ma>akal > of his table
<07979 +shulchan > , and the sitting <04186 +mowshab > of his
servants <05650 +<ebed > , and the attendance <04612 +ma<amad >
of his ministers <08334 +sharath > , and their apparel <04403
+malbuwsh > , and his cupbearers <04945 +mashqeh > , and his
ascent <05930 +<olah > by which <00834 +>aher > he went <05927
+<alah > up unto the house <01004 +bayith > of the LORD <03068
+Y@hovah > ; there was no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd >
spirit <07307 +ruwach > in her .

05750 1KI 010 010 And she gave <05414 +nathan > the king <04428
+melek > an hundred <03967 +me>ah > and twenty <06242 +<esriym >
talents <03603 +kikkar > of gold <02091 +zahab > , and of spices
<01314 +besem > very <03966 +m@<od > great <07235 +rabah > store
, and precious <03368 +yaqar > stones <68> : there came <00935
+bow> > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > such <01931 +huw>
> abundance <07230 +rob > of spices <01314 +besem > as these
<01931 +huw> > which <00834 +>aher > the queen <04436 +malkah >
of Sheba <07614 +Sh@ba> > gave <05414 +nathan > to king <04428
+melek > Sol omon <08010 +Sh@l omoh > .

05750 1KI 012 002 And it came <01961 +hayah > to pass , when
Jeroboam <03379 +Yarob<am > the son <01121 +ben > of Nebat
<05028 +N@bat > , who <01931 +huw> > was yet <{05750} +<owd > in
Egypt <04714 +Mi tsrayim > , heard <08085 +shama< > [of it] , (
for he was fled <01272 +barach > from the presence <06440
+paniyim > of king <04428 +melek > Sol omon <08010 +Sh@l omoh > ,
and Jeroboam <03379 +Yarob<am > dwelt <03427 +yashab > in Egypt
<04714 +Mi tsrayim > ;)

05750 1KI 012 005 And he said <00559 +>amar > unto them , Depart
<03212 +yalak > yet <{05750} +<owd > [for] three <07969
+shalowsh > days <03117 +yowm > , then come <07725 +shuwb >
again <07725 +shuwb > to me . And the people <05971 +<am >
departed <03212 +yalak > .

05750 1KI 022 007 And Jehoshaphat <03092 +Y@howshaphat > said
<00559 +>amar > , [Is there] not here <06311 +poh > a prophet
<05030 +nabiy> > of the LORD <03068 +Y@hovah > besides <{05750}
+<owd > , that we might enquire <01875 +darash > of him ?

05750 2KI 002 012 And Elisha <00477 +>Eliysha< > saw <07200 +ra>ah > [it] , and he cried <06817 +tsa>aq > , My father <1> , my father <1> , the chariot <07393 +rekeb > of Israel <03478 +Yisra>el > , and the horsemen <06571 +parash > thereof . And he saw <07200 +ra>ah > him no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > : and he took hold <02388 +chazaq > of his own <00249 +>ezrach > clothes <00899 +beged > , and rent <07167 +qara< > them in two <08147 +sh@nayim > pieces <07168 +qera< > .

05750 2KI 002 021 And he went <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > unto the spring <04161 +mowtsa> > of the waters <04325 +mayim > , and cast <07993 +shalak > the salt <04417 +melach > in there , and said <00559 +>amar > , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > , I have healed <07495 +rapha> > these <00428 +>el - leh > waters <04325 +mayim > ; there shall not be from thence <08033 +sham > any more <{05750} +<owd > death <04194 +maveth > or barren <07921 +shakol > [land] .

05750 2KI 004 006 And it came <01961 +hayah > to pass , when the vessels <03627 +k@liy > were full <04390 +male> > , that she said <00559 +>amar > unto her son <01121 +ben > , Bring <05066 +nagash > me yet a vessel <03627 +k@liy > . And he said <00559 +>amar > unto her , [There is] not a vessel <03627 +k@liy > more <{05750} +<owd > . And the oil <08081 +shemen > stayed <05975 +<amad > .

05750 2KI 005 017 And Naaman <05283 +Na<aman > said <00559 +>amar > , Shall there not then , I pray <04994 +na> > thee , be given <05414 +nathan > to thy servant <05650 +<ebed > two mules <06505 +pered > burden <04853 +massa> > of earth <00127 +>adamah > ? for thy servant <05650 +<ebed > will henceforth <{05750} +<owd > offer <06213 +<asah > neither <03808 +lo> > burnt <05930 +<olah > offering nor sacrifice <02077 +zebach > unto other <00312 +>acher > gods <00430 +>elohiym > , but unto the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 2KI 006 033 And while he yet <05750 +<owd > talked <01696 +dabar > with them , behold <02009 +hinneh > , the messenger <04397 +mal>ak > came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > unto him : and he said <00559 +>amar > , Behold <02009 +hinneh > , this <02063 +zo>th > evil <07451 +ra< > [is] of the LORD <03068 +Y@hovah > ; what <04100 +mah > should I wait <03176 +yachal > for the LORD <03068 +Y@hovah > any longer <{05750} +<owd > ?

05750 2KI 006 033 And while he yet <{05750} +<owd > talked <01696 +dabar > with them , behold <02009 +hinneh > , the messenger <04397 +mal>ak > came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > unto him : and he said <00559 +>amar > , Behold <02009 +hinneh > , this <02063 +zo>th > evil <07451 +ra< > [is] of the LORD <03068 +Y@hovah > ; what <04100 +mah > should I wait <03176 +yachal > for the LORD <03068 +Y@hovah > any longer <05750 +<owd > ?

05750 2KI 012 003 But the high <01116 +bamah > places were not taken <05493 +cuwr > away <05493 +cuwr > : the people <05971 +<am > still <{05750} +<owd > sacrificed <02076 +zabach > and burnt <06999 +qatar > incense <06999 +qatar > in the high <01116 +bamah > places .

05750 2KI 014 004 Howbeit the high <01116 +bamah > places were not taken <05493 +cuwr > away<05493 +cuwr > : as yet <{05750} +<owd > the people <05971 +<am > did sacrifice <02076 +zabach > and burnt <06999 +qatar > incense <06999 +qatar > on the high <01116 +bamah > places .

05750 2KI 015 004 Save <07535 +raq > that the high <01116 +bamah > places were not removed <05493 +cuwr > : the people <05971 +<am > sacrificed <02076 +zabach > and burnt <06999 +qatar > incense <06999 +qatar > still <{05750} +<owd > on the high <01116 +bamah > places .

05750 2KI 015 035 Howbeit the high <01116 +bamah > places were not removed <05493 +cuwr > : the people <05971 +<am > sacrificed <02076 +zabach > and burned <06999 +qatar > incense <06999 +qatar > still <{05750} +<owd > in the high <01116 +bamah > places . He built <01129 +banah > the higher <05945 +>elyown > gate <08179 +sha<ar > of the house <01004 +bayith > of the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 1CH 012 001 . Now these <00428 +>el - leh > [are] they that came <00935 +bow> > to David <01732 +David > to Ziklag <06860 +Tsiqlag > , while he yet <{05750} +<owd > kept <06113 +<atsar > himself close <06113 +<atsar > because <06440 +paniym > of Saul <07586 +Sha>uwl > the son <01121 +ben > of Kish <07027 + Qiysh > : and they [were] among the mighty <01368 +gibbowr > men , helpers <05826 +<azar > of the war <04421 +milchamah > .

05750 1CH 014 003 And David <01732 +David > took <03947 +laqach > more <05750 +<owd > wives <00802 +>ishshah > at Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > : and David <01732 +David > begat <03205 +yalad > more <{05750} +<owd > sons <01121 +ben > and daughters <01121 +ben > .

05750 1CH 014 003 And David <01732 +David > took <03947 +laqach > more <{05750} +<owd > wives <00802 +>ishshah > at Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > : and David <01732 +David > begat <03205 +yalad > more <05750 +<owd > sons <01121 +ben > and daughters <01121 +ben > .

05750 1CH 014 013 And the Philistines <06430 +P@lishtiy > yet <{05750} +<owd > again <03254 +yacaph > spread <06584 +pashat > themselves abroad <06584 +pashat > in the valley <06010 +<emeq > .

05750 1CH 014 014 Therefore David <01732 +David > enquired <07592 +sha>al > again <{05750} +<owd > of God <00430 +>elohiym > ; and God <00430 +>elohiym > said <00559 +>amar > unto him , Go <05927 +<alah > not up after <00310 +>achar > them ; turn <05437 +cabab > away from them , and come <00935 +bow> > upon them over <04136 +muwl > against <04136 +muwl > the mulberry <01057 +baka> > trees .

05750 1CH 017 009 Also I will ordain <07760 +suwm > a place <04725 +maqowm > for my people <05971 +<am > Israel <03478 +Yisra>el > , and will plant <05193 +nata< > them , and they shall dwell <07931 +shakan > in their place <08478 +tachath > , and shall be moved <07264 +ragaz > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > ; neither <03808 +lo> > shall the children <01121 +ben > of wickedness <05766 +<evel > waste <01086 +balah > them any more <03254 +yacaph > , as at the beginning <07223 +ri>shown > ,

05750 1CH 019 019 And when the servants <05650 +<ebed > of Hadarezer <01928 +Hadar<ezer > saw <07200 +ra>ah > that they were put to the worse <05062 +nagaph > before <06440 +paniym > Israel <03478 +Yisra>el > , they made peace <07999 +shalam > with David <01732 +David > , and became <05647 +<abad > his servants <05647 +<abad > : neither <03808 +lo> > would <14> the Syrians <00758 +>Aram > help <03467 +yasha< > the children <01121 +ben > of Ammon <05983 +<Ammown > any more <{05750} +<owd >

> .

05750 1CH 020 005 And there was war <04421 +milchamah > again <{05750} +<owd > with the Philistines <06430 +P@lishtiy > ; and Elhanan <00445 +>Elchanan > the son <01121 +ben > of Jair <02971 +Ya>iyr > slew <05221 +nakah > Lahmi <03902 +Lachmiy > the brother <00251 +>ach > of Goliath <01555 +Golyath > the Gittite <01663 +Gittiy > , whose spear <02595 +chaniyth > staff <06086 +<ets > [was] like a weaver s <00707 +>arag > beam <04500 +manowr >

05750 1CH 020 006 And yet <05750 +<owd > again <{05750} +<owd > there was war <04421 +milchamah > at Gath <01661 +Gath > , where was a man <00376 +>iysh > of [great] stature <04060 +middah > , whose fingers <00676 +>etsba< > and toes <00676 +>etsba< > [were] four <00702 +>arba< > and twenty <06242 +<esriym > , six <08337 +shesh > [on each hand] , and six <08337 +shesh > [on each foot] : and he also <01571 +gam > was the son <03025 +yagor > of the giant <07497 +rapha> > .

05750 1CH 020 006 And yet <{05750} +<owd > again <05750 +<owd > there was war <04421 +milchamah > at Gath <01661 +Gath > , where was a man <00376 +>iysh > of [great] stature <04060 +middah > , whose fingers <00676 +>etsba< > and toes <00676 +>etsba< > [were] four <00702 +>arba< > and twenty <06242 +<esriym > , six <08337 +shesh > [on each hand] , and six <08337 +shesh > [on each foot] : and he also <01571 +gam > was the son <03025 +yagor > of the giant <07497 +rapha> > .

05750 1CH 029 003 Moreover <{05750} +<owd > , because I have set my affection <07521 +ratsah > to the house <01004 +bayith > of my God <00430 +>elohiym > , I have <03426 +yesh > of mine own proper <05459 +c@gullah > good , of gold <02091 +zahab > and silver <03701 +keceph > , [which] I have given <05414 +nathan > to the house <01004 +bayith > of my God <00430 +>elohiym > , over <05921 +<al > and above <04605 +ma<al > all <03605 +kol > that I have prepared <03559 +kuwn > for the holy <06944 +qodesh > house <01004 +bayith > ,

05750 2CH 009 004 And the meat <03978 +ma>akal > of his table <07979 +shulchan > , and the sitting <04186 +mowshab > of his servants <05650 +<ebed > , and the attendance <04612 +ma<amad > of his ministers <08334 +sharath > , and their apparel <04403 +malbuwsh > ; his cupbearers <04945 +mashqeh > also , and their apparel <04403 +malbuwsh > ; and his ascent <05944 +<aliyah > by which <00834 +>aher > he went <05927 +<alah > up into the house <01004 +bayith > of the LORD <03068 +Y@hovah > ; there was no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > spirit <07307 +ruwach > in her .

05750 2CH 013 020 Neither <03808 +lo> > did Jeroboam <03379 +Yarob<am > recover <06113 +<atsar > strength <03581 +koach > again <{05750} +<owd > in the days <03117 +yowm > of Abijah <29> : and the LORD <03068 +Y@hovah > struck <05062 +nagaph > him , and he died <04191 +muwth > .

05750 2CH 014 007 Therefore he said <00559 +>amar > unto Judah <03063 +Y@hurdah > , Let us build <01129 +banah > these <00428 +>el - leh > cities <05892 +<iyr > , and make about <05437 +cabab > [them] walls <02346 +chowmah > , and towers <04026 +migdal > , gates <01817 +deleth > , and bars <01280 +b@riyach > , [while] the land <00776 +>erets > [is] yet <{05750} +<owd > before <06440 +paniym > us ; because <03588 +kiy > we have sought <01875 +darash > the LORD <03068 +Y@hovah > our God <00430 +>elohiym > , we have sought <01875 +darash > [him] , and he hath given us rest <05117 +nuwach > on every <05437

+cabab > side <05439 +cabi yb > . So they built <01129 +banah > and prospered <06743 +tsalach > .

05750 2CH 017 006 And his heart <03820 +leb > was lifted <01361 +gabahn > up in the ways <01870 +derek > of the LORD <03068 +Y@hovah > : moreover <{05750} +<owd > he took away <05493 +cuwr > the high <01116 +bamah > places and groves <00842 +>asherah > out of Judah <03063 +Y@hurdah > .

05750 2CH 018 006 But Jehoshaphat <03092 +Y@howshaphat > said <00559 +>amar > , [Is there] not here a prophet <05030 +nabiy > of the LORD <03068 +Y@hovah > besides <{05750} +<owd > , that we might enquire <01875 +darash > of him ?

05750 2CH 018 007 And the king <04428 +melek > of Israel <03478 +Yisra>el > said <00559 +>amar > unto Jehoshaphat <03092 +Y@howshaphat > , [There is] yet <{05750} +<owd > one <00259 +>echad > man <00376 +>iysh > , by whom we may enquire <01875 +darash > of the LORD <03068 +Y@hovah > : but I hate <08130 +sane> > him ; for he never <00369 +>ayin > prophesied <05012 +naba> > good <02896 +towb > unto me , but always evil <07451 +ra< > : the same <01931 +huw> > [is] Micah <04321 +Miykay@huw > the son <01121 +ben > of Imla <03229 +Yimla> > . And Jehoshaphat <03092 +Y@howshaphat > said <00559 +>amar > , Let not the king <04428 +melek > say <00559 +>amar > so <03651 +ken > .

05750 2CH 020 033 Howbeit the high <01116 +bamah > places were not taken <05493 +cuwr > away <05493 +cuwr > : for as yet <{05750} +<owd > the people <05971 +<am > had not prepared <03559 +kuwn > their hearts <03824 +lebab > unto the God <00430 +>elohiy m > of their fathers <1> .

05750 2CH 027 002 And he did <06213 +<asah > [that which was] right <03477 +yashar > in the sight <05869 +<ayin > of the LORD <03068 +Y@hovah > , according to all <03605 +kol > that his father <25> Uzziah <05818 +<Uzziyah > did <06213 +<asah > : howbeit he entered <00935 +bow> > not into <00413 +>el > the temple <01964 +heykal > of the LORD <03068 +Y@hovah > . And the people <05971 +<am > did yet <{05750} +<owd > corruptly <07843 +shachath > .

05750 2CH 028 017 For again <{05750} +<owd > the Edomites <00130 +>Edomiy > had come <00935 +bow> > and smitten <05221 +nakah > Judah <03063 +Y@hurdah > , and carried <07617 +shabah > away captives <07628 +sh@biy > .

05750 2CH 032 016 And his servants <05650 +<ebed > spake <01696 +dabar > yet <{05750} +<owd > [more] against <05921 +<al > the LORD <03068 +Y@hovah > God <00430 +>elohiy m > , and against <05921 +<al > his servant <05650 +<ebed > Hezekiah <02396 +Chizkiyah > .

05750 2CH 034 001 . Josiah <61> [was] eight <05971 +<am > years old <02076 +zabach > when <{05750} +<owd > he began to <01116 +bamah > reign , and he reigned in <03068 +Y@hovah > Jerusalem one <00430 +>elohiy m > and <07535 +raq > thirty years .

05750 2CH 034 012 And the men did <08083 +sh@moneh > the <08141 +shaneh > work faithfully : and <04427 +malak > the overseers of them <{05750} +<owd > [were <05288 +na<ar >] Jahath and <02490 +chalal > Obadiah , the <01875 +darash > Levites , of the <00430 +>elohiy m > sons of <01732 +David > Merari ; and <1> Zechariah and Meshullam , of the <08141 +shaneh > sons of <02490 +chalal > the Kohathites <02891 +tahir > , to <03063 +Y@hurdah > set [it <03389 +Y@ruwshalaim >] forward ; and [other <01116 +bamah >

of] the Levites , all <00842 +>asherah > that could skill
<06456 +p@ciyl > of instruments of musick <04541 +maccekah > .

05750 2CH 034 016 And Shaphan <08227 +shaphan > carried <00935
+bow> > the book <05612 +cepher > to the king <04428 +melek > ,
and brought <07725 +shuwb > the king <04428 +melek > word <01697
+dabar > back <07725 +shuwb > again <{05750} +<owd > , saying
<00559 +>amar > , All <03605 +kol > that was committed <05414
+nathan > to thy servants <05650 +<ebed > , they do <06213
+<asah > [it] .

05750 EST 002 014 In the evening <06153 +<ereb > she went <00935
+bow> > , and on the morrow <01242 +boqer > she returned <07725
+shuwb > into <00413 +>el > the second <08145 +sheniy > house
<01004 +bayith > of the women <00802 +>ishshah > , to the
custody <03027 +yad > of Shaashgaz <08190 +Sha<ashgaz > , the
king s <04428 +melek > chamberlain <05631 +cariyc > , which kept
<08104 +shamar > the concubines <06370 +piylegesh > : she came
<00935 +bow> > in unto the king <04428 +melek > no <03808 +lo> >
more <{05750} +<owd > , except the king <04428 +melek >
delighted <02654 +chaphets > in her , and that she were called
<07121 +qara> > by name <08034 +shem > .

05750 EST 006 014 And while they [were] yet <{05750} +<owd >
talking <01696 +dabar > with him , came <00935 +bow> > the king
s <04428 +melek > chamberlains <05631 +cariyc > , and hasted
<00926 +bahal > to bring <00935 +bow> > Haman <02001 +Haman >
unto the banquet <04960 +mishteh > that Esther <00635 +>Ecter >
had prepared <06213 +<asah > .

05750 EST 009 012 And the king <04428 +melek > said <00559
+>amar > unto Esther <00635 +>Ecter > the queen <04436 +mal kah >
, The Jews <03064 +Y@huwdiy > have slain <02026 +harag > and
destroyed <6> five <02568 +chamesh > hundred <03967 +me>ah > men
<00376 +>iysh > in Shushan <07800 +Shuwshan > the palace <01002
+biyrah > , and the ten <06235 +<eser > sons <01121 +ben > of
Haman <02001 +Haman > ; what <04100 +mah > have they done <06213
+<asah > in the rest <07605 +sh@>ar > of the king s <04428
+melek > provinces <04082 +m@diynah > ? now what <04100 +mah > [
is] thy petition <07596 +sh@>elah > ? and it shall be granted
<05414 +nathan > thee : or what <04100 +mah > [is] thy request
<01246 +baqqashah > further <{05750} +<owd > ? and it shall be
done <06213 +<asah > .

05750 JOB 002 003 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto Satan <07854 +satan > , Hast thou considered my
servant <05650 +<ebed > Job <00347 +>lyowb > , that [there is]
none <00369 +>ayin > like <03644 +k@mow > him in the earth
<00776 +>erets > , a perfect <08535 +tam > and an upright <03477
+yashar > man <00376 +>iysh > , one that feareth <03373 +yare> >
God <00430 +>elohiym > , and escheweth <05493 +cuwr > evil
<07451 +ra< > ? and still <{05750} +<owd > he holdeth <02388
+chazaq > fast his integrity <08538 +tummah > , although thou
movedst <05496 +cuwrth > me against him , to destroy <01104
+bala< > him wi thout <02600 +chinnam > cause <02600 +chinnam > .

05750 JOB 002 009 Then said <00559 +>amar > his wife <00802
+>ishshah > unto him , Dost thou still <{05750} +<owd > retain
<02388 +chazaq > thine integrity <08538 +tummah > ? curse <01288
+barak > God <00430 +>elohiym > , and die <04191 +muwrth > .

05750 JOB 006 010 Then should I yet <{05750} +<owd > have <01961
+hayah > comfort <05165 +nechamah > ; yea , I would harden
<05539 +calad > myself in sorrow <02427 +chiyl > : let him not
spare <02550 +chamal > ; for I have not concealed <03582 +kachad
> the words <00561 +>emer > of the Holy <06918 +gadowsh > One .

05750 JOB 006 029 Return <07725 +shuwb > , I pray <04994 +na> > you , let it not be iniquity <05766 +<evel > ; yea , return <07725 +shuwb > again <{05750} +<owd > , my righteousness <06664 +tsedeq > [is] in it .

05750 JOB 007 010 He shall return <07725 +shuwb > no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > to his house <01004 +bayith > , nei ther <03808 +lo> > shall his place <04725 +maqowm > know <05234 +nakar > him any more <{05750} +<owd > .

05750 JOB 007 010 He shall return <07725 +shuwb > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > to his house <01004 +bayith > , nei ther <03808 +lo> > shall his place <04725 +maqowm > know <05234 +nakar > him any more <05750 +<owd > .

05750 JOB 008 012 Whilst <05704 +<ad > it [is] yet <{05750} +<owd > in his greenness <3> , [and] not cut <06998 +qataph > down , it withereth <03001 +yabesh > before <06440 +paniym > any <03605 +kol > [other] herb <02682 +chatsiyr > .

05750 JOB 014 007 . For there is hope <08615 +tiqvah > of a tree <06086 +<ets > , if it be cut <03772 +karath > down , that it will sprout <02498 +chalaph > again <{05750} +<owd > , and that the tender <03127 +yowneqeth > branch thereof will not cease <02308 +chadal > .

05750 JOB 020 009 The eye <05869 +<ayin > also [which] saw <07805 +shazaph > him shall [see him] no <03808 +lo> > more <03254 +yacaph > ; nei ther <03808 +lo> > shall his place <04725 +maqowm > any more <{05750} +<owd > behold <07789 +shuwr > him .

05750 JOB 024 020 The womb <07358 +rechem > shall forget <07911 +shakach > him ; the worm <07415 +rimmah > shall feed sweetly <04988 +mathaq > on him ; he shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > remembered <02142 +zakar > ; and wickedness <05766 +<evel > shall be broken <07665 +shabar > as a tree <06086 +<ets > .

05750 JOB 027 003 All <03605 +kol > the while <{05750} +<owd > my breath <05397 +n@shamah > [is] in me , and the spirit <07307 +ruwach > of God <00433 +<elowahh > [is] in my nostrils <00639 +>aph > ;

05750 JOB 029 005 When <05750 +<owd > the Almighty <07706 +Shadday > [was] yet <{05750} +<owd > with me , [when] my children <05288 +na<ar > [were] about <05439 +cabiyl > me ;

05750 JOB 029 005 When <{05750} +<owd > the Almighty <07706 +Shadday > [was] yet <05750 +<owd > with me , [when] my children <05288 +na<ar > [were] about <05439 +cabiyl > me ;

05750 JOB 032 015 . They were amazed <02865 +chathath > , they answered <06030 +<anah > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > : they left <06275 +<athaq > off speaking <04405 +millah > .

05750 JOB 032 016 When I had waited <03176 +yachal > , (for they spake <01696 +dabar > not , but stood <05975 +<amad > still <05975 +<amad > , [and] answered <06030 +<anah > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > ;)

05750 JOB 034 023 For he will not lay <07760 +suwm > upon man <00376 +<iysh > more <{05750} +<owd > [than right <04941 +mishpat >] ; that he should enter <01980 +halak > into judgment <04941 +mishpat > with God <00410 +>el > .

05750 JOB 036 002 Suffer <03803 +kathar > me a little <02191 +ze<eyr > , and I will shew <02331 +chavah > thee that [I have] yet <{05750} +<owd > to speak <04405 +miIIah > on God s <00433 +>el owahh > behal f .

05750 PSA 037 010 For yet <{05750} +<owd > a little <04592 +m@at > while , and the wicked <07563 +rasha< > [shall] not [be] : yea , thou shalt diligently <00995 +biyn > consider <00995 +biyn > his place <04725 +maqowm > , and it [shall] not [be] .

05750 PSA 039 001 . To the chief Musician <05329 +natsach > , [even] to Jeduthun <03038 +Y@duwthuwn > , A Psalm <04210 +mizmwor > of David <01732 +David > . I said <00559 +>amar > , I will take heed <08104 +shamar > to my ways <01870 +derek > , that I sin <02398 +chata> > not with my tongue <03956 +lashown > : I will keep <08104 +shamar > my mouth <06310 +peh > with a bridle <04269 +machcowm > , while <{05750} +<owd > the wicked <07563 +rasha< > is before <05048 +neged > me .

05750 PSA 042 005 Why art thou cast <07817 +shachach > down <07817 +shachach > , O my soul <05315 +nephesh > ? and [why] art thou disquieted <01993 +hamah > in me ? hope <03176 +yachal > thou in God <00430 +>elohiy m > : for I shall yet <{05750} +<owd > praise <03034 +yadah > him [for] the help <03444 +y@shuw<ah > of his countenance <06440 +paniy m > .

05750 PSA 042 011 Why <04100 +mah > art thou cast <07817 +shachach > down <07817 +shachach > , O my soul <05315 +nephesh > ? and why <04100 +mah > art thou disquieted <01993 +hamah > within <05921 +<al > me ? hope <03176 +yachal > thou in God <00430 +>elohiy m > : for I shall yet <{05750} +<owd > praise <03034 +yadah > him , [who is] the health <03444 +y@shuw<ah > of my countenance <06440 +paniy m > , and my God <00430 +>elohiy m > .

05750 PSA 043 005 Why <04100 +mah > art thou cast <07817 +shachach > down <07817 +shachach > , O my soul <05315 +nephesh > ? and why <04100 +mah > art thou disquieted <01993 +hamah > within <05921 +<al > me ? hope <03176 +yachal > in God <00430 +>elohiy m > : for I shall yet <{05750} +<owd > praise <03034 +yadah > him , [who is] the health <03444 +y@shuw<ah > of my countenance <06440 +paniy m > , and my God <00430 +>elohiy m > .

05750 PSA 049 009 That he should still <{05750} +<owd > live <02421 +chayah > for ever <05331 +netsach > , [and] not see <07200 +ra>ah > corruption <07845 +shachath > .

05750 PSA 074 009 We see <07200 +ra>ah > not our signs <00226 +>owth > : [there is] no <00369 +>ayin > more <{05750} +<owd > any prophet <05030 +nabiy> > : neither <03808 +lo> > [is there] among <00854 +>eth > us any that knoweth <03045 +yada< > how <05704 +<ad > long <05704 +<ad > .

05750 PSA 078 017 And they sinned <02398 +chata> > yet <{05750} +<owd > more against him by provoking <04784 +marah > the most <05945 +>elyown > High <05945 +>elyown > in the wilderness <06723 +tsiyah > .

05750 PSA 078 030 They were not estranged <02114 +zuwr > from their lust <08378 +ta>avah > . But while their meat <00400 +>okel > [was] yet <{05750} +<owd > in their mouths <06310 +peh > ,

05750 PSA 078 032 For all <03605 +kol > this <02063 +zo>th > they sinned <02398 +chata> > still <{05750} +<owd > , and

believed <00539 +>aman > not for his wondrous <06381 +pal a> > works .

05750 PSA 084 004 Blessed <00835 +>esher > [are] they that dwell <03427 +yashab > in thy house <01004 +bayith > : they will be still <{05750} +<owd > praising <01984 +halal > thee . Selah <05542 +celah > .

05750 PSA 088 005 Free <02670 +chophshiy > among the dead <04191 +muwth > , like <03644 +k@mow > the slain <02491 +chalal > that lie <07901 +shakab > in the grave <06913 +qeber > , whom <00834 +>aher > thou rememberest <02142 +zakar > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > : and they are cut <01504 +gazar > off from thy hand <03027 +yad > .

05750 PSA 092 014 They shall still <{05750} +<owd > bring <05107 +nuwb > forth <05107 +nuwb > fruit <05107 +nuwb > in old <07872 +seybah > age <07872 +seybah > ; they shall be fat <01879 +dashen > and flourishing <07488 +ra<anan > ;

05750 PSA 103 016 For the wind <07307 +ruwach > passeth <05674 +<abar > over <05674 +<abar > it , and it is gone <00369 +>ayin > ; and the place <04725 +maqom > thereof shall know <05234 +nakar > it no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > .

05750 PSA 104 033 I will sing <07891 +shiy > unto the LORD <03068 +Y@hovah > as long <05704 +<ad > as I live <02416 +chay > : I will sing <02167 +zamar > praise to my God <00430 +>elohiy > while <05750 +<owd > I have my being <{05750} +<owd > .

05750 PSA 104 033 I will sing <07891 +shiy > unto the LORD <03068 +Y@hovah > as long <05704 +<ad > as I live <02416 +chay > : I will sing <02167 +zamar > praise to my God <00430 +>elohiy > while <{05750} +<owd > I have my being <05750 +<owd > .

05750 PSA 104 035 Let the sinners <02400 +chatta> > be consumed <08552 +tamam > out of the earth <00776 +>erets > , and let the wicked <07563 +rasha< > be no <00369 +>ayin > more <{05750} +<owd > . Bless <01288 +barak > thou the LORD <03050 +Yahh > , O my soul <05315 +nephesh > . Praise <01984 +halal > ye the LORD <03050 +Yahh > .

05750 PSA 139 018 [If] I should count <05608 +caphar > them , they are more <07235 +rabah > in number than the sand <02344 +chowl > : when I awake <06974 +quwts > , I am still <{05750} +<owd > with thee .

05750 PSA 141 005 . Let the righteous <06662 +tsaddiyq > smite <01986 +halam > me ; [it shall be] a kindness <02617 +cheched > : and let him reprove <03198 +yakach > me ; [it shall be] an excellent <07218 +ro>sh > oil <08081 +shemen > , [which] shall not break <05106 +nuw> > my head <07218 +ro>sh > : for yet <{05750} +<owd > my prayer <08605 +t@phillah > also [shall be] in their calamities <07451 +ra< > .

05750 PSA 146 002 While I live <02416 +chay > will I praise <01984 +halal > the LORD <03068 +Y@hovah > : I will sing <02167 +zamar > praises unto my God <00430 +>elohiy > while <05750 +<owd > I have any being <{05750} +<owd > .

05750 PSA 146 002 While I live <02416 +chay > will I praise <01984 +halal > the LORD <03068 +Y@hovah > : I will sing <02167 +zamar > praises unto my God <00430 +>elohiy > while <{05750} +<owd > I have any being <05750 +<owd > .

05750 PRO 009 009 Give <05414 +nathan > [instruction] to a

wise <02450 +chakam > [man] , and he will be yet <{05750}
 +<owd > wiser <02449 +chakam > : teach <03045 +yada< > a just
 <06662 +tsaddiyq > [man] , and he will increase <03254 +yacaph
 > in learning <03948 +leqach > .

05750 PRO 011 024 . There is that scattereth <06340 +pazar > ,
 and yet <{05750} +<owd > increaseth <03254 +yacaph > ; and [
 there is] that withholdeth <02820 +chasak > more than is meet
 <03476 +yosher > , but [it tendeth] to poverty <04270
 +machcowr > .

05750 PRO 019 019 . A man of great wrath <02534 +chemah > shall
 suffer <05375 +nasa> > punishment <06066 +<onesh > : for if
 <00518 +>im > thou deliver <05337 +natsal > [him] , yet
 <{05750} +<owd > thou must do it again <03254 +yacaph > .

05750 PRO 023 035 They have stricken <05221 +nakah > me , [
 shalt thou say <00559 +>amar > , and] I was not sick <02470
 +chalah > ; they have beaten <01986 +halam > me , [and] I felt
 <03045 +yada< > [it] not : when <04970 +mathay > shall I awake
 <06974 +quwts > ? I will seek <01245 +baqash > it yet again
 <{05750} +<owd > .

05750 PRO 031 007 Let him drink <08354 +shathah > , and forget
 <07911 +shakach > his poverty <07389 +reysh > , and remember
 <02142 +zakar > his misery <05999 +<amal > no <03808 +lo> > more
 <{05750} +<owd > .

05750 PRO 031 015 She riseth <06965 +quwm > also while it is yet
 <{05750} +<owd > night <03915 +layil > , and giveth <05414
 +nathan > meat <02964 +tereph > to her household <01004 +bayi th
 > , and a portion <02706 +choq > to her maidens <05291 +na<arah
 > .

05750 ECC 003 016 . And moreover <{05750} +<owd > I saw <07200
 +ra>ah > under <08478 +tachath > thesun <08121 +shemesh > the
 place <04725 +maqowm > of judgment <04941 +mi shpat > , [that]
 wickedness <07562 +resha< > [was] there <08033 +sham > ; and
 the place <04725 +maqowm > of righteousness <06664 +tsedeq > , [
 that] iniquity <07562 +resha< > [was] there <08033 +sham > .

05750 ECC 004 013 . Better <02896 +towb > [is] a poor <04542
 +micken > and a wise <02450 +chakam > child <03206 +yeled > than
 an old <02205 +zaqen > and foolish <03684 +k@ciyl > king <04428
 +melek > , who <00834 +>aher > will <03045 +yada< > no <03808
 +lo> > more <{05750} +<owd > be admonished <02094 +zahar > .

05750 ECC 007 028 Which <00834 +>aher > yet <{05750} +<owd > my
 soul <05315 +nephesh > seeketh <01245 +baqash > , but I find
 <04672 +matsa> > not : one <00259 +>echad > man <00120 +>adam >
 among a thousand <00505 +>eleph > have I found <04672 +matsa> > ;
 but a woman <00802 +>ishshah > among all <03605 +kol > those
 <00428 +>el - leh > have I not found <04672 +matsa> > .

05750 ECC 009 005 For the living <02416 +chay > know <03045
 +yada< > that they shall die <04191 +muwth > : but the dead
 <04191 +muwth > know <03045 +yada< > not any <03972 +m@uwmah >
 thing , neither <00369 +>ayin > have they any more <{05750}
 +<owd > a reward <07999 +shalam > ; for the memory <02143 +zeker
 > of them is forgotten <07911 +shakach > .

05750 ECC 009 006 Also <01571 +gam > their love <00160 +>ahabah
 > , and their hatred <08135 +sin>ah> , and their envy <07068
 +qin>ah > , is now <03528 +k@bar > perished <6> ; neither <00369
 +>ayin > have they any more <{05750} +<owd > a portion <02506
 +cheleq > for ever <05769 +<owlam > in any <03605 +kol > [thing
 12/8/2021

] that is done <06466 +pa<al > under <08478 +tachath > the sun
<08121 +shemesh > .

05750 ECC 012 009 And moreover <03148 +yowther > , because the
preacher <06953 +qohelath > was wise <02450 +chakam > , he still
<{05750} +<owd > taught <03925 +lamad > the people <05971 +<am >
knowledge <01847 +da<ath > ; yea , he gave good heed <00238
+>azan > , and sought <02713 +chaqar > out , [and] set in
order <08626 +taqan > many <07235 +rabah > proverbs <04912
+mashal > .

05750 ISA 001 005 Why should ye be stricken <05221 +nakah > any
more <{05750} +<owd > ? ye will revolt <05627 +carah > more and
more : the whole <03605 +kol > head <07218 +ro>sh > is sick
<02483 +choliy > , and the whole <03605 +kol > heart <03824
+lebab > faint <01742 +davvay > .

05750 ISA 001 013 Bring <00935 +bow> > no <03808 +lo> > more
<{05750} +<owd > vain <07723 +shav> > oblations <04503 +mi nchah
> ; incense <07004 +q@toareth > is an abomination <08441
+tow<ebah > unto me ; the new <02320 +chodesh > moons <02320
+chodesh > and sabbaths <07676 +shabbath > , the calling <07121
+qara> > of assemblies <04744 +miqra> > , I cannot away with ; [
it is] iniquity <00205 +>aven > , even the solemn <02282 +chag
> meeting <06116 +<atsarah > .

05750 ISA 002 004 And he shall judge <08199 +shaphat > among
<00996 +beyn > the nations <01471 +gowy > , and shall rebuke
<03198 +yakach > many <07227 +rab > people <05971 +<am > : and
they shall beat <03807 +kathath > their swords <02719 +chereb >
into plowshares <00855 +>eth > , and their spears <02595
+chaniyth > into pruninghooks <04211 +mazmerah > : nation <01471
+gowy > shall not lift <05375 +nasa> > up sword <02719 +chereb >
against <00413 +>el > nation <01471 +gowy > , neither <03808
+lo> > shall they learn <03925 +lamad > war <04421 +milchamah >
any more <{05750} +<owd > .

05750 ISA 005 004 What <04100 +mah > could have been done <06466
+pa<al > more <{05750} +<owd > to my vineyard <03754 +kerem > ,
that I have not done <06466 +pa<al > in it ? wherefore <04069
+madduwa< > , when I looked <06960 +qavah > that it should bring
<06213 +<asah > forth <06213 +<asah > grapes <06025 +<enab > ,
brought <06213 +<asah > it forth <06213 +<asah > wild <00891
+b@>ushi ym > grapes <00891 +b@>ushi ym > ?

05750 ISA 005 025 Therefore is the anger <00639 +>aph > of the
LORD <03068 +Y@hovah > kindled <02734 +charah > against his
people <05971 +<am > , and he hath stretched <05186 +natah >
forth his hand <03027 +yad > against <05921 +<al > them , and
hath smitten <05221 +nakah > them : and the hills <02022 +har >
did tremble <07264 +ragaz > , and their carcasses <05038 +n@belah
> [were] torn <05478 +cuwchah > in the midst <07130 +qereb >
of the streets <02351 +chuwts > . For all <03605 +kol > this
<02063 +zo>th > his anger <00639 +>aph > is not turned <07725
+shuwb > away , but his hand <03027 +yad > [is] stretched
<05186 +natah > out still <{05750} +<owd > .

05750 ISA 006 013 But yet <{05750} +<owd > in it [shall be] a
tenth <06224 +<asiyriy > , and [it] shall return <07725 +shuwb
> , and shall be eaten <01197 +ba<ar > : as a teil <00424 +>elah
> tree , and as an oak <00437 +>allown > , whose <00834 +>aher >
substance <04678 +matstsebeth > [is] in them , when <00834
+>aher > they cast <07995 +shalleketh > [their leaves : so]
the holy <06944 +qodesh > seed <02233 +zera< > [shall be] the
substance <04678 +matstsebeth > thereof .

05750 ISA 009 012 The Syrians <00758 +>Aram > before <06924 +qedem > , and the Philistines <06430 +P@lishtiy > behind <00268 +>achowr > ; and they shall devour <00398 +>akal > Israel <03478 +Yisra>el > with open <06605 +pathach > mouth <06310 +peh > . For all <03605 +kol > this <02063 +zo>th > his anger <00639 +>aph > is not turned <07725 +shuwb > away , but his hand <03027 +yad > [is] stretched <05186 +natah > out still <{05750} +<owd > .

05750 ISA 009 017 Therefore the Lord <00136 +>Adonay > shall have no <03808 +lo> > joy <08055 +samach > in their young <00970 +bachuwr > men , neither <03808 +lo> > shall have mercy <07355 +racham > on their fatherless <03490 +yathowm > and widows <00490 +>almanah > : for every <03605 +kol > one [is] an hypocrite <02611 +chaneph > and an evildoer <07489 +ra<a< > , and every <03605 +kol > mouth <06310 +peh > speaketh <01696 +dabar > folly <05039 +n@balah > . For all <03605 +kol > this <02063 +zo>th > his anger <00639 +>aph > is not turned <07725 +shuwb > away , but his hand <03027 +yad > [is] stretched <05186 +natah > out still <{05750} +<owd > .

05750 ISA 009 021 Manasseh <04519 +M@nashsheh > , Ephraim <00669 +>Ephrayim > ; and Ephraim <00669 +>Ephrayim > , Manasseh <04519 +M@nashsheh > : [and] they together <03162 +yachad > [shall be] against <05921 +<al > Judah <03063 +Y@huwdah > . For all <03605 +kol > this <02063 +zo>th > his anger <00639 +>aph > is not turned <07725 +shuwb > away , but his hand <03027 +yad > [is] stretched <05186 +natah > out still <{05750} +<owd > .

05750 ISA 010 004 Without <01115 +biltiy > me they shall bow <03766 +kara< > down <03766 +kara< > under <08478 +tachath > the prisoners <00616 +>acciyr > , and they shall fall <05307 +naphal > under <08478 +tachath > the slain <02026 +harag > . For all <03605 +kol > this <02063 +zo>th > his anger <00639 +>aph > is not turned <07725 +shuwb > away , but his hand <03027 +yad > [is] stretched <05186 +natah > out still <{05750} +<owd > .

05750 ISA 010 020 . And it shall come <01961 +hayah > to pass in that day <03117 +yowm > , [that] the remnant <07605 +sh@>ar > of Israel <03478 +Yisra>el > , and such as are escaped <06413 +p@leytah > of the house <01004 +bayi th > of Jacob <03290 +Ya<aqob > , shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > again <03254 +yacaph > stay <04937 +mish<en > upon him that smote <05221 +nakah > them ; but shall stay <08172 +sha<an > upon the LORD <03068 +Y@hovah > , the Holy <06918 +qadowsh > One of Israel <03478 +Yisra>el > , in truth <00571 +>emeth > .

05750 ISA 010 025 For yet <{05750} +<owd > a very <04213 +mi z<ar > little <04592 +m@<at > while , and the indignation <02195 +za<am > shall cease <03615 +kalah > , and mine anger <00639 +>aph > in their destruction <08399 +tabliy th > .

05750 ISA 010 032 As yet <{05750} +<owd > shall he remain <05975 +<amad > at Nob <05011 +Nob > that day <03117 +yowm > : he shall shake <05130 +nuwph > his hand <03027 +yad > [against] the mount <02022 +har > of the daughter <01004 +bayi th > of Zion <06726 +Tsiyown > , the hill <01389 +gib<ah > of Jerusalem <03389 +Y@ruwshal aim > .

05750 ISA 014 001 . For the LORD <03068 +Y@hovah > will have mercy <07355 +racham > on Jacob <03290 +Ya<aqob > , and will yet <{05750} +<owd > choose <00977 +bachar > Israel <03478 +Yisra>el > , and set <03240 +yanach > them in their own land <00127 +>adamah > : and the strangers <01616 +ger > shall be joined <03867 +lavah > with them , and they shall cleave <05596 +caphach > to the house <01004 +bayi th > of Jacob <03290

+Ya<aqob > .

05750 ISA 021 016 For thus <03541 +koh > hath the Lord <00136 +>Adonay > said <00559 +>amar > unto me , Within <{05750} +<owd >
> a year <08141 +shaneh > , according to the years <08141 +shaneh > of an hireling <07916 +sakiyr > , and all <03605 +kol >
> the glory <03519 +kabowd > of Kedar <06938 +Qedar > shall fail <03615 +kalah > :

05750 ISA 023 010 Pass <05674 +<abar > through thy land <00776 +>erets > as a river <02975 +y@<or > , O daughter <01323 +bath > of Tarshish <08659 +Tarshiysh > : [there is] no <00369 +>ayin >
> more <{05750} +<owd > strength <04206 +maziych > .

05750 ISA 023 012 And he said <00559 +>amar > , Thou shalt no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > rejoice <05937 +<al az > , O thou oppressed <06231 +<ashaq > virgin <01330 +b@thuwlah > , daughter <01323 +bath > of Zidon <06721 +Tsiydown > : arise <06965 +quwm > , pass <05674 +<abar > over <05674 +<abar > to Chittim <03794 +Kittiy > ; there <08033 +sham > also <01571 +gam > shalt thou have no <03808 +lo> > rest <05117 +nuwach > .

05750 ISA 026 021 For , behold <02009 +hinneh > , the LORD <03068 +Y@hovah > cometh <03318 +yatsa> > out of his place <04725 +maqowm > to punish <06485 +paqad > the inhabitants <03427 +yashab > of the earth <00776 +>erets > for their iniquity <05771 +<avon > : the earth <00776 +>erets > also shall disclose <01540 +galah > her blood <01818 +dam > , and shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > cover <03680 +kacah > her slain <02026 +harag > .

05750 ISA 028 004 And the glorious <06643 +ts@biy > beauty <08597 +tiph>arah > , which <00834 +>aher > [is] on <05921 +<al > the head <07218 +ro>sh > of the fat <08081 +shemen > valley <01516 +gay> > , shall be a fading <05034 +nabel > flower <06733 +tsiytsah > , [and] as the hasty <01061 +bikkuwr > fruit <01061 +bikkuwr > before <02962 +terem > the summer <07019 +qayits > ; which <00834 +>aher > [when] he that looketh <07200 +ra>ah > upon it seeth <07200 +ra>ah > , while it is yet <{05750} +<owd > in his hand <03709 +kaph > he eateth <01104 +bala< > it up .

05750 ISA 029 017 . [Is] it not yet <{05750} +<owd > a very <04213 +miz<ar > little <04592 +m@<at > while , and Lebanon <03844 +L@banown > shall be turned <07725 +shuwb > into a fruitful <03759 +karmel > field , and the fruitful <03759 +karmel > field shall be esteemed <02803 +chashab > as a forest <03293 +ya<ar > ?

05750 ISA 030 020 And [though] the Lord <00136 +>Adonay > give <05414 +nathan > you the bread <03899 +lechem > of adversity <06862 +tsar > , and the water <04325 +mayim > of affliction <03905 +lachats > , yet shall not thy teachers <03384 +yarah > be removed <03670 +kanaph > into a corner <03671 +kanaph > any more <{05750} +<owd > , but thine eyes <05869 +<ayin > shall see <07200 +ra>ah > thy teachers <03384 +yarah > :

05750 ISA 032 005 The vile <05036 +nabal > person shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > called <07121 +qara> > liberal <05081 +nadiyb > , nor <03808 +lo> > the churl <03596 +kiylay > said <00559 +>amar > [to be] bountiful <07771 +showa< > .

05750 ISA 045 005 . I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > , and [there is] none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > , [there is] no <00369 +>ayin > God <00430 +>elohiyim > beside <02108

+zuwlah > me : I girded <00247 +>azar > thee , though thou hast not known <03045 +yada< > me :

05750 ISA 045 006 That they may know <03045 +yada< > from the rising <04217 +mizrach > of the sun <08121 +shemesh > , and from the west <04628 +ma<arab > , that [there is] none <00657 +>ephec > beside <01107 +bil<adey > me . I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > , and [there is] none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > .

05750 ISA 045 014 Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > , The Labour <03018 +y@giya< > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , and merchandise <05505 +cachar > of Ethiopia <03568 +Kuush > and of the Sabeans <05436 +C@ba>iy > , men <00582 +>enowsh > of stature <04060 +middah > , shall come <05674 +<abar > over <05674 +<abar > unto thee , and they shall be thine : they shall come <03212 +yalak > after <00310 +>achar > thee ; in chains <02131 +ziyqah > they shall come <05674 +<abar > over <05674 +<abar > , and they shall fall <07812 +shachah > down <07812 +shachah > unto thee , they shall make supplication <06419 +palal > unto thee , [saying] , Surely <00389 +>ak > God <00410 +>el > [is] in thee ; and [there is] none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > , [there is] no <00657 +>ephec > God <00430 +>elohiyim > .

05750 ISA 045 018 For thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > that created <01254 +bara> > the heavens <08064 +shamayim > ; God <00430 +>elohiyim > himself <01931 +huw> > that formed <03335 +yatsar > the earth <00776 +>erets > and made <06213 +<asah > it ; he hath established <03559 +kuwn > it , he created <01254 +bara> > it not in vain <08414 +tohuw > , he formed <03335 +yatsar > it to be inhabited <03427 +yashab > : I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > ; and [there is] none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > .

05750 ISA 045 021 Tell <05046 +nagad > ye , and bring <05066 +nagash > [them] near <05066 +nagash > ; yea <00637 +>aph > , let them take counsel <03289 +ya<ats > together <03162 +yachad > : who <04310 +miy > hath declared <05046 +nagad > this <02063 +zo>th > from ancient <06924 +qedem > time ? [who] hath told <05046 +nagad > it from that time <00227 +>az > ? [have] not I the LORD <03068 +Y@hovah > ? and [there is] no <00369 +>ayin > God <00430 +>elohiyim > else <{05750} +<owd > beside <01107 +bil<adey > me ; a just <06662 +tsaddiyq > God <00410 +>el > and a Saviour <03467 +yasha< > ; [there is] none <00369 +>ayin > beside <02108 +zuwlah > me .

05750 ISA 045 022 Look <06437 +panah > unto me , and be ye saved <03467 +yasha< > , all the ends <00657 +>ephec > of the earth <00776 +>erets > : for I [am] God <00410 +>el > , and [there is] none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > .

05750 ISA 046 009 Remember <02142 +zakar > the former <07223 +ri>shown > things of old <05769 +<owlam > : for I [am] God <00410 +>el > , and [there is] none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > ; [I am] God <00430 +>elohiyim > , and [there is] none <00657 +>ephec > like <03644 +k@mow > me ,

05750 ISA 047 008 Therefore hear <08085 +shama< > now <06258 +<attah > this <02063 +zo>th > , [thou that art] given to pleasures <05719 +<adiyn > , that dwellest <03427 +yashab > carelessly <00983 +betach > , that sayest <00559 +>amar > in thine heart <03824 +lebab > , I [am] , and none <00657 +>ephec > else <{05750} +<owd > beside <00657 +>ephec > me ; I shall not sit <03427 +yashab > [as] a widow <00490 +>almanah > , neither <03808 +lo> > shall I know <03045 +yada< > the loss <07921

+shakol > of children :

05750 ISA 047 010 For thou hast trusted <00982 +batach > in thy wickedness <07451 +ra< > : thou hast said <00559 +>amar > , None <00369 +>ayin > seeth <07200 +ra>ah > me . Thy wisdom <02451 +chokmah > and thy knowledge <01847 +da<ath > , it hath perverted <07725 +shuwb > thee ; and thou hast said <00559 +>amar > in thine heart <03820 +leb > , I [am] , and none <00657 +>ephec > else <{05750} +<owd > beside <00657 +>ephec > me .

05750 ISA 049 020 The children <01121 +ben > which thou shalt have , after thou hast lost <07923 +shikkuliyim > the other , shall say <00559 +>amar > again <{05750} +<owd > in thine ears <00241 +>ozen > , The place <04725 +maqowm > [is] too strait <06862 +tsar > for me : give <05066 +nagash > place <04725 +maqowm > to me that I may dwell <03427 +yashab > .

05750 ISA 051 022 Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > thy Lord <00113 +>adown > the LORD <03068 +Y@hovah > , and thy God <00430 +>elohiyim > [that] pleadeth <07378 +riyb > the cause of his people <05971 +<am > , Behold <02009 +hinneh > , I have taken <03947 +laqach > out of thine hand <03027 +yad > the cup <03563 +kowc > of trembling <08653 +tar<elah > , [even] the dregs <06907 +qubba<ath > of the cup <03563 +kowc > of my fury <02534 +chemah > ; thou shalt no <03808 +lo> > more <03254 +yacaph > drink <08354 +shathah > it again <{05750} +<owd > :

05750 ISA 054 004 Fear <03372 +yare> > not ; for thou shalt not be ashamed <00954 +buwsh > : neither <00408 +>al > be thou confounded <03637 +kalam > ; for thou shalt not be put to shame <02659 +chapher > : for thou shalt forget <07911 +shakach > the shame <01322 +bosheth > of thy youth <05934 +<aluum > , and shalt not remember <02142 +zakar > the reproach <02781 +cherpah > of thy widowhood <00491 +>almanuwth > any more <{05750} +<owd > > .

05750 ISA 054 009 For this <02063 +zo>th > [is as] the waters <04325 +mayim > of Noah <05146 +Noach > unto me : for [as] I have sworn <07650 +shaba< > that the waters <04325 +mayim > of Noah <05146 +Noach > should no more <{05750} +<owd > go <05674 +<abar > over <05674 +<abar > the earth <00776 +>erets > ; so <03651 +ken > have I sworn <07650 +shaba< > that I would not be wroth <07107 +qatsaph > with thee , nor rebuke <01605 +ga<ar > thee .

05750 ISA 056 008 The Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > which gathereth <06908 +qabats > the outcasts <01760 +dachah > of Israel <03478 +Yisra<el > saith <05002 +n@>um > , Yet <{05750} +<owd > will I gather <06908 +qabats > [others] to him , beside those that are gathered <06908 +qabats > unto him .

05750 ISA 060 018 Violence <02555 +chamac > shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > be heard <08085 +shama< > in thy land <00776 +>erets > , wasting <07701 +shod > nor destruction <07667 +sheber > within thy borders <01366 +g@buwl > ; but thou shalt call <07121 +qara> > thy walls <02346 +chowmah > Salvation <03444 +y@shuw<ah > , and thy gates <08179 +sha<ar > Praise <08416 +t@hillah > .

05750 ISA 060 019 The sun <08121 +shemesh > shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > thy light <00216 +>owr > by day <03117 +yowm > ; neither <03808 +lo> > for brightness <05051 +nogahh > shall the moon <03394 +yareach > give light <00216 +>owr > unto thee : but the LORD <03068 +Y@hovah > shall be unto thee an everlasting <05769 +<owlam > light <00216 +>owr > , and

thy God <00430 +>elohiy m > thy glory <08597 +tiph>arah > .

05750 ISA 060 020 Thy sun <08121 +shemesh > shall no <03808 +lo>
> more <{05750} +<owd > go <00935 +bow> > down ; neither <03808
+lo> > shall thy moon <03391 +yerach > withdraw <00622 +>acaph >
itself : for the LORD <03068 +Y@hovah > shall be thine
everlasting <05769 +<owlam > light <00216 +>owr > , and the days
<03117 +yowm > of thy mourning <60> shall be ended <07999
+shalam > .

05750 ISA 062 004 Thou shalt no <03808 +lo> > more <05750 +<owd
> be termed <00559 +>amar > Forsaken <05800 +<azab > ; neither
<03808 +lo> > shall thy land <00776 +>erets > any more <{05750}
+<owd > be termed <00559 +>amar > Desolate <08077 +sh@mamah > :
but thou shalt be called <07121 +qara> > Hephzi bah <02657
+Chephtsiy bahh > , and thy land <00776 +>erets > Beulah <01166
+ba<al > : for the LORD <03068 +Y@hovah > delighteth <02654
+chaphets > in thee , and thy land <00776 +>erets > shall be
married <01166 +ba<al > .

05750 ISA 062 004 Thou shalt no <03808 +lo> > more <{05750}
+<owd > be termed <00559 +>amar > Forsaken <05800 +<azab > ;
neither <03808 +lo> > shall thy land <00776 +>erets > any more
<05750 +<owd > be termed <00559 +>amar > Desolate <08077
+sh@mamah > : but thou shalt be called <07121 +qara> > Hephzi bah
<02657 +Chephtsiy bahh > , and thy land <00776 +>erets > Beulah
<01166 +ba<al > : for the LORD <03068 +Y@hovah > delighteth
<02654 +chaphets > in thee , and thy land <00776 +>erets > shall
be married <01166 +ba<al > .

05750 ISA 065 019 And I will rejoice <01523 +giyl > in Jerusalem
<03389 +Y@ruwshalaim > , and joy <07796 +Sowreq > in my people
<05971 +<am > : and the voice <06963 +qowl > of weeping <01065
+B@kiy > shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > heard
<08085 +shama< > in her , nor the voice <06963 +qowl > of crying
<02201 +za<aq > .

05750 ISA 065 020 There shall be no <03808 +lo> > more <{05750}
+<owd > thence <08033 +sham > an infant <05764 +<uwl > of days
<03117 +yowm > , nor an old <02205 +zaqen > man that hath not
filled <04390 +male> > his days <03117 +yowm > : for the child
<05288 +na<ar > shall die <04191 +muwth > an hundred <03967
+me>ah > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > ; but the
sinner <02398 +chata> > [being] an hundred <03967 +me>ah >
years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > shall be accursed
<07043 +qalal > .

05750 ISA 065 024 And it shall come <01961 +hayah > to pass ,
that before <02962 +terem > they call <07121 +qara> > , I will
answer <06030 +<anah > ; and while they are yet <{05750} +<owd >
speaking <01696 +dabar > , I will hear <08085 +shama< > .

05750 JER 002 009 . Wherefore <03651 +ken > I will yet <{05750}
+<owd > plead <07378 +riyb > with you , saith <05002 +n@>um >
the LORD <03068 +Y@hovah > , and with your children s <01121
+ben > children <01121 +ben > will I plead <07378 +riyb > .

05750 JER 002 031 O generation <01755 +dowr > , see <07200
+ra>ah > ye the word <01697 +dabar > of the LORD <03068 +Y@hovah
> . Have I been <01961 +hayah > a wilderness <04057 +midbar >
unto Israel <03478 +Yisra>el > ? a land <00776 +>erets > of
darkness <03991 +ma>phel@yah > ? wherefore <04069 +madduwa< >
say <00559 +>amar > my people <05971 +<am > , We are lords
<07300 +ruwd > ; we will come <00935 +bow> > no <03808 +lo> >
more <{05750} +<owd > unto thee ?

05750 JER 003 001 . They say <00559 +>amar > , If a man <00376 +>iysh > put <07971 +shalach > away his wi fe <00802 +>ishshah > , and she go <01980 +halak > from him , and become <01961 +hayah > another <00312 +>acher > man s <00376 +>iysh > , shall he return <07725 +shuwb > unto her again <{05750} +<owd > ? shall not that land <00776 +>erets > be greatly polluted <02610 +chaneph > ? but thou hast played the harlot <02181 +zanah > with many <07227 +rab > lovers <07453 +rea< > ; yet return <07725 +shuwb > again to me , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 JER 003 016 And it shall come <01961 +hayah > to pass , when <03588 +kiy > ye be multiplied <07235 +rabah > and increased <06509 +parah > in the land <00776 +>erets > , in those <01992 +hem > days <03117 +yowm > , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > , they shall say <00559 +>amar > no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > , The ark <00727 +>arown > of the covenant <01285 +b@riyth > of the LORD <03068 +Y@hovah > : neither <03808 +lo> > shall it come <05927 +<alah > to mind <03820 +leb > : neither <03808 +lo> > shall they remember <02142 +zakar > it ; neither <03808 +lo> > shall they visit <06485 +paqad > [it] ; neither <03808 +lo> > shall [that] be done <06213 +<asah > any more <{05750} +<owd > .

05750 JER 003 016 And it shall come <01961 +hayah > to pass , when <03588 +kiy > ye be multiplied <07235 +rabah > and increased <06509 +parah > in the land <00776 +>erets > , in those <01992 +hem > days <03117 +yowm > , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > , they shall say <00559 +>amar > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > , The ark <00727 +>arown > of the covenant <01285 +b@riyth > of the LORD <03068 +Y@hovah > : neither <03808 +lo> > shall it come <05927 +<alah > to mind <03820 +leb > : neither <03808 +lo> > shall they remember <02142 +zakar > it ; neither <03808 +lo> > shall they visit <06485 +paqad > [it] ; neither <03808 +lo> > shall [that] be done <06213 +<asah > any more <05750 +<owd > .

05750 JER 003 017 At that time <06256 +<eth > they shall call <07121 +qara> > Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > the throne <03678 +kicce> > of the LORD <03068 +Y@hovah > ; and all <03605 +kol > the nations <01471 +gowy > shall be gathered <06960 +qavah > unto it , to the name <08034 +shem > of the LORD <03068 +Y@hovah > , to Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > : neither <03808 +lo> > shall they walk <03212 +yalak > any more <{05750} +<owd > after <00310 +>achar > the imagination <08307 +sh@riyruwth > of their evil <07451 +ra< > heart <03820 +leb > .

05750 JER 007 032 Therefore <03651 +ken > , behold <02009 +hinneh > , the days <03117 +yowm > come <00935 +bow> > , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > , that it shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > be called <00559 +>amar > Tophet <08612 +Topheth > , nor the valley <01516 +gay> > of the son <01121 +ben > of Hinnom <02011 +Hinnom > , but the valley <01516 +gay> > of slaughter <02028 +haregah > : for they shall bury <06912 +qabar > in Tophet <08612 +Topheth > , till there be no <00369 +>ayin > place <04725 +maqom > .

05750 JER 010 020 My tabernacle <00168 +>ohel > is spoiled <07703 +shadad > , and all <03605 +kol > my cords <04340 +meythar > are broken <05423 +nathaq > : my children <01121 +ben > are gone <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > of me , and they [are] not : [there is] none <00369 +>ayin > to stretch <05186 +natah > forth my tent <00168 +>ohel > any more <{05750} +<owd > , and to set <06965 +quwm > up my curtains <03407 +y@riy<ah > .

05750 JER 011 019 But I [was] like a lamb <03532 +kebes > [or] an ox <00441 +>alluwph > [that] is brought <02986 +yabal > to the slaughter <02873 +tabach > ; and I knew <03045 +yada< > not that they had devised <02803 +chashab > devices <04284 +machashabah > against <05921 +<al > me , [saying] , Let us destroy <07843 +shachath > the tree <06086 +<ets > with the fruit <03899 +lechem > thereof , and let us cut <03772 +karath > him off from the land <00776 +>erets > of the living <02416 +chay > , that his name <08034 +shem > may be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > remembered <02142 +zakar > .

05750 JER 013 027 I have seen <07200 +ra>ah > thine adulteries <05004 +ni>uph > , and thy neighings <04684 +matshalah > , the lewdness <02154 +zimmah > of thy whoredom <02184 +z@nuwth > , [and] thine abominations <08251 +shiqquwts > on <05921 +<al > the hills <01389 +gib<ah > in the fields <07704 +sadeh > . Woe <00188 +>owy > unto thee , O Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > ! wilt thou not be made clean <02891 +tahir > ? when [shall it] once <{05750} +<owd > [be] ?

05750 JER 015 009 She that hath borne <03205 +yalad > seven <07651 +sheba< > languisheth <00535 +>amal > : she hath given <05301 +naphach > up the ghost <05315 +nephesh > ; her sun <08121 +shemesh > is gone <00935 +bow> > down while [it was] yet <{05750} +<owd > day <03119 +yowmam > : she hath been <01961 +hayah > ashamed <00954 +buwsh > and confounded <02659 +chapter > : and the residue <07611 +sh@>eriyth > of them will I deliver <05414 +nathan > to the sword <02719 +chereb > before <06440 +paniyim > their enemies <00341 +>oyeb > , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 JER 016 014 . Therefore <03651 +ken > , behold <02009 +hinneh > , the days <03117 +yowm > come <00935 +bow> > , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > , that it shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > be said <00559 +>amar > , The LORD <03068 +Y@hovah > liveth <02416 +chay > , that brought <05927 +<alah > up the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mi tsrayim > ;

05750 JER 019 006 Therefore <03651 +ken > , behold <02009 +hinneh > , the days <03117 +yowm > come <00935 +bow> > , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > , that this <02088 +zeh > place <04725 +maqom > shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > be called <07121 +qara> > Tophet <08612 +Topheth > , nor The valley <01516 +gay> > of the son <01121 +ben > of Hinnom <02011 +Hin nom > , but The valley <01516 +gay> > of slaughter <02028 +haregah > .

05750 JER 019 011 And shalt say <00559 +>amar > unto them , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > ; Even <03602 +kakah > so <03602 +kakah > will I break <07665 +shabar > this <02088 +zeh > people <05971 +<am > and this <02063 +zo>th > city <05892 +<iyr > , as [one] breaketh <07665 +shabar > a potter s <03335 +yatsar > vessel <03627 +k@liy > , that cannot be made <07495 +rapha> > whole <07495 +rapha> > again <{05750} +<owd > : and they shall bury <06912 +qabar > [them] in Tophet <08612 +Topheth > , till [there be] no <00369 +>ayin > place <04725 +maqom > to bury <06912 +qabar > .

05750 JER 020 009 Then I said <00559 +>amar > , I will not make mention <02142 +zakar > of him , nor <03808 +lo> > speak <01696 +dabar > any more <{05750} +<owd > in his name <08034 +shem > . But [his word] was in mine heart <03820 +leb > as a burning <01197 +ba<ar > fire <00784 +>esh > shut <06113 +<atsar > up in

my bones <06106 +<etsem > , and I was weary <03811 +la>ah > with
 forbearing <03557 +kuwl > , and I could <03201 +yakol > not [
 stay] .

05750 JER 022 010 . Weep <01058 +bakah > ye not for the dead
 <04191 +muwth > , neither <00408 +>al > bemoan <05110 +nuwd >
 him : [but] weep <01058 +bakah > sore for him that goeth
 <01980 +halak > away : for he shall return <07725 +shuwb > no
 <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > , nor see <07200 +ra>ah >
 his native <04138 +mowledeth > country <00776 +>erets > .

05750 JER 022 011 For thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar >
 the LORD <03068 +Y@hovah > touching <00413 +>el > Shallum <07967
 +Shallumm > the son <01121 +ben > of Josiah <02977 +Yo>shiyah >
 king <04428 +melek > of Judah <03063 +Y@huwdah > , which reigned
 <04427 +malak > instead <08478 +tachath > of Josiah <02977
 +Yo>shiyah > his father <1> , which <00834 +>aher > went <03318
 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > out of this <02088 +zeh > place
 <04725 +maqowm > ; He shall not return <07725 +shuwb > thither
 <08033 +sham > any more <{05750} +<owd > :

05750 JER 022 012 But he shall die <04191 +muwth > in the place
 <04725 +maqowm > whither they have led him captive <01540 +galah
 > , and shall see <07200 +ra>ah > this <02063 +zo>th > land
 <00776 +>erets > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > .

05750 JER 022 030 Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the
 LORD <03068 +Y@hovah > , Write <03789 +kathab > ye this <02088
 +zeh > man <00376 +>iysh > childless <06185 +<ariyriy > , a man
 <01397 +geber > [that] shall not prosper <06743 +tsalach > in
 his days <03117 +yowm > : for no <03808 +lo> > man <00376 +>iysh
 > of his seed <02233 +zera< > shall prosper <06743 +tsalach > ,
 sitting <03427 +yashab > upon the throne <03678 +kicce> > of
 David <01732 +David > , and ruling <04910 +mashal > any more
 <{05750} +<owd > in Judah <03063 +Y@huwdah > .

05750 JER 023 004 And I will set <06965 +quwm > up shepherds
 <07462 +ra<ah > over <05921 +<al > them which shall feed <07462
 +ra<ah > them : and they shall fear <03372 +yare> > no <03808
 +lo> > more <{05750} +<owd > , nor <03808 +lo> > be dismayed
 <02865 +chathath > , neither <03808 +lo> > shall they be lacking
 <06485 +paqad > , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah
 > .

05750 JER 023 007 Therefore <03651 +ken > , behold <02009
 +hinneh > , the days <03117 +yowm > come <00935 +bow> > , saith
 <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > , that they shall no
 <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > say <00559 +>amar > , The
 LORD <03068 +Y@hovah > liveth <02416 +chay > , which <00834
 +>aher > brought <05927 +<alah > up the children <01121 +ben >
 of Israel <03478 +Yisra>el > out of the land <00776 +>erets > of
 Egypt <04714 +Mi tsrayim > ;

05750 JER 023 036 And the burden <04853 +massa> > of the LORD
 <03068 +Y@hovah > shall ye mention <02142 +zakar > no <03808
 +lo> > more <{05750} +<owd > : for every man s <00376 +>iysh >
 word <01697 +dabar > shall be his burden <04853 +massa> > ; for
 ye have perverted <02015 +haphak > the words <01697 +dabar > of
 the living <02416 +chay > God <00430 +>elohiy m > , of the LORD
 <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > our God <00430
 +>elohiy m > .

05750 JER 028 003 Within <{05750} +<owd > two full <03117 +yowm
 > years <08141 +shaneh > will I bring <07725 +shuwb > again
 <07725 +shuwb > into this <02008 +hennah > place <04725 +maqowm
 > all <03605 +kol > the vessels <03627 +k@liy > of the LORD S
 12/8/2021

<03068 +Y@hovah > house <01004 +bayi th > , that Nebuchadnezzar
<05019 +N@buwkadne>tstsar > king <04428 +melek > of Babyl on
<00894 +Babel > took <03947 +laqach > away from this <02008
+hennah > place <04725 +maqowm > , and carried <00935 +bow >
them to Babylon <00894 +Babel > :

05750 JER 028 011 And Hanani ah <02608 +Chananyah > spake <00559
+>amar > in the presence <05869 +<ayin > of all <03605 +kol >
the people <05971 +<am > , saying <00559 +>amar > , Thus <03602
+kakah > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > ; Even
<03602 +kakah > so <03602 +kakah > will I break <07665 +shabar >
the yoke <05923 + of Nebuchadnezzar <05019
+N@buwkadne>tstsar > king <04428 +melek > of Babyl on <00894
+Babel > from the neck <06677 +tsavva>r > of all <03605 +kol >
nations <01471 +gowy > within <05750 +<owd > the space <{05750}
+<owd > of two full <03117 +yowm > years <08141 +shaneh > . And
the prophet <05030 +nabiy> > Jeremiah <03414 +Yirm@yah > went
<03212 +yalak > hi s way <01870 +derek > .

05750 JER 028 011 And Hanani ah <02608 +Chananyah > spake <00559
+>amar > in the presence <05869 +<ayin > of all <03605 +kol >
the people <05971 +<am > , saying <00559 +>amar > , Thus <03602
+kakah > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > ; Even
<03602 +kakah > so <03602 +kakah > will I break <07665 +shabar >
the yoke <05923 + of Nebuchadnezzar <05019
+N@buwkadne>tstsar > king <04428 +melek > of Babyl on <00894
+Babel > from the neck <06677 +tsavva>r > of all <03605 +kol >
nations <01471 +gowy > within <{05750} +<owd > the space <05750
+<owd > of two full <03117 +yowm > years <08141 +shaneh > . And
the prophet <05030 +nabiy> > Jeremiah <03414 +Yirm@yah > went
<03212 +yalak > hi s way <01870 +derek > .

05750 JER 030 008 For it shall come <01961 +hayah > to pass in
that day <03117 +yowm > , saith <05002 +n@um > the LORD <03068
+Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > , [that] I will break
<07665 +shabar > hi s yoke <05923 + from off <05921 +<al >
thy neck <06677 +tsavva>r > , and will burst <05423 +nathaq >
thy bonds <04147 +mowcer > , and strangers <02114 +zuwr > shall
no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > serve <05647 +<abad >
themselves of him :

05750 JER 031 004 Again <05750 +<owd > I will build <01129
+banah > thee , and thou shalt be built <01129 +banah > , O
virgin <01330 +b@thuwlah > of Israel <03478 +Yisra>el > : thou
shalt again <{05750} +<owd > be adorned <05710 +<adah > with thy
tabrets <08596 +toph > , and shalt go <03318 +yatsa> > forth
<03318 +yatsa> > in the dances of them that make merry <07832
+sachaq > .

05750 JER 031 004 Again <{05750} +<owd > I will build <01129
+banah > thee , and thou shalt be built <01129 +banah > , O
virgin <01330 +b@thuwlah > of Israel <03478 +Yisra>el > : thou
shalt again <05750 +<owd > be adorned <05710 +<adah > with thy
tabrets <08596 +toph > , and shalt go <03318 +yatsa> > forth
<03318 +yatsa> > in the dances of them that make merry <07832
+sachaq > .

05750 JER 031 005 Thou shalt yet <{05750} +<owd > plant <05193
+nata< > vines <03754 +kerem > upon the mountains <02022 +har >
of Samaria <08111 +Shom@rown > : the planters <05193 +nata< >
shall plant <05193 +nata< > , and shall eat [them] as common
<02490 +chalal > things .

05750 JER 031 020 [Is] Ephraim <00669 +>Ephrayim > my dear
<03357 +yaqqiy r > son <01121 +ben > ? [is he] a pleasant
<08191 +sha<shua< > child <03205 +yalad > ? for since <01767
12/8/2021

+day > I spake <01696 +dabar > against him , I do earnestly remember <02142 +zakar > him still <{05750} +<owd > : therefore my bowels <04578 +me<ah > are troubled <01993 +hamah > for him ; I will surely have mercy <07355 +racham > upon him , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 JER 031 023 Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > , the God <00430 +>elohiym > of Israel <03478 +Yisra>el > ; As yet <{05750} +<owd > they shall use <00559 +>amar > this <02088 +zeh > speech <01697 +dabar > in the land <00776 +>erets > of Judah <03063 +Y@huvwah > and in the cities <05892 +<iyr > thereof , when I shall bring <07725 +shuwb > again <07725 +shuwb > their captivity <07622 +sh@buwth > ; The LORD <03068 +Y@hovah > bless <01288 +barak > thee , O habitation <05116 +naveh > of justice <06664 +tsedeq > , [and] mountain <02022 +har > of holiness <06944 +qodesh > .

05750 JER 031 029 In those <01992 +hem > days <03117 +yowm > they shall say <00559 +>amar > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > , The fathers <1> have eaten <00398 +>akal > a sour <01155 +bocer > grape <01155 +bocer > , and the children s <01121 +ben > teeth <08127 +shen > are set on edge <06949 +qahah > .

05750 JER 031 034 And they shall teach <03925 +lamad > no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > every man <00376 +>iysh > his neighbour <07453 +rea< > , and every man <00376 +>iysh > his brother <00251 +>ach > , saying <00559 +>amar > , Know <03045 +yada< > the LORD <03068 +Y@hovah > : for they shall all <03605 +kol > know <03045 +yada< > me , from the least <06996 +qatan > of them unto the greatest <01419 +gadawl > of them , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > : for I will forgive <05545 +calach > their iniquity <05771 +<avon > , and I will remember <02142 +zakar > their sin <02403 +chatta>ah > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > .

05750 JER 031 034 And they shall teach <03925 +lamad > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > every man <00376 +>iysh > his neighbour <07453 +rea< > , and every man <00376 +>iysh > his brother <00251 +>ach > , saying <00559 +>amar > , Know <03045 +yada< > the LORD <03068 +Y@hovah > : for they shall all <03605 +kol > know <03045 +yada< > me , from the least <06996 +qatan > of them unto the greatest <01419 +gadawl > of them , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > : for I will forgive <05545 +calach > their iniquity <05771 +<avon > , and I will remember <02142 +zakar > their sin <02403 +chatta>ah > no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > .

05750 JER 031 039 And the measuring <04060 +middah > line <06957 +qav > shall yet <{05750} +<owd > go <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > over <05048 +neged > against <05048 +neged > it upon the hill <01389 +gib<ah > Gareb <01619 +Gareb > , and shall compass <05437 +cabab > about to Goath <01601 +Go<ah > .

05750 JER 031 040 And the whole <03605 +kol > valley <06010 +<emeq > of the dead <06297 +peger > bodies <06297 +peger > , and of the ashes <01880 +deshen > , and all <03605 +kol > the fields <08309 +sh@remah > unto the brook <05158 +nachal > of Kidron <06939 +Qidrown > , unto the corner <06438 +pinnah > of the horse <05483 +cuwc > gate <08179 +sha<ar > toward the east <04217 +mizrach > , [shall be] holy <06944 +qodesh > unto the LORD <03068 +Y@hovah > ; it shall not be plucked <05428 +nathash > up , nor <03808 +lo> > thrown <02040 +harac > down <02040 +harac > any more <{05750} +<owd > for ever <05769 +<owlam > .

05750 JER 032 015 For thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > , the God <00430 +>elohiy m > of Israel <03478 +Yisra>el > ; Houses <01004 +bayi th > and fields <07704 +sadeh > and vineyards <03754 +kerem > shall be possessed <07069 +qanah > again <{05750} +<owd > in this <02063 +zo>th > land <00776 +>erets > .

05750 JER 033 001 . Moreover the word <01697 +dabar > of the LORD <03068 +Y@hovah > came <01961 +hayah > unto Jeremiah <03414 +Yirm@yah > the second <08145 +sheniy > time , while he was yet <{05750} +<owd > shut <06113 +<atsar > up in the court <02691 +chatser > of the prison <04307 +mattara> > , saying <00559 +>amar > ,

05750 JER 033 010 . Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > ; Again <{05750} +<owd > there shall be heard <08085 +shama< > in this <02088 +zeh > place <04725 +maqowm > , which <00834 +>aher > ye say <00559 +>amar > [shall be] desolate <02717 +charab > without <00369 +>ayin > man <00120 +>adam > and without <00369 +>ayin > beast <00929 +b@hemah > , [even] in the cities <05892 +<iyr > of Judah <03063 +Y@huwdah > , and in the streets <02351 +chuwts > of Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > , that are desolate <08074 +shamem > , wi thout <00369 +>ayin > man <00120 +>adam > , and wi thout <00369 +>ayin > inhabitant <03427 +yashab > , and wi thout <00369 +>ayin > beast <00929 +b@hemah > ,

05750 JER 033 012 Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > ; Again <{05750} +<owd > in this <02088 +zeh > place <04725 +maqowm > , which is desolate <02717 +charab > without man <00120 +>adam > and without beast <00929 +b@hemah > , and in all <03605 +kol > the cities <05892 +<iyr > thereof , shall be an habitation <05116 +naveh > of shepherds <07462 +ra<ah > causing [their] flocks <06629 +tso>n > to lie <07257 +rabats > down <07901 +shakab > .

05750 JER 033 013 In the cities <05892 +<iyr > of the mountains <02022 +har > , in the cities <05892 +<iyr > of the vale <08219 +sh@phelah > , and in the cities <05892 +<iyr > of the south <05045 +negeb > , and in the land <00776 +>erets > of Benjamin <01144 +Binyami yn > , and in the places about <05439 +cabi yb > Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > , and in the cities <05892 +<iyr > of Judah <03063 +Y@huwdah > , shall the flocks <06629 +tso>n > pass <05674 +<abar > again <{05750} +<owd > under <05921 +<al > the hands <03027 +yad > of him that telleth <04487 +manah > [them] , saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 JER 033 024 Considerest <07200 +ra>ah > thou not what <04100 +mah > this <02088 +zeh > people <05971 +<am > have spoken <01696 +dabar > , saying <00559 +>amar > , The two <08147 +sh@nayim > families <04940 +mi shpachah > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > hath chosen <00977 +bachar > , he hath even cast <03988 +ma>ac > them off ? thus they have despised <05006 +na>ats > my people <05971 +<am > , that they should be no more <{05750} +<owd > a nation <01471 +gowy > before <06440 +pani ym > them .

05750 JER 034 010 Now when all <03605 +kol > the princes <08269 +sar > , and all <03605 +kol > the people <05971 +<am > , which <00834 +>aher > had entered <00935 +bow> > into the covenant <01285 +b@riyth > , heard <08085 +shama< > that every <00376 +>iysh > one <00376 +>iysh > should let his manservant <05650 +<ebed > , and every <00376 +>iysh > one <00376 +>iysh > his maidservant <08198 +shipchah > , go <07971 +shalach > free

<02670 +chophshiy > , that none <01115 +biltiy > should serve
<05647 +<abad > themselves of them any more <{05750} +<owd > ,
then they obeyed <08085 +shama< > , and let [them] go <07971
+shal ach > .

05750 JER 036 032 Then took <03947 +laqach > Jeremiah <03414
+Yirm@yah > another <00312 +>acher > roll <04039 +m@gillah > ,
and gave <05414 +nathan > it to Baruch <01263 +Baruwk > the
scribe <05608 +caphar > , the son <01121 +ben > of Neriah <05374
+Neriyah > ; who wrote <03789 +kathab > therein <05921 +<al >
from the mouth <06310 +peh > of Jeremiah <03414 +Yirm@yah > all
<03605 +kol > the words <01697 +dabar > of the book <05612
+cepher > which <00834 +>aher > Jehoi akim <03079 +Y@howyaqi ym >
king <04428 +melek > of Judah <03063 +Y@huwdah > had burned
<08313 +saraph > in the fire <00784 +>esh > : and there were
added <03254 +yacaph > besides <{05750} +<owd > unto them many
<07227 +rab > like <01922 +hadar > words <01697 +dabar > .

05750 JER 038 009 My lord <00113 +>adown > the king <04428
+melek > , these <00428 +>el - leh > men <00582 +>enowsh > have
done evil <07489 +ra<a< > in all <03605 +kol > that they have
done <06213 +<asah > to Jeremiah <03414 +Yirm@yah > the prophet
<05030 +nabiy> > , whom they have cast <07933 +sheken > into
<00413 +>el > the dungeon <00953 +bowr > ; and he is like to die
<04191 +muwth > for hunger <07457 +ra<eb > in the place <08478
+tachath > where <08478 +tachath > he is : for [there is] no
<00369 +>ayin > more <{05750} +<owd > bread <03899 +lechem > in
the city <05892 +<iyr > .

05750 JER 040 005 Now while he was not yet <{05750} +<owd > gone
<07725 +shuwb > back <07725 +shuwb > , [he said] , Go <07725
+shuwb > back <07725 +shuwb > also to Gedaliah <01436 +G@dalyah
> the son <01121 +ben > of Ahikam <00296 +>Achi yqam > the son
<01121 +ben > of Shaphan <08227 +shaphan > , whom <00834 +>aher
> the king <04428 +melek > of Babylon <00894 +Babel > hath made
governor <06485 +paqad > over the cities <05892 +<iyr > of Judah
<03063 +Y@huwdah > , and dwell <03427 +yashab > with him among
<08432 +tavek > the people <05971 +<am > : or <00176 +>ow > go
<03212 +yalak > wheresoever it seemeth <05869 +<ayin >
convenient <03477 +yashar > unto thee to go <03212 +yalak > . So
the captain <07227 +rab > of the guard <02876 +tabbach > gave
<05414 +nathan > him victuals <00737 +>aruchah > and a reward
<04864 +mas>eth > , and let him go <07971 +shalach > .

05750 JER 042 018 For thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar >
the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > , the God
<00430 +>el ohi ym > of Israel <03478 +Yisra>el > ; As mine anger
<00639 +>aph > and my fury <02534 +chemah > hath been poured
<05413 +nathak > forth upon the inhabitants <03427 +yashab > of
Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > ; so <03651 +ken > shall my
fury <02534 +chemah > be poured <05413 +nathak > forth upon you ,
when ye shall enter <00935 +bow> > into <00935 +bow> > Egypt
<04714 +Mitsrayim > : and ye shall be an execration <00423
+>alah > , and an astonishment <08047 +shammah > , and a curse
<07045 +q@lalah > , and a reproach <02781 +cherpah > ; and ye
shall see <07200 +ra>ah > this <02088 +zeh > place <04725
+maqowm > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > .

05750 JER 044 022 So that the LORD <03068 +Y@hovah > could
<03201 +yakol > no <03808 +lo> > longer <{05750} +<owd > bear
<05375 +nasa> > , because <06440 +paniyim > of the evil <07455
+roa< > of your doings <04611 +ma<alal > , [and] because
<06440 +paniyim > of the abominations <08441 +tow<ebah > which
<00834 +>aher > ye have committed <06213 +<asah > ; therefore is
your land <00776 +>erets > a desolation <02723 +chorbah > , and
an astonishment <08047 +shammah > , and a curse <07045 +q@lalah
12/8/2021

> , without <00369 +>ayin > an inhabitant <03427 +yashab > , as at this <02088 +zeh > day <03117 +yowm > .

05750 JER 044 026 Therefore <03651 +ken > hear <08085 +shama< > ye the word <01697 +dabar > of the LORD <03068 +Y@hovah > , all <03605 +kol > Judah <03063 +Y@huwdah > that dwell <03427 +yashab > in the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > ; Behold <02005 +hen > , I have sworn <07650 +shaba< > by my great <01419 +gadowl > name <08034 +shem > , saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > , that my name <08034 +shem > shall no <00518 +>im > more <{05750} +<owd > be named <07121 +qara> > in the mouth <06310 +peh > of any <03605 +kol > man <00376 +>iysh > of Judah <03063 +Y@huwdah > in all <03605 +kol > the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , saying <00559 +>amar > , The Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > liveth <02416 +chay > .

05750 JER 048 002 [There shall be] no <00369 +>ayin > more <{05750} +<owd > praise <08416 +t@hillah > of Moab <04124 +Mow>ab > : in Heshbon <02809 +Cheshbown > they have devised <02803 +chashab > evil <07451 +ra< > against <05921 +<al > it > ; come <03212 +yalak > , and let us cut <03772 +karath > it off from [being] a nation <01471 +gowy > . Also <01571 +gam > thou shalt be cut <01826 +damam > down , O Madmen <04086 +Madmen > ; the sword <02719 +chereb > shall pursue <03212 +yalak > thee .

05750 JER 049 007 . Concerning Edom <00123 +>Edom > , thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > ; [Is] wisdom <02451 +chokmah > no <00369 +>ayin > more <{05750} +<owd > in Teman <08487 +Teyman > ? is counsel <06098 +<etsah > perished <6> from the prudent <00995 +biyn > ? is their wisdom <02451 +chokmah > vanished <05628 +carach > ?

05750 JER 050 039 Therefore <03651 +ken > the wild <06728 +tsiyiy > beasts <06728 +tsiyiy > of the desert <06728 +tsiyiy > with the wild <00338 +>iy > beasts <00338 +>iy > of the islands <00339 +>iy > shall dwell <03427 +yashab > [there] , and the owls shall dwell <03427 +yashab > therein : and it shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > inhabited <03427 +yashab > for ever <05331 +netsach > ; neither <03808 +lo> > shall it be dwelt <07931 +shakan > in from generation <01755 +dowr > to generation <01755 +dowr > .

05750 JER 051 033 For thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > , the God <00430 +>elohiyim > of Israel <03478 +Yisra>el > ; The daughter <01323 +bath > of Babylon <00894 +Babel > [is] like a threshingfloor <01637 +goren > , [it is] time <06256 +<eth > to thresh <01869 +darak > her : yet <{05750} +<owd > a little <04592 +m@<at > while , and the time <06256 +<eth > of her harvest <07105 +qatsiyir > shall come <00935 +bow> > .

05750 JER 051 044 And I will punish <06485 +paqad > Bel <01078 +Bel > in Babylon <00894 +Babel > , and I will bring <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > out of his mouth <06310 +peh > that which he hath swallowed <01104 +bala< > up : and the nations <01471 +gowy > shall not flow <05102 +nahar > together any more <{05750} +<owd > unto him : yea <01571 +gam > , the wall <02346 +chowmah > of Babylon <00894 +Babel > shall fall <05307 +naphal > .

05750 LAM 004 017 As for us , our eyes <05869 +<ayin > as yet <{05750} +<owd > failed <03615 +kalah > for our vain <01892 +hebel > help <05833 +<ezrah > : in our watching <06822 +tsaphah > we have watched <06822 +tsaphah > for a nation <01471 +gowy >

[that] could not save <03467 +yasha< > [us] .

05750 EZE 005 004 Then take <03947 +laqach > of them again <{05750} +<owd > , and cast <07993 +shalak > them into <00413 +>el > the midst <08432 +tavek > of the fire <00784 +>esh > , and burn <08313 +saraph > them in the fire <00784 +>esh > ; [for] thereof shall a fire <00784 +>esh > come <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > into <00413 +>el > all <03605 +kol > the house <01004 +bayi th > of Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 JOS 005 012 And the manna <04478 +man > ceased <07673 +shabath > on the morrow <04283 +mochorath > after they had eaten <00398 +>akal > of the old <05669 +<abuwr > corn <05669 +<abuwr > of the land <00776 +>erets > ; neither <03808 +lo> > had <01961 +hayah > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > manna <04478 +man > any more <{05750} +<owd > ; but they did eat <00398 +>akal > of the fruit <08393 +t@buw>ah > of the land <00776 +>erets > of Canaan <03667 +K@na<an > that year <08141 +shaneh > .

05750 EZE 007 013 For the seller <04376 +makar > shall not return <07725 +shuwb > to that which is sold <04465 +mimkar > , although they were yet <{05750} +<owd > alive <02416 +chay > : for the vision <02377 +chazown > [is] touching <00413 +>el > the whole <03605 +kol > multitude <01995 +hamown > thereof , [which] shall not return <07725 +shuwb > ; neither <03808 +lo> > shall any <00376 +>iysh > strengthen <02388 +chazaq > himself in the iniquity <05771 +<avon > of his life <02416 +chay > .

05750 EZE 008 006 He said <00559 +>amar > furthermore unto me , Son <01121 +ben > of man <00120 +>adam > , seest <07200 +ra>ah > thou what <04100 +mah > they do <06213 +<asah > ? [even] the great <01419 +gadowl > abominations <08441 +tow<ebah > that the house <01004 +bayi th > of Israel <03478 +Yisra>el > committeth <06213 +<asah > here <06311 +poh > , that I should go <07368 +rachaq > far <07368 +rachaq > off from my sanctuary <04720 +mi qdash > ? but turn <07725 +shuwb > thee yet <05750 +<owd > again <{05750} +<owd > , [and] thou shalt see <07200 +ra>ah > greater <01419 +gadowl > abominations <08441 +tow<ebah > .

05750 EZE 008 006 He said <00559 +>amar > furthermore unto me , Son <01121 +ben > of man <00120 +>adam > , seest <07200 +ra>ah > thou what <04100 +mah > they do <06213 +<asah > ? [even] the great <01419 +gadowl > abominations <08441 +tow<ebah > that the house <01004 +bayi th > of Israel <03478 +Yisra>el > committeth <06213 +<asah > here <06311 +poh > , that I should go <07368 +rachaq > far <07368 +rachaq > off from my sanctuary <04720 +mi qdash > ? but turn <07725 +shuwb > thee yet <{05750} +<owd > again <05750 +<owd > , [and] thou shalt see <07200 +ra>ah > greater <01419 +gadowl > abominations <08441 +tow<ebah > .

05750 EZE 008 013 . He said <00559 +>amar > also unto me , Turn <07725 +shuwb > thee yet <05750 +<owd > again <{05750} +<owd > , [and] thou shalt see <07200 +ra>ah > greater <01419 +gadowl > abominations <08441 +tow<ebah > that they do <06213 +<asah > .

05750 EZE 008 013 . He said <00559 +>amar > also unto me , Turn <07725 +shuwb > thee yet <{05750} +<owd > again <05750 +<owd > , [and] thou shalt see <07200 +ra>ah > greater <01419 +gadowl > abominations <08441 +tow<ebah > that they do <06213 +<asah > .

05750 MIC 006 010 Are there yet <{05750} +<owd > the treasures <00214 +>owtsar > of wickedness <07562 +resha< > in the house <01004 +bayi th > of the wicked <07563 +rasha< > , and the scant <07332 +razown > measure <00374 +>eyphah > [that is] abominable <02194 +za<am > ?

05750 EZE 008 015 Then said <00559 +>amar > he unto me , Hast thou seen <07200 +ra>ah > [this] , O son <01121 +ben > of man <00120 +>adam > ? turn <07725 +shuwb > thee yet <{05750} +<owd > again <05750 +<owd > , [and] thou shalt see <07200 +ra>ah > greater <01419 +gadowl > abominations <08441 +tow<ebah > than these <00428 +>el - leh > .

05750 EZE 012 023 Tell <00559 +>amar > them therefore <03651 +ken > , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > ; I will make this <02088 +zeh > proverb <04912 +mashal > to cease <07673 +shabath > , and they shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > use <04912 +mashal > it as a proverb <04911 +mashal > in Israel <03478 +Yisra>el > ; but say <01696 +dabar > unto them , The days <03117 +yowm > are at <07196 +qishshur > hand <07126 +qarab > , and the effect <01697 +dabar > of every <03605 +kol > vision <02377 +chazown > .

05750 EZE 012 024 For there shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > any vain <07723 +shav> > vision <02377 +chazown > nor flattering <02509 +chalaq > divination <04738 +mi qcam > within <08432 +tavek > the house <01004 +bayi th > of Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 EZE 012 025 For I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > : I will speak <01696 +dabar > , and the word <01697 +dabar > that I shall speak <01696 +dabar > shall come <06213 +<asah > to pass <06213 +<asah > ; it shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > prolonged <04900 +mashak > : for in your days <03117 +yowm > , O rebellious <04805 +m@riy > house <01004 +bayi th > , will I say <01696 +dabar > the word <01697 +dabar > , and will perform <06213 +<asah > it , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > .

05750 EZE 012 028 Therefore <03651 +ken > say <00559 +>amar > unto them , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > ; There shall none <03808 +lo> > of my words <01697 +dabar > be prolonged <04900 +mashak > any <03605 +kol > more <{05750} +<owd > , but the word <01697 +dabar > which <00834 +>aher > I have spoken <01696 +dabar > shall be done <06213 +<asah > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > .

05750 EZE 013 021 Your kerchiefs <04556 +mi cpachath > also will I tear <07167 +qara< > , and deliver <05337 +natsal > my people <05971 +<am > out of your hand <03027 +yad > , and they shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > in your hand <03027 +yad > to be hunted <04686 +matsuwd > ; and ye shall know <03045 +yada< > that I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 EZE 013 023 Therefore <03651 +ken > ye shall see <02372 +chazah > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > vanity <07723 +shav> > , nor <03808 +lo> > divine <07181 +qashab > divinations <07081 +qecem > : for I will deliver <05337 +natsal > my people <05971 +<am > out of your hand <03027 +yad > : and ye shall know <03045 +yada< > that I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 EZE 014 011 That the house <01004 +bayi th > of Israel <03478 +Yisra>el > may go <08582 +ta<ah > no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > astray <08582 +ta<ah > from me , neither <03808 +lo> > be polluted <02930 +tame> > any <03605 +kol > more <{05750} +<owd > with all <03605 +kol > their transgressions <06588 +peshah< > ; but that they may be my people <05971 +<am > , and I may be their God <00430 +>elohiym > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > .

05750 EZE 014 011 That the house <01004 +bayi th > of Israel <03478 +Yisra>el > may go <08582 +ta<ah > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > astray <08582 +ta<ah > from me , neither <03808 +lo> > be polluted <02930 +tame> > any <03605 +kol > more <05750 +<owd > with all <03605 +kol > their transgressions <06588 +peshac > ; but that they may be my people <05971 +<am > , and I may be their God <00430 +>elohiym > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > .

05750 EZE 014 021 For thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > ; How <00637 +>aph > much <00637 +>aph > more <{05750} +<owd > when <03588 +kiy > I send <07971 +shalach > my four <00702 +>arba< > sore <07451 +ra< > judgments <08201 +shephet > upon Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > , the sword <02719 +chereb > , and the famine <07458 +ra<ab > , and the noisome <07451 +ra< > beast <02416 +chay > , and the pestilence <01698 +deber > , to cut <03772 +karath > off from it man <00120 +>adam > and beast <00929 +b@hemah > ?

05750 EZE 016 041 And they shall burn <08313 +saraph > thine houses <01004 +bayi th > with fire <00784 +>esh > , and execute <06213 +<asah > judgments <08201 +shephet > upon thee in the sight <05869 +<ayin > of many <07227 +rab > women <00802 +>ishshah > : and I will cause thee to cease <07673 +shabath > from playing the harlot <02181 +zanah > , and thou also <01571 +gam > shalt give <05414 +nathan > no <03808 +lo> > hire <00868 +>ethnan > any more <{05750} +<owd > .

05750 EZE 016 042 So will I make my fury <02534 +chemah > toward thee to rest <05117 +nuwach > , and my jealousy <07068 +qi n>ah > shall depart <05493 +cuwr > from thee , and I will be quiet <08252 +shaqat > , and will be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > angry <03707 +ka<ac > .

05750 EZE 016 063 That thou mayest remember <02142 +zakar > , and be confounded <00954 +buwsh > , and never <03808 +lo> > open <06610 +pi thchown > thy mouth <06310 +peh > any more <{05750} +<owd > because <06440 +paniym > of thy shame <03639 +k@limmah > , when I am pacified <03722 +kaphar > toward thee for all <03605 +kol > that thou hast done <06213 +<asah > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > .

05750 EZE 018 003 [As] I live <02416 +chay > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > , ye shall not have [occasion] any more <{05750} +<owd > to use <04911 +mashal > this <02088 +zeh > proverb <04911 +mashal > in Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 EZE 019 009 And they put <05414 +nathan > him in ward <05474 +cuwgar > in chains <02397 +chach > , and brought <00935 +bow> > him to the king <04428 +melek > of Babylon <00894 +Babel > : they brought <00935 +bow> > him into holds <04686 +matsuwd > , that his voice <06963 +qowl > should no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > be heard <08085 +shama< > upon the mountains <02022 +har > of Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 EZE 020 027 . Therefore <03651 +ken > , son <01121 +ben > of man <00120 +>adam > , speak <01696 +dabar > unto the house <01004 +bayi th > of Israel <03478 +Yisra>el > , and say <00559 +>amar > unto them , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > ; Yet <{05750} +<owd > in this <02063 +zo>th > your fathers <1> have blasphemed <01442 +gadaph > me , in that they have committed <04600 +ma<ak > a trespass <04604 +ma<al > against me .

05750 EZE 020 039 As for you , 0 house <01004 +bayi th > of Israel <03478 +Yisra>el > , thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > ; Go <03212 +yalak > ye , serve <05647 +<abad > ye every <00376 +>iysh > one <00376 +>iysh > his idols <01544 +gilluwl > , and hereafter <00310 +>achar > [also] , if <00518 +>im > ye will not hearken <08085 +shama< > unto me : but pollute <02490 +chalal > ye my holy <06944 +qodesh > name <08034 +shem > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > with your gifts <04979 +mattanah > , and with your idols <01544 +gilluwl > .

05750 EZE 021 005 That all <03605 +kol > flesh <01320 +basar > may know <03045 +yada< > that I the LORD <03068 +Y@hovah > have drawn <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > my sword <02719 +chereb > out of his sheath <08593 +ta<ar > : it shall not return <07725 +shuwb > any more <{05750} +<owd > .

05750 EZE 023 027 Thus will I make thy lewdness <02154 +zimmah > to cease <07673 +shabath > from thee , and thy whoredom <02184 +z@nuwth > [brought] from the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > : so that thou shalt not lift <05375 +nasa> > up thine eyes <05869 +<ayin > unto them , nor <03808 +lo> > remember <02142 +zakar > Egypt <04714 +Mitsrayim > any more <{05750} +<owd > .

05750 EZE 023 038 Moreover <{05750} +<owd > this <02063 +zo>th > they have done <06213 +<asah > unto me : they have defiled <02930 +tame> > my sanctuary <04720 +miqdash > in the same <01931 +huw> > day <03117 +yowm > , and have profaned <02490 +chalal > my sabbaths <07676 +shabbath > .

05750 EZE 024 013 In thy filthiness <02932 +tum>ah > [is] lewdness <02154 +zimmah > : because <03282 +ya<an > I have purged <02891 +tahir > thee , and thou wast not purged <02891 +tahir > , thou shalt not be purged <02891 +tahir > from thy filthiness <02932 +tum>ah > any more <{05750} +<owd > , till <05704 +<ad > I have caused my fury <02534 +chemah > to rest <05117 +nuwach > upon thee .

05750 EZE 024 027 In that day <03117 +yowm > shall thy mouth <06310 +peh > be opened <06605 +pathach > to him which is escaped <06412 +paliyt > , and thou shalt speak <01696 +dabar > , and be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > dumb <00481 +>alam > : and thou shalt be a sign <04159 +mowpheth > unto them ; and they shall know <03045 +yada< > that I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 EZE 026 013 And I will cause the noise <01995 +hamown > of thy songs <07892 +shiy r > to cease <07673 +shabath > ; and the sound <06963 +qowl > of thy harps <03658 +kinnowr > shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > heard <08085 +shama< > .

05750 EZE 026 014 And I will make thee like the top <06706 +ts@chiyach > of a rock <05558 +celeph > : thou shalt be [a place] to spread <04894 +mishtowach > nets <02764 +cherem > upon ; thou shalt be built <01129 +banah > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > : for I the LORD <03068 +Y@hovah > have spoken <01696 +dabar > [it] , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > .

05750 EZE 026 021 I will make <05414 +nathan > thee a terror <01091 +ballahah > , and thou [shalt be] no <00369 +>ayin > [more] : though thou be sought <01245 +baqash > for , yet shalt thou never be found <04672 +matsa> > again <{05750} +<owd > , saith <05001 +na>am > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069

+Y@hovi h > .

05750 EZE 028 024 And there shall be no <03808 +lo> > more
<{05750} +<owd > a pricking <03992 +ma>ar > brier <05544
+cillown > unto the house <01004 +bayith > of Israel <03478
+Yisra>el > , nor [any] grieving <03510 +ka>ab > thorn <06975
+qowts > of all <03605 +kol > [that are] round <05439 +cabi yb
> about them , that despised <07590 +sha>t > them ; and they
shall know <03045 +yada< > that I [am] the Lord <00136
+>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > .

05750 EZE 029 015 It shall be the basest <08217 +shaphal > of
the kingdoms <04467 +mamlakah > ; neither <03808 +lo> > shall it
exalt <05375 +nasa> > itself any more <{05750} +<owd > above
<05921 +<al > the nations <01471 +gowy > : for I will diminish
<04591 +ma<at > them , that they shall no <03808 +lo> > more
rule <07287 +radah > over <05921 +<al > the nations <01471 +gowy
> .

05750 EZE 029 016 And it shall be no <03808 +lo> > more <{05750}
+<owd > the confidence <04009 +mibtach > of the house <01004
+bayith > of Israel <03478 +Yisra>el > , which bringeth <02142
+zakar > [their] iniquity <05771 +<avon > to remembrance
<02142 +zakar > , when <03588 +kiy > they shall look <06437
+panah > after <00310 +>achar > them : but they shall know
<03045 +yada< > that I [am] the Lord <00136 +>Adonay > GOD
<03069 +Y@hovi h > .

05750 EZE 030 013 Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the
Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > ; I will also
destroy <6> the idols <01544 +gilluwl > , and I will cause [
their] images <00457 +>eliyl > to cease <07673 +shabath > out
of Noph <05297 +Noph > ; and there shall be no <03808 +lo> >
more <{05750} +<owd > a prince <05387 +nasiy> > of the land
<00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > : and I will put
<05414 +nathan > a fear <03374 +yir>ah > in the land <00776
+>erets > of Egypt <04714 +Mi tsrayim > .

05750 EZE 032 013 I will destroy <6> also all <03605 +kol > the
beasts <00929 +b@hemah > thereof from beside <05921 +<al > the
great <07227 +rab > waters <04325 +mayim > ; neither <03808 +lo>
> shall the foot <07272 +regel > of man <00120 +>adam > trouble
<04103 +m@huhmah > them any more <{05750} +<owd > , nor <03808
+lo> > the hoofs <06541 +parcah > of beasts <00929 +b@hemah >
trouble <01804 +dalach > them .

05750 EZE 033 022 Now the hand <03027 +yad > of the LORD <03068
+Y@hovah > was upon me in the evening <06153 +<ereb > , afore
<06440 +paniym > he that was escaped <06412 +paliyt > came
<00935 +bow> > ; and had opened <06605 +pathach > my mouth
<06310 +peh > , until <05704 +<ad > he came <00935 +bow> > to me
in the morning <01242 +boqer > ; and my mouth <06310 +peh > was
opened <06605 +pathach > , and I was no <03808 +lo> > more
<{05750} +<owd > dumb <00481 +>alam > .

05750 EZE 034 010 Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the
Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > ; Behold <02005
+hen > , I [am] against <00413 +>el > the shepherds <07462
+ra<ah > ; and I will require <01875 +darash > my flock <06629
+tso>n > at their hand <03027 +yad > , and cause them to cease
<07673 +shabath > from feeding <07462 +ra<ah > the flock <06629
+tso>n > ; neither <03808 +lo> > shall the shepherds <07462
+ra<ah > feed <07462 +ra<ah > themselves <00853 +>eth > any more
<{05750} +<owd > ; for I will deliver <05337 +natsal > my flock
<06629 +tso>n > from their mouth <06310 +peh > , that they may
not be meat <00402 +>oklah > for them .

05750 EZE 034 022 Therefore will I save <03467 +yasha< > my flock <06629 +tso>n > , and they shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > be a prey <00957 +baz > ; and I will judge <08199 +shaphat > between <00996 +beyn > cattle <07716 +seh > and cattle <07716 +seh > .

05750 EZE 034 028 And they shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > be a prey <00957 +baz > to the heathen <01471 +gowy > , neither <03808 +lo> > shall the beast <02416 +chay > of the land <00776 +>erets > devour <00398 +>akal > them ; but they shall dwell <03427 +yashab > safely <00983 +betach > , and none <00369 +>ayin > shall make [them] afraid <02729 +charad > .

05750 EZE 034 029 And I will raise <06965 +quwm > up for them a plant <04302 +matta< > of renown <08034 +shem > , and they shall be no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > consumed <00622 +>acaph > with hunger <07457 +ra<eb > in the land <00776 +>erets > , neither <03808 +lo> > bear <05375 +nasa> > the shame <03639 +k@limmah > of the heathen <01471 +gowy > any more <{05750} +<owd > .

05750 EZE 034 029 And I will raise <06965 +quwm > up for them a plant <04302 +matta< > of renown <08034 +shem > , and they shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > consumed <00622 +>acaph > with hunger <07457 +ra<eb > in the land <00776 +>erets > , neither <03808 +lo> > bear <05375 +nasa> > the shame <03639 +k@limmah > of the heathen <01471 +gowy > any more <05750 +<owd > > .

05750 EZE 036 012 Yea , I will cause men <00120 +>adam > to walk <03212 +yalak > upon you , [even <00853 +>eth >] my people <05971 +<am > Israel <03478 +Yisra>el > ; and they shall possess <03423 +yarash > thee , and thou shalt be their inheritance <05159 +nachalah > , and thou shalt no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > henceforth bereave <07921 +shakol > them [of men] .

05750 EZE 036 014 Therefore <03651 +ken > thou shalt devour <00398 +>akal > men <00120 +>adam > no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > , neither <03808 +lo> > bereave thy nations <01471 +gowy > any more <{05750} +<owd > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > .

05750 EZE 036 014 Therefore <03651 +ken > thou shalt devour <00398 +>akal > men <00120 +>adam > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > , neither <03808 +lo> > bereave thy nations <01471 +gowy > any more <05750 +<owd > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > .

05750 EZE 036 015 Neither <03808 +lo> > will I cause [men] to hear <08085 +shama< > in thee the shame <03639 +k@limmah > of the heathen <01471 +gowy > any more <05750 +<owd > , neither <03808 +lo> > shalt thou bear <05375 +nasa> > the reproach <02781 +cherpah > of the people <05971 +<am > any more <05750 +<owd > , neither <03808 +lo> > shalt thou cause thy nations <01471 +gowy > to fall <03782 +kashal > any more <{05750} +<owd > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > .

~~~~~

~~~~~

05750 <owd EX0-17: 4 ready
05750 <owd NUM-22: 30 since
05750 <owd DEU-34: 10 since
05750 <owd JER-28: 11 space
05750 <owd LEV-13: 57 still
05750 <owd 2KI -12: 3 still
05750 <owd 2KI -15: 4 still
05750 <owd 2KI -15: 35 still
05750 <owd JOB-2: 3 still
05750 <owd JOB-2: 9 still
05750 <owd PSA-49: 9 still
05750 <owd PSA-78: 32 still
05750 <owd PSA-84: 4 still
05750 <owd PSA-92: 14 still
05750 <owd PSA-139: 18 still
05750 <owd ECC-12: 9 still
05750 <owd ISA-5: 25 still
05750 <owd ISA-9: 12 still
05750 <owd ISA-9: 17 still
05750 <owd ISA-9: 21 still
05750 <owd ISA-10: 4 still
05750 <owd JER-31: 20 still
05750 <owd 2CH-34: 12 them
05750 <owd 2CH-34: 1 when
05750 <owd JOB-29: 5 when
05750 <owd GEN-43: 6 whether
05750 <owd EX0-4: 18 whether
05750 <owd GEN-8: 22 while
05750 <owd GEN-46: 29 while
05750 <owd 2SA-18: 14 while
05750 <owd JOB-27: 3 while
05750 <owd PSA-39: 1 while
05750 <owd PSA-104: 33 while

05750 <owd PSA-146: 2 whi l e
05750 <owd DAN-9: 20 whi l es
05750 <owd JOS-1: 11 wi thi n
05750 <owd ISA-21: 16 wi thi n
05750 <owd JER-28: 3 wi thi n
05750 <owd JER-28: 11 wi thi n
05750 <owd GEN-7: 4 yet
05750 <owd GEN-18: 22 yet
05750 <owd GEN-18: 29 yet
05750 <owd GEN-29: 7 yet
05750 <owd GEN-29: 9 yet
05750 <owd GEN-29: 27 yet
05750 <owd GEN-29: 30 yet
05750 <owd GEN-31: 14 yet
05750 <owd GEN-37: 5 yet
05750 <owd GEN-37: 8 yet
05750 <owd GEN-37: 9 yet
05750 <owd GEN-40: 13 yet
05750 <owd GEN-40: 19 yet
05750 <owd GEN-43: 6 yet
05750 <owd GEN-43: 27 yet
05750 <owd GEN-43: 28 yet
05750 <owd GEN-44: 14 yet
05750 <owd GEN-45: 3 yet
05750 <owd GEN-45: 6 yet
05750 <owd GEN-45: 11 yet
05750 <owd GEN-45: 26 yet
05750 <owd GEN-45: 28 yet
05750 <owd GEN-46: 30 yet
05750 <owd GEN-48: 7 yet
05750 <owd EX0-4: 18 yet
05750 <owd EX0-9: 17 yet
05750 <owd EX0-11: 1 yet

05750 <owd EX0-32: 32 yet
05750 <owd EX0-36: 3 yet
05750 <owd LEV-25: 51 yet
05750 <owd NUM-11: 33 yet
05750 <owd NUM-19: 13 yet
05750 <owd NUM-22: 15 yet
05750 <owd NUM-32: 14 yet
05750 <owd NUM-32: 15 yet
05750 <owd DEU-31: 27 yet
05750 <owd JOS-14: 11 yet
05750 <owd JUD-6: 24 yet
05750 <owd JUD-7: 4 yet
05750 <owd JUD-8: 20 yet
05750 <owd JUD-20: 28 yet
05750 <owd RUT-1: 11 yet
05750 <owd 1SA-3: 6 yet
05750 <owd 1SA-10: 22 yet
05750 <owd 1SA-13: 7 yet
05750 <owd 1SA-16: 11 yet
05750 <owd 1SA-20: 14 yet
05750 <owd 1SA-23: 4 yet
05750 <owd 2SA-1: 9 yet
05750 <owd 2SA-3: 35 yet
05750 <owd 2SA-5: 13 yet
05750 <owd 2SA-5: 22 yet
05750 <owd 2SA-6: 22 yet
05750 <owd 2SA-7: 19 yet
05750 <owd 2SA-9: 1 yet
05750 <owd 2SA-9: 3 yet
05750 <owd 2SA-9: 3 yet
05750 <owd 2SA-12: 22 yet
05750 <owd 2SA-18: 22 yet
05750 <owd 2SA-19: 35 yet

05750	<owd	2SA-21: 15	yet
05750	<owd	2SA-21: 20	yet
05750	<owd	1KI -1: 14	yet
05750	<owd	1KI -1: 22	yet
05750	<owd	1KI -1: 42	yet
05750	<owd	1KI -12: 2	yet
05750	<owd	1KI -12: 5	yet
05750	<owd	2KI -6: 33	yet
05750	<owd	2KI -14: 4	yet
05750	<owd	1CH-12: 1	yet
05750	<owd	1CH-14: 13	yet
05750	<owd	2CH-14: 7	yet
05750	<owd	2CH-18: 7	yet
05750	<owd	2CH-20: 33	yet
05750	<owd	2CH-27: 2	yet
05750	<owd	2CH-32: 16	yet
05750	<owd	EST-6: 14	yet
05750	<owd	JOB-6: 10	yet
05750	<owd	JOB-8: 12	yet
05750	<owd	JOB-29: 5	yet
05750	<owd	JOB-36: 2	yet
05750	<owd	PSA-37: 10	yet
05750	<owd	PSA-42: 5	yet
05750	<owd	PSA-42: 11	yet
05750	<owd	PSA-43: 5	yet
05750	<owd	PSA-78: 17	yet
05750	<owd	PSA-78: 30	yet
05750	<owd	PSA-141: 5	yet
05750	<owd	PRO-9: 9	yet
05750	<owd	PRO-11: 24	yet
05750	<owd	PRO-19: 19	yet
05750	<owd	PRO-31: 15	yet
05750	<owd	ECC-7: 28	yet

05750	<owd	ISA-6: 13	yet
05750	<owd	ISA-10: 25	yet
05750	<owd	ISA-10: 32	yet
05750	<owd	ISA-14: 1	yet
05750	<owd	ISA-28: 4	yet
05750	<owd	ISA-29: 17	yet
05750	<owd	ISA-56: 8	yet
05750	<owd	ISA-65: 24	yet
05750	<owd	JER-2: 9	yet
05750	<owd	JER-15: 9	yet
05750	<owd	JER-31: 5	yet
05750	<owd	JER-31: 23	yet
05750	<owd	JER-31: 39	yet
05750	<owd	JER-33: 1	yet
05750	<owd	JER-40: 5	yet
05750	<owd	JER-51: 33	yet
05750	<owd	LAM-4: 17	yet
05750	<owd	EZE-7: 13	yet
05750	<owd	EZE-20: 27	yet
05750	<owd	EZE-36: 37	yet
05750	<owd	DAN-10: 14	yet
05750	<owd	DAN-11: 2	yet
05750	<owd	DAN-11: 27	yet
05750	<owd	DAN-11: 35	yet
05750	<owd	HOS-1: 4	yet
05750	<owd	HOS-3: 1	yet
05750	<owd	HOS-11: 12	yet
05750	<owd	HOS-12: 9	yet
05750	<owd	AMO-4: 7	yet
05750	<owd	JON-3: 4	yet
05750	<owd	MIC-1: 15	yet
05750	<owd	MIC-6: 10	yet
05750	<owd	HAB-2: 3	yet

05750 <owd HAG-2: 6 yet
05750 <owd HAG-2: 19 yet
05750 <owd ZEC-1: 17 yet
05750 <owd ZEC-1: 17 yet
05750 <owd ZEC-1: 17 yet
05750 <owd ZEC-1: 17 yet
05750 <owd ZEC-8: 4 yet
05750 <owd ZEC-8: 20 yet
05750 <owd ZEC-11: 15 yet
05750 <owd ZEC-13: 3 yet
05750 <owd NUM-18: 22 henceforth
05750 <owd 2KI -5: 17 henceforth
05750 <owd GEN-48: 15 long
05750 <owd EX0-2: 3 longer
05750 <owd JUD-2: 14 longer
05750 <owd 2KI -6: 33 longer
05750 <owd JER-44: 22 longer
05750 <owd GEN-8: 12 more
05750 <owd GEN-8: 21 more
05750 <owd GEN-8: 21 more
05750 <owd GEN-9: 11 more
05750 <owd GEN-9: 11 more
05750 <owd GEN-9: 15 more
05750 <owd GEN-17: 5 more
05750 <owd GEN-32: 28 more
05750 <owd GEN-35: 10 more
05750 <owd GEN-37: 9 more
05750 <owd GEN-38: 26 more
05750 <owd EX0-9: 29 more
05750 <owd EX0-10: 29 more
05750 <owd EX0-14: 13 more
05750 <owd EX0-36: 6 more
05750 <owd LEV-17: 7 more

05750 <owd LEV-27: 20 more
05750 <owd NUM-8: 25 more
05750 <owd NUM-18: 5 more
05750 <owd DEU-3: 26 more
05750 <owd DEU-10: 16 more
05750 <owd DEU-17: 13 more
05750 <owd DEU-17: 16 more
05750 <owd DEU-18: 16 more
05750 <owd DEU-19: 9 more
05750 <owd DEU-19: 20 more
05750 <owd DEU-28: 68 more
05750 <owd DEU-31: 2 more
05750 <owd JOS-2: 11 more
05750 <owd JOS-5: 1 more
05750 <owd JOS-5: 12 more
05750 <owd JUD-18: 24 more
05750 <owd 1SA-1: 18 more
05750 <owd 1SA-18: 8 more
05750 <owd 1SA-26: 21 more
05750 <owd 1SA-27: 1 more
05750 <owd 2SA-2: 28 more
05750 <owd 2SA-5: 13 more
05750 <owd 2SA-7: 10 more
05750 <owd 2SA-7: 20 more
05750 <owd 2SA-10: 19 more
05750 <owd 2SA-19: 28 more
05750 <owd 2SA-19: 29 more
05750 <owd 2SA-19: 35 more
05750 <owd 2SA-21: 17 more
05750 <owd 1KI -10: 5 more
05750 <owd 1KI -10: 10 more
05750 <owd 2KI -2: 12 more
05750 <owd 2KI -2: 21 more

05750 <owd 2KI -4: 6 more
05750 <owd 2KI -24: 7 more
05750 <owd 1CH-14: 3 more
05750 <owd 1CH-14: 3 more
05750 <owd 1CH-17: 9 more
05750 <owd 1CH-19: 19 more
05750 <owd 2CH-9: 4 more
05750 <owd EST-2: 14 more
05750 <owd JOB-7: 10 more
05750 <owd JOB-7: 10 more
05750 <owd JOB-20: 9 more
05750 <owd JOB-24: 20 more
05750 <owd JOB-32: 15 more
05750 <owd JOB-32: 16 more
05750 <owd JOB-34: 23 more
05750 <owd PSA-74: 9 more
05750 <owd PSA-88: 5 more
05750 <owd PSA-103: 16 more
05750 <owd PSA-104: 35 more
05750 <owd PRO-31: 7 more
05750 <owd ECC-4: 13 more
05750 <owd ECC-9: 5 more
05750 <owd ECC-9: 6 more
05750 <owd I SA-1: 5 more
05750 <owd I SA-1: 13 more
05750 <owd I SA-2: 4 more
05750 <owd I SA-5: 4 more
05750 <owd I SA-10: 20 more
05750 <owd I SA-23: 10 more
05750 <owd I SA-23: 12 more
05750 <owd I SA-26: 21 more
05750 <owd I SA-30: 20 more
05750 <owd I SA-32: 5 more

05750 <owd ISA-54: 4 more
05750 <owd ISA-54: 9 more
05750 <owd ISA-60: 18 more
05750 <owd ISA-60: 19 more
05750 <owd ISA-60: 20 more
05750 <owd ISA-62: 4 more
05750 <owd ISA-62: 4 more
05750 <owd ISA-62: 8 more
05750 <owd ISA-65: 19 more
05750 <owd ISA-65: 20 more
05750 <owd JER-2: 31 more
05750 <owd JER-3: 16 more
05750 <owd JER-3: 16 more
05750 <owd JER-3: 17 more
05750 <owd JER-7: 32 more
05750 <owd JER-10: 20 more
05750 <owd JER-11: 19 more
05750 <owd JER-16: 14 more
05750 <owd JER-19: 6 more
05750 <owd JER-20: 9 more
05750 <owd JER-22: 10 more
05750 <owd JER-22: 11 more
05750 <owd JER-22: 12 more
05750 <owd JER-22: 30 more
05750 <owd JER-23: 4 more
05750 <owd JER-23: 7 more
05750 <owd JER-23: 36 more
05750 <owd JER-30: 8 more
05750 <owd JER-31: 29 more
05750 <owd JER-31: 34 more
05750 <owd JER-31: 34 more
05750 <owd JER-31: 40 more
05750 <owd JER-33: 24 more

05750 <owd JER-34: 10 more
05750 <owd JER-38: 9 more
05750 <owd JER-42: 18 more
05750 <owd JER-44: 26 more
05750 <owd JER-48: 2 more
05750 <owd JER-49: 7 more
05750 <owd JER-50: 39 more
05750 <owd JER-51: 44 more
05750 <owd EZE-5: 9 more
05750 <owd EZE-12: 23 more
05750 <owd EZE-12: 24 more
05750 <owd EZE-12: 25 more
05750 <owd EZE-12: 28 more
05750 <owd EZE-13: 21 more
05750 <owd EZE-13: 23 more
05750 <owd EZE-14: 11 more
05750 <owd EZE-14: 11 more
05750 <owd EZE-14: 21 more
05750 <owd EZE-16: 41 more
05750 <owd EZE-16: 42 more
05750 <owd EZE-16: 63 more
05750 <owd EZE-18: 3 more
05750 <owd EZE-19: 9 more
05750 <owd EZE-20: 39 more
05750 <owd EZE-21: 5 more
05750 <owd EZE-23: 27 more
05750 <owd EZE-24: 13 more
05750 <owd EZE-24: 27 more
05750 <owd EZE-26: 13 more
05750 <owd EZE-26: 14 more
05750 <owd EZE-28: 24 more
05750 <owd EZE-29: 15 more
05750 <owd EZE-29: 16 more

05750 <owd EZE-30: 13 more
05750 <owd EZE-32: 13 more
05750 <owd EZE-33: 22 more
05750 <owd EZE-34: 10 more
05750 <owd EZE-34: 22 more
05750 <owd EZE-34: 28 more
05750 <owd EZE-34: 29 more
05750 <owd EZE-34: 29 more
05750 <owd EZE-36: 12 more
05750 <owd EZE-36: 14 more
05750 <owd EZE-36: 14 more
05750 <owd EZE-36: 15 more
05750 <owd EZE-36: 15 more
05750 <owd EZE-36: 15 more
05750 <owd EZE-36: 30 more
05750 <owd EZE-37: 22 more
05750 <owd EZE-37: 22 more
05750 <owd EZE-37: 23 more
05750 <owd EZE-39: 7 more
05750 <owd EZE-39: 28 more
05750 <owd EZE-39: 29 more
05750 <owd EZE-43: 7 more
05750 <owd EZE-45: 8 more
05750 <owd DAN-7: 20 more
05750 <owd HOS-1: 6 more
05750 <owd HOS-2: 16 more
05750 <owd HOS-2: 17 more
05750 <owd HOS-14: 3 more
05750 <owd HOS-14: 8 more
05750 <owd JOE-2: 19 more
05750 <owd JOE-3: 17 more
05750 <owd AMO-5: 2 more
05750 <owd AMO-7: 8 more

05750 <owd AMO-7: 13 more
05750 <owd AMO-8: 2 more
05750 <owd AMO-9: 15 more
05750 <owd MI C-4: 3 more
05750 <owd MI C-5: 13 more
05750 <owd NAH-1: 12 more
05750 <owd NAH-1: 14 more
05750 <owd NAH-2: 13 more
05750 <owd ZEP-3: 15 more
05750 <owd ZEC-9: 8 more
05750 <owd ZEC-11: 6 more
05750 <owd ZEC-13: 2 more
05750 <owd ZEC-14: 11 more
05750 <owd ZEC-14: 21 more
05750 <owd MAL-2: 13 more
05750 <owd EXO-3: 15 moreover
05750 <owd 1SA-20: 3 moreover
05750 <owd 1CH-29: 3 moreover
05750 <owd 2CH-17: 6 moreover
05750 <owd ECC-3: 16 moreover
05750 <owd EZE-23: 38 moreover
05750 <owd JER-13: 27 once
05750 <owd GEN-4: 25 again
05750 <owd GEN-24: 20 again
05750 <owd GEN-29: 33 again
05750 <owd GEN-29: 34 again
05750 <owd GEN-29: 35 again
05750 <owd GEN-30: 7 again
05750 <owd GEN-30: 19 again
05750 <owd GEN-35: 9 again
05750 <owd GEN-38: 4 again
05750 <owd GEN-38: 5 again
05750 <owd DEU-13: 16 again

05750 <owd JUD-13: 8 agai n
05750 <owd JUD-13: 9 agai n
05750 <owd JUD-20: 25 agai n
05750 <owd RUT-1: 14 agai n
05750 <owd 2SA-3: 11 agai n
05750 <owd 2SA-3: 26 agai n
05750 <owd 2SA-6: 1 agai n
05750 <owd 2SA-12: 23 agai n
05750 <owd 2SA-14: 29 agai n
05750 <owd 2SA-21: 15 agai n
05750 <owd 2SA-21: 18 agai n
05750 <owd 2SA-21: 19 agai n
05750 <owd 1CH-14: 14 agai n
05750 <owd 1CH-20: 5 agai n
05750 <owd 1CH-20: 6 agai n
05750 <owd 2CH-13: 20 agai n
05750 <owd 2CH-28: 17 agai n
05750 <owd 2CH-34: 16 agai n
05750 <owd JOB-6: 29 agai n
05750 <owd JOB-14: 7 agai n
05750 <owd PRO-23: 35 agai n
05750 <owd I SA-49: 20 agai n
05750 <owd I SA-51: 22 agai n
05750 <owd JER-3: 1 agai n
05750 <owd JER-19: 11 agai n
05750 <owd JER-31: 4 agai n
05750 <owd JER-31: 4 agai n
05750 <owd JER-32: 15 agai n
05750 <owd JER-33: 10 agai n
05750 <owd JER-33: 12 agai n
05750 <owd JER-33: 13 agai n
05750 <owd EZE-5: 4 agai n
05750 <owd EZE-8: 6 agai n

05750 <owd EZE-8: 13 agai n
05750 <owd EZE-8: 15 agai n
05750 <owd EZE-26: 21 agai n
05750 <owd HOS-1: 6 agai n
05750 <owd AMO-8: 14 agai n
05750 <owd ZEC-2: 12 agai n
05750 <owd ZEC-12: 6 agai n
05750 <owd PSA-104: 33 bei ng
05750 <owd PSA-146: 2 bei ng
05750 <owd GEN-19: 12 besi des
05750 <owd 1KI -22: 7 besi des
05750 <owd 2CH-18: 6 besi des
05750 <owd JER-36: 32 besi des
05750 <owd DEU-4: 35 el se
05750 <owd DEU-4: 39 el se
05750 <owd 1KI -8: 60 el se
05750 <owd I SA-45: 5 el se
05750 <owd I SA-45: 6 el se
05750 <owd I SA-45: 14 el se
05750 <owd I SA-45: 18 el se
05750 <owd I SA-45: 21 el se
05750 <owd I SA-45: 22 el se
05750 <owd I SA-46: 9 el se
05750 <owd I SA-47: 8 el se
05750 <owd I SA-47: 10 el se
05750 <owd JOE-2: 27 el se
05750 <owd 1SA-10: 22 further
05750 <owd EST-9: 12 further
05750 <owd EXO-4: 6 furthermore

~~~~~

~~~~~

05750 EZE 005 009 And I will do <06213 +<asah > in thee that which <00834 +>aher > I have not done <06213 +<asah > , and whereunto <00834 +>aher > I will not do <06213 +<asah > any more <{05750} +<owd > the like <03644 +k@mow > , because <03282 +ya<an > of all <03605 +kol > thine abominations <08441 +tow<ebah > .

05750 NAH 001 012 Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > ; Though <00518 +>im > [they be] quiet <08003 +shalem > , and likewise <03651 +ken > many <07227 +rab > , yet thus <03651 +ken > shall they be cut <01494 +gazaz > down , when <03588 +kiy > he shall pass <05674 +<abar > through . Though I have afflicted <06031 +<anah > thee , I will afflict <06031 +<anah > thee no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > .

05750 NAH 001 014 And the LORD <03068 +Y@hovah > hath given a commandment <06680 +tsavah > concerning <05921 +<al > thee , [that] no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > of thy name <08034 +shem > be sown <02232 +zara< > : out of the house <01004 +bayith > of thy gods <00430 +>elohiym > will I cut <03772 +karath > off the graven <06459 +pecel > image and the molten <04541 +maccekah > image : I will make <07760 +suwm > thy grave <06913 +qeber > ; for thou art vile <07043 +qalal > .

05750 NAH 002 013 Behold <02205 +zaqen > , I [am] against <00413 +>el > thee , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > , and I will burn <01197 +ba<ar > her chariots <07393 +rekeb > in the smoke <06227 +<ashan > , and the sword <02719 +chereb > shall devour <00398 +>akal > thy young <03715 +k@phiyr > lions <03715 +k@phiyr > : and I will cut <03772 +karath > off thy prey <02964 +tereph > from the earth <00776 +>erets > , and the voice <06963 +qowl > of thy messengers <04397 +mal>ak > shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > be heard <08085 +shama< > .

05750 HAB 002 003 For the vision <02377 +chazown > [is] yet <{05750} +<owd > for an appointed <04150 +mow<ed > time , but at the end <07093 +qets > it shall speak <06315 +puwach > , and not lie <03576 +kazab > : though <00518 +>im > it tarry <04102 +mahahh > , wait <02442 +chakah > for it ; because <03588 +kiy > it will surely come <00935 +bow> > , it will not tarry <00309 +>achar > .

05750 ZEP 003 015 The LORD <03068 +Y@hovah > hath taken <05493 +cuwr > away <05493 +cuwr > thy judgments <04941 +mi shpat > , he hath cast <06437 +panah > out thine enemy <00341 +>oyeb > : the king <04428 +melek > of Israel <03478 +Yisra>el > , [even] the LORD <03068 +Y@hovah > , [is] in the midst <07130 +qereb > of thee : thou shalt not see <07200 +ra>ah > evil <07451 +ra< > any more <{05750} +<owd > .

05750 HAG 002 006 For thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > ; Yet <{05750} +<owd > once <00259 +>echad > , it [is] a little <04592 +m@<at > while , and I will shake <07493 +ra<ash > the heavens <08064 +shamayim > , and the earth <00776 +>erets > , and the sea <03220 +yam > , and the dry <02724 +charabah > [land] ;

05750 HAG 002 019 Is the seed <02233 +zera< > yet <{05750} +<owd > in the barn <04035 +m@guwrah > ? yea , as yet <05704 +<ad > the vine <01612 +gephen > , and the fig <08384 +t@>en > tree , and the pomegranate <07416 +rimmown > , and the olive <02132 +zayith > tree <06086 +<ets > , hath not brought <05375 +nasa> > forth <05375 +nasa> > : from this <02088 +zeh > day <03117 +yowm > will I bless <01288 +barak > [you] .

05750 ZEC 001 017 Cry <07121 +qara> > yet <05750 +<owd> > , saying <00559 +>amar > , Thus <03541 +koh> saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah> of hosts <06635 +tsaba> > ; My cities <05892 +<iyr> > through prosperity <02896 +towb> shall yet <05750 +<owd> > be spread <06327 +puwts> abroad <06527 +parat> > ; and the LORD <03068 +Y@hovah> shall yet <05750 +<owd> > comfort <05162 +nacham> Zion <06726 +Tsiyown> , and shall yet <{05750}> +<owd> > choose <00977 +bachar> Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim> > .

05750 ZEC 001 017 Cry <07121 +qara> > yet <05750 +<owd> > , saying <00559 +>amar > , Thus <03541 +koh> saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah> of hosts <06635 +tsaba> > ; My cities <05892 +<iyr> > through prosperity <02896 +towb> shall yet <05750 +<owd> > be spread <06327 +puwts> abroad <06527 +parat> > ; and the LORD <03068 +Y@hovah> shall yet <{05750}> +<owd> > comfort <05162 +nacham> Zion <06726 +Tsiyown> , and shall yet <05750 +<owd> > choose <00977 +bachar> Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim> > .

05750 ZEC 001 017 Cry <07121 +qara> > yet <05750 +<owd> > , saying <00559 +>amar > , Thus <03541 +koh> saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah> of hosts <06635 +tsaba> > ; My cities <05892 +<iyr> > through prosperity <02896 +towb> shall yet <{05750}> +<owd> > be spread <06327 +puwts> abroad <06527 +parat> > ; and the LORD <03068 +Y@hovah> shall yet <05750 +<owd> > comfort <05162 +nacham> Zion <06726 +Tsiyown> , and shall yet <05750 +<owd> > choose <00977 +bachar> Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim> > .

05750 ZEC 001 017 Cry <07121 +qara> > yet <{05750}> +<owd> > , saying <00559 +>amar > , Thus <03541 +koh> saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah> of hosts <06635 +tsaba> > ; My cities <05892 +<iyr> > through prosperity <02896 +towb> shall yet <05750 +<owd> > be spread <06327 +puwts> abroad <06527 +parat> > ; and the LORD <03068 +Y@hovah> shall yet <05750 +<owd> > comfort <05162 +nacham> Zion <06726 +Tsiyown> , and shall yet <05750 +<owd> > choose <00977 +bachar> Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim> > .

05750 ZEC 002 012 And the LORD <03068 +Y@hovah> shall inherit <05157 +nachal> Judah <03063 +Y@huwdah> his portion <02506 +cheleq> in the holy <06944 +qodesh> land <00127 +>adamah> , and shall choose <00977 +bachar> Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim> > again <{05750}> +<owd> > .

05750 ZEC 008 004 Thus <03541 +koh> saith <00559 +>amar> the LORD <03068 +Y@hovah> of hosts <06635 +tsaba> > ; There shall yet <{05750}> +<owd> > old <02205 +zaqen> men and old <02205 +zaqen> women dwell <03427 +yashab> in the streets <07339 +r@chob> of Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim> , and every man <00376 +>iysh> with his staff <04938 +mish<enah> > in his hand <03027 +yad> for very <07230 +rob> age <03117 +yowm> > .

05750 ZEC 008 020 Thus <03541 +koh> saith <00559 +>amar> the LORD <03068 +Y@hovah> of hosts <06635 +tsaba> > ; [It shall] yet <{05750}> +<owd> > [come to pass] , that there shall come <00935 +bow> > people <05971 +<am> > , and the inhabitants <03427 +yashab> > of many <07227 +rab> cities <05892 +<iyr> > :

05750 ZEC 009 008 And I will encamp <02583 +chanah> about mine house <01004 +bayith> because of the army <04675 +matstsabah> , because of him that passeth <05674 +<abar> > by , and because of him that returneth <07725 +shuwb> : and no <03808 +lo> > oppressor <05065 +nagas> shall pass <05674 +<abar> > through

them any more <{05750} +<owd > : for now <06258 +<attah > have I
seen <07200 +<ra>ah > with mine eyes <05869 +<ayin > .

05750 ZEC 011 006 For I will no <03808 +<lo> > more <{05750}
+<owd > pity <02550 +<chamal > the inhabitants <03427 +<yashab >
of the land <00776 +>erets > , saith <05002 +<n@>um > the LORD
<03068 +<Y@>hovah > : but , lo , I will deliver <04672 +<matsa> >
the men <00120 +>adam > every <00376 +>iysh > one <00376 +>iysh
> into his neighbour s <07453 +<rea< > hand <03027 +<yad > , and
into the hand <03027 +<yad > of his king <04428 +<melek > : and
they shall smite <03807 +<kathath > the land <00776 +>erets > ,
and out of their hand <03027 +<yad > I will not deliver <05337
+<natsal > [them] .

05750 ZEC 011 015 . And the LORD <03068 +<Y@>hovah > said <00559
+>amar > unto me , Take <03947 +<laqach > unto thee yet <{05750}
+<owd > the instruments <03627 +<k@>liy > of a foolish <00196
+>eviliy > shepherd <07462 +<ra<ah > .

05750 ZEC 012 006 In that day <03117 +<yowm > will I make <07760
+<suwm > the governors <00441 +>alluwph > of Judah <03063
+<Y@>huwdah > like an hearth <03595 +<kiyowr > of fire <00784 +>esh
> among the wood <06086 +<ets > , and like a torch <03940
+<lappiyd > of fire <00784 +>esh > in a sheaf <05995 +<amiyr > ;
and they shall devour <00398 +>akal > all <03605 +<kol > the
people <05971 +<am > round <05439 +<cabiyyb > about <01157 +<b@<ad
> , on <05921 +<al > the right <03225 +<yamiyn > hand <03225
+<yamiyn > and on <05921 +<al > the left <08040 +<s@>mo>wl > : and
Jerusalem <03389 +<Y@>ruwshalaim > shall be inhabited <03427
+<yashab > again <{05750} +<owd > in her own place <08478
+<tachath > , [even] in Jerusalem <03389 +<Y@>ruwshalaim > .

05750 ZEC 013 002 And it shall come <01961 +<hayah > to pass in
that day <03117 +<yowm > , saith <05002 +<n@>um > the LORD <03068
+<Y@>hovah > of hosts <06635 +<tsaba> > , [that] I will cut
<03772 +<karath > off the names <08034 +<shem > of the idols
<06091 +<atsab > out of the land <00776 +>erets > , and they
shall no <03808 +<lo> > more <{05750} +<owd > be remembered
<02142 +<zakar > : and also <01571 +<gam > I will cause the
prophets <05030 +<nabiy> > and the unclean <02932 +<tum>ah >
spirit <07307 +<ruwach > to pass <05674 +<abar > out of the land
<00776 +>erets > .

05750 ZEC 013 003 And it shall come <01961 +<hayah > to pass , [
that] when <03588 +<kiy > any <00376 +>iysh > shall yet <{05750}
+<owd > prophesy <05197 +<nataph > , then his father <2> and his
mother <00517 +>em > that begat <03205 +<yalad > him shall say
<00559 +>amar > unto him , Thou shalt not live <02421 +<chayah > ;
for thou speakest <01696 +<dabar > lies <08267 +<sheqer > in the
name <08034 +<shem > of the LORD <03068 +<Y@>hovah > : and his
father <2> and his mother <00517 +>em > that begat <03205 +<yalad
> him shall thrust <01856 +<daqar > him through when he
prophesieth <05012 +<naba> > .

05750 ZEC 014 011 And [men] shall dwell <03427 +<yashab > in it
, and there shall be no <03808 +<lo> > more <{05750} +<owd >
utter destruction <02764 +<cherem > ; but Jerusalem <03389
+<Y@>ruwshalaim > shall be safely <00983 +<betach > inhabited
<03427 +<yashab > .

05750 ZEC 014 021 Yea , every <03605 +<kol > pot <05518 +<ciyr >
in Jerusalem <03389 +<Y@>ruwshalaim > and in Judah <03063
+<Y@>huwdah > shall be holiness <06944 +<qodesh > unto the LORD
<03068 +<Y@>hovah > of hosts <06635 +<tsaba> > : and all <03605
+<kol > they that sacrifice <02076 +<zabach > shall come <00935
+<bow> > and take <03947 +<laqach > of them , and see the <01310
12/8/2021

+bashal > therein : and in that day <03117 +yowm > there shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > the Canaanite <03669 +K@n@aniy > in the house <01004 +bayith > of the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > .

05750 MAL 002 013 And this have ye done <06213 +<asah > again <08145 +sheniy > , covering <03680 +kacah > the altar <04196 +mizbeach > of the LORD <03068 +Y@hovah > with tears <01832 +dim<ah > , with weeping <01065 +B@kiy > , and with crying <00603 +>anaqah > out , insomuch that he regardeth <06437 +panah > not the offering <04503 +minchah > any more <{05750} +<owd > , or receiveth <03947 +laqach > [it] with good <07522 +ratsown > will <07522 +ratsown > at your hand <03027 +yad > .

05750 EZE 036 015 Neither <03808 +lo> > will I cause [men] to hear <08085 +shama< > in thee the shame <03639 +k@limmah > of the heathen <01471 +gowy > any more <05750 +<owd > , neither <03808 +lo> > shalt thou bear <05375 +nasa> > the reproach <02781 +cherpah > of the people <05971 +<am > any more <{05750} +<owd > , neither <03808 +lo> > shalt thou cause thy nations <01471 +gowy > to fall <03782 +kashal > any more <05750 +<owd > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > .

05750 EZE 036 015 Neither <03808 +lo> > will I cause [men] to hear <08085 +shama< > in thee the shame <03639 +k@limmah > of the heathen <01471 +gowy > any more <{05750} +<owd > , neither <03808 +lo> > shalt thou bear <05375 +nasa> > the reproach <02781 +cherpah > of the people <05971 +<am > any more <05750 +<owd > , neither <03808 +lo> > shalt thou cause thy nations <01471 +gowy > to fall <03782 +kashal > any more <05750 +<owd > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > .

05750 EZE 036 030 And I will multiply <07235 +rabah > the fruit <06529 +p@riy > of the tree <06086 +<ets > , and the increase <08570 +t@nuwbah > of the field <07704 +sadeh > , that ye shall receive <03947 +laqach > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > reproach <02781 +cherpah > of famine <07458 +ra<ab > among the heathen <01471 +gowy > .

05750 EZE 036 037 Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > ; I will yet <{05750} +<owd > [for] this be enquired <01875 +darash > of by the house <01004 +bayith > of Israel <03478 +Yisra>el > , to do <06213 +<asah > [it] for them ; I will increase <07235 +rabah > them with men <00120 +>adam > like a flock <06629 +tso>n > .

05750 EZE 037 022 And I will make <06213 +<asah > them one <00259 +>echad > nation <01471 +gowy > in the land <00776 +>erets > upon the mountains <02022 +har > of Israel <03478 +Yisra>el > ; and one <00259 +>echad > king <04428 +melek > shall be king <04428 +melek > to them all <03605 +kol > : and they shall be no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > two <08147 +sh@nayim > nations <01471 +gowy > , neither <03808 +lo> > shall they be divided <02673 +chatsah > into two <08147 +sh@nayim > kingdoms <04467 +mamlakah > any more <{05750} +<owd > at all :

05750 EZE 037 022 And I will make <06213 +<asah > them one <00259 +>echad > nation <01471 +gowy > in the land <00776 +>erets > upon the mountains <02022 +har > of Israel <03478 +Yisra>el > ; and one <00259 +>echad > king <04428 +melek > shall be king <04428 +melek > to them all <03605 +kol > : and they shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > two <08147 +sh@nayim > nations <01471 +gowy > , neither <03808 +lo> > shall they be divided <02673 +chatsah > into two <08147 +sh@nayim >

kingdoms <04467 +mamlakah > any more <05750 +<owd > at all :

05750 EZE 037 023 Neither <03808 +lo> > shall they defile <02930 +tame> > themselves any more <{05750} +<owd > with their idols <01544 +gilluwil > , nor with their detestable <08251 +shiqquwts > things , nor with any <03605 +kol > of their transgressions <06588 +peshah > : but I will save <03467 +yasha > them out of all <03605 +kol > their dwellingplaces <04186 +mowshab > , wherein <00834 +>aher > they have sinned <02398 +chata > > , and will cleanse <02891 +taher > them : so shall they be my people <05971 +<am > , and I will be their God <00430 +>elohiyim > .

05750 EZE 039 007 So will I make my holy <06944 +qodesh > name <08034 +shem > known <03045 +yada > in the midst <08432 +tavek > of my people <05971 +<am > Israel <03478 +Yisra>el > ; and I will not [let them] pollute <02490 +chalal > my holy <06944 +qodesh > name <08034 +shem > any more <{05750} +<owd > : and the heathen <01471 +gowy > shall know <03045 +yada > that I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > , the Holy <06918 +qadowsh > One in Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 EZE 039 028 Then shall they know <03045 +yada > that I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > their God <00430 +>elohiyim > , which caused them to be led into captivity <01473 +gowlah > among <00413 +>el > the heathen <01471 +gowy > : but I have gathered <03664 +kanac > them unto their own land <00127 +>adamah > , and have left <03498 +yathar > none <03808 +lo> > of them any more <{05750} +<owd > there <08033 +sham > .

05750 EZE 039 029 Neither <03808 +lo> > will I hide <05641 +cathar > my face <06440 +paniyim > any more <{05750} +<owd > from them : for I have poured <08210 +shaphak > out my spirit <07307 +ruwach > upon the house <01004 +bayith > of Israel <03478 +Yisra>el > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > .

05750 EZE 043 007 . And he said <00559 +>amar > unto me , Son <01121 +ben > of man <00120 +>adam > , the place <04725 +maqowm > of my throne <03678 +kicce > > , and the place <04725 +maqowm > of the soles <03709 +kaph > of my feet <07272 +regel > , where I will dwell <07931 +shakan > in the midst <08432 +tavek > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > for ever <05769 +<owlam > , and my holy <06944 +qodesh > name <08034 +shem > , shall the house <01004 +bayith > of Israel <03478 +Yisra>el > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > defile <02930 +tame > > , [neither] they , nor their kings <04428 +melek > , by their whoredom <02184 +z@nuwth > , nor by the carcasses <06297 +peger > of their kings <04428 +melek > in their high <01116 +bamah > places .

05750 EZE 045 008 In the land <00776 +>erets > shall be his possession <00272 +>achuzzah > in Israel <03478 +Yisra>el > : and my princes <05387 +nasiy > shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > oppress <03238 +yanah > my people <05971 +<am > ; and [the rest of] the land <00776 +>erets > shall they give <05414 +nathan > to the house <01004 +bayith > of Israel <03478 +Yisra>el > according to their tribes <07626 +shebet > .

05750 DAN 007 020 And of the ten <06236 +<asar > horns <07162 +qeren > that [were] in his head <07217 +re>sh > , and [of] the other <00317 +>ochoriy > which <01768 +diy > came <05559 +<eliq > up , and before whom <04479 +man > three <08532 +<elath > fell <05308 +<n@phal > ; even [of] that horn <07162 +qeren > that had eyes <05870 +<ayin > , and a mouth <06433 +pum > that spake <04449 +<m@lal > very <07260 +rabrab > great <07260 +rabrab > things , whose look <02376 +chezev > [was] more <{05750} >

+<owd > stout <07229 +rab > than <04481 +min > his fellows
<02273 +chabrah > .

05750 DAN 009 020 . And whiles <{05750} +<owd > I [was]
speaking <01696 +dabar > , and praying <06419 +palal > , and
confessing <03034 +yadah > my sin <02403 +chatta>ah > and the
sin <02403 +chatta>ah > of my people <05971 +<am > Israel <03478
+Yisra>el > , and presenting <05307 +naphal > my supplication
<08467 +t@chinnah > before <06440 +paniym > the LORD <03068
+Y@hovah > my God <00430 +>elohiym > for the holy <06944 +qodesh
> mountain <02022 +har > of my God <00430 +>elohiym > ;

05750 DAN 010 014 Now I am come <00935 +bow> > to make thee
understand <00995 +biyn > what shall befall <07136 +qarah > thy
people <05971 +<am > in the latter <00319 +>achariyth > days
<03117 +yowm > : for yet <{05750} +<owd > the vision <02377
+chazown > [is] for [many] days <03117 +yowm > .

05750 DAN 011 002 And now <06258 +<attah > will I shew <05046
+nagad > thee the truth <00571 +>emeth > . Behold <02009 +hinneh
> , there shall stand <05975 +<amad > up yet <{05750} +<owd >
three <07969 +shalowsh > kings <04428 +melek > in Persia <06539
+Parac > ; and the fourth <07243 +r@biy<iy > shall be far <01419
+gadowl > richer <06238 +<ashar > than [they] all <03605 +kol
> : and by his strength <02394 +chozqah > through his riches
<06239 +<osher > he shall stir <05782 +<uwr > up all <03605 +kol
> against the realm <04438 +malkuwth > of Grecia <03120 +Yavan >
.

05750 DAN 011 027 And both <08147 +sh@nayim > these kings <04428
+melek > hearts <03824 +lebab > [shall be] to do mischief
<04827 +mera< > , and they shall speak <01696 +dabar > lies
<03576 +kazab > at <05921 +<al > one <00259 +>echad > table
<07979 +shulchan > ; but it shall not prosper <06743 +tsalach > :
for yet <{05750} +<owd > the end <07093 +qets > [shall be] at
the time appointed <04150 +mow<ed > .

05750 DAN 011 035 And [some] of them of understanding <07919
+sakal > shall fall <03782 +kashal > , to try <06884 +tsaraph >
them , and to purge <01305 +barar > , and to make [them] white
<03835 +laban > , [even] to the time <06256 +<eth > of the end
<07093 +qets > : because [it is] yet <{05750} +<owd > for a
time appointed <04150 +mow<ed > .

05750 HOS 001 004 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto him , Call <07121 +qara> > his name <08034 +shem >
Jezreel <03157 +Yizr@<e>l > ; for yet <{05750} +<owd > a little
<04592 +m@<at > [while] , and I will avenge <06485 +paqad >
the blood <01818 +dam > of Jezreel <03157 +Yizr@<e>l > upon the
house <01004 +bayith > of Jehu <03058 +Yehuw> > , and will cause
to cease <07673 +shabath > the kingdom <04468 +mamlakuwth > of
the house <01004 +bayith > of Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 HOS 001 006 And she conceived <02030 +hareh > again <05750
+<owd > , and bare <03205 +yalad > a daughter <01323 +bath > .
And [God] said <00559 +>amar > unto him , Call <07121 +qara> >
her name <08034 +shem > Loruhamah <03819 +Lo> Ruchamah > : for I
will no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > have mercy <07355
+racham > upon the house <01004 +bayith > of Israel <03478
+Yisra>el > ; but I will utterly take <05375 +nasa> > them away .

05750 HOS 001 006 And she conceived <02030 +hareh > again
<{05750} +<owd > , and bare <03205 +yalad > a daughter <01323
+bath > . And [God] said <00559 +>amar > unto him , Call
<07121 +qara> > her name <08034 +shem > Loruhamah <03819 +Lo>
Ruchamah > : for I will no <03808 +lo> > more <05750 +<owd >
12/8/2021

have mercy <07355 +racham > upon the house <01004 +bayi th > of Israel <03478 +Yisra>el > ; but I will utterly take <05375 +nasa> > them away .

05750 HOS 002 016 And it shall be at that day <03117 +yowm > , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > , [that] thou shalt call <07121 +qara> > me Ishi <00376 +>iysh > ; and shalt call <07121 +qara> > me no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > Baali <01180 +Ba<ali y > .

05750 HOS 002 017 For I will take <05493 +cuwr > away <05493 +cuwr > the names <08034 +shem > of Baalim <01168 +Ba<al > out of her mouth <06310 +peh > , and they shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > be remembered <02142 +zakar > by their name <08034 +shem > .

05750 HOS 003 001 . Then said <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > unto me , Go <03212 +yalak > yet <{05750} +<owd > , Love <00157 +>ahab > a woman <00802 +>i shshah > beloved <00157 +>ahab > of [her] friend <07453 +rea< > , yet an adulteress <05003 +na>aph > , according to the love <00160 +>ahabah > of the LORD <03068 +Y@hovah > toward <00854 +>eth > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , who <01992 +hem > look <06437 +panah > to other <00312 +>acher > gods <00430 +>elohiym > , and love <00157 +>ahab > flagons <00809 +>ashi yshah > of wine <06025 +<enab > .

05750 HOS 011 012 Ephraim <00669 +>Ephrayim > compasseth <05437 +cabab > me about with lies <03585 +kachash > , and the house <01004 +bayi th > of Israel <03478 +Yisra>el > with deceit <04820 +mirmah > : but Judah <03063 +Y@huwdah > yet <{05750} +<owd > ruleth <07300 +ruwd > with God <00430 +>elohiym > , and is faithful <00539 +>aman > with the saints <06918 +qadowsh > .

05750 HOS 012 009 And I [that am] the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>elohiym > from the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > will yet <{05750} +<owd > make thee to dwell <03427 +yashab > in tabernacles <00168 +>ohel > , as in the days <03117 +yowm > of the solemn <04150 +mow<ed > feast <04150 +mow<ed > .

05750 HOS 014 003 Asshur <00804 +>Ashshuwr > shall not save <03467 +yasha< > us ; we will not ride <07392 +rakab > upon horses <05483 +cuwc > : neither <03808 +lo> > will we say <00559 +>amar > any more <{05750} +<owd > to the work <04639 +ma<aseh > of our hands <03027 +yad > , [Ye are] our gods <00430 +>elohiym > : for in thee the fatherless <03490 +yathowm > findeth mercy <07355 +racham > .

05750 HOS 014 008 . Ephraim <00669 +>Ephrayim > [shall say] , What <04100 +mah > have I to do anymore <{05750} +<owd > with idols <06091 +<atsab > ? I have heard <06030 +<anah > [him] , and observed <07789 +shuwr > him : I [am] like a green <07488 +ra<anan > fir <01265 +b@rowsh > tree . From me is thy fruit <06529 +p@riy > found <04672 +matsa> > .

05750 JOE 002 019 Yea , the LORD <03068 +Y@hovah > will answer <06030 +<anah > and say <00559 +>amar > unto his people <05971 +<am > , Behold <02005 +hen > , I will send <07971 +shalach > you corn <01715 +dagan > , and wine <08492 +tiyrowsh > , and oil <03323 +yi tshar > , and ye shall be satisfied <07646 +saba< > therewith <00854 +>eth > : and I will no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > make <05414 +nathan > you a reproach <02781 +cherpah > among the heathen <01471 +gowy > :

05750 JOE 002 027 And ye shall know <03045 +yada< > that I [am

] in the midst <07130 +qereb > of Israel <03478 +Yisra>el > ,
and [that] I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430
+>elohiym > , and none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > :
and my people <05971 +<am > shall never be ashamed <00954 +buwsh
> .

05750 JOE 003 017 So shall ye know <03045 +yada< > that I [am]
the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiym > dwelling
<07931 +shakan > in Zion <06726 +Tsiyown > , my holy <06944
+qodesh > mountain <02022 +har > : then shall Jerusalem <03389
+Y@ruwshalaim > be holy <06944 +qodesh > , and there shall no
<03808 +lo> > strangers <02114 +zuwr > pass <05674 +<abar >
through her any more <{05750} +<owd > .

05750 AMO 004 007 And also <01571 +gam > I have withholden
<04513 +mana< > the rain <01653 +geshem > from you , when [
there were] yet <{05750} +<owd > three <07969 +shalowsh >
months <02320 +chodesh > to the harvest <07105 +qatsiyr > : and
I caused it to rain <04305 +matar > upon one <00259 +>echad >
city <05892 +<iyr > , and caused it not to rain <04305 +matar >
upon another <00259 +>echad > city <05892 +<iyr > : one <00259
+>echad > piece was rained <04305 +matar > upon , and the piece
whereupon it rained <04305 +matar > not withered <03001 +yabesh
> .

05750 AMO 005 002 The virgin <01330 +b@thuwlah > of Israel
<03478 +Yisra>el > is fallen <05307 +naphal > ; she shall no
<03808 +lo> > more <{05750} +<owd > rise <06965 +quwm > : she is
forsaken <05203 +natash > upon her land <00127 +>adamah > ; [
there is] none <00369 +>ayin > to raise <06965 +quwm > her up .

05750 AMO 007 008 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto me , Amos <05986 +<Amowc > , what <04100 +mah >
seest <07200 +ra>ah > thou ? And I said <00559 +>amar > , A
plumbline <00594 +>anak > . Then said <00559 +>amar > the Lord
<00136 +>Adonay > , Behold <02005 +hen > , I will set <07760
+suwm > a plumbline <00594 +>anak > in the midst <07130 +qereb >
of my people <05971 +<am > Israel <03478 +Yisra>el > : I will
not again <03254 +yacaph > pass <05674 +<abar > by them any more
<{05750} +<owd > :

05750 AMO 007 013 But prophesy <05012 +naba> > not again <03254
+yacaph > any more <{05750} +<owd > at Bethel <01008 +Beyth -
>El > : for it [is] the king s <04428 +melek > chapel <04720
+miqdash > , and it [is] the king s <04467 +mamlakah > court
<01004 +bayith > .

05750 AMO 008 002 And he said <00559 +>amar > , Amos <05986
+<Amowc > , what <04100 +mah > seest <07200 +ra>ah > thou ? And
I said <00559 +>amar > , A basket <03619 +k@lub > of summer
<07019 +qayits > fruit . Then said <00559 +>amar > the LORD
<03068 +Y@hovah > unto me , The end <07093 +qets > is come
<00935 +bow> > upon my people <05971 +<am > of Israel <03478
+Yisra>el > ; I will not again <03254 +yacaph > pass <05674
+<abar > by them any more <{05750} +<owd > .

05750 AMO 008 014 They that swear <07650 +shaba< > by the sin
<00819 +>ashmah > of Samaria <08111 +Shom@rown > , and say
<00559 +>amar > , Thy god <00430 +>elohiym > , O Dan <01835 +Dan
> , liveth <02416 +chay > ; and , The manner <01870 +derek > of
Beersheba <00884 +B@>er Sheba< > liveth <02416 +chay > ; even
they shall fall <05307 +naphal > , and never <03808 +lo> > rise
<06965 +quwm > up again <{05750} +<owd > .

05750 AMO 009 015 And I will plant <05193 +nata< > them upon
their land <00127 +>adamah > , and they shall no <03808 +lo> >
12/8/2021

more <{05750} +<owd > be pulled <05428 +nathash > up out of their land <00127 +>adamah > which <00834 +>aher > I have given <05414 +nathan > them , saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>el ohi ym > .

05750 JONAH 003 004 And Jonah <03124 +Yonah > began <02490 +chalal > to enter <00935 +bow> > into the city <05892 +<iyr > a days <03117 +yowm > journey <04109 +mahalak > , and he cried <07121 +qara> > , and said <00559 +>amar > , Yet <{05750} +<owd > forty <00705 +>arba<iym > days <03117 +yowm > , and Ni neveh <05210 +Niyn@veh > shall be overthrown <02015 +haphak > .

05750 MIC 001 015 Yet <{05750} +<owd > will I bring <00935 +bow> > an heir <03423 +yarash > unto thee , O inhabitant <03427 +yashab > of Mareshah <04762 +Mar>eshah > : he shall come <00935 +bow> > unto Adullam <05725 +<Adullam > the glory <03519 +kabowd > of Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 MIC 004 003 And he shall judge <08199 +shaphat > among <00996 +beyn > many <07227 +rab > people <05971 +<am > , and rebuke <03198 +yakach > strong <06099 +<atsumm > nations <01471 +gowy > afar <07350 +rachowq > off ; and they shall beat <03807 +kathath > their swords <02719 +chereb > into plowshares <00855 +>eth > , and their spears <02595 +chaniyth > into pruninghooks <04211 +mazmerah > : nation <01471 +gowy > shall not lift <05375 +nasa> > up a sword <02719 +chereb > against <00413 +>el > nation <01471 +gowy > , neither <03808 +lo> > shall they learn <03925 +lamad > war <04421 +milchamah > any more <{05750} +<owd > > .

05750 MIC 005 013 Thy graven <06456 +p@ciyl > images <04676 +matstsebah > also will I cut <03772 +karath > off , and thy standing <04676 +matstsebah > images out of the midst <07130 +qereb > of thee ; and thou shalt no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > worship <07812 +shachah > the work <04639 +ma<aseh > of thine hands <03027 +yad > .

05750 ISA 062 008 The LORD <03068 +Y@hovah > hath sworn <07650 +shaba< > by his right <03225 +yami yn > hand <03225 +yami yn > , and by the arm <02220 +z@rowa< > of his strength <05797 +<oz > , Surely <00518 +>im > I will no <00518 +>im > more <{05750} +<owd > give <05414 +nathan > thy corn <01715 +dagan > [to be] meat <03978 +ma>akal > for thine enemies <00341 +>oyeb > ; and the sons <01121 +ben > of the stranger <05236 +nekar > shall not drink <08354 +shathah > thy wine <08492 +tiyrowsh > , for the which <00834 +>aher > thou hast laboured <03021 +yaga< > :

05750 GEN 004 025 . And Adam <00120 +>adam > knew <03045 +yada< > his wife <00802 +>ishshah > again <{05750} +<owd > ; and she bare <03205 +yalad > a son <01121 +ben > , and called <07121 +qara> > his name <08034 +shem > Seth <08352 +Sheth > : For God <00430 +>el ohi ym > , [said she] , hath appointed <07896 +shiyth > me another <00312 +>acher > seed <02233 +zera< > instead <08478 +tachath > of Abel <01893 +Hebel > , whom <03588 +kiy > Cain <07014 +Qayin > slew <02026 +harag > .

05750 GEN 007 004 For yet <{05750} +<owd > seven <07651 +sheba< > days <03117 +yowm > , and I will cause it to rain <04305 +matar > upon the earth <00776 +>erets > forty <00705 +>arba<iym > days <03117 +yowm > and forty <00705 +>arba<iym > nights <03915 +layil > ; and every <03605 +kol > living substance <03351 +y@quwm > that I have made <06213 +<asah > will I destroy <04229 +machah > from off <05921 +<al > the face <06440 +paniym > of the earth <00127 +>adamah > .

05750 GEN 008 012 And he stayed <03176 +yachal > yet other

<00312 +>acher > seven <07651 +sheba< > days <03117 +yowm > ;
 and sent <07971 +shalach > forth the dove <03123 +yownah > ;
 which returned <07725 +shuwb > not again <03254 +yacaph > unto
 him any <05750 +<owd > more <{05750} +<owd > .

05750 GEN 008 012 And he stayed <03176 +yachal > yet other
 <00312 +>acher > seven <07651 +sheba< > days <03117 +yowm > ;
 and sent <07971 +shalach > forth the dove <03123 +yownah > ;
 which returned <07725 +shuwb > not again <03254 +yacaph > unto
 him any <{05750} +<owd > more <05750 +<owd > .

05750 GEN 008 021 And the LORD <03068 +Y@hovah > smelled <07306
 +ruwach > a sweet <05207 +nichowach > savour <07381 +reyach > ;
 and the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > in his heart
 <03820 +leb > , I will not again <03254 +yacaph > curse <07043
 +qalal > the ground <00127 +>adamah > any <05750 +<owd > more
 <05750 +<owd > for man s <00120 +>adam > sake <05668 +<abuwr > ;
 for the imagination <03336 +yetser > of man s <00120 +>adam >
 heart <03820 +leb > [is] evil <07451 +ra< > from his youth
 <05271 +na<uwr > ; neither will I again <03254 +yacaph > smite
 <05221 +nakah > any <05750 +<owd > more <{05750} +<owd > every
 <03605 +kol > thing living <02416 +chay > , as I have done
 <06213 +<asah > .

05750 GEN 008 021 And the LORD <03068 +Y@hovah > smelled <07306
 +ruwach > a sweet <05207 +nichowach > savour <07381 +reyach > ;
 and the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > in his heart
 <03820 +leb > , I will not again <03254 +yacaph > curse <07043
 +qalal > the ground <00127 +>adamah > any <05750 +<owd > more
 <05750 +<owd > for man s <00120 +>adam > sake <05668 +<abuwr > ;
 for the imagination <03336 +yetser > of man s <00120 +>adam >
 heart <03820 +leb > [is] evil <07451 +ra< > from his youth
 <05271 +na<uwr > ; neither will I again <03254 +yacaph > smite
 <05221 +nakah > any <{05750} +<owd > more <05750 +<owd > every
 <03605 +kol > thing living <02416 +chay > , as I have done
 <06213 +<asah > .

05750 GEN 008 021 And the LORD <03068 +Y@hovah > smelled <07306
 +ruwach > a sweet <05207 +nichowach > savour <07381 +reyach > ;
 and the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > in his heart
 <03820 +leb > , I will not again <03254 +yacaph > curse <07043
 +qalal > the ground <00127 +>adamah > any <05750 +<owd > more
 <{05750} +<owd > for man s <00120 +>adam > sake <05668 +<abuwr >
 ; for the imagination <03336 +yetser > of man s <00120 +>adam >
 heart <03820 +leb > [is] evil <07451 +ra< > from his youth
 <05271 +na<uwr > ; neither will I again <03254 +yacaph > smite
 <05221 +nakah > any <05750 +<owd > more <05750 +<owd > every
 <03605 +kol > thing living <02416 +chay > , as I have done
 <06213 +<asah > .

05750 GEN 008 021 And the LORD <03068 +Y@hovah > smelled <07306
 +ruwach > a sweet <05207 +nichowach > savour <07381 +reyach > ;
 and the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > in his heart
 <03820 +leb > , I will not again <03254 +yacaph > curse <07043
 +qalal > the ground <00127 +>adamah > any <{05750} +<owd > more
 <05750 +<owd > for man s <00120 +>adam > sake <05668 +<abuwr > ;
 for the imagination <03336 +yetser > of man s <00120 +>adam >
 heart <03820 +leb > [is] evil <07451 +ra< > from his youth
 <05271 +na<uwr > ; neither will I again <03254 +yacaph > smite
 <05221 +nakah > any <05750 +<owd > more <05750 +<owd > every
 <03605 +kol > thing living <02416 +chay > , as I have done
 <06213 +<asah > .

05750 GEN 008 022 While <{05750} +<owd > the earth <00776
 +>erets > remaineth <03117 +yowm > , seedtime <02233 +zera< >
 and harvest <07105 +qatsiyr > , and cold <07120 +qor > and heat
 12/8/2021

<02527 +chom > , and summer <07019 +qayits > and winter <02779 +choreph > , and day <03117 +yowm > and night <03915 +layil > shall not cease <07673 +shabath > .

05750 GEN 009 011 And I will establish <06965 +quwm > my covenant <01285 +b@riyth > with you ; neither <03808 +lo> > shall all <03605 +kol > flesh <01320 +basar > be cut <03772 +karath > off any <05750 +<owd > more <05750 +<owd > by the waters <04325 +mayim > of a flood <03999 +mabbuwl > ; neither <03808 +lo> > shall there any <05750 +<owd > more <{05750} +<owd > > be a flood <03999 +mabbuwl > to destroy <07843 +shachath > the earth <00776 +>erets > .

05750 GEN 009 011 And I will establish <06965 +quwm > my covenant <01285 +b@riyth > with you ; neither <03808 +lo> > shall all <03605 +kol > flesh <01320 +basar > be cut <03772 +karath > off any <05750 +<owd > more <05750 +<owd > by the waters <04325 +mayim > of a flood <03999 +mabbuwl > ; neither <03808 +lo> > shall there any <{05750} +<owd > more <05750 +<owd > > be a flood <03999 +mabbuwl > to destroy <07843 +shachath > the earth <00776 +>erets > .

05750 GEN 009 011 And I will establish <06965 +quwm > my covenant <01285 +b@riyth > with you ; neither <03808 +lo> > shall all <03605 +kol > flesh <01320 +basar > be cut <03772 +karath > off any <05750 +<owd > more <{05750} +<owd > by the waters <04325 +mayim > of a flood <03999 +mabbuwl > ; neither <03808 +lo> > shall there any <05750 +<owd > more <05750 +<owd > > be a flood <03999 +mabbuwl > to destroy <07843 +shachath > the earth <00776 +>erets > .

05750 GEN 009 011 And I will establish <06965 +quwm > my covenant <01285 +b@riyth > with you ; neither <03808 +lo> > shall all <03605 +kol > flesh <01320 +basar > be cut <03772 +karath > off any <{05750} +<owd > more <05750 +<owd > by the waters <04325 +mayim > of a flood <03999 +mabbuwl > ; neither <03808 +lo> > shall there any <05750 +<owd > more <05750 +<owd > > be a flood <03999 +mabbuwl > to destroy <07843 +shachath > the earth <00776 +>erets > .

05750 GEN 009 015 And I will remember <02142 +zakar > my covenant <01285 +b@riyth > , which <00834 +>aher > [is] between <00996 +beyn > me and you and every <03605 +kol > living <02416 +chay > creature <05315 +nephesh > of all <03605 +kol > flesh <01320 +basar > ; and the waters <04325 +mayim > shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > become <01961 +hayah > a flood <03999 +mabbuwl > to destroy <07843 +shachath > all <03605 +kol > flesh <01320 +basar > .

05750 GEN 017 005 Neither <03808 +lo> > shall thy name <08034 +shem > any <05750 +<owd > more <{05750} +<owd > be called <07121 +qara > Abram <87> , but thy name <08034 +shem > shall be Abraham <85> ; for a father <1> of many <01995 +hamown > nations <01471 +gowy > have I made <05414 +nathan > thee .

05750 GEN 017 005 Neither <03808 +lo> > shall thy name <08034 +shem > any <{05750} +<owd > more <05750 +<owd > be called <07121 +qara > Abram <87> , but thy name <08034 +shem > shall be Abraham <85> ; for a father <1> of many <01995 +hamown > nations <01471 +gowy > have I made <05414 +nathan > thee .

05750 GEN 018 022 And the men <00582 +>enowsh > turned <06437 +panah > their faces from thence <08033 +sham > , and went <03212 +yalak > toward Sodom <05467 +C@dom > : but Abraham <85> stood <05975 +<amad > yet <{05750} +<owd > before <06440 +paniyim > > the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 GEN 018 029 And he spake <01696 +dabar > unto him yet <{05750} +<owd > again <03254 +yacaph > , and said <00559 +>amar > , Peradventure <00194 +>uwlav > there shall be forty <00705 +>arba<iym > found <04672 +matsa> > there . And he said <00559 +>amar > , I will not do <06213 +<asah > [it] for forty s <00705 +>arba<iym > sake <05668 +<abuwr > .

05750 GEN 019 012 . And the men <00582 +>enowsh > said <00559 +>amar > unto Lot <03876 +Lowt > , Hast thou here <06311 +poh > any <04310 +miy > besides <{05750} +<owd > ? son <01121 +ben > in law <02859 +chathan > , and thy sons <01121 +ben > , and thy daughters <01363 +gobahh > , and whatsoever thou hast in the city <05892 +<iyr > , bring <03318 +yatsa> > [them] out of this place <04725 +maqowm > :

05750 GEN 024 020 And she hasted <04116 +mahar > , and emptied <06168 +<arah > her pitcher <03537 +kad > into <00413 +>el > the trough <08268 +shoqeth > , and ran <07323 +ruwts > again <{05750} +<owd > unto the well <00875 +>er > to draw <07579 +sha>ab > [water <04325 +mayim >] , and drew <08025 +shalaph > for all <03605 +kol > his camels <01581 +gamal > .

05750 GEN 029 007 And he said <00559 +>amar > , Lo <02005 +hen > , [it is] yet <{05750} +<owd > high <01419 +gadawl > day <03117 +yowm > , neither <03808 +lo> > [is it] time <06256 +<eth > that the cattle <04735 +miqneh > should be gathered <00622 +>acaph > together : water <04325 +mayim > ye the sheep <06629 +tso>n > , and go <03212 +yalak > [and] feed <07462 +ra<ah > [them] .

05750 GEN 029 009 . And while he yet <{05750} +<owd > spake <01696 +dabar > with them , Rachel <07354 +Rachel > came <00935 +bow> > with her father s <1> sheep <06629 +tso>n > : for she kept <07462 +ra<ah > them .

05750 GEN 029 027 Ful fil <04390 +male> > her week <07620 +shabuwa< > , and we will give <5414nathan > thee this <02063 +zo>th > also <01571 +gam > for the service <05656 +<abodah > which <00834 +>aher > thou shalt serve <05647 +<abad > with me yet <{05750} +<owd > seven <07651 +sheba< > other <00312 +>acher > years <08141 +shaneh > .

05750 GEN 029 030 And he went <00935 +bow> > in also <01571 +gam > unto Rachel <07354 +Rachel > , and he loved <00157 +>ahab > also <01571 +gam > Rachel <07354 +Rachel > more than Leah <03812 +Le>ah > , and served <05647 +<abad > with him yet <{05750} +<owd > seven <07651 +sheba< > other <00312 +>acher > years <08141 +shaneh > .

05750 GEN 029 033 And she conceived <02030 +hareh > again <{05750} +<owd > , and bare <03205 +yalad > a son <01121 +ben > ; and said <00559 +>amar > , Because <03588 +kiy > the LORD <03068 +Y@hovah > hath heard <08085 +shama< > that I [was] hated <08130 +sane> > , he hath therefore <01571 +gam > given <05414 +nathan > me this <02088 +zeh > [son] also <01571 +gam > : and she called <07121 +qara> > his name <08034 +shem > Simeon <08095 +Shim<own > .

05750 GEN 029 034 And she conceived <02030 +hareh > again <{05750} +<owd > , and bare <03205 +yalad > a son <01121 +ben > ; and said <00559 +>amar > , Now this time <06471 +pa<am > will my husband <00376 +>iysh > be joined <03867 +lavah > unto me , because <03588 +kiy > I have born <03205 +yalad > him three <07969 +shalowsh > sons <01121 +ben > : therefore was his name <08034 +shem > called <07121 +qara> > Levi <03878 +Leviy > .

05750 GEN 029 035 And she conceived <02030 +hareh > again <{05750} +<owd > , and bare <03205 +yalad> a son <01121 +ben > : and she said <00559 +>amar > , Now will I praise <03034 +yadah > the LORD <03068 +Y@hovah > : therefore she called <07121 +qara> > his name <08034 +shem > Judah <03063 +Y@huwdah > ; and left <05975 +<amad > bearing <03205 +yalad > .

05750 GEN 030 007 And Bilhah <01090 +Bilhah > Rachel s <07354 +Rachel > maid <08198 +shiphchah > conceived <02030 +hareh > again <{05750} +<owd > , and bare <03205 +yalad > Jacob <03290 +Ya<aqob > a second <08145 +sheni y > son <01121 +ben > .

05750 GEN 030 019 And Leah <03812 +Le>ah > conceived <02030 +hareh > again <{05750} +<owd > , and bare <03205 +yalad > Jacob <03290 +Ya<aqob > the sixth <08345 +shishshiy > son <01121 +ben > .

05750 GEN 031 014 And Rachel <07354 +Rachel > and Leah <03812 +Le>ah > answered <06030 +<anah > and said <00559 +>amar > unto him , [Is there] yet <{05750} +<owd > any portion <02506 +cheleq > or inheritance <05159 +nachalah > for us in our fathers <1> house <01004 +bayith > ?

05750 GEN 032 028 And he said <00559 +>amar > , Thy name <08034 +shem > shall be called <00559 +>amar > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > Jacob <03290 +Ya<aqob > , but Israel <03478 +Yisra>el > : for as a prince hast thou power <08280 +sarah > with God <00430 +>elohiym > and with men <00582 +>enowsh > , and hast prevailed <03201 +yakol > .

05750 GEN 035 009 And God <00430 +>elohiym > appeared <07200 +ra>ah > unto Jacob <03290 +Ya<aqob > again <{05750} +<owd > , when he came <00935 +bow> > out of Padanaram <06307 +Paddan > , and blessed <01288 +barak > him .

05750 GEN 035 010 And God <00430 +>elohiym > said <00559 +>amar > unto him , Thy name <08034 +shem > [is] Jacob <03290 +Ya<aqob > : thy name <08034 +shem > shall not be called <07121 +qara> > any <05750 +<owd > more <{05750} +<owd > Jacob <03290 +Ya<aqob > , but Israel <03478 +Yisra>el > shall be thy name <08034 +shem > : and he called <07121 +qara> > his name <08034 +shem > Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 GEN 035 010 And God <00430 +>elohiym > said <00559 +>amar > unto him , Thy name <08034 +shem > [is] Jacob <03290 +Ya<aqob > : thy name <08034 +shem > shall not be called <07121 +qara> > any <{05750} +<owd > more <05750 +<owd > Jacob <03290 +Ya<aqob > , but Israel <03478 +Yisra>el > shall be thy name <08034 +shem > : and he called <07121 +qara> > his name <08034 +shem > Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 GEN 037 005 . And Joseph <03130 +Yowceph > dreamed <02492 +chalam > a dream <02472 +chalowm > , and he told <05046 +nagad > [it] his brethren <00251 +>ach > : and they hated <08130 +sane> > him yet <{05750} +<owd > the more <03254 +yacaph > .

05750 GEN 037 008 And his brethren <00251 +>ach > said <00559 +>amar > to him , Shalt thou indeed reign <04427 +malak > over <05921 +<al > us ? or shalt thou indeed have dominion <04910 +mashal > over us ? And they hated <08130 +sane> > him yet <{05750} +<owd > the more <03254 +yacaph > for his dreams <02472 +chalowm > , and for his words <01697 +dabar > .

05750 GEN 037 009 And he dreamed <02492 +chalam > yet <05750 +<owd > another <00312 +>acher > dream <02472 +chalowm > , and

told <05608 +caphar > it his brethren <00251 +>ach > , and said <00559 +>amar > , Behold <02009 +hinneh > , I have dreamed <02492 +chalam > a dream <02472 +chalowm > more <{05750} +<owd > ; and , behold <02009 +hinneh > , the sun <08121 +shemesh > and the moon <03394 +yareach > and the eleven stars <03556 +kowkab > made obeisance <07812 +shachah > to me .

05750 GEN 037 009 And he dreamed <02492 +chalam > yet <{05750} +<owd > another <00312 +>acher > dream <02472 +chalowm > , and told <05608 +caphar > it his brethren <00251 +>ach > , and said <00559 +>amar > , Behold <02009 +hinneh > , I have dreamed <02492 +chalam > a dream <02472 +chalowm > more <05750 +<owd > ; and , behold <02009 +hinneh > , the sun <08121 +shemesh > and the moon <03394 +yareach > and the eleven stars <03556 +kowkab > made obeisance <07812 +shachah > to me .

05750 GEN 038 004 And she conceived <02030 +hareh > again <{05750} +<owd > , and bare <03205 +yalad > a son <01121 +ben > ; and she called <07121 +qara> > his name <08034 +shem > Onan <00209 +>Owanan > .

05750 GEN 038 005 And she yet <05750 +<owd > again <{05750} +<owd > conceived <03254 +yacaph > , and bare <03205 +yalad > a son <01121 +ben > ; and called <07121 +qara> > his name <08034 +shem > Shelah <07956 +Shelah > : and he was at Chezi b <03580 +K@ziyb > , when she bare <03205 +yalad > him .

05750 GEN 038 005 And she yet <{05750} +<owd > again <05750 +<owd > conceived <03254 +yacaph > , and bare <03205 +yalad > a son <01121 +ben > ; and called <07121 +qara> > his name <08034 +shem > Shelah <07956 +Shelah > : and he was at Chezi b <03580 +K@ziyb > , when she bare <03205 +yalad > him .

05750 GEN 038 026 And Judah <03063 +Y@huwdah > acknowledged <05234 +nakar > [them] , and said <00559 +>amar > , She hath been more righteous <06663 +tsadaq > than I ; because <03588 +kiy > that I gave <05414 +nathan > her not to Shelah <07956 +Shelah > my son <01121 +ben > . And he knew <03045 +yada< > her again <03254 +yacaph > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > .

05750 GEN 040 013 Yet <{05750} +<owd > within three <07969 +shalowsh > days <03117 +yowm > shall Pharaoh <06547 +Par<oh > lift <05375 +nasa> > up thine head <07218 +ro>sh > , and restore <07725 +shuwb > thee unto thy place <03653 +ken > : and thou shalt deliver <05414 +nathan > Pharaoh s <06547 +Par<oh > cup <03563 +kowc > into his hand <03027 +yad > , after the former <07223 +ri>shown > manner <04941 +mishpat > when <00834 +>aher > thou wast <01961 +hayah > his butler <04945 +mashqeh > .

05750 GEN 040 019 Yet <{05750} +<owd > within three <07969 +shalowsh > days <03117 +yowm > shall Pharaoh <06547 +Par<oh > lift <05375 +nasa> > up thy head <07218 +ro>sh > from off <05921 +<al > thee , and shall hang <08518 +talah > thee on <05921 +<al > a tree <06086 +<ets > ; and the birds <05775 +<owph > shall eat <00398 +>akal > thy flesh <01320 +basar > from off <05921 +<al > thee .

05750 GEN 043 006 And Israel <03478 +Yisra>el > said <00559 +>amar > , Wherefore <04100 +mah > dealt ye [so] ill <07489 +ra<a< > with me , [as] to tell <05046 +nagad > the man <00376 +>iysh > whether <05750 +<owd > ye had yet <{05750} +<owd > a brother <00251 +>ach > ?

05750 GEN 043 006 And Israel <03478 +Yisra>el > said <00559 +>amar > , Wherefore <04100 +mah > dealt ye [so] ill <07489 +ra<a< > with me , [as] to tell <05046 +nagad > the man <00376

+>iysh > whether <{05750} +<owd > ye had yet <05750 +<owd > a brother <00251 +>ach > ?

05750 GEN 043 027 And he asked <07592 +sha>al > them of [their] welfare <07965 +shalowm > , and said <00559 +>amar > , [Is] your father <1> well <07965 +shalowm > , the old <02205 +zaqen > man of whom <00834 +>aher > ye spake <00559 +>amar > ? [Is] he yet <{05750} +<owd > alive <02416 +chay > ?

05750 GEN 043 028 And they answered <00559 +>amar > , Thy servant <05650 +<ebed > our father <1> [is] in good <07965 +shalowm > health <07965 +shalowm > , he [is] yet <{05750} +<owd > alive <02416 +chay > . And they bowed <06915 +qadad > down <06915 +qadad > their heads , and made obeisance <07812 +shachah > .

05750 GEN 044 014 And Judah <03063 +Y@huwdah > and his brethren <00251 +>ach > came <00935 +bow> > to Joseph s <03130 +Yowceph > house <01004 +bayith > ; for he [was] yet <{05750} +<owd > there <08033 +sham > : and they fell <05307 +naphal > before <06440 +paniym > him on the ground <00776 +>erets > .

05750 GEN 045 003 And Joseph <03130 +Yowceph > said <00559 +>amar > unto his brethren <00251 +>ach > , I [am] Joseph <03130 +Yowceph > ; doth my father <1> yet <{05750} +<owd > live <02416 +chay > ? And his brethren <00251 +>ach > could <03201 +yakol > not answer <06030 +<anah > him ; for they were troubled <00926 +bahal > at his presence <06440 +paniym > .

05750 GEN 045 006 For these <02088 +zeh > two years <08141 +shaneh > [hath] the famine <07458 +ra<ab > [been] in the land <00776 +>erets > : and yet <{05750} +<owd > [there are] five <02568 +chamesh > years <08141 +shaneh > , in the which <00834 +>aher > [there shall] neither <00369 +>ayin > [be] earing <02758 +chariysh > nor harvest <07105 +qatsiy r > .

05750 GEN 045 011 And there <08033 +sham > will I nourish <03557 +kuwl > thee ; for yet <{05750} +<owd > [there are] five <02568 +chamesh > years <08141 +shaneh > of famine <07458 +ra<ab > ; lest <06435 +pen > thou , and thy household <01004 +bayith > , and all <03605 +kol > that thou hast , come to poverty <03423 +yarash > .

05750 GEN 045 026 And told <05046 +nagad > him , saying <00559 +>amar > , Joseph <03130 +Yowceph > [is] yet <{05750} +<owd > alive <02416 +chay > , and he [is] governor <04910 +mashal > over <05921 +<al > all <03605 +kol > the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > . And Jacob s heart <03820 +leb > fainted <06313 +puwg > , for he believed <00539 +>aman > them not .

05750 GEN 045 028 And Israel <03478 +Yisra>el > said <00559 +>amar > , [It is] enough <07227 +rab > ; Joseph <03130 +Yowceph > my son <01121 +ben > [is] yet <{05750} +<owd > alive <02416 +chay > : I will go <03212 +yalak > and see <07200 +ra>ah > him before <02962 +terem > I die <04191 +muwth > .

05750 GEN 046 029 And Joseph <03130 +Yowceph > made ready <00631 +>acar > his chariot <04818 +merkabah > , and went <05927 +<alah > up to meet <07125 +qir>ah > Israel <03478 +Yisra>el > his father <1> , to Goshen <01657 +Goshen > , and presented <07200 +ra>ah > himself unto him ; and he fell <05307 +naphal > on <05921 +<al > his neck <06677 +tsavva>r > , and wept <01058 +bakah > on <05921 +<al > his neck <06677 +tsavva>r > a good <05750 +<owd > while <{05750} +<owd > .

05750 GEN 046 029 And Joseph <03130 +Yowceph > made ready <00631 +>acar > his chariot <04818 +merkabah > , and went <05927 +<alah > up to meet <07125 +qir>ah > Israel <03478 +Yisra>el > his father <1> , to Goshen <01657 +Goshen > , and presented <07200 +ra>ah > himself unto him ; and he fell <05307 +naphal > on <05921 +<al > his neck <06677 +tsavva>r > , and wept <01058 +bakah > on <05921 +<al > his neck <06677 +tsavva>r > a good <{05750} +<owd > while <05750 +<owd > .

05750 GEN 046 030 And Israel <03478 +Yisra>el > said <00559 +>amar > unto Joseph <03130 +Yowceph > , Now <06471 +pa<am > let me die <04191 +muwth > , since <00310 +>achar > I have seen <07200 +ra>ah > thy face <06440 +paniym > , because <03588 +kiy > thou [art] yet <{05750} +<owd > alive <02416 +chay > .

05750 GEN 048 007 And as for me , when I came <00935 +bow> > from Padan <06307 +Paddan > , Rachel <07354 +Rachel > died <04191 +muwth > by me in the land <00776 +>erets > of Canaan <03667 +K@na<an > in the way <01870 +derek > , when <05750 +<owd > yet <{05750} +<owd > [there was] but a little <03530 +kibrah > way <00776 +>erets > to come <00935 +bow> > unto Ephrath <00672 +>Ephraath > : and I buried <06912 +qabar > her there <08033 +sham > in the way <01870 +derek > of Ephrath <00672 +>Ephraath > ; the same <01931 +huw> > [is] Bethlehem <01035 +Beyth Lechem > .

05750 GEN 048 007 And as for me , when I came <00935 +bow> > from Padan <06307 +Paddan > , Rachel <07354 +Rachel > died <04191 +muwth > by me in the land <00776 +>erets > of Canaan <03667 +K@na<an > in the way <01870 +derek > , when <{05750} +<owd > yet <05750 +<owd > [there was] but a little <03530 +kibrah > way <00776 +>erets > to come <00935 +bow> > unto Ephrath <00672 +>Ephraath > : and I buried <06912 +qabar > her there <08033 +sham > in the way <01870 +derek > of Ephrath <00672 +>Ephraath > ; the same <01931 +huw> > [is] Bethlehem <01035 +Beyth Lechem > .

05750 GEN 048 015 And he blessed <01288 +barak > Joseph <03130 +Yowceph > , and said <00559 +>amar > , God <00430 +>elohiym > , before <06440 +paniym > whom <00834 +>aher > my fathers <1> Abraham <85> and Isaac <03327 +Yitschaq > did walk <01980 +halak > , the God <00430 +>elohiym > which fed <07462 +ra<ah > me all my life long <{05750} +<owd > unto this day <03117 +yowm > ,

05750 EXO 002 003 And when <03588 +kiy > she could <03201 +yakol > not longer <{05750} +<owd > hide <06845 +tsaphan > him , she took <03947 +laqach > for him an ark <08392 +tebah > of bulrushes <01573 +gome> > , and daubed <02560 +chamar > it with slime <02564 +chemar > and with pitch <02203 +zepheth > , and put <07760 +suwm > the child <03206 +yeled > therein ; and she laid <07760 +suwm > [it] in the flags <05488 +cuwph > by the river s <02975 +y@<or > brink <08193 +saphah > .

05750 EXO 003 015 And God <00430 +>elohiym > said <00559 +>amar > moreover <{05750} +<owd > unto Moses <04872 +Mosheh > , Thus <03541 +koh > shalt thou say <00559 +>amar > unto the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , The LORD <03068 +Y@hovah > God <00430 +>elohiym > of your fathers <1> , the God <00430 +>elohiym > of Abraham <85> , the God <00430 +>elohiym > of Isaac <03327 +Yitschaq > , and the God <00430 +>elohiym > of Jacob <03290 +Ya<aqob > , hath sent <07971 +shalach > me unto you : this <02088 +zeh > [is] my name <08034 +shem > for ever <05769 +<owlam > , and this <02088 +zeh > [is] my memorial <02143 +zeker > unto all generations <01755 +dowr > .

05750 EXO 004 006 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559

+>amar > furthermore <{05750} +<owd > unto him , Put <00935 +bow> > now <04994 +na> > thine hand <03027 +yad > into thy bosom <02436 +cheyq > . And he put <00935 +bow> > his hand <03027 +yad > into his bosom <02436 +cheyq > : and when he took <03318 +yatsa> > it out , behold <02009 +hinneh > , his hand <03027 +yad > [was] leprous <06879 +tsara< > as snow <07950 +shel eg > .

05750 EX0 004 018 . And Moses <04872 +Mosheh > went <03212 +yalak > and returned <07725 +shuwb > to Jethro <03503 +Yi throw > > his father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , and said <00559 +>amar > unto him , Let me go <03212 +yalak > , I pray <04994 +na> > thee , and return <07725 +shuwb > unto my brethren <00251 +>ach > which <00834 +>aher > [are] in Egypt <04714 +Mi tsrayim > , and see <07200 +ra>ah > whether <05750 +<owd > they be yet <{05750} +<owd > alive <02416 +chay > . And Jethro <03503 +Yi throw > said <00559 +>amar > to Moses <04872 +Mosheh > , Go <03212 +yalak > in peace <07965 +shalowm > .

05750 EX0 004 018 . And Moses <04872 +Mosheh > went <03212 +yalak > and returned <07725 +shuwb > to Jethro <03503 +Yi throw > > his father <02859 +chathan > in law <02859 +chathan > , and said <00559 +>amar > unto him , Let me go <03212 +yalak > , I pray <04994 +na> > thee , and return <07725 +shuwb > unto my brethren <00251 +>ach > which <00834 +>aher > [are] in Egypt <04714 +Mi tsrayim > , and see <07200 +ra>ah > whether <{05750} +<owd > they be yet <05750 +<owd > alive <02416 +chay > . And Jethro <03503 +Yi throw > said <00559 +>amar > to Moses <04872 +Mosheh > , Go <03212 +yalak > in peace <07965 +shalowm > .

05750 EX0 009 017 As yet <{05750} +<owd > exal test <05549 +cal al > > thou thysel f against <05921 +<al > my people <05971 +<am > , that thou wilt not let them go <07971 +shalach > ?

05750 EX0 009 029 And Moses <04872 +Mosheh > said <00559 +>amar > unto him , As soon as I am gone <03318 +yatsa> > out of the city <05892 +<iyr > , I will spread <06566 +paras > abroad <06566 +paras > my hands <03709 +kaph > unto the LORD <03068 +Y@hovah > ; [and] the thunder <06963 +qowl > shall cease <02308 +chadal > , neither <03808 +lo> > shall there be any <05750 +<owd > more <{05750} +<owd > hail <01259 +barad > ; that thou mayest know <03045 +yada< > how that the earth <00776 +>erets > [is] the LORD S <03068 +Y@hovah > .

05750 EX0 009 029 And Moses <04872 +Mosheh > said <00559 +>amar > unto him , As soon as I am gone <03318 +yatsa> > out of the city <05892 +<iyr > , I will spread <06566 +paras > abroad <06566 +paras > my hands <03709 +kaph > unto the LORD <03068 +Y@hovah > ; [and] the thunder <06963 +qowl > shall cease <02308 +chadal > , neither <03808 +lo> > shall there be any <{05750} +<owd > more <05750 +<owd > hail <01259 +barad > ; that thou mayest know <03045 +yada< > how that the earth <00776 +>erets > [is] the LORD S <03068 +Y@hovah > .

05750 EX0 010 029 And Moses <04872 +Mosheh > said <00559 +>amar > , Thou hast spoken <01696 +dabar > well <03651 +ken > , I will see <07200 +ra>ah > thy face <06440 +paniym > again <03254 +yacaph > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > .

05750 EX0 011 001 . And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Moses <04872 +Mosheh > , Yet <{05750} +<owd > will I bring <00935 +bow> > one <00259 +>echad > plague <05061 +nega< > [more] upon Pharaoh <06547 +Par<oh > , and upon Egypt <04714 +Mi tsrayim > ; afterwards he will let you go <07971 +shalach > hence <02088 +zeh > : when he shall let [you] go <07971 +shalach > , he shall surely thrust <01644 +garash > you out

hence <02088 +zeh > al together <03617 +kalah > .

05750 EXO 014 013 And Moses <04872 +Mosheh > said <00559 +>amar > unto the people <05971 +<am > , Fear <03372 +yare> > ye not , stand <03320 +yatsab > still , and see <07200 +ra>ah > the salvation <03444 +y@shuw<ah > of the LORD <03068 +Y@hovah > , which <00834 +>aher > he will shew <06213 +<asah > to you to day <03117 +yowm > : for the Egyptians <04714 +Mitsrayim > whom <00834 +>aher > ye have seen <07200 +ra>ah > to day <03117 +yowm > , ye shall see <07200 +ra>ah > them again <03254 +yacaph > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > for ever <05769 +<owl am > .

05750 EXO 017 004 And Moses <04872 +Mosheh > cried <06817 +tsa<aq > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , saying <00559 +>amar > , What <04100 +mah > shall I do <06213 +<asah > unto this <02088 +zeh > people <05971 +<am > ? they be almost <04592 +m@<at > ready <{05750} +<owd > to stone <05619 +caqal > me .

05750 EXO 032 032 Yet <{05750} +<owd > now <06258 +<attah > , if <00518 +>im > thou wilt forgive <05375 +nasa> > their sin - - ; and <02403 +chatta>ah > if <00518 +>im > not , blot <04229 +machah > me , I pray <04994 +na> > thee , out of thy book <05612 +cepher > which <00834 +>aher > thou hast written <03789 +kathab > .

05750 EXO 036 003 And they received <03947 +laqach > of Moses <04872 +Mosheh > all <03605 +kol > the offering <08641 +t@ruwmah > , which <00834 +>aher > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > had brought <00935 +bow> > for the work <04399 +m@la>kah > of the service <05656 +<abodah > of the sanctuary <06944 +qodesh > , to make <06213 +<asah > it [withal] . And they brought <00935 +bow> > yet <{05750} +<owd > unto him free <05071 +n@dabah > offerings every morning <01242 +boqer > .

05750 EXO 036 006 And Moses <04872 +Mosheh > gave commandment <06680 +tsavah > , and they caused it to be proclaimed <05674 +<abar > throughout the camp <04264 +machaneh > , saying <00559 +>amar > , Let neither <00408 +>al > man <00376 +>iysh > nor <00408 +>al > woman <00802 +>ishshah > make <06213 +<asah > any <05750 +<owd > more <{05750} +<owd > work <04399 +m@la>kah > for the offering <08641 +t@ruwmah > of the sanctuary <06944 +qodesh > . So the people <05971 +<am > were restrained <03607 +kala> > from bringi ng <00935 +bow> > .

05750 EXO 036 006 And Moses <04872 +Mosheh > gave commandment <06680 +tsavah > , and they caused it to be proclaimed <05674 +<abar > throughout the camp <04264 +machaneh > , saying <00559 +>amar > , Let neither <00408 +>al > man <00376 +>iysh > nor <00408 +>al > woman <00802 +>ishshah > make <06213 +<asah > any <{05750} +<owd > more <05750 +<owd > work <04399 +m@la>kah > for the offering <08641 +t@ruwmah > of the sanctuary <06944 +qodesh > . So the people <05971 +<am > were restrained <03607 +kala> > from bringi ng <00935 +bow> > .

05750 LEV 013 057 And if <00518 +>im > it appear <07200 +ra>ah > still <{05750} +<owd > in the garment <00899 +beqed > , either <00176 +>ow > in the warp <08359 +sh@thiy > , or <00176 +>ow > in the woof <06154 +<ereb > , or <00176 +>ow > in any <03605 +kol > thing <03627 +k@liy > of skin <05785 +<owr > ; it [is] a spreading <06524 +parach > [plague] : thou shalt burn <08313 +saraph > that wherein <00834 +>aher > the plague <05061 +nega< > [is] with fire <00784 +>esh > .

05750 LEV 017 007 And they shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > offer <02076 +zabach > thei r sacri fices <02077 +zebach >

unto devils <08163 +sa<iyr > , after <00310 +>achar > whom they have gone a whoring <02181 +zanah > . This <02063 +zo>th > shall be a statute <02708 +chuqqah > for ever <05769 +<owlam > unto them throughout their generations <01755 +dowr > .

05750 LEV 025 051 If <00518 +>im > [there be] yet <{05750} +<owd > many <07227 +rab > years <08141 +shaneh > [behind] , according <06310 +peh > unto them he shall give <07725 +shuwb > again <07725 +shuwb > the price of his redemption <01353 +g@ullah > out of the money <03701 +keceph > that he was bought <04736 +miqnah > for .

05750 LEV 027 020 And if <00518 +>im > he will not redeem <01350 +ga>al > the field <07704 +sadeh > , or if <00518 +>im > he have sold <04376 +makar > the field <07704 +sadeh > to another <00312 +>acher > man <00376 +>iysh > , it shall not be redeemed <01350 +ga>al > any more <{05750} +<owd > .

05750 NUM 008 025 And from the age <01121 +ben > of fifty <02572 +chamishshiyim > years <08141 +shaneh > they shall cease <07725 +shuwb > waiting <06635 +tsaba> > upon the service <05656 +<abodah > [thereof] , and shall serve <05647 +<abad > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > :

05750 NUM 011 033 And while the flesh <01320 +basar > [was] yet <{05750} +<owd > between <00996 +beyn > their teeth <08127 +shen > , ere <02962 +terem > it was chewed <03772 +karath > , the wrath <00639 +>aph > of the LORD <03068 +Y@hovah > was kindled <02734 +charah > against the people <05971 +<am > , and the LORD <03068 +Y@hovah > smote <05221 +nakah > the people <05971 +<am > with a very <03966 +m@<od > great <07227 +rab > plague <04347 +makkah > .

05750 NUM 018 005 And ye shall keep <08104 +shamar > the charge <04931 +mishmereth > of the sanctuary <06944 +qodesh > , and the charge <04931 +mishmereth > of the altar <04196 +mizbeach > : that there be no <03808 +lo> > wrath <07110 +qetseph > any more <{05750} +<owd > upon the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 NUM 018 022 Neither <03808 +lo> > must the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > henceforth <{05750} +<owd > come <07126 +qarab > nigh <07126 +qarab > the tabernacle <00168 +>ohel > of the congregation <04150 +mow<ed > , lest they bear <05375 +nasa> > sin <02399 +chet> > , and die <04191 +muwth > .

05750 NUM 019 013 Whosoever <03605 +kol > toucheth <05060 +naga< > the dead <04191 +muwth > body <05315 +nephesh > of any <03605 +kol > man <00120 +>adam > that is dead <04191 +muwth > , and purifieth <02398 +chata> > not himself , defileth <02930 +tame> > the tabernacle <04908 +mishkan > of the LORD <03068 +Y@hovah > ; and that soul <05315 +nephesh > shall be cut <03772 +karath > off from Israel <03478 +Yisra>el > : because <03588 +kiy > the water <04325 +mayim > of separation <05079 +niddah > was not sprinkled <02236 +zaraq > upon him , he shall be unclean <02931 +tame> > ; his uncleanness <02932 +tum>ah > [is] yet <{05750} +<owd > upon him .

05750 NUM 022 015 . And Balak <01111 +Balaq > sent <07971 +shalach > yet <{05750} +<owd > again <03254 +yacaph > princes <08269 +sar > , more <07227 +rab > , and more honourable <03513 +kabad > than they .

05750 NUM 022 030 And the ass <00860 +>athown > said <00559 +>amar > unto Balaam <01109 +Bil<am > , [Am] not I thine ass <00860 +>athown > , upon which <00834 +>aher > thou hast ridden

<07392 +rakab > ever <05750 +<owd > since <{05750} +<owd > [I was] thine unto this <02088 +zeh > day <03117 +yowm > ? was I ever wont <05532 +cakan > to do <06213 +<asah > so unto thee ? And he said <00559 +>amar > , Nay <03808 +!o> > .

05750 NUM 022 030 And the ass <00860 +>athown > said <00559 +>amar > unto Balaam <01109 +Bil<am > , [Am] not I thine ass <00860 +>athown > , upon which <00834 +>aher > thou hast ridden <07392 +rakab > ever <{05750} +<owd > since <05750 +<owd > [I was] thine unto this <02088 +zeh > day <03117 +yowm > ? was I ever wont <05532 +cakan > to do <06213 +<asah > so unto thee ? And he said <00559 +>amar > , Nay <03808 +!o> > .

05750 NUM 032 014 And , behold <02009 +hinneh > , ye are risen <06965 +quwm > up in your fathers <1> stead <08478 +tachath > , an increase <08635 +tarbuwth > of sinful <02400 +chatta> > men <00582 +>enowsh > , to augment <05595 +caphah > yet <{05750} +<owd > the fierce <02740 +charown > anger <00639 +>aph > of the LORD <03068 +Y@hovah > toward <00413 +>el > Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 NUM 032 015 For if ye turn <07725 +shuwb > away from after <00310 +>achar > him , he will yet <{05750} +<owd > again <03254 +yacaph > leave <03241 +Yaniym > them in the wilderness <04057 +midbar > ; and ye shall destroy <07843 +shachath > all <03605 +kol > this <02088 +zeh > people <05971 +<am > .

05750 DEU 003 026 But the LORD <03068 +Y@hovah > was wroth <05674 +<abar > with me for your sakes <06616 +pathiyl > , and would not hear <08085 +shama< > me : and the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto me , Let it suffice <07227 +rab > thee ; speak <01696 +dabar > no <00408 +>al > more <{05750} +<owd > unto me of this <02088 +zeh > matter <01697 +dabar > .

05750 DEU 004 035 Unto thee it was shewed <07200 +ra>ah > , that thou mightest know <03045 +yada< > that the LORD <03068 +Y@hovah > he [is] God <00430 +>elohiym > ; [there is] none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > beside <00905 +bad > him .

05750 DEU 004 039 Know <03045 +yada< > therefore <03767 +kara< > this day <03117 +yowm > , and consider <07725 +shuwb > [it] in thine heart <03824 +lebab > , that the LORD <03068 +Y@hovah > he [is] God <00430 +>elohiym > in heaven <08064 +shamayim > above <04605 +ma<al > , and upon the earth <00776 +>erets > beneath <08478 +tachath > : [there is] none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > .

05750 DEU 010 016 Circumcise <04135 +muwl > therefore the foreskin <06190 +<orlah > of yourheart <03824 +lebab > , and be no <03808 +!o> > more <{05750} +<owd > stiffnecked .

05750 DEU 013 016 And thou shalt gather <06908 +qabats > all <03605 +kol > the spoil <07998 +shalal > of it into <00413 +>el > the midst <08432 +tavek > of the street <07339 +r@chob > thereof , and shalt burn <08313 +saraph > with fire <00784 +>esh > the city <05892 +<iyr > , and all <03605 +kol > the spoil <07998 +shalal > thereof every <03632 +kaliyl > whit <03632 +kaliyl > , for the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>elohiym > : and it shall be an heap <08510 +tel > for ever <05769 +<owlam > ; it shall not be built <01129 +banah > again <{05750} +<owd > .

05750 DEU 017 013 And all <03605 +kol > the people <05971 +<am > shall hear <08085 +shama< > , and fear <03372 +yare> > , and do no <03808 +!o> > more <{05750} +<owd > presumptuously <02102

+zuwd > .

05750 DEU 017 016 But he shall not multiply <07235 +rabah > horses <05483 +cuwc > to himself , nor <03808 +lo> > cause the people <05971 +<am > to return <07725 +shuwb > to Egypt <04714 +Mitsrayim > , to the end <04616 +ma<an > that he should multiply <07235 +rabah > horses <05483 +cuwc > : forasmuch as the LORD <03068 +Y@hovah > hath said <00559 +>amar > unto you , Ye shall henceforth <03254 +yacaph > return <07725 +shuwb > no <03808 +lo> > more <{05750}> +<owd > that way <01870 +derek > .

05750 DEU 018 016 According to all <03605 +kol > that thou desiredst <07592 +sha>al > of the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>elohiym > in Horeb <02722 +Choreb > in the day <03117 +yowm > of the assembly <06951 +qahal > , saying <00559 +>amar > , Let me not hear <08085 +shama< > again <03254 +yacaph > the voice <06963 +qowl > of the LORD <03068 +Y@hovah > my God <00430 +>elohiym > , neither <03808 +lo> > let me see <07200 +ra>ah > this <02063 +zo>th > great <01419 +gadawl > fire <00784 +>esh > any more <{05750}> +<owd > , that I die <04191 +muwth > not .

05750 DEU 019 009 If <03588 +kiy > thou shalt keep <08104 +shamar > all <03605 +kol > these <02063 +zo>th > commandments <04687 +mitsvah > to do <06213 +<asah > them , which <00834 +>aher > I command <06680 +tsavah > thee this day <03117 +yowm > , to love <00157 +>ahab > the LORD <03068 +Y@hovah > thy God <00430 +>elohiym > , and to walk <03212 +yalak > ever in his ways <01870 +derek > ; then shalt thou add <03254 +yacaph > three <07969 +shalowsh > cities <05892 +<iyr > more <{05750}> +<owd > for thee , beside <05921 +<al > these three <07969 +shalowsh > :

05750 DEU 019 020 And those which remain <07604 +sha>ar > shall hear <08085 +shama< > , and fear <03372 +yare> > , and shall henceforth <03254 +yacaph > commit <06213 +<asah > no <03808 +lo> > more <{05750}> +<owd > any <01697 +dabar > such evil <07451 +ra< > among <07130 +qereb > you .

05750 DEU 028 068 And the LORD <03068 +Y@hovah > shall bring <07725 +shuwb > thee into Egypt <04714 +Mitsrayim > again <07725 +shuwb > with ships <00591 +>oniyah > , by the way <01870 +derek > whereof <00834 +>aher > I spake <00559 +>amar > unto thee , Thou shalt see <07200 +ra>ah > it no <03808 +lo> > more <{05750}> +<owd > again <03254 +yacaph > : and there <08033 +sham > ye shall be sold <04376 +makar > unto your enemies <00341 +>oyeb > for bondmen <05650 +<ebed > and bondwomen <08198 +shiphchah > , and no <00369 +>ayin > man shall buy <07069 +qanah > [you] .

05750 DEU 031 002 And he said <00559 +>amar > unto them , I [am] an hundred <03967 +me>ah > and twenty <06242 +<esriym > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > this day <03117 +yowm > ; I can <03201 +yakol > no <03808 +lo> > more <{05750}> +<owd > go <03318 +yatsa> > out and come <00935 +bow> > in : also the LORD <03068 +Y@hovah > hath said <00559 +>amar > unto me , Thou shalt not go <05674 +<abar > over <05674 +<abar > this <02088 +zeh > Jordan <03383 +Yarden > .

05750 DEU 031 027 For I know <03045 +yada< > thy rebellion <04805 +m@riy > , and thy stiff <07186 +qasheh > neck <06203 +<oreph > : behold <02005 +hen > , while I am yet <{05750}> +<owd > alive <02416 +chay > with you this day <03117 +yowm > , ye have been <01961 +hayah > rebellious <04784 +marah > against <05973 +<im > the LORD <03068 +Y@hovah > ; and how <00637 +>aph > much <07227 +rab > more after <00310 +>achar > my death <04194 +maveth > ?

05750 DEU 034 010 And there arose <06965 +quwm > not a prophet <05030 +nabiy> > since <{05750}> +<owd > in Israel <03478 +Yisra>el > like unto Moses <04872 +Mosheh > , whom <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > knew <03045 +yada< > face <06440 +paniym > to face <06440 +paniym > ,

05750 JOS 001 011 Pass <05674 +<abar > through <07130 +qereb > the host <04264 +machaneh > , and command <06680 +tsavah > the people <05971 +<am > , saying <00559 +>amar > , Prepare <03559 +kuwn > you victuals <06720 +tseydah > ; for within <{05750}> +<owd > three <07969 +shalowsh > days <03117 +yowm > ye shall pass <05674 +<abar > over <05674 +<abar > this <02088 +zeh > Jordan <03383 +Yarden > , to go <00935 +bow> > in to possess <03423 +yarash > the land <00776 +>erets > , which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiym > giveth <05414 +nathan > you to possess <03423 +yarash > it .

05750 JOS 002 011 And as soon as we had heard <08085 +shama< > [these things] , our hearts <03824 +lebab > did melt <04549 +macac > , neither <03808 +lo> > did there remain <06965 +quwm > any more <{05750}> +<owd > courage <07307 +ruwach > in any man <00376 +>iysh > , because <06440 +paniym > of you : for the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiym > , he [is] God <00430 +>elohiym > in heaven <08064 +shamayim > above <04605 +ma<al > , and in earth <00776 +>erets > beneath <08478 +tachath > .

05750 JOS 005 001 . And it came <01961 +hayah > to pass , when all <03605 +kol > the kings <04428 +melek > of the Amorites <00567 +>Emoriy > , which <00834 +>aher > [were] on the side <05676 +<eber > of Jordan <03383 +Yarden > westward <03220 +yam > , and all <03605 +kol > the kings <04428 +melek > of the Canaanites <03669 +K@na<aniy > , which <00834 +>aher > [were] by the sea <03220 +yam > , heard <08085 +shama< > that the LORD <03068 +Y@hovah > had dried <03001 +yabesh > up the waters <04325 +mayim > of Jordan <03383 +Yarden > from before <06440 +paniym > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > , until <05704 +<ad > we were passed <05674 +<abar > over <05674 +<abar > , that their heart <03824 +lebab > melted <04549 +macac > , neither <03808 +lo> > was there spirit <07307 +ruwach > in them any more <{05750}> +<owd > , because <06440 +paniym > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 EZE 008 015 Then said <00559 +>amar > he unto me , Hast thou seen <07200 +ra>ah > [this] , O son <01121 +ben > of man <00120 +>adam > ? turn <07725 +shuwb > thee yet <05750 +<owd > again <{05750}> +<owd > , [and] thou shalt see <07200 +ra>ah > greater <01419 +gadawl > abominations <08441 +tow<ebah > than these <00428 +>el - leh > .

05750 JOS 014 011 As yet <{05750}> +<owd > I [am as] strong <02389 +chazaq > this day <03117 +yowm > as [I was] in the day <03117 +yowm > that Moses <04872 +Mosheh > sent <07971 +shalach > me : as my strength <03581 +koach > [was] then <00227 +>az > , even so [is] my strength <03581 +koach > now <06258 +<attah > , for war <04421 +milchamah > , both to go <03318 +yatsa> > out , and to come <00935 +bow> > in .

05750 JUDG 002 014 And the anger <00639 +>aph > of the LORD <03068 +Y@hovah > was hot <02734 +charah > against Israel <03478 +Yisra>el > , and he delivered <05414 +nathan > them into the hands <03027 +yad > of spoilers <08154 +shacah > that spoiled <08155 +shacac > them , and he sold <04376 +makar > them into the hands <03027 +yad > of their enemies <00341 +>oyeb > round <05439 +cabiyl > about , so that they could <03201 +yakol > not any longer <{05750}> +<owd > stand <05975 +<amad > before <06440

+pani ym > their enemies <00341 +>oyeb > .

05750 JUDG 006 024 Then Gideon <01439 +Gid<own > built <01129 +banah > an altar <04196 +mizbeach > there <08033 +sham > unto the LORD <03068 +Y@hovah > , and called <07121 +qara> > it Jehovahshalom <03073 +Y@havah shalom > : unto this <02088 +zeh > day <03117 +yowm > it [is] yet <{05750} +<owd > in Ophrah <06084 +<Ophrah > of the Abiezrites <33> .

05750 JUDG 007 004 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559 +>amar > unto Gideon <01439 +Gid<own > , The people <05971 +<am > [are] yet <{05750} +<owd > [too] many <07227 +rab > ; bring <00338 +>iy > them down <03381 +yarad > unto the water <04325 +mayim > , and I will try <06884 +tsaraph > them for thee there <08033 +sham > : and it shall be , [that] of whom <00834 +>aher > I say <00559 +>amar > unto thee , This <02088 +zeh > shall go <03212 +yalak > with thee , the same <01931 +huw> > shall go <03212 +yalak > with thee ; and of whomsoever <00834 +>aher > I say <00559 +>amar > unto thee , This <02088 +zeh > shall not go <03212 +yalak > with thee , the same <01931 +huw> > shall not go <03212 +yalak > .

05750 JUDG 008 020 And he said <00559 +>amar > unto Jether <03500 +Yether > his firstborn <01060 +b@kowr > , Up , [and] slay <02026 +harag > them . But the youth <05288 +na<ar > drew <08025 +shalaph > not his sword <02719 +chereb > : for he feared <03372 +yare> > , because <03588 +kiy > he [was] yet <{05750} +<owd > a youth <05288 +na<ar > .

05750 JUDG 013 008 . Then Manoah <04495 +Manowach > intreated <06279 +<athar > the LORD <03068 +Y@hovah > , and said <00559 +>amar > , O my Lord <03068 +Y@hovah > , let the man <00376 +>iysh > of God <00430 +>elohiym > which <00834 +>aher > thou didst <06213 +<asah > send <07971 +shalach > come <00935 +bow> > again <{05750} +<owd > unto us , and teach <03384 +yarah > us what <04100 +mah > we shall do <06213 +<asah > unto the child <05288 +na<ar > that shall be born <03205 +yalad > .

05750 JUDG 013 009 And God <00430 +>elohiym > hearkened <08085 +shama< > to the voice <06963 +qowl > of Manoah <04495 +Manowach > ; and the angel <04397 +mal>ak > of God <00430 +>elohiym > came <00935 +bow> > again <{05750} +<owd > unto the woman <00802 +>ishshah > as she sat <03427 +yashab > in the field <07704 +sadeh > : but Manoah <04495 +Manowach > her husband <00376 +>iysh > [was] not with her .

05750 JUDG 018 024 And he said <00559 +>amar > , Ye have taken <03947 +laqach > away my gods <00430 +>elohiym > which <00834 +>aher > I made <06213 +<asah > , and the priest <03548 +kohen > , and ye are gone <03212 +yalak > away : and what <04100 +mah > have I more <{05750} +<owd > ? and what <04100 +mah > [is] this <02088 +zeh > [that] ye say <00559 +>amar > unto me , What <04100 +mah > aileth thee ?

05750 JUDG 020 025 And Benjamin <01144 +Binyami yn > went <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > against <07125 +qir>ah > them out of Gibeah <01390 +Gib<ah > the second <08145 +sheni y > day <03117 +yowm > , and destroyed <07843 +shachath > down to the ground <00776 +>erets > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > again <{05750} +<owd > eighteen thousand <00505 +>eleph > men <00376 +>iysh > ; all <03605 +kol > these <00428 +>el - leh > drew <08025 +shalaph > the sword <02719 +chereb > .

05750 JUDG 020 028 And Phinehas <06372 +Pi yn@chac > , the son <01121 +ben > of Eleazar <00499 +>El<azar > , the son <01121

+ben > of Aaron <00175 +>Aharown > , stood <05975 +<amad >
before it in those <01992 +hem > days <03117 +yowm > ,) saying
<00559 +>amar > , Shall I yet <{05750} +<owd > again <03254
+yacaph > go <03318 +yatsa> > out to battle <04421 +milchamah >
against <05973 +<im > the children <01121 +ben > of Benjamin
<01144 +Binyami yn > my brother <00251 +>ach > , or shall I cease
<02308 +chadal > ? And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > , Go <05927 +<alah > up ; for to morrow <04279 +machar
> I will deliver <05414 +nathan > them into thine hand <03027
+yad > .

05750 RUT 001 011 And Naomi <05281 +No<omiy > said <00559 +>amar
> , Turn <07725 +shuwb > again <07725 +shuwb > , my daughters
<01121 +ben > : why <04100 +mah > will ye go <03212 +yalak >
with me ? [are] there yet <{05750} +<owd > [any more] sons
<01121 +ben > in my womb <04578 +me<ah > , that they may be your
husbands <00582 +>enowsh > ?

05750 RUT 001 014 And they lifted <05375 +nasa> > up their voice
<06963 +qowl > , and wept <01058 +bakah > again <{05750} +<owd >
: and Orpah <06204 +<Orpah > kissed <05401 +nashaq > her mother
<02545 +chamowth > in law <02545 +chamowth > ; but Ruth <07327
+Ruwth > clave <01692 +dabaq > unto her .

05750 1SA 001 018 And she said <00559 +>amar > , Let thine
handmaid <08198 +shiphchah > find <04672 +matsa> > grace <02580
+chen > in thy sight <05869 +<ayin > . So the woman <00802
+>ishshah > went <03212 +yalak > her way <01870 +derek > , and
did eat <00398 +>akal > , and her countenance <06440 +paniym >
was no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > [sad] .

05750 1SA 003 006 And the LORD <03068 +Y@hovah > called <07121
+qara> > yet <{05750} +<owd > again <03254 +yacaph > , Samuel
<08050 +Sh@muw>el > . And Samuel <08050 +Sh@muw>el > arose
<06965 +quwm > and went <03212 +yalak > to Eli <05941 +<Eli y > ,
and said <00559 +>amar > , Here <02005 +hen > [am] I ; for
thou didst call <07121 +qara> > me . And he answered <00559
+>amar > , I called <07121 +qara> > not , my son <01121 +ben > ;
lie <07901 +shakab > down <07901 +shakab > again <07725 +shuwb >
.

05750 1SA 010 022 Therefore they enquired <07592 +sha>al > of
the LORD <03068 +Y@hovah > further <05750 +<owd > , if the man
<00376 +>iysh > should yet <{05750} +<owd > come <00935 +bow> >
thi ther <01988 +halom > . And the LORD <03068 +Y@hovah >
answered <00559 +>amar > , Behold <02009 +hinneh > , he hath hid
<2244> himself <01931 +huw> > among <00413 +>el > the stuff
<03627 +k@liy > .

05750 1SA 010 022 Therefore they enquired <07592 +sha>al > of
the LORD <03068 +Y@hovah > further <{05750} +<owd > , if the man
<00376 +>iysh > should yet <05750 +<owd > come <00935 +bow> >
thi ther <01988 +halom > . And the LORD <03068 +Y@hovah >
answered <00559 +>amar > , Behold <02009 +hinneh > , he hath hid
<2244> himself <01931 +huw> > among <00413 +>el > the stuff
<03627 +k@liy > .

05750 1SA 013 007 And [some of] the Hebrews <05680 +<Ibri y >
went <05674 +<abar > over <05674 +<abar > Jordan <03383 +Yarden
> to the land <00776 +>erets > of Gad <01410 +Gad > and Gilead
<01568 +Gil<ad > . As for Saul <07586 +Sha>uwl > , he [was]
yet <{05750} +<owd > in Gilgal <01537 +Gilgal > , and all <03605
+kol > the people <05971 +<am > followed <00310 +>achar > him
trembling <02729 +charad > .

05750 1SA 016 011 And Samuel <08050 +Sh@muw>el > said <00559

+>amar > unto Jesse <03448 +Yi shay > , Are here <08552 +tamam > all <08552 +tamam > [thy] children <05288 +na<ar > ? And he said <00559 +>amar > , There remaineth <07604 +sha>ar > yet <{05750} +<owd > the youngest <06996 +qatan > , and , behold <02009 +hinneh > , he keepeth <07462 +ra<ah > the sheep <06629 +tso>n > . And Samuel <08050 +Sh@muv>el > said <00559 +>amar > unto Jesse <03448 +Yi shay > , Send <07971 +shalach > and fetch <03947 +laqach > him : for we will not sit <05437 +cabab > down till <05704 +<ad > he come <00935 +bow> > hi ther <06311 +poh > .

05750 1SA 018 008 And Saul <07586 +Sha>uwl > was very <03966 +m<od > wroth <02734 +charah > , and the saying <01697 +dabar > displeased him ; and he said <00559 +>amar > , They have ascribed <05414 +nathan > unto David <01732 +David > ten <07233 +r@babah > thousands <07233 +r@babah > , and to me they have ascribed <05414 +nathan > [but] thousands <00505 +>eleph > : and [what] can he have more <{05750} +<owd > but the kingdom <04410 +m@l uwkah > ?

05750 1SA 020 003 And David <01732 +David > sware <07650 +shaba< > moreover <{05750} +<owd > , and said <00559 +>amar > , Thy father <1> certainly knoweth <03045 +yada< > that I have <01961 +hayah > found <04672 +matsa> > grace <02580 +chen > in thine eyes <05869 +<ayin > ; and he saith <00559 +>amar > , Let not Jonathan <03083 +Y@hownathan > know <03045 +yada< > this <02063 +zo>th > , lest <06435 +pen > he be grieved <06087 +<atsab > : but truly <00199 +>uwlam > [as] the LORD <03068 +Y@hovah > liveth <02416 +chay > , and [as] thy soul <05315 +nephesh > liveth <02416 +chay > , [there is] but a step <06587 +pesa< > between <00996 +beyn > me and death <04194 +maveth > .

05750 1SA 020 014 And thou shalt not only while <00518 +>i m > yet <{05750} +<owd > I live <02416 +chay > shew <06213 +<asah > me the kindness <02617 +checed > of the LORD <03068 +Y@hovah > , that I die <04191 +muwth > not :

05750 1SA 023 004 Then David <01732 +David > enquired <07592 +sha>al > of the LORD <03068 +Y@hovah > yet <{05750} +<owd > again <03254 +yacaph > . And the LORD <03068 +Y@hovah > answered <06030 +<anah > him and said <00559 +>amar > , Arise <06965 +quwm > , go <03381 +yarad > down <03381 +yarad > to Keilah <07084 +Q@<iylah > ; for I will deliver <05414 +nathan > the Philistines <06430 +P@lishtiy > into thine hand <03027 +yad > .

05750 1SA 026 021 . Then said <00559 +>amar > Saul <07586 +Sha>uwl > , I have sinned <02398 +chata> > : return <07725 +shuwb > , my son <01121 +ben > David <01732 +David > : for I will no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > do thee harm <07489 +ra<a< > , because my soul <05315 +nephesh > was precious <03365 +yaqar > in thine eyes <05869 +<ayin > this <02088 +zeh > day <03117 +yowm > : behold <02009 +hinneh > , I have played the fool <05528 +cakal > , and have erred <07683 +shagag > exceedi ngly .

05750 1SA 027 001 . And David <01732 +David > said <00559 +>amar > in his heart <03820 +leb > , I shall now <06258 +<attah > perish <05595 +caphah > one <00259 +>echad > day <03117 +yowm > by the hand <03027 +yad > of Saul <07586 +Sha>uwl > : [there is] nothing <00369 +>ayin > better <02896 +towb > for me than <03588 +kiy > that I should speedily <04422 +malat > escape <04422 +malat > into <00413 +>el > the land <00776 +>erets > of the Philistines <06430 +P@lishtiy > ; and Saul <07586 +Sha>uwl > shall despair <02976 +ya>ash > of me , to seek <01245 +baqash > me any <03605 +kol > more <{05750} +<owd > in any <03605 +kol > coast <01366 +g@buwl > of Israel <03478 +Yisra>el > : so shall I escape <04422 +malat > out of his hand <03027 +yad > .

05750 2SA 001 009 He said <00559 +>amar > unto me again , Stand <05975 +<amad > , I pray <04994 +na> > thee , upon me , and slay <04191 +muwth > me : for anguish <07661 +shabats > is come <00270 +>achaz > upon me , because <03588 +kiy > my life <05315 +nephesh > [is] yet <{05750} +<owd > whole <03605 +kol > in me .

05750 2SA 002 028 So Joab <03097 +Yow>ab > blew <08628 +taqa< > a trumpet <07782 +showphar > , and all <03605 +kol > the people <05971 +<am > stood <05975 +<amad > still , and pursued <07291 +radaph > after <00310 +>achar > Israel <03478 +Yisra>el > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > , neither <03808 +lo> > fought <03898 +lacham > they any more .

05750 2SA 003 011 And he could <03201 +yakol > not answer <07725 +shuwb > Abner <74> a word <01697 +dabar > again <{05750} +<owd > > , because he feared <03372 +yare> > him .

05750 2SA 003 026 And when Joab <03097 +Yow>ab > was come <03318 +yatsa> > out from David <01732 +David > , he sent <07971 +shalach > messengers <04397 +mal>ak > after <00310 +>achar > Abner <74> , which brought <07725 +shuwb > him again <{05750} +<owd > from the well <00953 +bowr > of Sirah <05626 +Cira>h > : but David <01732 +David > knew <03045 +yada< > [it] not .

05750 2SA 003 035 And when all <03605 +kol > the people <05971 +<am > came <00935 +bow> > to cause David <01732 +David > to eat <01262 +barah > meat <03899 +lechem > while it was yet <{05750} +<owd > day <03117 +yowm > , David <01732 +David > sware <07650 +shaba< > , saying <00559 +>amar > , So <03541 +koh > do <06213 +<asah > God <00430 +>elohiym > to me , and more <03254 +yacaph > also <03541 +koh > , if I taste <02938 +ta<am > bread <03899 +lechem > , or <00176 +>ow > ought <03972 +m@uwmah > else , till <06440 +paniym > the sun <08121 +shemesh > be down <00935 +bow> > .

05750 2SA 005 013 And David <01732 +David > took <03947 +laqach > [him] more <05750 +<owd > concubines <06370 +piylegesh > and wives <00802 +>i shshah > out of Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > , after <00310 +>achar > he was come <00935 +bow> > from Hebron <02275 +Chebrow>n > : and there were yet <{05750} +<owd > sons <01121 +ben > and daughters <01121 +ben > born <03205 +yalad > to David <01732 +David > .

05750 2SA 005 013 And David <01732 +David > took <03947 +laqach > [him] more <{05750} +<owd > concubines <06370 +piylegesh > and wives <00802 +>i shshah > out of Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > , after <00310 +>achar > he was come <00935 +bow> > from Hebron <02275 +Chebrow>n > : and there were yet <05750 +<owd > sons <01121 +ben > and daughters <01121 +ben > born <03205 +yalad > to David <01732 +David > .

05750 2SA 005 022 And the Philistines <06430 +P@lishtiy > came <05927 +<alah > up yet <{05750} +<owd > again <03254 +yacaph > , and spread <05203 +natash > themselves in the valley <06010 +<emeq > of Rephaim <07497 +rapha> > .

05750 2SA 006 001 . Again <{05750} +<owd > , David <01732 +David > gathered <03254 +yacaph > together all <03605 +kol > [the] chosen <00970 +bachuwr > [men] of Israel <03478 +Yisra>el > , thirty <07970 +sh@lowshiym > thousand <00505 +>eleph > .

05750 2SA 006 022 And I will yet <{05750} +<owd > be more vile <07043 +qalal > than thus <02063 +zo>th > , and will be base <08217 +shaphal > in mine own sight <05869 +<ayin > ; and of the

maid servants <00519 +>amah > which <00834 +>aher > thou hast spoken <00559 +>amar > of , of them shall I be had in honour <03513 +kabad > .

05750 2SA 007 010 Moreover I will appoint <07760 +suwm > a place <04725 +maqowm > for my people <05971 +<am > Israel <03478 +Yisra>el > , and will plant <05193 +nata< > them , that they may dwell <07931 +shakan > in a place <08478 +tachath > of their own , and move <07264 +ragaz > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > ; neither <03808 +lo> > shall the children <01121 +ben > of wickedness <05766 +<evel > afflict <06031 +<anah > them any more <03254 +yacaph > , as beforetime <07223 +ri>shown > ,

05750 2SA 007 019 And this <02063 +zo>th > was yet <{05750} +<owd > a small <06994 +qaton > thing in thy sight <05869 +<ayin > > , O Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > ; but thou hast spoken <01696 +dabar > also <01571 +gam > of thy servant s <05650 +<ebed > house <01004 +bayith > for a great <07350 +rachowq > while <07350 +rachowq > to come . And [is] this <02063 +zo>th > the manner <08452 +towrah > of man <00120 +>adam > , O Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > ?

05750 2SA 007 020 And what <04100 +mah > can David <01732 +David > say <01696 +dabar > more <{05750} +<owd > unto thee ? for thou , Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > , knowest <03045 +yada< > thy servant <05650 +<ebed > .

05750 2SA 009 001 . And David <01732 +David > said <00559 +>amar > , Is there yet <{05750} +<owd > any that is left <03498 +yathar > of the house <01004 +bayith > of Saul <07586 +Sha>uwl > , that I may shew <06213 +<asah > him kindness <02617 +cheded > for Jonathan s <03129 +Yownathan > sake <05668 +<abuwr > ?

05750 2SA 009 003 And the king <04428 +melek > said <00559 +>amar > , [Is] there not yet <{05750} +<owd > any <00376 +>iysh > of the house <01004 +bayith > of Saul <07586 +Sha>uwl > , that I may shew <06213 +<asah > the kindness <02617 +cheded > of God <00430 +>elohiyim > unto him ? And Ziba <06717 +Tsiyba> > said <00559 +>amar > unto the king <04428 +melek > , Jonathan <03083 +Y@hownathan > hath yet <{05750} +<owd > a son <01121 +ben > , [which is] lame <05223 +nakeh > on [his] feet <07272 +regel > .

05750 2SA 009 003 And the king <04428 +melek > said <00559 +>amar > , [Is] there not yet <{05750} +<owd > any <00376 +>iysh > of the house <01004 +bayith > of Saul <07586 +Sha>uwl > , that I may shew <06213 +<asah > the kindness <02617 +cheded > of God <00430 +>elohiyim > unto him ? And Ziba <06717 +Tsiyba> > said <00559 +>amar > unto the king <04428 +melek > , Jonathan <03083 +Y@hownathan > hath yet <05750 +<owd > a son <01121 +ben > , [which is] lame <05223 +nakeh > on [his] feet <07272 +regel > .

05750 2SA 010 019 And when all <03605 +kol > the kings <04428 +melek > [that were] servants <05650 +<ebed > to Hadarezer <01928 +Hadar<ezer > saw <07200 +ra>ah > that they were smitten <05062 +nagaph > before <06440 +paniyim > Israel <03478 +Yisra>el > , they made peace <07999 +shalam > with Israel <03478 +Yisra>el > , and served <05647 +<abad > them . So the Syrians <00758 +>Aram > feared <03372 +yare> > to help <03467 +yasha< > the children <01121 +ben > of Ammon <05983 +<Ammown > any more <{05750} +<owd > .

05750 2SA 012 022 And he said <00559 +>amar > , While the child <03206 +yeled > was yet <{05750} +<owd > alive <02416 +chay > , I fasted <06684 +tsuwm > and wept <01058 +bakah > : for I said <00559 +>amar > , Who <04310 +miy > can tell <03045 +yada< > [

whether] GOD <03068 +Y@hovah > will be gracious <02603 +chanan > to me , that the child <03206 +yeled > may live <02416 +chay > ?

05750 2SA 012 023 But now <06258 +<attah > he is dead <04191 +muwth > , wherefore <04100 +mah > should I fast <06684 +tsuwm > ? can <03201 +yakol > I bring <07725 +shuwb > him back <07725 +shuwb > again <{05750} +<owd > ? I shall go <01980 +halak > to him , but he shall not return <07725 +shuwb > to me .

05750 2SA 014 029 Therefore Absalom <53> sent <07971 +shalach > for Joab <03097 +Yow>ab > , to have sent him to the king <04428 +melek > ; but he would <14> not come <00935 +bow> > to him : and when he sent <07971 +shalach > again <{05750} +<owd > the second <08145 +sheniy > time , he would <14> not come <00935 +bow> > .

05750 2SA 018 014 Then said <00559 +>amar > Joab <03097 +Yow>ab > , I may not tarry <03176 +yachal > thus <03651 +ken > with thee . And he took <03947 +laqach > three <07969 +shalowsh > darts <07626 +shebet > in his hand <03027 +yad > , and thrust <08628 +taqa< > them through the heart <03820 +leb > of Absalom <53> , while <{05750} +<owd > he [was] yet alive <02416 +chay > in the midst <03820 +leb > of the oak <00424 +>elah > .

05750 2SA 018 022 Then said <00559 +>amar > Ahimaaz <00290 +>Achiyama<ats > the son <01121 +ben > of Zadok <06659 +Tsadowq > yet <{05750} +<owd > again <03254 +yacaph > to Joab <03097 +Yow>ab > , But howsoever , let me , I pray <04994 +na> > thee , also <01571 +gam > run <07323 +ruwts > after <00310 +>achar > Cushy <03569 +Kuwshiy > . And Joab <03097 +Yow>ab > said <00559 +>amar > , Wherefore wilt thou run <07323 +ruwts > , my son <01121 +ben > , seeing that thou hast no <00369 +>ayin > tidings <01309 +b@sowrah > ready <04672 +matsa> > ?

05750 2SA 019 028 For all <03605 +kol > [of] my father s <1> house <01004 +bayith > were but dead <04194 +maveth > men <00582 +>enowsh > before <06440 +paniyim > my lord <00113 +>adown > the king <04428 +melek > : yet didst thou set <07896 +shiyth > thy servant <05650 +<ebed > among them that did eat <00398 +>akal > at thine own table <07979 +shulchan > . What <04100 +mah > right <06666 +ts@daqah > therefore have <03426 +yesh > I yet to cry <02199 +za<aq > any more <{05750} +<owd > unto the king <04428 +melek > ?

05750 2SA 019 029 And the king <04428 +melek > said <00559 +>amar > unto him , Why <04100 +mah > speakest <01696 +dabar > thou any more <{05750} +<owd > of thy matters <01697 +dabar > ? I have said <00559 +>amar > , Thou and Ziba <06717 +Tsiyba> > divide <02505 +chalaaq > the land <07704 +sadeh > .

05750 2SA 019 035 I [am] this day <03117 +yowm > fourscore <08084 +sh@moniym > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > : [and] can I discern <03045 +yada< > between <00996 +beyn > good <02896 +towb > and evil <07451 +ra< > ? can thy servant <05650 +<ebed > taste <02938 +ta<am > what I eat <00398 +>akal > or <00854 +>eth > what I drink <08354 +shathah > ? can I hear <08085 +shama< > any more <05750 +<owd > the voice <06963 +qowl > of singing <07891 +shiyr > men <00582 +>enowsh > and singing <07891 +shiyr > women ? wherefore <04100 +mah > then should thy servant <05650 +<ebed > be yet <{05750} +<owd > a burden <04853 +massa> > unto my lord <00113 +>adown > the king <04428 +melek > ?

05750 2SA 019 035 I [am] this day <03117 +yowm > fourscore <08084 +sh@moniym > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > : [

and] can I discern <03045 +yada< > between <00996 +beyn > good <02896 +towb > and evil <07451 +ra< > ? can thy servant <05650 +<ebed > taste <02938 +ta<am > what I eat <00398 +>akal > or <00854 +>eth > what I drink <08354 +shathah > ? can I hear <08085 +shama< > any more <{05750} +<owd > the voice <06963 +qowl > of singing <07891 +shiy r > men <00582 +>enowsh > and singing <07891 +shiy r > women ? wherefore <04100 +mah > then should thy servant <05650 +<ebed > be yet <05750 +<owd > a burden <04853 +massa> > unto my lord <00113 +>adown > the king <04428 +melek > ?

05750 2SA 021 015 . Moreover the Philistines <06430 +P@lishtiy > had <01961 +hayah > yet <05750 +<owd > war <04421 +milchamah > again <{05750} +<owd > with Israel <03478 +Yisra>el > ; and David <01732 +David > went <03381 +yarad > down <03381 +yarad > , and his servants <05650 +<ebed > with him , and fought <03898 +lacham > against the Philistines <06430 +P@lishtiy > : and David <01732 +David > waxed faint <05774 +<uwph > .

05750 2SA 021 015 . Moreover the Philistines <06430 +P@lishtiy > had <01961 +hayah > yet <{05750} +<owd > war <04421 +milchamah > again <05750 +<owd > with Israel <03478 +Yisra>el > ; and David <01732 +David > went <03381 +yarad > down <03381 +yarad > , and his servants <05650 +<ebed > with him , and fought <03898 +lacham > against the Philistines <06430 +P@lishtiy > : and David <01732 +David > waxed faint <05774 +<uwph > .

05750 2SA 021 017 But Abishai <52> the son <01121 +ben > of Zerui ah <06870 +Ts@ruwyah > succoured <05826 +<azar > him , and smote <05221 +nakah > the Philistine <06430 +P@lishtiy > , and killed <04191 +muwth > him . Then <00227 +>az > the men <00582 +>enowsh > of David <01732 +David > sware <07650 +shaba< > unto him , saying <00559 +>amar > , Thou shalt go <03318 +yatsa> > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > out with us to battle <04421 +milchamah > , that thou quench <03518 +kabah > not the light <05216 +niyr > of Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 2SA 021 018 And it came <01961 +hayah > to pass after <00310 +>achar > this <03651 +ken > , that there was again <{05750} +<owd > a battle <04421 +milchamah > with the Philistines <06430 +P@lishtiy > at Gob <01359 +Gob > : then <00227 +>az > Sibbechai <05444 +Ci bb@kay > the Hushathite <02843 +Chushathiy > slew <05221 +nakah > Saph <05593 +Caph > , which <00834 +>aher > [was] of the sons <03211 +yaliyd > of the giant <07497 +rapha> > .

05750 2SA 021 019 And there was again <{05750} +<owd > a battle <04421 +milchamah > in Gob <01359 +Gob > with the Philistines <06430 +P@lishtiy > , where Elhanan <00445 +>Elchanan > the son <01121 +ben > of Jaareoregim <03296 +Ya<arey >Or@giym > , a Bethlehemite <01022 +Beyth hal - Lachmiy > , slew <05221 +nakah > [the brother of] Goliath <01555 +Golyath > the Gittite <01663 +Gittiy > , the staff <06086 +<ets > of whose spear <02595 +chaniyth > [was] like a weaver s <00707 +>arag > beam <04500 +manowr > .

05750 2SA 021 020 And there was yet <{05750} +<owd > a battle <04421 +milchamah > in Gath <01661 +Gath > , where was a man <00376 +>iysh > of [great] stature <04055 +mad > , that had on every hand <03027 +yad > six <08337 +shesh > fingers <00676 +>etsba< > , and on every foot <07272 +regel > six <08337 +shesh > toes <00676 +>etsba< > , four <00702 +>arba< > and twenty <06242 +<esriym > in number <04557 +micpar > ; and he also <01571 +gam > was born <03205 +yalad > to the giant <07497 +rapha> > .

05750 1KI 001 014 Behold <02009 +hinneh > , while thou yet
<{05750} +<owd > talkest <01696 +dabar > there <08033 +sham >
with the king <04428 +melek > , I also will come <00935 +bow> >
in after <00310 +>achar > thee , and confirm <04390 +male> > thy
words <01697 +dabar > .

05750 1KI 001 022 And , lo <02009 +hinneh > , while she yet
<{05750} +<owd > talked <01696 +dabar > with the king <04428
+melek > , Nathan <05416 +Nathan > the prophet <05030 +nabiy> >
also came <00935 +bow> > in .

05750 1KI 001 042 And while he yet <{05750} +<owd > spake <01696
+dabar > , behold <02009 +hinneh > , Jonathan <03129 +Yownathan
> the son <01121 +ben > of Abiathar <54> the priest <03548
+kohen > came <00935 +bow> > : and Adonijah <00138 +>Adoniyah >
said <00559 +>amar > unto him , Come <00935 +bow> > in ; for
thou [art] a valiant <02428 +chayil > man <00376 +>iysh > ,
and bringest <01319 +basar > good <02896 +towb > tidings <01319
+basar > .

05750 1KI 008 060 That all <03605 +kol > the people <05971 +<am
> of the earth <00776 +>erets > may know <03045 +yada< > that
the LORD <03068 +Y@hovah > [is] God <00430 +>elohiyim > , [and
that there is] none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > .

05750 1KI 010 005 And the meat <03978 +ma>akal > of his table
<07979 +shulchan > , and the sitting <04186 +mowshab > of his
servants <05650 +<ebed > , and the attendance <04612 +ma<amad >
of his ministers <08334 +sharath > , and their apparel <04403
+malbuwsh > , and his cupbearers <04945 +mashqeh > , and his
ascent <05930 +<olah > by which <00834 +>aher > he went <05927
+<alah > up unto the house <01004 +bayith > of the LORD <03068
+Y@hovah > ; there was no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd >
spirit <07307 +ruwach > in her .

05750 1KI 010 010 And she gave <05414 +nathan > the king <04428
+melek > an hundred <03967 +me>ah > and twenty <06242 +<esriym >
talents <03603 +kikkar > of gold <02091 +zahab > , and of spices
<01314 +besem > very <03966 +m@<od > great <07235 +rabah > store
, and precious <03368 +yaqar > stones <68> : there came <00935
+bow> > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > such <01931 +huw>
> abundance <07230 +rob > of spices <01314 +besem > as these
<01931 +huw> > which <00834 +>aher > the queen <04436 +malkah >
of Sheba <07614 +Sh@ba> > gave <05414 +nathan > to king <04428
+melek > Solomon <08010 +Sh@lomoh > .

05750 1KI 012 002 And it came <01961 +hayah > to pass , when
Jeroboam <03379 +Yarob<am > the son <01121 +ben > of Nebat
<05028 +N@bat > , who <01931 +huw> > was yet <{05750} +<owd > in
Egypt <04714 +Mi tsrayim > , heard <08085 +shama< > [of it] , (
for he was fled <01272 +barach > from the presence <06440
+paniyim > of king <04428 +melek > Solomon <08010 +Sh@lomoh > ,
and Jeroboam <03379 +Yarob<am > dwelt <03427 +yashab > in Egypt
<04714 +Mi tsrayim > ;)

05750 1KI 012 005 And he said <00559 +>amar > unto them , Depart
<03212 +yalak > yet <{05750} +<owd > [for] three <07969
+shalowsh > days <03117 +yowm > , then come <07725 +shuwb >
again <07725 +shuwb > to me . And the people <05971 +<am >
departed <03212 +yalak > .

05750 1KI 022 007 And Jehoshaphat <03092 +Y@howshaphat > said
<00559 +>amar > , [Is there] not here <06311 +poh > a prophet
<05030 +nabiy> > of the LORD <03068 +Y@hovah > besides <{05750}
+<owd > , that we might enquire <01875 +darash > of him ?

05750 2KI 002 012 And Elisha <00477 +>Eliysha< > saw <07200 +ra>ah > [it] , and he cried <06817 +tsa>aq > , My father <1> , my father <1> , the chariot <07393 +rekeb > of Israel <03478 +Yisra>el > , and the horsemen <06571 +parash > thereof . And he saw <07200 +ra>ah > him no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > : and he took hold <02388 +chazaq > of his own <00249 +>ezrach > clothes <00899 +beged > , and rent <07167 +qara< > them in two <08147 +sh@nayim > pieces <07168 +qera< > .

05750 2KI 002 021 And he went <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > unto the spring <04161 +mowtsa> > of the waters <04325 +mayim > , and cast <07993 +shalak > the salt <04417 +melach > in there , and said <00559 +>amar > , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > , I have healed <07495 +rapha> > these <00428 +>el - leh > waters <04325 +mayim > ; there shall not be from thence <08033 +sham > any more <{05750} +<owd > death <04194 +maveth > or barren <07921 +shakol > [land] .

05750 2KI 004 006 And it came <01961 +hayah > to pass , when the vessels <03627 +k@liy > were full <04390 +male> > , that she said <00559 +>amar > unto her son <01121 +ben > , Bring <05066 +nagash > me yet a vessel <03627 +k@liy > . And he said <00559 +>amar > unto her , [There is] not a vessel <03627 +k@liy > more <{05750} +<owd > . And the oil <08081 +shemen > stayed <05975 +<amad > .

05750 2KI 005 017 And Naaman <05283 +Na<aman > said <00559 +>amar > , Shall there not then , I pray <04994 +na> > thee , be given <05414 +nathan > to thy servant <05650 +<ebed > two mules <06505 +pered > burden <04853 +massa> > of earth <00127 +>adamah > ? for thy servant <05650 +<ebed > will henceforth <{05750} +<owd > offer <06213 +<asah > neither <03808 +lo> > burnt <05930 +<olah > offering nor sacrifice <02077 +zebach > unto other <00312 +>acher > gods <00430 +>elohiym > , but unto the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 2KI 006 033 And while he yet <05750 +<owd > talked <01696 +dabar > with them , behold <02009 +hinneh > , the messenger <04397 +mal>ak > came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > unto him : and he said <00559 +>amar > , Behold <02009 +hinneh > , this <02063 +zo>th > evil <07451 +ra< > [is] of the LORD <03068 +Y@hovah > ; what <04100 +mah > should I wait <03176 +yachal > for the LORD <03068 +Y@hovah > any longer <{05750} +<owd > ?

05750 2KI 006 033 And while he yet <{05750} +<owd > talked <01696 +dabar > with them , behold <02009 +hinneh > , the messenger <04397 +mal>ak > came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > unto him : and he said <00559 +>amar > , Behold <02009 +hinneh > , this <02063 +zo>th > evil <07451 +ra< > [is] of the LORD <03068 +Y@hovah > ; what <04100 +mah > should I wait <03176 +yachal > for the LORD <03068 +Y@hovah > any longer <05750 +<owd > ?

05750 2KI 012 003 But the high <01116 +bamah > places were not taken <05493 +cuwr > away <05493 +cuwr > : the people <05971 +<am > still <{05750} +<owd > sacrificed <02076 +zabach > and burnt <06999 +qatar > incense <06999 +qatar > in the high <01116 +bamah > places .

05750 2KI 014 004 Howbeit the high <01116 +bamah > places were not taken <05493 +cuwr > away <05493 +cuwr > : as yet <{05750} +<owd > the people <05971 +<am > did sacrifice <02076 +zabach > and burnt <06999 +qatar > incense <06999 +qatar > on the high <01116 +bamah > places .

05750 2KI 015 004 Save <07535 +raq > that the high <01116 +bamah > places were not removed <05493 +cuwr > : the people <05971 +<am > sacrificed <02076 +zabach > and burnt <06999 +qatar > incense <06999 +qatar > still <{05750} +<owd > on the high <01116 +bamah > places .

05750 2KI 015 035 Howbeit the high <01116 +bamah > places were not removed <05493 +cuwr > : the people <05971 +<am > sacrificed <02076 +zabach > and burned <06999 +qatar > incense <06999 +qatar > still <{05750} +<owd > in the high <01116 +bamah > places . He built <01129 +banah > the higher <05945 +>elyown > gate <08179 +sha<ar > of the house <01004 +bayith > of the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 1CH 012 001 . Now these <00428 +>el - leh > [are] they that came <00935 +bow> > to David <01732 +David > to Ziklag <06860 +Tsiqlag > , while he yet <{05750} +<owd > kept <06113 +<atsar > himself close <06113 +<atsar > because <06440 +paniym > of Saul <07586 +Sha>uwl > the son <01121 +ben > of Kish <07027 + Qiysh > : and they [were] among the mighty <01368 +gibbowr > men , helpers <05826 +<azar > of the war <04421 +milchamah > .

05750 1CH 014 003 And David <01732 +David > took <03947 +laqach > more <05750 +<owd > wives <00802 +>ishshah > at Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > : and David <01732 +David > begat <03205 +yalad > more <{05750} +<owd > sons <01121 +ben > and daughters <01121 +ben > .

05750 1CH 014 003 And David <01732 +David > took <03947 +laqach > more <{05750} +<owd > wives <00802 +>ishshah > at Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > : and David <01732 +David > begat <03205 +yalad > more <05750 +<owd > sons <01121 +ben > and daughters <01121 +ben > .

05750 1CH 014 013 And the Philistines <06430 +P@lishtiy > yet <{05750} +<owd > again <03254 +yacaph > spread <06584 +pashat > themselves abroad <06584 +pashat > in the valley <06010 +<emeq > .

05750 1CH 014 014 Therefore David <01732 +David > enquired <07592 +sha>al > again <{05750} +<owd > of God <00430 +>elohiym > ; and God <00430 +>elohiym > said <00559 +>amar > unto him , Go <05927 +<alah > not up after <00310 +>achar > them ; turn <05437 +cabab > away from them , and come <00935 +bow> > upon them over <04136 +muwl > against <04136 +muwl > the mulberry <01057 +baka> > trees .

05750 1CH 017 009 Also I will ordain <07760 +suwm > a place <04725 +maqowm > for my people <05971 +<am > Israel <03478 +Yisra>el > , and will plant <05193 +nata< > them , and they shall dwell <07931 +shakan > in their place <08478 +tachath > , and shall be moved <07264 +ragaz > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > ; neither <03808 +lo> > shall the children <01121 +ben > of wickedness <05766 +<evel > waste <01086 +balah > them any more <03254 +yacaph > , as at the beginning <07223 +ri>shown > ,

05750 1CH 019 019 And when the servants <05650 +<ebed > of Hadarezer <01928 +Hadar<ezer > saw <07200 +ra>ah > that they were put to the worse <05062 +nagaph > before <06440 +paniym > Israel <03478 +Yisra>el > , they made peace <07999 +shalam > with David <01732 +David > , and became <05647 +<abad > his servants <05647 +<abad > : neither <03808 +lo> > would <14> the Syrians <00758 +>Aram > help <03467 +yasha< > the children <01121 +ben > of Ammon <05983 +<Ammown > any more <{05750} +<owd >

> .

05750 1CH 020 005 And there was war <04421 +milchamah > again <{05750} +<owd > with the Philistines <06430 +P@lishtiy > ; and Elhanan <00445 +>Elchanan > the son <01121 +ben > of Jair <02971 +Ya>iyr > slew <05221 +nakah > Lahmi <03902 +Lachmiy > the brother <00251 +>ach > of Goliath <01555 +Golyath > the Gittite <01663 +Gittiy > , whose spear <02595 +chaniyth > staff <06086 +<ets > [was] like a weaver s <00707 +>arag > beam <04500 +manowr >

05750 1CH 020 006 And yet <05750 +<owd > again <{05750} +<owd > there was war <04421 +milchamah > at Gath <01661 +Gath > , where was a man <00376 +>iysh > of [great] stature <04060 +middah > , whose fingers <00676 +>etsba< > and toes <00676 +>etsba< > [were] four <00702 +>arba< > and twenty <06242 +<esriym > , six <08337 +shesh > [on each hand] , and six <08337 +shesh > [on each foot] : and he also <01571 +gam > was the son <03025 +yagor > of the giant <07497 +rapha> > .

05750 1CH 020 006 And yet <{05750} +<owd > again <05750 +<owd > there was war <04421 +milchamah > at Gath <01661 +Gath > , where was a man <00376 +>iysh > of [great] stature <04060 +middah > , whose fingers <00676 +>etsba< > and toes <00676 +>etsba< > [were] four <00702 +>arba< > and twenty <06242 +<esriym > , six <08337 +shesh > [on each hand] , and six <08337 +shesh > [on each foot] : and he also <01571 +gam > was the son <03025 +yagor > of the giant <07497 +rapha> > .

05750 1CH 029 003 Moreover <{05750} +<owd > , because I have set my affection <07521 +ratsah > to the house <01004 +bayith > of my God <00430 +>elohiyim > , I have <03426 +yesh > of mine own proper <05459 +c@gullah > good , of gold <02091 +zahab > and silver <03701 +keceph > , [which] I have given <05414 +nathan > to the house <01004 +bayith > of my God <00430 +>elohiyim > , over <05921 +<al > and above <04605 +ma<al > all <03605 +kol > that I have prepared <03559 +kuwn > for the holy <06944 +qodesh > house <01004 +bayith > ,

05750 2CH 009 004 And the meat <03978 +ma>akal > of his table <07979 +shulchan > , and the sitting <04186 +mowshab > of his servants <05650 +<ebed > , and the attendance <04612 +ma<amad > of his ministers <08334 +sharath > , and their apparel <04403 +malbuwsh > ; his cupbearers <04945 +mashqeh > also , and their apparel <04403 +malbuwsh > ; and his ascent <05944 +<aliyah > by which <00834 +>aher > he went <05927 +<alah > up into the house <01004 +bayith > of the LORD <03068 +Y@hovah > ; there was no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > spirit <07307 +ruwach > in her .

05750 2CH 013 020 Neither <03808 +lo> > did Jeroboam <03379 +Yarob<am > recover <06113 +<atsar > strength <03581 +koach > again <{05750} +<owd > in the days <03117 +yowm > of Abijah <29> : and the LORD <03068 +Y@hovah > struck <05062 +nagaph > him , and he died <04191 +muwth > .

05750 2CH 014 007 Therefore he said <00559 +>amar > unto Judah <03063 +Y@hurdah > , Let us build <01129 +banah > these <00428 +>el - leh > cities <05892 +<iyr > , and make about <05437 +cabab > [them] walls <02346 +chowmah > , and towers <04026 +migdal > , gates <01817 +deleth > , and bars <01280 +b@riyach > , [while] the land <00776 +>erets > [is] yet <{05750} +<owd > before <06440 +paniyim > us ; because <03588 +kiy > we have sought <01875 +darash > the LORD <03068 +Y@hovah > our God <00430 +>elohiyim > , we have sought <01875 +darash > [him] , and he hath given us rest <05117 +nuwach > on every <05437

+cabab > side <05439 +cabiyl > . So they built <01129 +banah > and prospered <06743 +tsalach > .

05750 2CH 017 006 And his heart <03820 +leb > was lifted <01361 +gabahn > up in the ways <01870 +derek > of the LORD <03068 +Y@hovah > : moreover <{05750} +<owd > he took away <05493 +cuwr > the high <01116 +bamah > places and groves <00842 +>asherah > out of Judah <03063 +Y@hwdah > .

05750 2CH 018 006 But Jehoshaphat <03092 +Y@howshaphat > said <00559 +>amar > , [Is there] not here a prophet <05030 +nabiy > of the LORD <03068 +Y@hovah > besides <{05750} +<owd > , that we might enquire <01875 +darash > of him ?

05750 2CH 018 007 And the king <04428 +melek > of Israel <03478 +Yisra>el > said <00559 +>amar > unto Jehoshaphat <03092 +Y@howshaphat > , [There is] yet <{05750} +<owd > one <00259 +>echad > man <00376 +>iysh > , by whom we may enquire <01875 +darash > of the LORD <03068 +Y@hovah > : but I hate <08130 +sane> > him ; for he never <00369 +>ayin > prophesied <05012 +naba> > good <02896 +towb > unto me , but always evil <07451 +ra< > : the same <01931 +huw> > [is] Micah <04321 +Miykay@huw > the son <01121 +ben > of Immanuel <03229 +Yiml a> > . And Jehoshaphat <03092 +Y@howshaphat > said <00559 +>amar > , Let not the king <04428 +melek > say <00559 +>amar > so <03651 +ken > .

05750 2CH 020 033 Howbeit the high <01116 +bamah > places were not taken <05493 +cuwr > away <05493 +cuwr > : for as yet <{05750} +<owd > the people <05971 +<am > had not prepared <03559 +kuwn > their hearts <03824 +lebab > unto the God <00430 +>elohiy m > of their fathers <1> .

05750 2CH 027 002 And he did <06213 +<asah > [that which was] right <03477 +yashar > in the sight <05869 +<ayin > of the LORD <03068 +Y@hovah > , according to all <03605 +kol > that his father <25> Uzziah <05818 +<Uzziyah > did <06213 +<asah > : howbeit he entered <00935 +bow> > not into <00413 +>el > the temple <01964 +heykal > of the LORD <03068 +Y@hovah > . And the people <05971 +<am > did yet <{05750} +<owd > corruptly <07843 +shachath > .

05750 2CH 028 017 For again <{05750} +<owd > the Edomites <00130 +>Edomiy > had come <00935 +bow> > and smitten <05221 +nakah > Judah <03063 +Y@hwdah > , and carried <07617 +shabah > away captives <07628 +sh@biy > .

05750 2CH 032 016 And his servants <05650 +<ebed > spake <01696 +dabar > yet <{05750} +<owd > [more] against <05921 +<al > the LORD <03068 +Y@hovah > God <00430 +>elohiy m > , and against <05921 +<al > his servant <05650 +<ebed > Hezekiah <02396 +Chizkiyah > .

05750 2CH 034 001 . Josiah <61> [was] eight <05971 +<am > years old <02076 +zabach > when <{05750} +<owd > he began to <01116 +bamah > reign , and he reigned in <03068 +Y@hovah > Jerusalem one <00430 +>elohiy m > and <07535 +raq > thirty years .

05750 2CH 034 012 And the men did <08083 +sh@moneh > the <08141 +shaneh > work faithfully : and <04427 +malak > the overseers of them <{05750} +<owd > [were <05288 +na<ar >] Jahath and <02490 +chalal > Obadiah , the <01875 +darash > Levites , of the <00430 +>elohiy m > sons of <01732 +David > Merari ; and <1> Zechariah and Meshullam , of the <08141 +shaneh > sons of <02490 +chalal > the Kohathites <02891 +tahir > , to <03063 +Y@hwdah > set [it <03389 +Y@ruwshalaim >] forward ; and [other <01116 +bamah >

of] the Levites , all <00842 +>asherah > that could skill
<06456 +p@ciyl > of instruments of musick <04541 +maccekah > .

05750 2CH 034 016 And Shaphan <08227 +shaphan > carried <00935
+bow> > the book <05612 +cepher > to the king <04428 +melek > ,
and brought <07725 +shuwb > the king <04428 +melek > word <01697
+dabar > back <07725 +shuwb > again <{05750} +<owd > , saying
<00559 +>amar > , All <03605 +kol > that was committed <05414
+nathan > to thy servants <05650 +<ebed > , they do <06213
+<asah > [it] .

05750 EST 002 014 In the evening <06153 +<ereb > she went <00935
+bow> > , and on the morrow <01242 +boqer > she returned <07725
+shuwb > into <00413 +>el > the second <08145 +sheni y > house
<01004 +bayith > of the women <00802 +>ishshah > , to the
custody <03027 +yad > of Shaashgaz <08190 +Sha<ashgaz > , the
king s <04428 +melek > chamberlain <05631 +cari y c > , which kept
<08104 +shamar > the concubines <06370 +piylegesh > : she came
<00935 +bow> > in unto the king <04428 +melek > no <03808 +lo> >
more <{05750} +<owd > , except the king <04428 +melek >
delighted <02654 +chaphets > in her , and that she were called
<07121 +qara> > by name <08034 +shem > .

05750 EST 006 014 And while they [were] yet <{05750} +<owd >
talking <01696 +dabar > with him , came <00935 +bow> > the king
s <04428 +melek > chamberlains <05631 +cari y c > , and hasted
<00926 +bahal > to bring <00935 +bow> > Haman <02001 +Haman >
unto the banquet <04960 +mishteh > that Esther <00635 +>Ecter >
had prepared <06213 +<asah > .

05750 EST 009 012 And the king <04428 +melek > said <00559
+>amar > unto Esther <00635 +>Ecter > the queen <04436 +mal kah >
, The Jews <03064 +Y@huwdiy > have slain <02026 +harag > and
destroyed <6> five <02568 +chamesh > hundred <03967 +me>ah > men
<00376 +>iysh > in Shushan <07800 +Shuwshan > the palace <01002
+bi yrah > , and the ten <06235 +<eser > sons <01121 +ben > of
Haman <02001 +Haman > ; what <04100 +mah > have they done <06213
+<asah > in the rest <07605 +sh@>ar > of the king s <04428
+melek > provinces <04082 +m@di ynah > ? now what <04100 +mah > [
is] thy petition <07596 +sh@>elah > ? and it shall be granted
<05414 +nathan > thee : or what <04100 +mah > [is] thy request
<01246 +baqqashah > further <{05750} +<owd > ? and it shall be
done <06213 +<asah > .

05750 JOB 002 003 And the LORD <03068 +Y@hovah > said <00559
+>amar > unto Satan <07854 +satan > , Hast thou considered my
servant <05650 +<ebed > Job <00347 +>lyowb > , that [there is]
none <00369 +>ayin > like <03644 +k@mow > him in the earth
<00776 +>erets > , a perfect <08535 +tam > and an upright <03477
+yashar > man <00376 +>iysh > , one that feareth <03373 +yare> >
God <00430 +>elohi ym > , and escheweth <05493 +cuwr > evil
<07451 +ra< > ? and still <{05750} +<owd > he holdeth <02388
+chazaq > fast his integrity <08538 +tummah > , although thou
movedst <05496 +cuwrth > me against him , to destroy <01104
+bala< > him wi thout <02600 +chi nnam > cause <02600 +chi nnam > .

05750 JOB 002 009 Then said <00559 +>amar > his wife <00802
+>ishshah > unto him , Dost thou still <{05750} +<owd > retain
<02388 +chazaq > thine integrity <08538 +tummah > ? curse <01288
+barak > God <00430 +>elohi ym > , and die <04191 +muwrth > .

05750 JOB 006 010 Then should I yet <{05750} +<owd > have <01961
+hayah > comfort <05165 +nechamah > ; yea , I would harden
<05539 +calad > myself in sorrow <02427 +chi yl > : let him not
spare <02550 +chamal > ; for I have not concealed <03582 +kachad
> the words <00561 +>emer > of the Holy <06918 +gadowsh > One .

05750 JOB 006 029 Return <07725 +shuwb > , I pray <04994 +na> > you , let it not be iniquity <05766 +<evel > ; yea , return <07725 +shuwb > again <{05750} +<owd > , my righteousness <06664 +tsedeq > [is] in it .

05750 JOB 007 010 He shall return <07725 +shuwb > no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > to his house <01004 +bayith > , nei ther <03808 +lo> > shall his place <04725 +maqowm > know <05234 +nakar > him any more <{05750} +<owd > .

05750 JOB 007 010 He shall return <07725 +shuwb > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > to his house <01004 +bayith > , nei ther <03808 +lo> > shall his place <04725 +maqowm > know <05234 +nakar > him any more <05750 +<owd > .

05750 JOB 008 012 Whilst <05704 +<ad > it [is] yet <{05750} +<owd > in his greenness <3> , [and] not cut <06998 +qataph > down , it withereth <03001 +yabesh > before <06440 +paniym > any <03605 +kol > [other] herb <02682 +chatsiyr > .

05750 JOB 014 007 . For there is hope <08615 +tiqvah > of a tree <06086 +<ets > , if it be cut <03772 +karath > down , that it will sprout <02498 +chalaph > again <{05750} +<owd > , and that the tender <03127 +yowneqeth > branch thereof will not cease <02308 +chadal > .

05750 JOB 020 009 The eye <05869 +<ayin > also [which] saw <07805 +shazaph > him shall [see him] no <03808 +lo> > more <03254 +yacaph > ; nei ther <03808 +lo> > shall his place <04725 +maqowm > any more <{05750} +<owd > behold <07789 +shuwr > him .

05750 JOB 024 020 The womb <07358 +rechem > shall forget <07911 +shakach > him ; the worm <07415 +rimmah > shall feed sweetly <04988 +mathaq > on him ; he shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > remembered <02142 +zakar > ; and wickedness <05766 +<evel > shall be broken <07665 +shabar > as a tree <06086 +<ets > .

05750 JOB 027 003 All <03605 +kol > the while <{05750} +<owd > my breath <05397 +n@shamah > [is] in me , and the spirit <07307 +ruwach > of God <00433 +<elowahh > [is] in my nostrils <00639 +>aph > ;

05750 JOB 029 005 When <05750 +<owd > the Almighty <07706 +Shadday > [was] yet <{05750} +<owd > with me , [when] my children <05288 +na<ar > [were] about <05439 +cabiyl > me ;

05750 JOB 029 005 When <{05750} +<owd > the Almighty <07706 +Shadday > [was] yet <05750 +<owd > with me , [when] my children <05288 +na<ar > [were] about <05439 +cabiyl > me ;

05750 JOB 032 015 . They were amazed <02865 +chathath > , they answered <06030 +<anah > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > : they left <06275 +<athaq > off speaking <04405 +millah > .

05750 JOB 032 016 When I had waited <03176 +yachal > , (for they spake <01696 +dabar > not , but stood <05975 +<amad > still <05975 +<amad > , [and] answered <06030 +<anah > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > ;)

05750 JOB 034 023 For he will not lay <07760 +suwm > upon man <00376 +<iysh > more <{05750} +<owd > [than right <04941 +mishpat >] ; that he should enter <01980 +halak > into judgment <04941 +mishpat > with God <00410 +>el > .

05750 JOB 036 002 Suffer <03803 +kathar > me a little <02191 +ze<eyr > , and I will shew <02331 +chavah > thee that [I have] yet <{05750} +<owd > to speak <04405 +miIah > on God s <00433 +>el owahh > behal f .

05750 PSA 037 010 For yet <{05750} +<owd > a little <04592 +m@at > while , and the wicked <07563 +rasha< > [shall] not [be] : yea , thou shalt diligently <00995 +biyn > consider <00995 +biyn > his place <04725 +maqowm > , and it [shall] not [be] .

05750 PSA 039 001 . To the chief Musician <05329 +natsach > , [even] to Jeduthun <03038 +Y@duwthuwn > , A Psalm <04210 +mizmowr > of David <01732 +David > . I said <00559 +>amar > , I will take heed <08104 +shamar > to my ways <01870 +derek > , that I sin <02398 +chata> > not with my tongue <03956 +lashown > : I will keep <08104 +shamar > my mouth <06310 +peh > with a bridle <04269 +machcowm > , while <{05750} +<owd > the wicked <07563 +rasha< > is before <05048 +neged > me .

05750 PSA 042 005 Why art thou cast <07817 +shachach > down <07817 +shachach > , O my soul <05315 +nephesh > ? and [why] art thou disquieted <01993 +hamah > in me ? hope <03176 +yachal > thou in God <00430 +>elohiy m > : for I shall yet <{05750} +<owd > praise <03034 +yadah > him [for] the help <03444 +y@shuw<ah > of his countenance <06440 +paniy m > .

05750 PSA 042 011 Why <04100 +mah > art thou cast <07817 +shachach > down <07817 +shachach > , O my soul <05315 +nephesh > ? and why <04100 +mah > art thou disquieted <01993 +hamah > within <05921 +<al > me ? hope <03176 +yachal > thou in God <00430 +>elohiy m > : for I shall yet <{05750} +<owd > praise <03034 +yadah > him , [who is] the health <03444 +y@shuw<ah > of my countenance <06440 +paniy m > , and my God <00430 +>elohiy m > .

05750 PSA 043 005 Why <04100 +mah > art thou cast <07817 +shachach > down <07817 +shachach > , O my soul <05315 +nephesh > ? and why <04100 +mah > art thou disquieted <01993 +hamah > within <05921 +<al > me ? hope <03176 +yachal > in God <00430 +>elohiy m > : for I shall yet <{05750} +<owd > praise <03034 +yadah > him , [who is] the health <03444 +y@shuw<ah > of my countenance <06440 +paniy m > , and my God <00430 +>elohiy m > .

05750 PSA 049 009 That he should still <{05750} +<owd > live <02421 +chayah > for ever <05331 +netsach > , [and] not see <07200 +ra>ah > corruption <07845 +shachath > .

05750 PSA 074 009 We see <07200 +ra>ah > not our signs <00226 +>owth > : [there is] no <00369 +>ayin > more <{05750} +<owd > any prophet <05030 +nabiy> > : neither <03808 +lo> > [is there] among <00854 +>eth > us any that knoweth <03045 +yada< > how <05704 +<ad > long <05704 +<ad > .

05750 PSA 078 017 And they sinned <02398 +chata> > yet <{05750} +<owd > more against him by provoking <04784 +marah > the most <05945 +>elyown > High <05945 +>elyown > in the wilderness <06723 +tsiyah > .

05750 PSA 078 030 They were not estranged <02114 +zuwr > from their lust <08378 +ta>avah > . But while their meat <00400 +>okel > [was] yet <{05750} +<owd > in their mouths <06310 +peh > ,

05750 PSA 078 032 For all <03605 +kol > this <02063 +zo>th > they sinned <02398 +chata> > still <{05750} +<owd > , and

believed <00539 +>aman > not for his wondrous <06381 +pal a> >
works .

05750 PSA 084 004 Blessed <00835 +>esher > [are] they that
dwell <03427 +yashab > in thy house <01004 +bayith > : they will
be still <{05750} +<owd > praising <01984 +halal > thee . Selah
<05542 +celah > .

05750 PSA 088 005 Free <02670 +chophshiy > among the dead <04191
+muwth > , like <03644 +k@mow > the slain <02491 +chalal > that
lie <07901 +shakab > in the grave <06913 +qeber > , whom <00834
+>aher > thou rememberest <02142 +zakar > no <03808 +lo> > more
<{05750} +<owd > : and they are cut <01504 +gazar > off from thy
hand <03027 +yad > .

05750 PSA 092 014 They shall still <{05750} +<owd > bring <05107
+nuwb > forth <05107 +nuwb > fruit <05107 +nuwb > in old <07872
+seybah > age <07872 +seybah > ; they shall be fat <01879
+dashen > and flourishing <07488 +ra<anan > ;

05750 PSA 103 016 For the wind <07307 +ruwach > passeth <05674
+<abar > over <05674 +<abar > it , and it is gone <00369 +>ayin
> ; and the place <04725 +maqom > thereof shall know <05234
+nakar > it no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > .

05750 PSA 104 033 I will sing <07891 +shiy > unto the LORD
<03068 +Y@hovah > as long <05704 +<ad > as I live <02416 +chay >
: I will sing <02167 +zamar > praise to my God <00430 +>elohiy >
> while <05750 +<owd > I have my being <{05750} +<owd > .

05750 PSA 104 033 I will sing <07891 +shiy > unto the LORD
<03068 +Y@hovah > as long <05704 +<ad > as I live <02416 +chay >
: I will sing <02167 +zamar > praise to my God <00430 +>elohiy >
> while <{05750} +<owd > I have my being <05750 +<owd > .

05750 PSA 104 035 Let the sinners <02400 +chatta> > be consumed
<08552 +tamam > out of the earth <00776 +>erets > , and let the
wicked <07563 +rasha< > be no <00369 +>ayin > more <{05750}
+<owd > . Bless <01288 +barak > thou the LORD <03050 +Yahh > , O
my soul <05315 +nephesh > . Praise <01984 +halal > ye the LORD
<03050 +Yahh > .

05750 PSA 139 018 [If] I should count <05608 +caphar > them ,
they are more <07235 +rabah > in number than the sand <02344
+chowl > : when I awake <06974 +quwts > , I am still <{05750}
+<owd > with thee .

05750 PSA 141 005 . Let the righteous <06662 +tsaddiyq > smite
<01986 +halam > me ; [it shall be] a kindness <02617 +cheched >
: and let him reprove <03198 +yakach > me ; [it shall be] an
excellent <07218 +ro>sh > oil <08081 +shemen > , [which] shall
not break <05106 +nuw> > my head <07218 +ro>sh > : for yet
<{05750} +<owd > my prayer <08605 +t@phillah > also [shall be]
in their calamities <07451 +ra< > .

05750 PSA 146 002 While I live <02416 +chay > will I praise
<01984 +halal > the LORD <03068 +Y@hovah > : I will sing <02167
+zamar > praises unto my God <00430 +>elohiy > while <05750
+<owd > I have any being <{05750} +<owd > .

05750 PSA 146 002 While I live <02416 +chay > will I praise
<01984 +halal > the LORD <03068 +Y@hovah > : I will sing <02167
+zamar > praises unto my God <00430 +>elohiy > while <{05750}
+<owd > I have any being <05750 +<owd > .

05750 PRO 009 009 Give <05414 +nathan > [instruction] to a

wise <02450 +chakam > [man] , and he will be yet <{05750}
 +<owd > wiser <02449 +chakam > : teach <03045 +yada< > a just
 <06662 +tsaddiyq > [man] , and he will increase <03254 +yacaph
 > in learning <03948 +leqach > .

05750 PRO 011 024 . There is that scattereth <06340 +pazar > ,
 and yet <{05750} +<owd > increaseth <03254 +yacaph > ; and [
 there is] that withholdeth <02820 +chasak > more than is meet
 <03476 +yosher > , but [it tendeth] to poverty <04270
 +machcowr > .

05750 PRO 019 019 . A man of great wrath <02534 +chemah > shall
 suffer <05375 +nasa> > punishment <06066 +<onesh > : for if
 <00518 +>im > thou deliver <05337 +natsal > [him] , yet
 <{05750} +<owd > thou must do it again <03254 +yacaph > .

05750 PRO 023 035 They have stricken <05221 +nakah > me , [
 shalt thou say <00559 +>amar > , and] I was not sick <02470
 +chalah > ; they have beaten <01986 +halam > me , [and] I felt
 <03045 +yada< > [it] not : when <04970 +mathay > shall I awake
 <06974 +quwts > ? I will seek <01245 +baqash > it yet again
 <{05750} +<owd > .

05750 PRO 031 007 Let him drink <08354 +shathah > , and forget
 <07911 +shakach > his poverty <07389 +reysh > , and remember
 <02142 +zakar > his misery <05999 +<amal > no <03808 +lo> > more
 <{05750} +<owd > .

05750 PRO 031 015 She riseth <06965 +quwm > also while it is yet
 <{05750} +<owd > night <03915 +layil > , and giveth <05414
 +nathan > meat <02964 +tereph > to her household <01004 +bayith
 > , and a portion <02706 +choq > to her maidens <05291 +na<arah
 > .

05750 ECC 003 016 . And moreover <{05750} +<owd > I saw <07200
 +ra>ah > under <08478 +tachath > thesun <08121 +shemesh > the
 place <04725 +maqowm > of judgment <04941 +mishpat > , [that]
 wickedness <07562 +resha< > [was] there <08033 +sham > ; and
 the place <04725 +maqowm > of righteousness <06664 +tsedeq > , [
 that] iniquity <07562 +resha< > [was] there <08033 +sham > .

05750 ECC 004 013 . Better <02896 +towb > [is] a poor <04542
 +micken > and a wise <02450 +chakam > child <03206 +yeled > than
 an old <02205 +zaqen > and foolish <03684 +k@ciyl > king <04428
 +melek > , who <00834 +>aher > will <03045 +yada< > no <03808
 +lo> > more <{05750} +<owd > be admonished <02094 +zahar > .

05750 ECC 007 028 Which <00834 +>aher > yet <{05750} +<owd > my
 soul <05315 +nephesh > seeketh <01245 +baqash > , but I find
 <04672 +matsa> > not : one <00259 +>echad > man <00120 +>adam >
 among a thousand <00505 +>eleph > have I found <04672 +matsa> > ;
 but a woman <00802 +>ishshah > among all <03605 +kol > those
 <00428 +>el - leh > have I not found <04672 +matsa> > .

05750 ECC 009 005 For the living <02416 +chay > know <03045
 +yada< > that they shall die <04191 +muwth > : but the dead
 <04191 +muwth > know <03045 +yada< > not any <03972 +m@uwmah >
 thing , neither <00369 +>ayin > have they any more <{05750}
 +<owd > a reward <07999 +shalam > ; for the memory <02143 +zeker
 > of them is forgotten <07911 +shakach > .

05750 ECC 009 006 Also <01571 +gam > their love <00160 +>ahabah
 > , and their hatred <08135 +sin>ah> , and their envy <07068
 +qin>ah > , is now <03528 +k@bar > perished <6> ; neither <00369
 +>ayin > have they any more <{05750} +<owd > a portion <02506
 +cheleq > for ever <05769 +<owlam > in any <03605 +kol > [thing
 12/8/2021

] that is done <06466 +pa<al > under <08478 +tachath > the sun <08121 +shemesh > .

05750 ECC 012 009 And moreover <03148 +yowther > , because the preacher <06953 +qohelath > was wise <02450 +chakam > , he still <{05750} +<owd > taught <03925 +lamad > the people <05971 +<am > knowledge <01847 +da<ath > ; yea , he gave good heed <00238 +>azan > , and sought <02713 +chaqar > out , [and] set in order <08626 +taqan > many <07235 +rabah > proverbs <04912 +mashal > .

05750 ISA 001 005 Why should ye be stricken <05221 +nakah > any more <{05750} +<owd > ? ye will revolt <05627 +carah > more and more : the whole <03605 +kol > head <07218 +ro>sh > is sick <02483 +choliy > , and the whole <03605 +kol > heart <03824 +lebab > faint <01742 +davvay > .

05750 ISA 001 013 Bring <00935 +bow> > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > vain <07723 +shav> > oblations <04503 +mi nchah > ; incense <07004 +q@toreth > is an abomination <08441 +tow<ebah > unto me ; the new <02320 +chodesh > moons <02320 +chodesh > and sabbaths <07676 +shabbath > , the calling <07121 +qara> > of assemblies <04744 +miqra> > , I cannot away with ; [it is] iniquity <00205 +>aven > , even the solemn <02282 +chag > meeting <06116 +<atsarah > .

05750 ISA 002 004 And he shall judge <08199 +shaphat > among <00996 +beyn > the nations <01471 +gowy > , and shall rebuke <03198 +yakach > many <07227 +rab > people <05971 +<am > : and they shall beat <03807 +kathath > their swords <02719 +chereb > into plowshares <00855 +>eth > , and their spears <02595 +chaniyth > into pruninghooks <04211 +mazmerah > : nation <01471 +gowy > shall not lift <05375 +nasa> > up sword <02719 +chereb > against <00413 +>el > nation <01471 +gowy > , neither <03808 +lo> > shall they learn <03925 +lamad > war <04421 +milchamah > any more <{05750} +<owd > .

05750 ISA 005 004 What <04100 +mah > could have been done <06466 +pa<al > more <{05750} +<owd > to my vineyard <03754 +kerem > , that I have not done <06466 +pa<al > in it ? wherefore <04069 +madduwa< > , when I looked <06960 +qavah > that it should bring <06213 +<asah > forth <06213 +<asah > grapes <06025 +<enab > , brought <06213 +<asah > it forth <06213 +<asah > wild <00891 +b@>ushi ym > grapes <00891 +b@>ushi ym > ?

05750 ISA 005 025 Therefore is the anger <00639 +>aph > of the LORD <03068 +Y@hovah > kindled <02734 +charah > against his people <05971 +<am > , and he hath stretched <05186 +natah > forth his hand <03027 +yad > against <05921 +<al > them , and hath smitten <05221 +nakah > them : and the hills <02022 +har > did tremble <07264 +ragaz > , and their carcasses <05038 +n@belah > [were] torn <05478 +cuwchah > in the midst <07130 +qereb > of the streets <02351 +chuwts > . For all <03605 +kol > this <02063 +zo>th > his anger <00639 +>aph > is not turned <07725 +shuwb > away , but his hand <03027 +yad > [is] stretched <05186 +natah > out still <{05750} +<owd > .

05750 ISA 006 013 But yet <{05750} +<owd > in it [shall be] a tenth <06224 +<asiyriy > , and [it] shall return <07725 +shuwb > , and shall be eaten <01197 +ba<ar > : as a teil <00424 +>elah > tree , and as an oak <00437 +>allown > , whose <00834 +>aher > substance <04678 +matstsebeth > [is] in them , when <00834 +>aher > they cast <07995 +shalleketh > [their leaves : so] the holy <06944 +qodesh > seed <02233 +zera< > [shall be] the substance <04678 +matstsebeth > thereof .

05750 ISA 009 012 The Syrians <00758 +>Aram > before <06924 +qedem > , and the Philistines <06430 +P@lishtiy > behind <00268 +>achowr > ; and they shall devour <00398 +>akal > Israel <03478 +Yisra>el > with open <06605 +pathach > mouth <06310 +peh > . For all <03605 +kol > this <02063 +zo>th > his anger <00639 +>aph > is not turned <07725 +shuwb > away , but his hand <03027 +yad > [is] stretched <05186 +natah > out still <{05750} +<owd > .

05750 ISA 009 017 Therefore the Lord <00136 +>Adonay > shall have no <03808 +lo> > joy <08055 +samach > in their young <00970 +bachuwr > men , neither <03808 +lo> > shall have mercy <07355 +racham > on their fatherless <03490 +yathowm > and widows <00490 +>almanah > : for every <03605 +kol > one [is] an hypocrite <02611 +chaneph > and an evildoer <07489 +ra<a< > , and every <03605 +kol > mouth <06310 +peh > speaketh <01696 +dabar > folly <05039 +n@balah > . For all <03605 +kol > this <02063 +zo>th > his anger <00639 +>aph > is not turned <07725 +shuwb > away , but his hand <03027 +yad > [is] stretched <05186 +natah > out still <{05750} +<owd > .

05750 ISA 009 021 Manasseh <04519 +M@nashsheh > , Ephraim <00669 +>Ephrayim > ; and Ephraim <00669 +>Ephrayim > , Manasseh <04519 +M@nashsheh > : [and] they together <03162 +yachad > [shall be] against <05921 +<al > Judah <03063 +Y@huwdah > . For all <03605 +kol > this <02063 +zo>th > his anger <00639 +>aph > is not turned <07725 +shuwb > away , but his hand <03027 +yad > [is] stretched <05186 +natah > out still <{05750} +<owd > .

05750 ISA 010 004 Without <01115 +biltiy > me they shall bow <03766 +kara< > down <03766 +kara< > under <08478 +tachath > the prisoners <00616 +>acciyr > , and they shall fall <05307 +naphal > under <08478 +tachath > the slain <02026 +harag > . For all <03605 +kol > this <02063 +zo>th > his anger <00639 +>aph > is not turned <07725 +shuwb > away , but his hand <03027 +yad > [is] stretched <05186 +natah > out still <{05750} +<owd > .

05750 ISA 010 020 . And it shall come <01961 +hayah > to pass in that day <03117 +yowm > , [that] the remnant <07605 +sh@>ar > of Israel <03478 +Yisra>el > , and such as are escaped <06413 +p@leytah > of the house <01004 +bayi th > of Jacob <03290 +Ya<aqob > , shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > again <03254 +yacaph > stay <04937 +mish<en > upon him that smote <05221 +nakah > them ; but shall stay <08172 +sha<an > upon the LORD <03068 +Y@hovah > , the Holy <06918 +qadowsh > One of Israel <03478 +Yisra>el > , in truth <00571 +>emeth > .

05750 ISA 010 025 For yet <{05750} +<owd > a very <04213 +mi z<ar > little <04592 +m@<at > while , and the indignation <02195 +za<am > shall cease <03615 +kalah > , and mine anger <00639 +>aph > in their destruction <08399 +tabliy th > .

05750 ISA 010 032 As yet <{05750} +<owd > shall he remain <05975 +<amad > at Nob <05011 +Nob > that day <03117 +yowm > : he shall shake <05130 +nuwph > his hand <03027 +yad > [against] the mount <02022 +har > of the daughter <01004 +bayi th > of Zion <06726 +Tsiyown > , the hill <01389 +gib<ah > of Jerusalem <03389 +Y@ruwshal aim > .

05750 ISA 014 001 . For the LORD <03068 +Y@hovah > will have mercy <07355 +racham > on Jacob <03290 +Ya<aqob > , and will yet <{05750} +<owd > choose <00977 +bachar > Israel <03478 +Yisra>el > , and set <03240 +yanach > them in their own land <00127 +>adamah > : and the strangers <01616 +ger > shall be joined <03867 +lavah > with them , and they shall cleave <05596 +caphach > to the house <01004 +bayi th > of Jacob <03290

+Ya<aqob > .

05750 ISA 021 016 For thus <03541 +koh > hath the Lord <00136 +>Adonay > said <00559 +>amar > unto me , Within <{05750} +<owd > a year <08141 +shaneh > , according to the years <08141 +shaneh > of an hireling <07916 +sakiyr > , and all <03605 +kol > the glory <03519 +kabowd > of Kedar <06938 +Qedar > shall fail <03615 +kalah > :

05750 ISA 023 010 Pass <05674 +<abar > through thy land <00776 +>erets > as a river <02975 +y@<or > , O daughter <01323 +bath > of Tarshish <08659 +Tarshiysh > : [there is] no <00369 +>ayin > more <{05750} +<owd > strength <04206 +maziych > .

05750 ISA 023 012 And he said <00559 +>amar > , Thou shalt no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > rejoice <05937 +<al az > , O thou oppressed <06231 +<ashaq > virgin <01330 +b@thuwlah > , daughter <01323 +bath > of Zidon <06721 +Tsiydown > : arise <06965 +quwm > , pass <05674 +<abar > over <05674 +<abar > to Chittim <03794 +Kittiy > ; there <08033 +sham > also <01571 +gam > shalt thou have no <03808 +lo> > rest <05117 +nuwach > .

05750 ISA 026 021 For , behold <02009 +hinneh > , the LORD <03068 +Y@hovah > cometh <03318 +yatsa> > out of his place <04725 +maqowm > to punish <06485 +paqad > the inhabitants <03427 +yashab > of the earth <00776 +>erets > for their iniquity <05771 +<avon > : the earth <00776 +>erets > also shall disclose <01540 +galah > her blood <01818 +dam > , and shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > cover <03680 +kacah > her slain <02026 +harag > .

05750 ISA 028 004 And the glorious <06643 +ts@biy > beauty <08597 +tiph>arah > , which <00834 +>aher > [is] on <05921 +<al > the head <07218 +ro>sh > of the fat <08081 +shemen > valley <01516 +gay> > , shall be a fading <05034 +nabel > flower <06733 +tsiytsah > , [and] as the hasty <01061 +bikkuwr > fruit <01061 +bikkuwr > before <02962 +terem > the summer <07019 +qayits > ; which <00834 +>aher > [when] he that looketh <07200 +ra>ah > upon it seeth <07200 +ra>ah > , while it is yet <{05750} +<owd > in his hand <03709 +kaph > he eateth <01104 +bala< > it up .

05750 ISA 029 017 . [Is] it not yet <{05750} +<owd > a very <04213 +miz<ar > little <04592 +m@<at > while , and Lebanon <03844 +L@banown > shall be turned <07725 +shuwb > into a fruitful <03759 +karmel > field , and the fruitful <03759 +karmel > field shall be esteemed <02803 +chashab > as a forest <03293 +ya<ar > ?

05750 ISA 030 020 And [though] the Lord <00136 +>Adonay > give <05414 +nathan > you the bread <03899 +lechem > of adversity <06862 +tsar > , and the water <04325 +mayim > of affliction <03905 +lachats > , yet shall not thy teachers <03384 +yarah > be removed <03670 +kanaph > into a corner <03671 +kanaph > any more <{05750} +<owd > , but thine eyes <05869 +<ayin > shall see <07200 +ra>ah > thy teachers <03384 +yarah > :

05750 ISA 032 005 The vile <05036 +nabal > person shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > called <07121 +qara> > liberal <05081 +nadiyb > , nor <03808 +lo> > the churl <03596 +kiylay > said <00559 +>amar > [to be] bountiful <07771 +showa< > .

05750 ISA 045 005 . I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > , and [there is] none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > , [there is] no <00369 +>ayin > God <00430 +>elohiyim > beside <02108

+zuwlah > me : I girded <00247 +>azar > thee , though thou hast not known <03045 +yada< > me :

05750 ISA 045 006 That they may know <03045 +yada< > from the rising <04217 +mizrach > of the sun <08121 +shemesh > , and from the west <04628 +ma<arab > , that [there is] none <00657 +>ephec > beside <01107 +bil<adey > me . I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > , and [there is] none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > .

05750 ISA 045 014 Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > , The Labour <03018 +y@giya< > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , and merchandise <05505 +cachar > of Ethiopia <03568 +Kuush > and of the Sabeans <05436 +C@ba>iy > , men <00582 +>enowsh > of stature <04060 +middah > , shall come <05674 +<abar > over <05674 +<abar > unto thee , and they shall be thine : they shall come <03212 +yalak > after <00310 +>achar > thee ; in chains <02131 +ziyqah > they shall come <05674 +<abar > over <05674 +<abar > , and they shall fall <07812 +shachah > down <07812 +shachah > unto thee , they shall make supplication <06419 +palal > unto thee , [saying] , Surely <00389 +>ak > God <00410 +>el > [is] in thee ; and [there is] none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > , [there is] no <00657 +>ephec > God <00430 +>elohiyim > .

05750 ISA 045 018 For thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > that created <01254 +bara> > the heavens <08064 +shamayim > ; God <00430 +>elohiyim > himself <01931 +huw> > that formed <03335 +yatsar > the earth <00776 +>erets > and made <06213 +<asah > it ; he hath established <03559 +kuwn > it , he created <01254 +bara> > it not in vain <08414 +tohuw > , he formed <03335 +yatsar > it to be inhabited <03427 +yashab > : I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > ; and [there is] none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > .

05750 ISA 045 021 Tell <05046 +nagad > ye , and bring <05066 +nagash > [them] near <05066 +nagash > ; yea <00637 +>aph > , let them take counsel <03289 +ya<ats > together <03162 +yachad > : who <04310 +miy > hath declared <05046 +nagad > this <02063 +zo>th > from ancient <06924 +qedem > time ? [who] hath told <05046 +nagad > it from that time <00227 +>az > ? [have] not I the LORD <03068 +Y@hovah > ? and [there is] no <00369 +>ayin > God <00430 +>elohiyim > else <{05750} +<owd > beside <01107 +bil<adey > me ; a just <06662 +tsaddiyq > God <00410 +>el > and a Saviour <03467 +yasha< > ; [there is] none <00369 +>ayin > beside <02108 +zuwlah > me .

05750 ISA 045 022 Look <06437 +panah > unto me , and be ye saved <03467 +yasha< > , all the ends <00657 +>ephec > of the earth <00776 +>erets > : for I [am] God <00410 +>el > , and [there is] none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > .

05750 ISA 046 009 Remember <02142 +zakar > the former <07223 +ri>shown > things of old <05769 +<owlam > : for I [am] God <00410 +>el > , and [there is] none <00369 +>ayin > else <{05750} +<owd > ; [I am] God <00430 +>elohiyim > , and [there is] none <00657 +>ephec > like <03644 +k@mow > me ,

05750 ISA 047 008 Therefore hear <08085 +shama< > now <06258 +<attah > this <02063 +zo>th > , [thou that art] given to pleasures <05719 +<adiyn > , that dwellest <03427 +yashab > carelessly <00983 +betach > , that sayest <00559 +>amar > in thine heart <03824 +lebab > , I [am] , and none <00657 +>ephec > else <{05750} +<owd > beside <00657 +>ephec > me ; I shall not sit <03427 +yashab > [as] a widow <00490 +>almanah > , neither <03808 +lo> > shall I know <03045 +yada< > the loss <07921

+shakol > of children :

05750 ISA 047 010 For thou hast trusted <00982 +batach > in thy wickedness <07451 +ra< > : thou hast said <00559 +>amar > , None <00369 +>ayin > seeth <07200 +ra>ah > me . Thy wisdom <02451 +chokmah > and thy knowledge <01847 +da<ath > , it hath perverted <07725 +shuwb > thee ; and thou hast said <00559 +>amar > in thine heart <03820 +leb > , I [am] , and none <00657 +>ephec > else <{05750} +<owd > beside <00657 +>ephec > me .

05750 ISA 049 020 The children <01121 +ben > which thou shalt have , after thou hast lost <07923 +shikkuliyim > the other , shall say <00559 +>amar > again <{05750} +<owd > in thine ears <00241 +>ozen > , The place <04725 +maqowm > [is] too strait <06862 +tsar > for me : give <05066 +nagash > place <04725 +maqowm > to me that I may dwell <03427 +yashab > .

05750 ISA 051 022 Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > thy Lord <00113 +>adown > the LORD <03068 +Y@hovah > , and thy God <00430 +>elohiyim > [that] pleadeth <07378 +riyb > the cause of his people <05971 +<am > , Behold <02009 +hinneh > , I have taken <03947 +laqach > out of thine hand <03027 +yad > the cup <03563 +kowc > of trembling <08653 +tar<elah > , [even] the dregs <06907 +qubba<ath > of the cup <03563 +kowc > of my fury <02534 +chemah > ; thou shalt no <03808 +lo> > more <03254 +yacaph > drink <08354 +shathah > it again <{05750} +<owd > :

05750 ISA 054 004 Fear <03372 +yare> > not ; for thou shalt not be ashamed <00954 +buwsh > : neither <00408 +>al > be thou confounded <03637 +kalam > ; for thou shalt not be put to shame <02659 +chapher > : for thou shalt forget <07911 +shakach > the shame <01322 +bosheth > of thy youth <05934 +<aluum > , and shalt not remember <02142 +zakar > the reproach <02781 +cherpah > of thy widowhood <00491 +>almanuwth > any more <{05750} +<owd > > .

05750 ISA 054 009 For this <02063 +zo>th > [is as] the waters <04325 +mayim > of Noah <05146 +Noach > unto me : for [as] I have sworn <07650 +shaba< > that the waters <04325 +mayim > of Noah <05146 +Noach > should no more <{05750} +<owd > go <05674 +<abar > over <05674 +<abar > the earth <00776 +>erets > ; so <03651 +ken > have I sworn <07650 +shaba< > that I would not be wroth <07107 +qatsaph > with thee , nor rebuke <01605 +ga<ar > thee .

05750 ISA 056 008 The Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > which gathereth <06908 +qabats > the outcasts <01760 +dachah > of Israel <03478 +Yisra<el > saith <05002 +n@>um > , Yet <{05750} +<owd > will I gather <06908 +qabats > [others] to him , beside those that are gathered <06908 +qabats > unto him .

05750 ISA 060 018 Violence <02555 +chamac > shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > be heard <08085 +shama< > in thy land <00776 +>erets > , wasting <07701 +shod > nor destruction <07667 +sheber > within thy borders <01366 +g@buwl > ; but thou shalt call <07121 +qara> > thy walls <02346 +chowmah > Salvation <03444 +y@shuw<ah > , and thy gates <08179 +sha<ar > Praise <08416 +t@hillah > .

05750 ISA 060 019 The sun <08121 +shemesh > shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > thy light <00216 +>owr > by day <03117 +yowm > ; neither <03808 +lo> > for brightness <05051 +nogahh > shall the moon <03394 +yareach > give light <00216 +>owr > unto thee : but the LORD <03068 +Y@hovah > shall be unto thee an everlasting <05769 +<owlam > light <00216 +>owr > , and

thy God <00430 +>elohiy m > thy glory <08597 +tiph>arah > .

05750 ISA 060 020 Thy sun <08121 +shemesh > shall no <03808 +lo>
> more <{05750} +<owd > go <00935 +bow> > down ; nei ther <03808
+lo> > shall thy moon <03391 +yerach > wi thdraw <00622 +>acaph >
itself : for the LORD <03068 +Y@hovah > shall be thine
everlasting <05769 +<owlam > light <00216 +>owr > , and the days
<03117 +yowm > of thy mourning <60> shall be ended <07999
+shalam > .

05750 ISA 062 004 Thou shalt no <03808 +lo> > more <05750 +<owd
> be termed <00559 +>amar > Forsaken <05800 +<azab > ; nei ther
<03808 +lo> > shall thy land <00776 +>erets > any more <{05750}
+<owd > be termed <00559 +>amar > Desolate <08077 +sh@mamah > :
but thou shalt be called <07121 +qara> > Hephzi bah <02657
+Chephtsiy bahh > , and thy land <00776 +>erets > Beulah <01166
+ba<al > : for the LORD <03068 +Y@hovah > delighteth <02654
+chaphets > in thee , and thy land <00776 +>erets > shall be
married <01166 +ba<al > .

05750 ISA 062 004 Thou shalt no <03808 +lo> > more <{05750}
+<owd > be termed <00559 +>amar > Forsaken <05800 +<azab > ;
nei ther <03808 +lo> > shall thy land <00776 +>erets > any more
<05750 +<owd > be termed <00559 +>amar > Desolate <08077
+sh@mamah > : but thou shalt be called <07121 +qara> > Hephzi bah
<02657 +Chephtsiy bahh > , and thy land <00776 +>erets > Beulah
<01166 +ba<al > : for the LORD <03068 +Y@hovah > delighteth
<02654 +chaphets > in thee , and thy land <00776 +>erets > shall
be married <01166 +ba<al > .

05750 ISA 065 019 And I will rejoice <01523 +giyl > in Jerusale m
<03389 +Y@ruwshalaim > , and joy <07796 +Sowreq > in my people
<05971 +<am > : and the voice <06963 +qowl > of weeping <01065
+B@kiy > shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > heard
<08085 +shama< > in her , nor the voice <06963 +qowl > of crying
<02201 +za<aq > .

05750 ISA 065 020 There shall be no <03808 +lo> > more <{05750}
+<owd > thence <08033 +sham > an infant <05764 +<uwl > of days
<03117 +yowm > , nor an old <02205 +zaqen > man that hath not
filled <04390 +male> > his days <03117 +yowm > : for the child
<05288 +na<ar > shall die <04191 +muwth > an hundred <03967
+me>ah > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > ; but the
sinner <02398 +chata> > [being] an hundred <03967 +me>ah >
years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > shall be accursed
<07043 +qalal > .

05750 ISA 065 024 And it shall come <01961 +hayah > to pass ,
that before <02962 +terem > they call <07121 +qara> > , I will
answer <06030 +<anah > ; and while they are yet <{05750} +<owd >
speaking <01696 +dabar > , I will hear <08085 +shama< > .

05750 JER 002 009 . Wherefore <03651 +ken > I will yet <{05750}
+<owd > plead <07378 +riyb > with you , saith <05002 +n@>um >
the LORD <03068 +Y@hovah > , and wi th your children s <01121
+ben > children <01121 +ben > will I plead <07378 +riyb > .

05750 JER 002 031 O generation <01755 +dowr > , see <07200
+ra>ah > ye the word <01697 +dabar > of the LORD <03068 +Y@hovah
> . Have I been <01961 +hayah > a wil derness <04057 +midbar >
unto Israel <03478 +Yisra>el > ? a land <00776 +>erets > of
darkness <03991 +ma>phel@yah > ? wherefore <04069 +madduwa< >
say <00559 +>amar > my people <05971 +<am > , We are lords
<07300 +ruwd > ; we will come <00935 +bow> > no <03808 +lo> >
more <{05750} +<owd > unto thee ?

05750 JER 003 001 . They say <00559 +>amar > , If a man <00376 +>iysh > put <07971 +shalach > away his wi fe <00802 +>ishshah > , and she go <01980 +halak > from him , and become <01961 +hayah > another <00312 +>acher > man s <00376 +>iysh > , shall he return <07725 +shuwb > unto her again <{05750} +<owd > ? shall not that land <00776 +>erets > be greatly polluted <02610 +chaneph > ? but thou hast played the harlot <02181 +zanah > with many <07227 +rab > lovers <07453 +rea< > ; yet return <07725 +shuwb > again to me , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 JER 003 016 And it shall come <01961 +hayah > to pass , when <03588 +kiy > ye be multiplied <07235 +rabah > and increased <06509 +parah > in the land <00776 +>erets > , in those <01992 +hem > days <03117 +yowm > , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > , they shall say <00559 +>amar > no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > , The ark <00727 +>arown > of the covenant <01285 +b@riyth > of the LORD <03068 +Y@hovah > : neither <03808 +lo> > shall it come <05927 +<alah > to mind <03820 +leb > : neither <03808 +lo> > shall they remember <02142 +zakar > it ; neither <03808 +lo> > shall they visit <06485 +paqad > [it] ; neither <03808 +lo> > shall [that] be done <06213 +<asah > any more <{05750} +<owd > .

05750 JER 003 016 And it shall come <01961 +hayah > to pass , when <03588 +kiy > ye be multiplied <07235 +rabah > and increased <06509 +parah > in the land <00776 +>erets > , in those <01992 +hem > days <03117 +yowm > , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > , they shall say <00559 +>amar > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > , The ark <00727 +>arown > of the covenant <01285 +b@riyth > of the LORD <03068 +Y@hovah > : neither <03808 +lo> > shall it come <05927 +<alah > to mind <03820 +leb > : neither <03808 +lo> > shall they remember <02142 +zakar > it ; neither <03808 +lo> > shall they visit <06485 +paqad > [it] ; neither <03808 +lo> > shall [that] be done <06213 +<asah > any more <05750 +<owd > .

05750 JER 003 017 At that time <06256 +<eth > they shall call <07121 +qara> > Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > the throne <03678 +kicce> > of the LORD <03068 +Y@hovah > ; and all <03605 +kol > the nations <01471 +gowy > shall be gathered <06960 +qavah > unto it , to the name <08034 +shem > of the LORD <03068 +Y@hovah > , to Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > : neither <03808 +lo> > shall they walk <03212 +yalak > any more <{05750} +<owd > after <00310 +>achar > the imagination <08307 +sh@riyruwth > of their evil <07451 +ra< > heart <03820 +leb > .

05750 JER 007 032 Therefore <03651 +ken > , behold <02009 +hinneh > , the days <03117 +yowm > come <00935 +bow> > , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > , that it shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > be called <00559 +>amar > Tophet <08612 +Topheth > , nor the valley <01516 +gay> > of the son <01121 +ben > of Hinnom <02011 +Hinnom > , but the valley <01516 +gay> > of slaughter <02028 +haregah > : for they shall bury <06912 +qabar > in Tophet <08612 +Topheth > , till there be no <00369 +>ayin > place <04725 +maqom > .

05750 JER 010 020 My tabernacle <00168 +>ohel > is spoiled <07703 +shadad > , and all <03605 +kol > my cords <04340 +meythar > are broken <05423 +nathaq > : my children <01121 +ben > are gone <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > of me , and they [are] not : [there is] none <00369 +>ayin > to stretch <05186 +natah > forth my tent <00168 +>ohel > any more <{05750} +<owd > , and to set <06965 +quwm > up my curtains <03407 +y@riy<ah > .

05750 JER 011 019 But I [was] like a lamb <03532 +kebes > [or] an ox <00441 +>alluwph > [that] is brought <02986 +yabal > to the slaughter <02873 +tabach > ; and I knew <03045 +yada< > not that they had devised <02803 +chashab > devices <04284 +machashabah > against <05921 +<al > me , [saying] , Let us destroy <07843 +shachath > the tree <06086 +<ets > with the fruit <03899 +lechem > thereof , and let us cut <03772 +karath > him off from the land <00776 +>erets > of the living <02416 +chay > , that his name <08034 +shem > may be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > remembered <02142 +zakar > .

05750 JER 013 027 I have seen <07200 +ra>ah > thine adulteries <05004 +ni>uph > , and thy neighings <04684 +matshalah > , the lewdness <02154 +zimmah > of thy whoredom <02184 +z@nuwth > , [and] thine abominations <08251 +shiqquwts > on <05921 +<al > the hills <01389 +gib<ah > in the fields <07704 +sadeh > . Woe <00188 +>owy > unto thee , O Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > ! wilt thou not be made clean <02891 +tahir > ? when [shall it] once <{05750} +<owd > [be] ?

05750 JER 015 009 She that hath borne <03205 +yalad > seven <07651 +sheba< > languisheth <00535 +>amal > : she hath given <05301 +naphach > up the ghost <05315 +nephesh > ; her sun <08121 +shemesh > is gone <00935 +bow> > down while [it was] yet <{05750} +<owd > day <03119 +yowmam > : she hath been <01961 +hayah > ashamed <00954 +buwsh > and confounded <02659 +chapher > : and the residue <07611 +sh@>eriyth > of them will I deliver <05414 +nathan > to the sword <02719 +chereb > before <06440 +paniyim > their enemies <00341 +>oyeb > , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 JER 016 014 . Therefore <03651 +ken > , behold <02009 +hinneh > , the days <03117 +yowm > come <00935 +bow> > , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > , that it shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > be said <00559 +>amar > , The LORD <03068 +Y@hovah > liveth <02416 +chay > , that brought <05927 +<alah > up the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > out of the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mi tsrayim > ;

05750 JER 019 006 Therefore <03651 +ken > , behold <02009 +hinneh > , the days <03117 +yowm > come <00935 +bow> > , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > , that this <02088 +zeh > place <04725 +maqom > shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > be called <07121 +qara> > Tophet <08612 +Topheth > , nor The valley <01516 +gay> > of the son <01121 +ben > of Hinnom <02011 +Hin nom > , but The valley <01516 +gay> > of slaughter <02028 +haregah > .

05750 JER 019 011 And shalt say <00559 +>amar > unto them , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > ; Even <03602 +kakah > so <03602 +kakah > will I break <07665 +shabar > this <02088 +zeh > people <05971 +<am > and this <02063 +zo>th > city <05892 +<iyr > , as [one] breaketh <07665 +shabar > a potter s <03335 +yatsar > vessel <03627 +k@liy > , that cannot be made <07495 +rapha> > whole <07495 +rapha> > again <{05750} +<owd > : and they shall bury <06912 +qabar > [them] in Tophet <08612 +Topheth > , till [there be] no <00369 +>ayin > place <04725 +maqom > to bury <06912 +qabar > .

05750 JER 020 009 Then I said <00559 +>amar > , I will not make mention <02142 +zakar > of him , nor <03808 +lo> > speak <01696 +dabar > any more <{05750} +<owd > in his name <08034 +shem > . But [his word] was in mine heart <03820 +leb > as a burning <01197 +ba<ar > fire <00784 +>esh > shut <06113 +<atsar > up in

my bones <06106 +etsem > , and I was weary <03811 +la>ah > with
 forbearing <03557 +kuwl > , and I could <03201 +yakol > not [
 stay] .

05750 JER 022 010 . Weep <01058 +bakah > ye not for the dead
 <04191 +muwth > , neither <00408 +>al > bemoan <05110 +nuwd >
 him : [but] weep <01058 +bakah > sore for him that goeth
 <01980 +halak > away : for he shall return <07725 +shuwb > no
 <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > , nor see <07200 +ra>ah >
 his native <04138 +mowledeth > country <00776 +>erets > .

05750 JER 022 011 For thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar >
 the LORD <03068 +Y@hovah > touching <00413 +>el > Shallum <07967
 +Shallumm > the son <01121 +ben > of Josiah <02977 +Yo>shiyah >
 king <04428 +melek > of Judah <03063 +Y@huwdah > , which reigned
 <04427 +malak > instead <08478 +tachath > of Josiah <02977
 +Yo>shiyah > his father <1> , which <00834 +>aher > went <03318
 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > out of this <02088 +zeh > place
 <04725 +maqowm > ; He shall not return <07725 +shuwb > thither
 <08033 +sham > any more <{05750} +<owd > :

05750 JER 022 012 But he shall die <04191 +muwth > in the place
 <04725 +maqowm > whither they have led him captive <01540 +galah
 > , and shall see <07200 +ra>ah > this <02063 +zo>th > land
 <00776 +>erets > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > .

05750 JER 022 030 Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the
 LORD <03068 +Y@hovah > , Write <03789 +kathab > ye this <02088
 +zeh > man <00376 +>iysh > childless <06185 +<ariyriy > , a man
 <01397 +geber > [that] shall not prosper <06743 +tsalach > in
 his days <03117 +yowm > : for no <03808 +lo> > man <00376 +>iysh
 > of his seed <02233 +zera< > shall prosper <06743 +tsalach > ,
 sitting <03427 +yashab > upon the throne <03678 +kicce> > of
 David <01732 +David > , and ruling <04910 +mashal > any more
 <{05750} +<owd > in Judah <03063 +Y@huwdah > .

05750 JER 023 004 And I will set <06965 +quwm > up shepherds
 <07462 +ra<ah > over <05921 +<al > them which shall feed <07462
 +ra<ah > them : and they shall fear <03372 +yare> > no <03808
 +lo> > more <{05750} +<owd > , nor <03808 +lo> > be dismayed
 <02865 +chathath > , neither <03808 +lo> > shall they be lacking
 <06485 +paqad > , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah
 > .

05750 JER 023 007 Therefore <03651 +ken > , behold <02009
 +hinneh > , the days <03117 +yowm > come <00935 +bow> > , saith
 <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > , that they shall no
 <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > say <00559 +>amar > , The
 LORD <03068 +Y@hovah > liveth <02416 +chay > , which <00834
 +>aher > brought <05927 +<alah > up the children <01121 +ben >
 of Israel <03478 +Yisra>el > out of the land <00776 +>erets > of
 Egypt <04714 +Mi tsrayim > ;

05750 JER 023 036 And the burden <04853 +massa> > of the LORD
 <03068 +Y@hovah > shall ye mention <02142 +zakar > no <03808
 +lo> > more <{05750} +<owd > : for every man s <00376 +>iysh >
 word <01697 +dabar > shall be his burden <04853 +massa> > ; for
 ye have perverted <02015 +haphak > the words <01697 +dabar > of
 the living <02416 +chay > God <00430 +>elohiy m > , of the LORD
 <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > our God <00430
 +>elohiy m > .

05750 JER 028 003 Within <{05750} +<owd > two full <03117 +yowm
 > years <08141 +shaneh > will I bring <07725 +shuwb > again
 <07725 +shuwb > into this <02008 +hennah > place <04725 +maqowm
 > all <03605 +kol > the vessels <03627 +k@liy > of the LORD S
 12/8/2021

<03068 +Y@hovah > house <01004 +bayi th > , that Nebuchadnezzar
<05019 +N@buwkadne>tstsar > king <04428 +melek > of Babyl on
<00894 +Babel > took <03947 +laqach > away from this <02008
+hennah > place <04725 +maqomw > , and carried <00935 +bow >
them to Babylon <00894 +Babel > :

05750 JER 028 011 And Hanani ah <02608 +Chananyah > spake <00559
+>amar > in the presence <05869 +<ayin > of all <03605 +kol >
the people <05971 +<am > , saying <00559 +>amar > , Thus <03602
+kakah > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > ; Even
<03602 +kakah > so <03602 +kakah > will I break <07665 +shabar >
the yoke <05923 + of Nebuchadnezzar <05019
+N@buwkadne>tstsar > king <04428 +melek > of Babyl on <00894
+Babel > from the neck <06677 +tsavva>r > of all <03605 +kol >
nations <01471 +gowy > within <05750 +<owd > the space <{05750}
+<owd > of two full <03117 +yowm > years <08141 +shaneh > . And
the prophet <05030 +nabiy> > Jeremiah <03414 +Yirm@yah > went
<03212 +yalak > hi s way <01870 +derek > .

05750 JER 028 011 And Hanani ah <02608 +Chananyah > spake <00559
+>amar > in the presence <05869 +<ayin > of all <03605 +kol >
the people <05971 +<am > , saying <00559 +>amar > , Thus <03602
+kakah > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > ; Even
<03602 +kakah > so <03602 +kakah > will I break <07665 +shabar >
the yoke <05923 + of Nebuchadnezzar <05019
+N@buwkadne>tstsar > king <04428 +melek > of Babyl on <00894
+Babel > from the neck <06677 +tsavva>r > of all <03605 +kol >
nations <01471 +gowy > within <{05750} +<owd > the space <05750
+<owd > of two full <03117 +yowm > years <08141 +shaneh > . And
the prophet <05030 +nabiy> > Jeremiah <03414 +Yirm@yah > went
<03212 +yalak > hi s way <01870 +derek > .

05750 JER 030 008 For it shall come <01961 +hayah > to pass in
that day <03117 +yowm > , saith <05002 +n@um > the LORD <03068
+Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > , [that] I will break
<07665 +shabar > hi s yoke <05923 + from off <05921 +<al >
thy neck <06677 +tsavva>r > , and will burst <05423 +nathaq >
thy bonds <04147 +mowcer > , and strangers <02114 +zuwr > shall
no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > serve <05647 +<abad >
themselves of him :

05750 JER 031 004 Again <05750 +<owd > I will build <01129
+banah > thee , and thou shalt be built <01129 +banah > , O
virgin <01330 +b@thuwlah > of Israel <03478 +Yisra>el > : thou
shalt again <{05750} +<owd > be adorned <05710 +<adah > with thy
tabrets <08596 +toph > , and shalt go <03318 +yatsa> > forth
<03318 +yatsa> > in the dances of them that make merry <07832
+sachaq > .

05750 JER 031 004 Again <{05750} +<owd > I will build <01129
+banah > thee , and thou shalt be built <01129 +banah > , O
virgin <01330 +b@thuwlah > of Israel <03478 +Yisra>el > : thou
shalt again <05750 +<owd > be adorned <05710 +<adah > with thy
tabrets <08596 +toph > , and shalt go <03318 +yatsa> > forth
<03318 +yatsa> > in the dances of them that make merry <07832
+sachaq > .

05750 JER 031 005 Thou shalt yet <{05750} +<owd > plant <05193
+nata< > vines <03754 +kerem > upon the mountains <02022 +har >
of Samaria <08111 +Shom@rown > : the planters <05193 +nata< >
shall plant <05193 +nata< > , and shall eat [them] as common
<02490 +chalal > things .

05750 JER 031 020 [Is] Ephraim <00669 +>Ephrayim > my dear
<03357 +yaqqiy r > son <01121 +ben > ? [is he] a pleasant
<08191 +sha<shua< > child <03205 +yalad > ? for since <01767

+day > I spake <01696 +dabar > against him , I do earnestly remember <02142 +zakar > him still <{05750} +<owd > : therefore my bowels <04578 +me<ah > are troubled <01993 +hamah > for him ; I will surely have mercy <07355 +racham > upon him , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 JER 031 023 Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > , the God <00430 +>elohiyim > of Israel <03478 +Yisra>el > ; As yet <{05750} +<owd > they shall use <00559 +>amar > this <02088 +zeh > speech <01697 +dabar > in the land <00776 +>erets > of Judah <03063 +Y@huvwah > and in the cities <05892 +<iyr > thereof , when I shall bring <07725 +shuwb > again <07725 +shuwb > their captivity <07622 +sh@buwth > ; The LORD <03068 +Y@hovah > bless <01288 +barak > thee , O habitation <05116 +naveh > of justice <06664 +tsedeq > , [and] mountain <02022 +har > of holiness <06944 +qodesh > .

05750 JER 031 029 In those <01992 +hem > days <03117 +yowm > they shall say <00559 +>amar > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > , The fathers <1> have eaten <00398 +>akal > a sour <01155 +bocer > grape <01155 +bocer > , and the children s <01121 +ben > teeth <08127 +shen > are set on edge <06949 +qahah > .

05750 JER 031 034 And they shall teach <03925 +lamad > no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > every man <00376 +>iysh > his neighbour <07453 +rea< > , and every man <00376 +>iysh > his brother <00251 +>ach > , saying <00559 +>amar > , Know <03045 +yada< > the LORD <03068 +Y@hovah > : for they shall all <03605 +kol > know <03045 +yada< > me , from the least <06996 +qatan > of them unto the greatest <01419 +gadawl > of them , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > : for I will forgive <05545 +calach > their iniquity <05771 +<avon > , and I will remember <02142 +zakar > their sin <02403 +chatta>ah > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > .

05750 JER 031 034 And they shall teach <03925 +lamad > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > every man <00376 +>iysh > his neighbour <07453 +rea< > , and every man <00376 +>iysh > his brother <00251 +>ach > , saying <00559 +>amar > , Know <03045 +yada< > the LORD <03068 +Y@hovah > : for they shall all <03605 +kol > know <03045 +yada< > me , from the least <06996 +qatan > of them unto the greatest <01419 +gadawl > of them , saith <05002 +n@>um > the LORD <03068 +Y@hovah > : for I will forgive <05545 +calach > their iniquity <05771 +<avon > , and I will remember <02142 +zakar > their sin <02403 +chatta>ah > no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > .

05750 JER 031 039 And the measuring <04060 +middah > line <06957 +qav > shall yet <{05750} +<owd > go <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > over <05048 +neged > against <05048 +neged > it upon the hill <01389 +gib<ah > Gareb <01619 +Gareb > , and shall compass <05437 +cabab > about to Goath <01601 +Go<ah > .

05750 JER 031 040 And the whole <03605 +kol > valley <06010 +<emeq > of the dead <06297 +peger > bodies <06297 +peger > , and of the ashes <01880 +deshen > , and all <03605 +kol > the fields <08309 +sh@remah > unto the brook <05158 +nachal > of Kidron <06939 +Qidrown > , unto the corner <06438 +pinnah > of the horse <05483 +cuwc > gate <08179 +sha<ar > toward the east <04217 +mizrach > , [shall be] holy <06944 +qodesh > unto the LORD <03068 +Y@hovah > ; it shall not be plucked <05428 +nathash > up , nor <03808 +lo> > thrown <02040 +harac > down <02040 +harac > any more <{05750} +<owd > for ever <05769 +<owlam > .

05750 JER 032 015 For thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > , the God <00430 +>elohiym > of Israel <03478 +Yisra>el > ; Houses <01004 +bayi th > and fields <07704 +sadeh > and vineyards <03754 +kerem > shall be possessed <07069 +qanah > again <{05750} +<owd > in this <02063 +zo>th > land <00776 +>erets > .

05750 JER 033 001 . Moreover the word <01697 +dabar > of the LORD <03068 +Y@hovah > came <01961 +hayah > unto Jeremiah <03414 +Yirm@yah > the second <08145 +sheniy > time , while he was yet <{05750} +<owd > shut <06113 +<atsar > up in the court <02691 +chatser > of the prison <04307 +mattara> > , saying <00559 +>amar > ,

05750 JER 033 010 . Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > ; Again <{05750} +<owd > there shall be heard <08085 +shama< > in this <02088 +zeh > place <04725 +maqowm > , which <00834 +>aher > ye say <00559 +>amar > [shall be] desolate <02717 +charab > without <00369 +>ayin > man <00120 +>adam > and without <00369 +>ayin > beast <00929 +b@hemah > , [even] in the cities <05892 +<iyr > of Judah <03063 +Y@huwdah > , and in the streets <02351 +chuwts > of Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > , that are desolate <08074 +shamem > , without <00369 +>ayin > man <00120 +>adam > , and without <00369 +>ayin > inhabitant <03427 +yashab > , and without <00369 +>ayin > beast <00929 +b@hemah > ,

05750 JER 033 012 Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > ; Again <{05750} +<owd > in this <02088 +zeh > place <04725 +maqowm > , which is desolate <02717 +charab > without man <00120 +>adam > and without beast <00929 +b@hemah > , and in all <03605 +kol > the cities <05892 +<iyr > thereof , shall be an habitation <05116 +naveh > of shepherds <07462 +ra<ah > causing [their] flocks <06629 +tso>n > to lie <07257 +rabats > down <07901 +shakab > .

05750 JER 033 013 In the cities <05892 +<iyr > of the mountains <02022 +har > , in the cities <05892 +<iyr > of the vale <08219 +sh@phelah > , and in the cities <05892 +<iyr > of the south <05045 +negeb > , and in the land <00776 +>erets > of Benjamin <01144 +Binyamiyn > , and in the places about <05439 +cabi yb > Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > , and in the cities <05892 +<iyr > of Judah <03063 +Y@huwdah > , shall the flocks <06629 +tso>n > pass <05674 +<abar > again <{05750} +<owd > under <05921 +<al > the hands <03027 +yad > of him that telleth <04487 +manah > [them] , saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 JER 033 024 Considerest <07200 +ra>ah > thou not what <04100 +mah > this <02088 +zeh > people <05971 +<am > have spoken <01696 +dabar > , saying <00559 +>amar > , The two <08147 +sh@nayim > families <04940 +mi shpachah > which <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > hath chosen <00977 +bachar > , he hath even cast <03988 +ma>ac > them off ? thus they have despised <05006 +na>ats > my people <05971 +<am > , that they should be no more <{05750} +<owd > a nation <01471 +gowy > before <06440 +paniym > them .

05750 JER 034 010 Now when all <03605 +kol > the princes <08269 +sar > , and all <03605 +kol > the people <05971 +<am > , which <00834 +>aher > had entered <00935 +bow> > into the covenant <01285 +b@riyth > , heard <08085 +shama< > that every <00376 +>iysh > one <00376 +>iysh > should let his manservant <05650 +<ebed > , and every <00376 +>iysh > one <00376 +>iysh > his maidservant <08198 +shipchah > , go <07971 +shalach > free

<02670 +chophshiy > , that none <01115 +biltiy > should serve
 <05647 +<abad > themselves of them any more <{05750} +<owd > ,
 then they obeyed <08085 +shama< > , and let [them] go <07971
 +shal ach > .

05750 JER 036 032 Then took <03947 +laqach > Jeremiah <03414
 +Yirm@yah > another <00312 +>acher > roll <04039 +m@gillah > ,
 and gave <05414 +nathan > it to Baruch <01263 +Baruwk > the
 scribe <05608 +caphar > , the son <01121 +ben > of Neriah <05374
 +Neriyah > ; who wrote <03789 +kathab > therein <05921 +<al >
 from the mouth <06310 +peh > of Jeremiah <03414 +Yirm@yah > all
 <03605 +kol > the words <01697 +dabar > of the book <05612
 +cepher > which <00834 +>aher > Jehoi akim <03079 +Y@howyaqi ym >
 king <04428 +melek > of Judah <03063 +Y@huwdah > had burned
 <08313 +saraph > in the fire <00784 +>esh > : and there were
 added <03254 +yacaph > besides <{05750} +<owd > unto them many
 <07227 +rab > like <01922 +hadar > words <01697 +dabar > .

05750 JER 038 009 My Lord <00113 +>adown > the king <04428
 +melek > , these <00428 +>el - leh > men <00582 +>enowsh > have
 done evil <07489 +ra<a< > in all <03605 +kol > that they have
 done <06213 +<asah > to Jeremiah <03414 +Yirm@yah > the prophet
 <05030 +nabiy> > , whom they have cast <07933 +sheken > into
 <00413 +>el > the dungeon <00953 +bowr > ; and he is like to die
 <04191 +muwth > for hunger <07457 +ra<eb > in the place <08478
 +tachath > where <08478 +tachath > he is : for [there is] no
 <00369 +>ayin > more <{05750} +<owd > bread <03899 +lechem > in
 the city <05892 +<iyr > .

05750 JER 040 005 Now while he was not yet <{05750} +<owd > gone
 <07725 +shuwb > back <07725 +shuwb > , [he said] , Go <07725
 +shuwb > back <07725 +shuwb > also to Gedaliah <01436 +G@dalyah
 > the son <01121 +ben > of Ahikam <00296 +>Achi yqam > the son
 <01121 +ben > of Shaphan <08227 +shaphan > , whom <00834 +>aher
 > the king <04428 +melek > of Babylon <00894 +Babel > hath made
 governor <06485 +paqad > over the cities <05892 +<iyr > of Judah
 <03063 +Y@huwdah > , and dwell <03427 +yashab > with him among
 <08432 +tavek > the people <05971 +<am > : or <00176 +>ow > go
 <03212 +yalak > wheresoever it seemeth <05869 +<ayin >
 convenient <03477 +yashar > unto thee to go <03212 +yalak > . So
 the captain <07227 +rab > of the guard <02876 +tabbach > gave
 <05414 +nathan > him victuals <00737 +>aruchah > and a reward
 <04864 +mas>eth > , and let him go <07971 +shalach > .

05750 JER 042 018 For thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar >
 the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > , the God
 <00430 +>el ohi ym > of Israel <03478 +Yisra>el > ; As mine anger
 <00639 +>aph > and my fury <02534 +chemah > hath been poured
 <05413 +nathak > forth upon the inhabitants <03427 +yashab > of
 Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > ; so <03651 +ken > shall my
 fury <02534 +chemah > be poured <05413 +nathak > forth upon you ,
 when ye shall enter <00935 +bow> > into <00935 +bow> > Egypt
 <04714 +Mitsrayim > : and ye shall be an execration <00423
 +>alah > , and an astonishment <08047 +shammah > , and a curse
 <07045 +q@lalah > , and a reproach <02781 +cherpah > ; and ye
 shall see <07200 +ra>ah > this <02088 +zeh > place <04725
 +maqowm > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > .

05750 JER 044 022 So that the LORD <03068 +Y@hovah > could
 <03201 +yakol > no <03808 +lo> > longer <{05750} +<owd > bear
 <05375 +nasa> > , because <06440 +paniyim > of the evil <07455
 +roa< > of your doings <04611 +ma<alal > , [and] because
 <06440 +paniyim > of the abominations <08441 +tow<ebah > which
 <00834 +>aher > ye have committed <06213 +<asah > ; therefore is
 your land <00776 +>erets > a desolation <02723 +chorbah > , and
 an astonishment <08047 +shammah > , and a curse <07045 +q@lalah

> , without <00369 +>ayin > an inhabitant <03427 +yashab > , as at this <02088 +zeh > day <03117 +yowm > .

05750 JER 044 026 Therefore <03651 +ken > hear <08085 +shama< > ye the word <01697 +dabar > of the LORD <03068 +Y@hovah > , all <03605 +kol > Judah <03063 +Y@huwdah > that dwell <03427 +yashab > in the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > ; Behold <02005 +hen > , I have sworn <07650 +shaba< > by my great <01419 +gadowl > name <08034 +shem > , saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > , that my name <08034 +shem > shall no <00518 +>im > more <{05750} +<owd > be named <07121 +qara> > in the mouth <06310 +peh > of any <03605 +kol > man <00376 +>iysh > of Judah <03063 +Y@huwdah > in all <03605 +kol > the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , saying <00559 +>amar > , The Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > liveth <02416 +chay > .

05750 JER 048 002 [There shall be] no <00369 +>ayin > more <{05750} +<owd > praise <08416 +t@hillah > of Moab <04124 +Mow>ab > : in Heshbon <02809 +Cheshbown > they have devised <02803 +chashab > evil <07451 +ra< > against <05921 +<al > it > ; come <03212 +yalak > , and let us cut <03772 +karath > it off from [being] a nation <01471 +gowy > . Also <01571 +gam > thou shalt be cut <01826 +damam > down , O Madmen <04086 +Madmen > ; the sword <02719 +chereb > shall pursue <03212 +yalak > thee .

05750 JER 049 007 . Concerning Edom <00123 +>Edom > , thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > ; [Is] wisdom <02451 +chokmah > no <00369 +>ayin > more <{05750} +<owd > in Teman <08487 +Teyman > ? is counsel <06098 +<etsah > perished <6> from the prudent <00995 +biyn > ? is their wisdom <02451 +chokmah > vanished <05628 +carach > ?

05750 JER 050 039 Therefore <03651 +ken > the wild <06728 +tsiyiy > beasts <06728 +tsiyiy > of the desert <06728 +tsiyiy > with the wild <00338 +>iy > beasts <00338 +>iy > of the islands <00339 +>iy > shall dwell <03427 +yashab > [there] , and the owls shall dwell <03427 +yashab > therein : and it shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > inhabited <03427 +yashab > for ever <05331 +netsach > ; neither <03808 +lo> > shall it be dwelt <07931 +shakan > in from generation <01755 +dowr > to generation <01755 +dowr > .

05750 JER 051 033 For thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > , the God <00430 +>elohiyim > of Israel <03478 +Yisra>el > ; The daughter <01323 +bath > of Babylon <00894 +Babel > [is] like a threshingfloor <01637 +goren > , [it is] time <06256 +<eth > to thresh <01869 +darak > her : yet <{05750} +<owd > a little <04592 +m@<at > while , and the time <06256 +<eth > of her harvest <07105 +qatsiyir > shall come <00935 +bow> > .

05750 JER 051 044 And I will punish <06485 +paqad > Bel <01078 +Bel > in Babylon <00894 +Babel > , and I will bring <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > out of his mouth <06310 +peh > that which he hath swallowed <01104 +bala< > up : and the nations <01471 +gowy > shall not flow <05102 +nahar > together any more <{05750} +<owd > unto him : yea <01571 +gam > , the wall <02346 +chowmah > of Babylon <00894 +Babel > shall fall <05307 +naphal > .

05750 LAM 004 017 As for us , our eyes <05869 +<ayin > as yet <{05750} +<owd > failed <03615 +kalah > for our vain <01892 +hebel > help <05833 +<ezrah > : in our watching <06822 +tsaphah > we have watched <06822 +tsaphah > for a nation <01471 +gowy >

[that] could not save <03467 +yasha< > [us] .

05750 EZE 005 004 Then take <03947 +laqach > of them again <{05750} +<owd > , and cast <07993 +shalak > them into <00413 +>el > the midst <08432 +tavek > of the fire <00784 +>esh > , and burn <08313 +saraph > them in the fire <00784 +>esh > ; [for] thereof shall a fire <00784 +>esh > come <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > into <00413 +>el > all <03605 +kol > the house <01004 +bayi th > of Israel <03478 +Yi sra>el > .

05750 JOS 005 012 And the manna <04478 +man > ceased <07673 +shabath > on the morrow <04283 +mochorath > after they had eaten <00398 +>akal > of the old <05669 +<abuwr > corn <05669 +<abuwr > of the land <00776 +>erets > ; neither <03808 +lo> > had <01961 +hayah > the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yi sra>el > manna <04478 +man > any more <{05750} +<owd > ; but they did eat <00398 +>akal > of the fruit <08393 +t@buw>ah > of the land <00776 +>erets > of Canaan <03667 +K@na<an > that year <08141 +shaneh > .

05750 EZE 007 013 For the seller <04376 +makar > shall not return <07725 +shuwb > to that which is sold <04465 +mimkar > , although they were yet <{05750} +<owd > alive <02416 +chay > : for the vision <02377 +chazown > [is] touching <00413 +>el > the whole <03605 +kol > multitude <01995 +hamown > thereof , [which] shall not return <07725 +shuwb > ; neither <03808 +lo> > shall any <00376 +>iysh > strengthen <02388 +chazaq > himself in the iniquity <05771 +<avon > of his life <02416 +chay > .

05750 EZE 008 006 He said <00559 +>amar > furthermore unto me , Son <01121 +ben > of man <00120 +>adam > , seest <07200 +ra>ah > thou what <04100 +mah > they do <06213 +<asah > ? [even] the great <01419 +gadowl > abominations <08441 +tow<ebah > that the house <01004 +bayi th > of Israel <03478 +Yi sra>el > committeth <06213 +<asah > here <06311 +poh > , that I should go <07368 +rachaq > far <07368 +rachaq > off from my sanctuary <04720 +mi qdash > ? but turn <07725 +shuwb > thee yet <05750 +<owd > again <{05750} +<owd > , [and] thou shalt see <07200 +ra>ah > greater <01419 +gadowl > abominations <08441 +tow<ebah > .

05750 EZE 008 006 He said <00559 +>amar > furthermore unto me , Son <01121 +ben > of man <00120 +>adam > , seest <07200 +ra>ah > thou what <04100 +mah > they do <06213 +<asah > ? [even] the great <01419 +gadowl > abominations <08441 +tow<ebah > that the house <01004 +bayi th > of Israel <03478 +Yi sra>el > committeth <06213 +<asah > here <06311 +poh > , that I should go <07368 +rachaq > far <07368 +rachaq > off from my sanctuary <04720 +mi qdash > ? but turn <07725 +shuwb > thee yet <{05750} +<owd > again <05750 +<owd > , [and] thou shalt see <07200 +ra>ah > greater <01419 +gadowl > abominations <08441 +tow<ebah > .

05750 EZE 008 013 . He said <00559 +>amar > also unto me , Turn <07725 +shuwb > thee yet <05750 +<owd > again <{05750} +<owd > , [and] thou shalt see <07200 +ra>ah > greater <01419 +gadowl > abominations <08441 +tow<ebah > that they do <06213 +<asah > .

05750 EZE 008 013 . He said <00559 +>amar > also unto me , Turn <07725 +shuwb > thee yet <{05750} +<owd > again <05750 +<owd > , [and] thou shalt see <07200 +ra>ah > greater <01419 +gadowl > abominations <08441 +tow<ebah > that they do <06213 +<asah > .

05750 MIC 006 010 Are there yet <{05750} +<owd > the treasures <00214 +>owtsar > of wickedness <07562 +resha< > in the house <01004 +bayi th > of the wicked <07563 +rasha< > , and the scant <07332 +razown > measure <00374 +>eyphah > [that is] abominable <02194 +za<am > ?

05750 EZE 008 015 Then said <00559 +>amar > he unto me , Hast thou seen <07200 +ra>ah > [this] , O son <01121 +ben > of man <00120 +>adam > ? turn <07725 +shuwb > thee yet <{05750} +<owd > again <05750 +<owd > , [and] thou shalt see <07200 +ra>ah > greater <01419 +gadawl > abominations <08441 +tow<ebah > than these <00428 +>el - leh > .

05750 EZE 012 023 Tell <00559 +>amar > them therefore <03651 +ken > , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > ; I will make this <02088 +zeh > proverb <04912 +mashal > to cease <07673 +shabath > , and they shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > use <04912 +mashal > it as a proverb <04911 +mashal > in Israel <03478 +Yisra>el > ; but say <01696 +dabar > unto them , The days <03117 +yowm > are at <07196 +qishshur > hand <07126 +qarab > , and the effect <01697 +dabar > of every <03605 +kol > vision <02377 +chazown > .

05750 EZE 012 024 For there shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > any vain <07723 +shav> > vision <02377 +chazown > nor flattering <02509 +chalaq > divination <04738 +mi qcam > within <08432 +tavek > the house <01004 +bayi th > of Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 EZE 012 025 For I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > : I will speak <01696 +dabar > , and the word <01697 +dabar > that I shall speak <01696 +dabar > shall come <06213 +<asah > to pass <06213 +<asah > ; it shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > prolonged <04900 +mashak > : for in your days <03117 +yowm > , O rebellious <04805 +m@riy > house <01004 +bayi th > , will I say <01696 +dabar > the word <01697 +dabar > , and will perform <06213 +<asah > it , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > .

05750 EZE 012 028 Therefore <03651 +ken > say <00559 +>amar > unto them , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > ; There shall none <03808 +lo> > of my words <01697 +dabar > be prolonged <04900 +mashak > any <03605 +kol > more <{05750} +<owd > , but the word <01697 +dabar > which <00834 +>aher > I have spoken <01696 +dabar > shall be done <06213 +<asah > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > .

05750 EZE 013 021 Your kerchiefs <04556 +mi cpachath > also will I tear <07167 +qara< > , and deliver <05337 +natsal > my people <05971 +<am > out of your hand <03027 +yad > , and they shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > in your hand <03027 +yad > to be hunted <04686 +matsuwd > ; and ye shall know <03045 +yada< > that I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 EZE 013 023 Therefore <03651 +ken > ye shall see <02372 +chazah > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > vanity <07723 +shav> > , nor <03808 +lo> > divine <07181 +qashab > divinations <07081 +qecem > : for I will deliver <05337 +natsal > my people <05971 +<am > out of your hand <03027 +yad > : and ye shall know <03045 +yada< > that I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 EZE 014 011 That the house <01004 +bayi th > of Israel <03478 +Yisra>el > may go <08582 +ta<ah > no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > astray <08582 +ta<ah > from me , neither <03808 +lo> > be polluted <02930 +tame> > any <03605 +kol > more <{05750} +<owd > with all <03605 +kol > their transgressions <06588 +peshah< > ; but that they may be my people <05971 +<am > , and I may be their God <00430 +>elohiym > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > .

05750 EZE 014 011 That the house <01004 +bayi th > of Israel <03478 +Yisra>el > may go <08582 +ta<ah > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > astray <08582 +ta<ah > from me , neither <03808 +lo> > be polluted <02930 +tame> > any <03605 +kol > more <05750 +<owd > with all <03605 +kol > their transgressions <06588 +peshac > ; but that they may be my people <05971 +<am > , and I may be their God <00430 +>elohiym > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > .

05750 EZE 014 021 For thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > ; How <00637 +>aph > much <00637 +>aph > more <{05750} +<owd > when <03588 +kiy > I send <07971 +shalach > my four <00702 +>arba< > sore <07451 +ra< > judgments <08201 +shephet > upon Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > , the sword <02719 +chereb > , and the famine <07458 +ra<ab > , and the noisome <07451 +ra< > beast <02416 +chay > , and the pestilence <01698 +deber > , to cut <03772 +karath > off from it man <00120 +>adam > and beast <00929 +b@hemah > ?

05750 EZE 016 041 And they shall burn <08313 +saraph > thine houses <01004 +bayi th > with fire <00784 +>esh > , and execute <06213 +<asah > judgments <08201 +shephet > upon thee in the sight <05869 +<ayin > of many <07227 +rab > women <00802 +>ishshah > : and I will cause thee to cease <07673 +shabath > from playing the harlot <02181 +zanah > , and thou also <01571 +gam > shalt give <05414 +nathan > no <03808 +lo> > hire <00868 +>ethnan > any more <{05750} +<owd > .

05750 EZE 016 042 So will I make my fury <02534 +chemah > toward thee to rest <05117 +nuwach > , and my jealousy <07068 +qi n>ah > shall depart <05493 +cuwr > from thee , and I will be quiet <08252 +shaqat > , and will be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > angry <03707 +ka<ac > .

05750 EZE 016 063 That thou mayest remember <02142 +zakar > , and be confounded <00954 +buwsh > , and never <03808 +lo> > open <06610 +pi thchown > thy mouth <06310 +peh > any more <{05750} +<owd > because <06440 +paniym > of thy shame <03639 +k@limmah > , when I am pacified <03722 +kaphar > toward thee for all <03605 +kol > that thou hast done <06213 +<asah > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > .

05750 EZE 018 003 [As] I live <02416 +chay > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > , ye shall not have [occasion] any more <{05750} +<owd > to use <04911 +mashal > this <02088 +zeh > proverb <04911 +mashal > in Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 EZE 019 009 And they put <05414 +nathan > him in ward <05474 +cuwgar > in chains <02397 +chach > , and brought <00935 +bow> > him to the king <04428 +melek > of Babylon <00894 +Babel > : they brought <00935 +bow> > him into holds <04686 +matsuwd > , that his voice <06963 +qowl > should no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > be heard <08085 +shama< > upon the mountains <02022 +har > of Israel <03478 +Yisra>el > .

05750 EZE 020 027 . Therefore <03651 +ken > , son <01121 +ben > of man <00120 +>adam > , speak <01696 +dabar > unto the house <01004 +bayi th > of Israel <03478 +Yisra>el > , and say <00559 +>amar > unto them , Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > ; Yet <{05750} +<owd > in this <02063 +zo>th > your fathers <1> have blasphemed <01442 +gadaph > me , in that they have committed <04600 +ma<ak > a trespass <04604 +ma<al > against me .

05750 EZE 020 039 As for you , O house <01004 +bayith > of Israel <03478 +Yisra>el > , thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > ; Go <03212 +yalak > ye , serve <05647 +>abad > ye every <00376 +>iysh > one <00376 +>iysh > his idols <01544 +gilluwl > , and hereafter <00310 +>achar > [also] , if <00518 +>im > ye will not hearken <08085 +shama< > unto me : but pollute <02490 +chalal > ye my holy <06944 +qodesh > name <08034 +shem > no <03808 +lo> > more <{05750} +>owd > with your gifts <04979 +mattanah > , and with your idols <01544 +gilluwl > .

05750 EZE 021 005 That all <03605 +kol > flesh <01320 +basar > may know <03045 +yada< > that I the LORD <03068 +Y@hovah > have drawn <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > my sword <02719 +chereb > out of his sheath <08593 +ta<ar > : it shall not return <07725 +shuwb > any more <{05750} +>owd > .

05750 EZE 023 027 Thus will I make thy lewdness <02154 +zimmah > to cease <07673 +shabath > from thee , and thy whoredom <02184 +z@nuwth > [brought] from the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > : so that thou shalt not lift <05375 +nasa> > up thine eyes <05869 +>ayin > unto them , nor <03808 +lo> > remember <02142 +zakar > Egypt <04714 +Mitsrayim > any more <{05750} +>owd > .

05750 EZE 023 038 Moreover <{05750} +>owd > this <02063 +zo>th > they have done <06213 +>asah > unto me : they have defiled <02930 +tame> > my sanctuary <04720 +miqdash > in the same <01931 +huw> > day <03117 +yowm > , and have profaned <02490 +chalal > my sabbaths <07676 +shabbath > .

05750 EZE 024 013 In thy filthiness <02932 +tum>ah > [is] lewdness <02154 +zimmah > : because <03282 +ya<an > I have purged <02891 +tahir > thee , and thou wast not purged <02891 +tahir > , thou shalt not be purged <02891 +tahir > from thy filthiness <02932 +tum>ah > any more <{05750} +>owd > , till <05704 +>ad > I have caused my fury <02534 +chemah > to rest <05117 +nuwach > upon thee .

05750 EZE 024 027 In that day <03117 +yowm > shall thy mouth <06310 +peh > be opened <06605 +pathach > to him which is escaped <06412 +paliyt > , and thou shalt speak <01696 +dabar > , and be no <03808 +lo> > more <{05750} +>owd > dumb <00481 +>alam > : and thou shalt be a sign <04159 +mowpheth > unto them ; and they shall know <03045 +yada< > that I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > .

05750 EZE 026 013 And I will cause the noise <01995 +hamown > of thy songs <07892 +shiyir > to cease <07673 +shabath > ; and the sound <06963 +qowl > of thy harps <03658 +kinnowr > shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +>owd > heard <08085 +shama< > .

05750 EZE 026 014 And I will make thee like the top <06706 +ts@chiyach > of a rock <05558 +celeph > : thou shalt be [a place] to spread <04894 +mishtowach > nets <02764 +cherem > upon ; thou shalt be built <01129 +banah > no <03808 +lo> > more <{05750} +>owd > : for I the LORD <03068 +Y@hovah > have spoken <01696 +dabar > [it] , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovih > .

05750 EZE 026 021 I will make <05414 +nathan > thee a terror <01091 +ballahah > , and thou [shalt be] no <00369 +>ayin > [more] : though thou be sought <01245 +baqash > for , yet shalt thou never be found <04672 +matsa> > again <{05750} +>owd > , saith <05001 +na>am > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069

+Y@hovi h > .

05750 EZE 028 024 And there shall be no <03808 +lo> > more
<{05750} +<owd > a pricking <03992 +ma>ar > brier <05544
+cillown > unto the house <01004 +bayith > of Israel <03478
+Yisra>el > , nor [any] grieving <03510 +ka>ab > thorn <06975
+qowts > of all <03605 +kol > [that are] round <05439 +cabi yb
> about them , that despised <07590 +sha>t > them ; and they
shall know <03045 +yada< > that I [am] the Lord <00136
+>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > .

05750 EZE 029 015 It shall be the basest <08217 +shaphal > of
the kingdoms <04467 +mamlakah > ; neither <03808 +lo> > shall it
exalt <05375 +nasa> > itself any more <{05750} +<owd > above
<05921 +<al > the nations <01471 +gowy > : for I will diminish
<04591 +ma<at > them , that they shall no <03808 +lo> > more
rule <07287 +radah > over <05921 +<al > the nations <01471 +gowy
> .

05750 EZE 029 016 And it shall be no <03808 +lo> > more <{05750}
+<owd > the confidence <04009 +mibtach > of the house <01004
+bayith > of Israel <03478 +Yisra>el > , which bringeth <02142
+zakar > [their] iniquity <05771 +<avon > to remembrance
<02142 +zakar > , when <03588 +kiy > they shall look <06437
+panah > after <00310 +>achar > them : but they shall know
<03045 +yada< > that I [am] the Lord <00136 +>Adonay > GOD
<03069 +Y@hovi h > .

05750 EZE 030 013 Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the
Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > ; I will also
destroy <6> the idols <01544 +gilluwl > , and I will cause [
their] images <00457 +>eliyl > to cease <07673 +shabath > out
of Noph <05297 +Noph > ; and there shall be no <03808 +lo> >
more <{05750} +<owd > a prince <05387 +nasiy> > of the land
<00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > : and I will put
<05414 +nathan > a fear <03374 +yir>ah > in the land <00776
+>erets > of Egypt <04714 +Mi tsrayim > .

05750 EZE 032 013 I will destroy <6> also all <03605 +kol > the
beasts <00929 +b@hemah > thereof from beside <05921 +<al > the
great <07227 +rab > waters <04325 +mayim > ; neither <03808 +lo>
> shall the foot <07272 +regel > of man <00120 +>adam > trouble
<04103 +m@huhmah > them any more <{05750} +<owd > , nor <03808
+lo> > the hoofs <06541 +parcah > of beasts <00929 +b@hemah >
trouble <01804 +dalach > them .

05750 EZE 033 022 Now the hand <03027 +yad > of the LORD <03068
+Y@hovah > was upon me in the evening <06153 +<ereb > , afore
<06440 +paniym > he that was escaped <06412 +paliyt > came
<00935 +bow> > ; and had opened <06605 +pathach > my mouth
<06310 +peh > , until <05704 +<ad > he came <00935 +bow> > to me
in the morning <01242 +boqer > ; and my mouth <06310 +peh > was
opened <06605 +pathach > , and I was no <03808 +lo> > more
<{05750} +<owd > dumb <00481 +>alam > .

05750 EZE 034 010 Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the
Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > ; Behold <02005
+hen > , I [am] against <00413 +>el > the shepherds <07462
+ra<ah > ; and I will require <01875 +darash > my flock <06629
+tso>n > at their hand <03027 +yad > , and cause them to cease
<07673 +shabath > from feeding <07462 +ra<ah > the flock <06629
+tso>n > ; neither <03808 +lo> > shall the shepherds <07462
+ra<ah > feed <07462 +ra<ah > themselves <00853 +>eth > any more
<{05750} +<owd > ; for I will deliver <05337 +natsal > my flock
<06629 +tso>n > from their mouth <06310 +peh > , that they may
not be meat <00402 +>oklah > for them .

05750 EZE 034 022 Therefore will I save <03467 +yasha< > my flock <06629 +tso>n > , and they shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > be a prey <00957 +baz > ; and I will judge <08199 +shaphat > between <00996 +beyn > cattle <07716 +seh > and cattle <07716 +seh > .

05750 EZE 034 028 And they shall no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > be a prey <00957 +baz > to the heathen <01471 +gowy > , neither <03808 +lo> > shall the beast <02416 +chay > of the land <00776 +>erets > devour <00398 +>akal > them ; but they shall dwell <03427 +yashab > safely <00983 +betach > , and none <00369 +>ayin > shall make [them] afraid <02729 +charad > .

05750 EZE 034 029 And I will raise <06965 +quwm > up for them a plant <04302 +matta< > of renown <08034 +shem > , and they shall be no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > consumed <00622 +>acaph > with hunger <07457 +ra<eb > in the land <00776 +>erets > , neither <03808 +lo> > bear <05375 +nasa> > the shame <03639 +k@limmah > of the heathen <01471 +gowy > any more <{05750} +<owd > .

05750 EZE 034 029 And I will raise <06965 +quwm > up for them a plant <04302 +matta< > of renown <08034 +shem > , and they shall be no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > consumed <00622 +>acaph > with hunger <07457 +ra<eb > in the land <00776 +>erets > , neither <03808 +lo> > bear <05375 +nasa> > the shame <03639 +k@limmah > of the heathen <01471 +gowy > any more <05750 +<owd > > .

05750 EZE 036 012 Yea , I will cause men <00120 +>adam > to walk <03212 +yalak > upon you , [even <00853 +>eth >] my people <05971 +<am > Israel <03478 +Yisra>el > ; and they shall possess <03423 +yarash > thee , and thou shalt be their inheritance <05159 +nachalah > , and thou shalt no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > henceforth bereave <07921 +shakol > them [of men] .

05750 EZE 036 014 Therefore <03651 +ken > thou shalt devour <00398 +>akal > men <00120 +>adam > no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > , neither <03808 +lo> > bereave thy nations <01471 +gowy > any more <{05750} +<owd > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > .

05750 EZE 036 014 Therefore <03651 +ken > thou shalt devour <00398 +>akal > men <00120 +>adam > no <03808 +lo> > more <{05750} +<owd > , neither <03808 +lo> > bereave thy nations <01471 +gowy > any more <05750 +<owd > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > .

05750 EZE 036 015 Neither <03808 +lo> > will I cause [men] to hear <08085 +shama< > in thee the shame <03639 +k@limmah > of the heathen <01471 +gowy > any more <05750 +<owd > , neither <03808 +lo> > shalt thou bear <05375 +nasa> > the reproach <02781 +cherpah > of the people <05971 +<am > any more <05750 +<owd > , neither <03808 +lo> > shalt thou cause thy nations <01471 +gowy > to fall <03782 +kashal > any more <{05750} +<owd > , saith <05002 +n@>um > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > .

~~~~~

~~~~~